वार्षिक प्रतिवेदन

2022–2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56–57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

प्रकाशकः
कुलसचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
ई मेल : registrar@csu.co.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. पर्यावलोकन 9-11
2. प्राधिकरण एवं संरचना 12-16
3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े 17-23
4. 2022-23 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 25-62

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 27
4.1.2 वित्त एवं लेखा अनुभाग 27
4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 29
4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 31
4.1.5 परीक्षा अनुभाग 31
4.1.6 पुस्तकालय 37
4.1.7 विक्रय इकाई 38
4.1.8 योजना अनुभाग 39
4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 42
4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 50
4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान 51
4.1.12 परियोजनाएँ 53
4.1.13 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 56
4.1.14 पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग 61
4.1.15 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 61

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 63-163

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 65
4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 80
4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 93
4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर (केरल) 99
4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 101
4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 107
4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 114
4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश) 117
4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 123
4.2.10 के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 135

4.2.11 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 141
4.2.12 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 162

5. वर्ष 2022-23 की प्रमुख गतिविधियाँ 165-172

5.1 उत्कर्ष महोत्सव 167
5.2 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 168
5.3 संस्कृत सप्ताह 168
5.4 शिक्षक पर्व 169
5.5 अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 170
5.6 स्थापना दिवस 170
5.7 युवा महोत्सव 171
5.8 अखिल भारतीय रूपक महोत्सव 171

6. संलग्नक 173-240

क. शासी परिषद् के सदस्यों की सूची 175
ख. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची 177
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 188
घ. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 189
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 208
च. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएँ 217
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 224
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 227
झ. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 233
ञ. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 233
ट. राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त शासकीय माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 234
ठ. चतुष्पाठी संस्थाओं में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत संस्थाओं का विवरण 2022-23 234
ड. प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण 235
ढ. आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का राज्यवार विवरण 237

7. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 2022-23 का वार्षिक लेखा 241-302

क. वर्ष 2022-23 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 243
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2022-23 वर्ष की प्रतिवेदन 300

महामहिम राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविन्द

(परिदर्शक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

(1 अप्रैल 2022 से 24 जुलाई 2022)

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

(परिदर्शक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

(25 जुलाई 2022 से 31 मार्च 2023)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

(माननीय मन्त्री, शिक्षा-कौशलविकास-उद्यमिता-मन्त्रालय,
भारत सरकार एवं कुलाधिपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी

(कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

कुलपतिरुवाच.......

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली का वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। सत्र 2022-23 में विश्वविद्यालय ने अनेक विशिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त करते हुए उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता को और अधिक दृढ़ किया है। वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना हुई और 7 मई, 2002 में विश्वविद्यालय को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठापित किया गया। भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदन के पश्चात् 30 अप्रैल, 2020 से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में अपनी अग्रणी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली देश के अलग-अलग राज्यों में संचालित अपने बारह परिसरों के साथ विश्व मंच पर संस्कृत भाषा के संवर्धन एवं सम्पोषण के लिए असाधारण विशिष्टता एवं योगदान के लिए प्रख्यात है। विश्वविद्यालय केन्द्रीय अभिकरण के रूप में भारत सरकार की केन्द्रीय योजनाओं के अन्तर्गत 26 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों तथा शोध संस्थानों का भी प्राशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन कर रहा है। साथ ही विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत से सम्बद्ध संस्थाओं को सम्बद्धता भी प्रदान की जाती है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सत्संकल्पों के अनुसार आज आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रत्येक संस्था एवं नागरिक प्राणप्रण से सेवारत हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भी भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान का सहभागी होते हुए राष्ट्र के पुनर्निर्माण में रचनात्मक भूमिका का निर्वाह कर रहा है। माननीय शिक्षामंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के स्वप्नानुसार विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञानप्रणाली के अनुसन्धान एवं समुत्थान हेतु सन्नद्ध है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का क्रियान्वयन विश्वविद्यालय की पाठ्यचर्या में किया जा चुका है। वर्तमान सत्र में ही राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) A++ द्वारा उच्चतम श्रेणी प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय ने अनेक उपक्रमों का परिपालन आरम्भ किया है। विश्वविद्यालय में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी प्रयोग को और अधिक व्यापक एवं सशक्त बनाया गया है। प्रबन्धन में तकनीकी का प्रयोग करते हुए सम्पूर्ण पारदर्शिता तथा त्वरित क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया गया है। प्रजातांत्रिक एवं चरणबद्ध तरीके से नेतृत्व कौशल के विकास हेतु प्रत्येक स्तर पर प्राशासनिक शक्तियों का विकेन्द्रीकरण किया गया है।

आजादी के अमृतमहोत्सव के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने अनेक गतिविधियों तथा कार्यक्रमों का आयोजन किया है। अमृतमहोत्सव ग्रन्थमाला के अन्तर्गत अनेक समाजोपयोगी ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया है। राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विश्वविद्यालय संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को गुणवत्तापूर्ण रूप से सम्पादित कर रहा है। तकनीकी के प्रयोग द्वारा शास्त्रों के संरक्षण और संवर्धन हेतु विश्वविद्यालय सतत क्रियाशील है। छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तिगत विकास हेतु विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों जैसे अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा, संस्कृत सप्ताह महोत्सव, युवमहोत्सव, संस्कृत नाट्य महोत्सव और विभिन्न दिवसों यथा नामतः योग दिवस, शिक्षक दिवस, शिक्षा दिवस, हिंदी पखवाड़ा, स्वच्छता सप्ताह, एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह इत्यादि का आयोजन समय-समय पर किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के दिशानिर्देशों के अनुसार मैंने अनेक कौशलाधारित अल्पावधिक पाठ्यक्रमों के निर्माण हेतु उपक्रम किया। तदनुसार विश्वविद्यालय की शैक्षणिक इकाई ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में जीवन्त करने का ईमानदार प्रयास किया है। निश्चित ही विश्वविद्यालय राष्ट्र की भावी आकांक्षाओं की पूर्ति करने में समर्थ हो सकेगा। अन्त में मैं इस वार्षिक प्रतिवेदन की सिद्धता में संलग्न विश्वविद्यालय के सभी सहयोगियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद प्रकट करता हुआ यह विश्वास व्यक्त करता हूँ कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अपनी प्रतिष्ठानुसार उत्कृष्ट श्रेणी को प्राप्त करता हुआ विकास के उच्चतम मानदण्डों को प्राप्त करेगा। इसी आशा के साथ वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23 सादर प्रस्तुत है।

-प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी
कुलपति,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

संस्कृत आयोग सन् 1956 की सिफारिशों के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना की गई। इसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश में संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना, प्रचार करना और संरक्षित करना है। यह पूरी तरह से अब शिक्षा मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई, 2002 में मानित विश्वविद्यालय के रूप में परिणत किया गया। तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 (2020 की संख्या 5) के अन्तर्गत संसद द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में मान्यता दी गयी है। यह विश्वविद्यालय भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदन के उपरान्त 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में कार्य आरम्भ किया जिसके अन्तर्गत नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ देश के विभिन्न राज्यों में बारह परिसरों का सञ्चालन किया जा रहा है। इन परिसरों के अतिरिक्त देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित संस्थानों को संबद्धता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में भी कार्य कर रहा है। संस्कृत भाषा के समग्र प्रचार तथा संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं को कार्यान्वयन के लिए दायित्व सौंपा गया है।

1. प्रमाणपत्र सहित राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत, पालि, प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय मलयालम भाषाओं के विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान।
2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना।
3. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता।
4. पालि प्राकृत योजना।
5. संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के लिए गैर सरकारी संगठनों/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.सी. /एन.सी.आर.टी./एस.सी.आर.टी. को वित्तीय सहायता।
6. दुर्लभ पुस्तकों के प्रकाशन/पुनर्मुद्रण और पुस्तकों की थोक क्रय के लिए वित्तीय सहायता।
7. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थानों के छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए पंजीकृत शैक्षणिक संगठनों को वित्तीय सहायता।
8. संस्कृत शिक्षा विकास योजना के अन्तर्गत संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु वित्तीय सहायता।
9. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा।
10. सेवानिवृत्त/प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं के उपयोग के लिए वित्तीय सहायता।
11. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के रूप में वित्तीय सहायता।

13. संस्कृत डिक्शनरी प्रोजेक्ट डेक्कन कॉलेज, पुणे।
14. अष्टादशी परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता (संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए 18 परियोजनाएँ)।

इन योजनाओं के अन्तर्गत पूरे देश में संस्कृत के प्रचार और विकास में लगे संस्थानों/संगठनों/विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना, ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948 ई.) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009 ई.) और मानित विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009 ई.) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान उपाधियों स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, आभियान्त्रिकी, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत उपाधियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/ अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परम्परागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है उसके अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोधकार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि सन्दर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोध कार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें विश्वविद्यालय उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डॉक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का सञ्चालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक-प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) का सञ्चालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोधकार्य का सञ्चालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रयोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/ प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।

- दूरस्थ शिक्षा–कार्यक्रमों का सञ्चालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु शिक्षा मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

विश्वविद्यालय के अपने बारह परिसरों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का सञ्चालन किया जाता है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण तथा क्रमशः प्रमाणपत्र/उपाधि दी जाती है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का सञ्चालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा–शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा–आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का भी सञ्चालन जयपुर तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पीएच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय '**संस्कृत विमर्शः**' और 'गंगानाथ झा परिसर, **प्रयागराज शोध पत्रिका**' नामक अनेक शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। पहली पत्रिका मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। सभी परिसरों ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर उसे शोध पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 688 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' त्रैमासिक समाचार पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

1.8 राजभाषा प्रभात

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के द्वारा पर्याप्त संख्या में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 भारत के **महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की परिदर्शिका (Visitor) हैं। शिक्षा मंत्री, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। प्रतिवेदन वर्ष 2022-23 के दौरान **श्री धर्मेन्द्र प्रधान**, माननीय मंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे हैं। कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षिक एवं प्राशासनिक अधिकारी होते हैं। जो विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे विश्वविद्यालय के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन भी करते हैं तथा विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान **प्रो. श्रीनिवास वरखेडी** केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में आसीन हैं। कुलपति के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **कोर्ट**- कोर्ट का गठन और कोर्ट की शक्तियां केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के खण्ड 20 के अनुसार निर्धारित होंगी।
2. **शासी परिषद्**–विश्वविद्यालय में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
3. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
4. **वित्त समिति**-शासी परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
5. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में अन्य निकाय भी संघटित हैं जो अपने अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं। यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2022-23 में विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों का विवरण अधोलिखित है।

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
शासी परिषद्	
दशम बैठक	23.03.2022
ग्यारहवीं बैठक	27.05.2022
बारहवीं बैठक	27.06.2022
तेरहवीं बैठक	17.11.2022

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	
षष्ठ बैठक	08.05.2022
सप्तम बैठक	26.05.2022
अष्टम बैठक	03.11.2022
वित्त समिति	
नवम बैठक	27.06.2022
दशम बैठक	16.11.2022
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

शासी परिषद्, विद्वत्परिषद् तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संगठन एवं संरचना

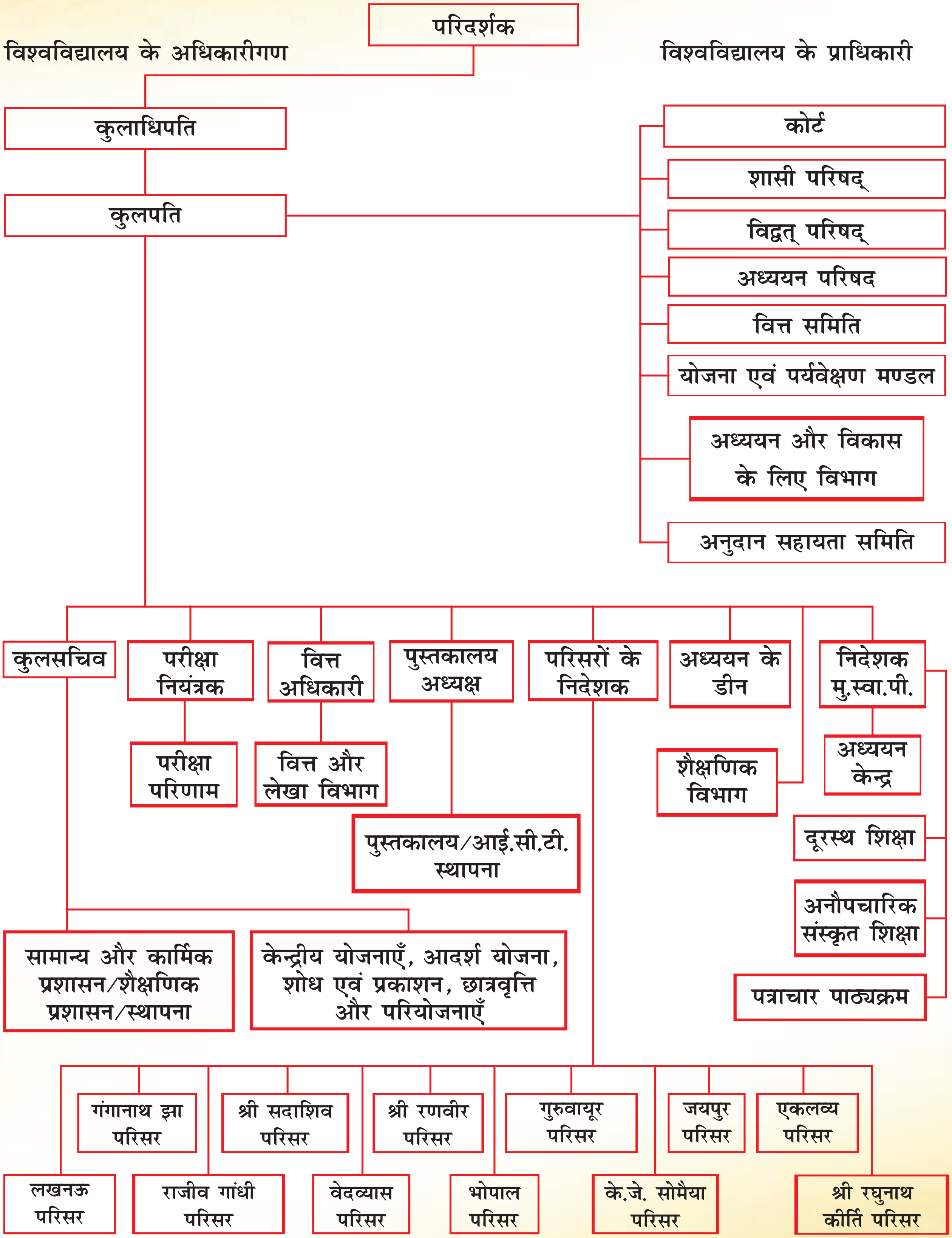

2.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभाग
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन/कार्यक्रम विभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्
16. जन संपर्क अधिकारी

2.2.2 परिसर :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का सञ्चालन किया जा रहा है:

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	श्रृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचल प्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्य प्रदेश
10.	के.जे. सोमैया परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
12.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

मुख्यालय से अनौपचारिक पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का सञ्चालन किया जा रहा है। मुख्यालय के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास आदि उपलब्ध हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है। परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी-+2)
2.	शास्त्री, शास्त्री प्रतिष्ठा	(बी.ए., बी.ए. आनर्स)
3.	आचार्य	(एम्.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षाचार्य	(एम्.एड्.)
6.	विद्यावारिधि	(पीएच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है। जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों क्रियान्वित किये जाते हैं।

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में प्रविष्ट अध्येताओं की कुल संख्या **6755** है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. विश्वविद्यालय के परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा															
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शास्त्री प्रतिष्ठा			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		वि.वि.	योग
क्र.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	III	I	II	I	II	I	II		
1.	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	07	07
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	104	92	10	15	11	76	85	104	110	110	191	385	13	-	27	1333
3.	श्री रणबीर परिसर, जम्मू	76	67	91	85	90	05	01	01	110	107	35	80	-	-	11	759
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर	24	24	27	52	58	01	01	03	55	55	57	77	-	-	-	434
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	68	68	132	159	115	13	02	10	109	105	63	121	03	04	41	1013
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	59	20	43	55	61	10	01	01	55	51	43	39	-	-	11	449
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	30	33	18	32	31	18	18	14	55	52	41	34	-	-	06	382
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहार	89	77	186	150	111	14	50	52	55	55	59	121	-	-	08	1027
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	49	52	56	73	92	07	02	01	110	110	35	56	34	12	10	699
10.	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई	07	03	15	08	09	00	02	01	53	48	19	09	-	-	-	174
11.	मुख्यालय, दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11	11
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	30	19	-	05	15	21	02	09	55	55	30	48	-	-	06	295
13.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	27	04	35	43	25	-	-	-	-	-	09	14	-	-	15	172
	योग	563	459	613	677	618	165	164	196	767	748	582	984	50	16	153	6755
										Grand Total - 6755							

3.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों/महाविद्यालयों से वर्ष 2022-23 वार्षिक प्रवेश संस्थावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	महाविद्यालयों के नाम	जिला	राज्य	प्रा. शा.1	प्रा. शा.2	शा.1	शा.2	शा.3	आ.1	आ.2	योग
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आश्रम संस्कृत विद्यालय	दरभंगा	बिहार	28	42	0	0	0	12	0	82
2.	देवरहा बाबा भक्तशिवशंकर संस्कृत महाविद्यालय	समस्तीपुर	बिहार	10	14	0	0	0	0	0	24
3.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	मुजफ्फरपुर	बिहार	11	12	26	37	17	11	12	126
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	दरभंगा	बिहार	42	43	47	87	55	32	25	331
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	बेगुसराय	बिहार	11	26	11	22	7	7	9	93
6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्यालय प्रतिष्ठान	दरभंगा	बिहार	57	79	58	91	54	19	33	391
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय	बेगुसराय	बिहार	12	37	8	32	15	0	0	104
8.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालय	मधुबनी	बिहार	0	15	0	0	0	0	0	15
9.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ	दरभंगा	ठपींत	5	15	0	0	0	0	0	20
10.	जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	दरभंगा	ठपींत	43	57	20	30	28	5	28	211
11.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान	समस्तीपुर	बिहार	0	19	0	26	17	0	8	70
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय	रमेश नगर	दिल्ली	10	19	4	8	14	1	11	67
13.	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	दरियागंज	दिल्ली	28	34	18	14	17	0	0	111
14.	श्री महावीर विश्वविद्यापीठ	पश्चिमविहार	दिल्ली	7	9	13	14	24	13	13	93
15.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय	रघुवीर नगर	दिल्ली	17	22	2	9	13	0	0	63
16.	आर्य कन्या गुरुकुल	राजेन्द्र नगर	दिल्ली	7	19	1	0	0	0	0	27
17.	रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय	कराला	दिल्ली	12	20	17	10	14	0	0	73
18.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	हरेवली	दिल्ली	17	15	9	18	5	0	0	64
19.	बाल विद्या मन्दिर	पूंठ कला	दिल्ली	6	4	1	0	0	0	0	11
20.	महर्षि वेद व्यास विद्यापीठ	नांगलोई	दिल्ली	7	10	0	4	1	0	0	22
21.	वेदव्यास-गुरुकुलम श्रीकृष्णधाम	वसंत कुंज	दिल्ली	0	0	0	0	0	0	0	0

22.	श्री स्वामी सर्वानन्द संस्कृत महाविद्यालय	आरामबाग	दिल्ली	0	0	0	0	0	0	0	0
23.	श्री राम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय	मण्डावली	दिल्ली	1	0	0	0	0	0	0	1
24.	श्री रघुवीर रामानन्द वेदान्त महाविद्यालय	अहमदाबाद	गुजरात	3	0	1	1	1	3	2	11
25.	हेमचन्द्राचार्य संस्कृत पाठशाला	अहमदाबाद	गुजराज	0	0	0	0	0	0	0	0
26.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	महेन्द्रगढ़	हरियाणा	0	0	22	21	22	0	0	65
27.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	फरीदाबाद	हरियाणा	5	4	17	28	26	24	42	146
28.	श्री राम नंद ब्रह्मऋर्षि संस्कृत महाविद्यालय	पिंजोर	हरियाणा	11	12	4	1	1	0	0	29
29.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय	जींद	हरियाणा	16	11	46	44	41	27	21	206
30.	डी.के.के.एस्.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज	अम्बाला केंट	हरियाणा	1	0	21	0	0	27	0	49
31.	श्री अरविंद संस्कृत महाविद्यालय	मण्डी	हिमाचल प्रदेश	23	0	29	0	0	0	0	52
32.	श्रीगुरु गंगादेवी संस्कृत महाविद्यालय	राजौरी	जम्मू-काश्मीर	13	28	9	7	12	0	4	73
33.	लक्ष्मीदेवी श्रॉफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	रियासी	जम्मू-काश्मीर	19	0	10	0	0	0	0	29
34.	लक्ष्मीदेवी रर्साफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	देवधर	झारखंड	23	36	12	20	7	10	11	119
35.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	कन्नूर	केरल	8	10	1	10	20	13	11	73
36.	श्रीरामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	कोट्टयम्	केरल	15	17	2	7	7	3	4	55
37.	श्री शंकरा संस्कृत विद्यापीठ	क्विलोन	केरल	7	7	1	3	3	5	2	28
38.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	कालीकट	केरल	10	10	16	40	56	36	45	213
39.	कोडुंगल्लूर विद्यापीठम्	त्रिश्शूर	केरल	4	29	5	9	4	3	4	58
40.	माहेश्वरी संस्कृत कॉलेज	कोझीकोड	केरल	7	8	0	0	0	0	0	15
41.	विघ्नेश्वर संस्कृत महाविद्यालय	वायनाड	केरल	0	3	0	7	3	0	9	22
42.	तन्त्र विद्यापीठ	अलुवा	केरल	4	0	10	0	0	0	0	14
43.	मुंबादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	मुम्बई	महाराष्ट्र	10	10	16	16	5	10	16	83
44.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	इम्फाल ईस्ट	मणिपुर	43	46	13	19	28	6	14	169
45.	राधामाधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	नाम्बोल	मणिपुर	187	233	93	89	112	13	15	742

46.	श्री बाबा हार्दित गिरि संस्कृत महाविद्यालय	फतेहगढ़ साहिब	पंजाब	26	28	13	31	10	12	4	124
47.	श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	जयपुर	राजस्थान	0	0	69	0	0	22	0	91
48.	नरसी लाल पंचौली महाविद्यालय	दीग	राजस्थान	0	0	20	0	0	0	0	20
49.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ	माधोपुर	राजस्थान	0	0	0	0	0	0	0	0
50.	रानी पद्मादेवी तारायोग तन्त्र आदर्श महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	24	33	21	47	42	14	39	220
51.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	16	31	19	20	23	13	17	139
52.	गिन्नी देवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश	0	4	1	5	8	0	0	18
53.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय	बरेली	उत्तर प्रदेश	17	20	4	0	0	0	0	41
54.	रानी पद्मादेवी तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय	वाराणसी	उत्तर प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0
55.	श्रीमद दयानन्द कन्या गुरुकुल	जनपद अमरोहा	उत्तर प्रदेश	30	0	23	0	0	4	0	57
56.	सावित्री दयाराम पाण्डेय	प्रतापगढ़	उत्तर प्रदेश	11	0	0	0	0	0	0	11
57.	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	0	3	0	13	13	0	6	35
58.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय	इलाहाबाद	उत्तर प्रदेश	1	9	0	20	18	0	10	58
59.	इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ ओरियंटल साइंस	लखनऊ	उत्तर प्रदेश	1	0	1	0	0	0	0	2
60.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पौड़ी	पौड़ी गढ़वाल	उत्तराखण्ड	2	0	1	3	7	0	0	13
61.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	पौड़ी गढ़वाल	उत्तराखण्ड	0	0	10	0	0	8	0	18
62.	श्री भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	हरिद्वार	उत्तराखण्ड	0	0	71	0	0	25	0	96
63.	श्री ऋषि संस्कृत महाविद्यालय	हरिद्वार	उत्तराखण्ड	1	0	0	0	0	0	0	1
64.	पगलानन्द संस्कृत महविद्यालय	पूरब मेदिनीपुर	पश्चिम बंगाल	15	28	20	0	0	25	0	88
65.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	कोलकाता	पश्चिम बंगाल	19	11	13	19	24	86	136	308
66.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय	लिंगसे	पश्चिम बंगाल	9	13	9	6	6	0	0	43

67.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	पूरब मेदिलीपुर	पश्चिम बंगाल	5	1	42	21	21	68	65	223
68.	मदर उषा मेमोरियल ओरियंटल सेन्ट्रल (संस्कृत) इन्स्टिट्यूशनल एवं आगम (तन्त्र) रिसर्च सेन्टर	नादिया	पश्चिम बंगाल	5	31	0	0	0	0	0	36
69.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय	नादिया	पश्चिम बंगाल	3	7	32	44	36	63	58	243
70.	ठाकुर गदाधर संस्कृत महाविद्यालय	हुगली	पश्चिम बंगाल	5	6	0	0	0	0	0	11
71.	कृष्णगंज देववाणी मन्दिर	हुगली	पश्चिम बंगाल	1	0	0	0	0	0	0	1
72.	श्री भक्त बाला संस्कृत कॉलेज	नादिया	पश्चिम बंगाल	10	14	8	0	0	0	0	32
			योग	**941**	**1214**	**940**	**953**	**837**	**620**	**674**	**6179**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2022-23) :

	सेतु एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	89	-	-	-
प्राक्शास्त्री	-	05	62	-
शास्त्री सेतु	07	-	-	-
शास्त्री	-	12	07	22
आचार्य सेतु (व्याकरण)	46	-	-	-
आचार्य सेतु (साहित्य)	21	-	-	-
आचार्य सेतु (फलित ज्योतिष)	08	-	-	
आचार्य	-	03	11	-
पालि भाषा प्रमाणपत्र	02	-	-	-
प्राकृत भाषा प्रमाणपत्र	03	-	-	-
कुल	**176**	**20**	**80**	**22**
कुल योग	**298**			

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	अरुणाचल प्रदेश	01
3.	बिहार	03
4.	देहली	02
5.	गोवा	03
6.	गुजरात	07
7.	हरियाणा	01
8.	हिमाचल प्रदेश	01
9.	जम्मू-कश्मीर	02
10.	कर्णाटक	03
11.	केरल	03
12	मेघालय	01
13.	महाराष्ट्र	16
14.	मणिपुर	02
15.	मध्यप्रदेश	09
16.	ओडिशा	04
17.	पंजाब	06
18.	राजस्थान	03
19.	त्रिपुरा	03
20.	तमिलनाडु	01
21.	तेलंगाना	06
22.	उत्तराखंड	02
23.	उत्तरप्रदेश	08
24.	पश्चिम बंगाल	11
25.	असम	18
	कुल	120

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	7373
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	

विश्वविद्यालय के परिसरों के विभिन्न नियमित कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	अनु.जाति		अनु.ज.जा.		पिछड़ा वर्ग		ई.डब्ल्यू.एस.		सामान्य अन्य		अन्य/वि.मुस्लिम		पुरुष	स्त्री	योग
	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.			
प्राक् शास्त्री-I	13	25	16	12	51	46	07	01	310	82	00	00	397	166	563
प्राक् शास्त्री-II	14	12	10	07	44	44	56	22	197	53	00	00	321	138	459
शास्त्री-I	21	38	11	13	64	49	17	05	300	95	00	00	413	200	613
शास्त्री-II	18	33	11	07	84	80	111	34	241	58	00	00	465	212	677
शास्त्री-III	25	35	09	13	51	51	101	37	227	69	00	00	413	205	618
शास्त्री प्रतिष्ठा-I	01	03	03	08	05	26	04	01	65	49	00	00	78	87	165
शास्त्री प्रतिष्ठा-II	01	08	02	07	07	27	17	14	40	41	00	00	67	97	164
शास्त्री प्रतिष्ठा-III	07	18	04	03	10	25	21	19	43	46	00	00	85	111	196
आचार्य-I	11	34	07	12	46	94	38	10	179	151	00	00	281	301	582
आचार्य-II	20	46	06	20	54	159	137	75	239	226	01	01	457	527	984
शिक्षा-शास्त्री-I	33	74	25	34	108	170	96	41	83	103	00	00	345	422	767
शिक्षा-शास्त्री-II	07	32	10	15	66	147	87	91	134	154	03	02	307	441	748
शिक्षा-आचार्य-I	00	02	00	02	08	02	09	02	19	06	00	00	36	14	50
शिक्षा-आचार्य-II	00	00	00	00	00	01	04	01	06	04	00	00	10	06	16
विद्यावारिधि	05	05	02	01	14	08	20	09	60	29	00	00	101	52	153
कुल योग	**176**	**365**	**116**	**154**	**612**	**929**	**725**	**362**	**2143**	**1166**	**04**	**03**	**3776**	**2979**	**6755**
वर्ग योग	**541**		**270**		**1541**		**1087**		**3309**		**07**		**6755**		

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन विभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह विभाग सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का सञ्चालन करता है तथा कोर्ट, कार्यकारी परिषद् एवं भवन समिति की बैठकों का आयोजन भी करता है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा) रु. 104 लाख

(ख) श्री रणवीर परिसर, जम्मू रु. 35.7 लाख

(ग) गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज(उ.प्र.) रु.82.5 लाख

(घ) गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर (केरल) रु. 23 लाख

(ङ) जयपुर परिसर, (राजस्थान) रु. 778 लाख

(च) लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.) रु. 19 लाख

(छ) राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)रु.884 लाख

(ज) वेदव्यास परिसर, बलाहार (हि.प्र.) रु. 692 लाख

(झ) भोपाल परिसर, भोपाल (मध्यप्रदेश) रु. 18 लाख

(ञ) के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई रु. 0.55 लाख

(ट) श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग रु. 2311 लाख

(ठ) एकलव्य परिसर, अगरतला(त्रिपुरा) रु. 1388 लाख

सूचना का अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 384 आवेदन पत्र एवं 20 प्रथम पुनरावेदन प्राप्त हुए जिनमें से क्रमशः 189 सम्बन्धित आवेदनों एवं 17 प्रथम पुनरावेदनों का निस्तारण किया गया। 15 आवेदन पत्रों को सम्बन्धित परिसरों एवं संस्थानों में स्थानान्तरित किया गया।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

बजट (2022-23) :

वर्ष 2021-22 की रु. 60.40 लाख रूपये (रू. साठ लाख चालीस हजार राजस्व निधि हेतु) की अव्ययित शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2022-23 में समाविष्ट किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रू. 32493.56 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को विश्वविद्यालय के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:-

क्रमांक	एकक का नाम	निर्गत राशि (रु.की संख्या लाखों में)
1.	मुख्यालय, नई दिल्ली	14054.78
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)	1982.55
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं काश्मीर)	976.37

4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	894.63
5.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	1356.01
6.	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	2481.09
7.	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	1201.82
8.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक)	1833.40
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	1335.71
10.	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	1232.66
11.	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	395.71
12.	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	2004.40
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	2744.43
	कुल योग	**32493.56**

इस वर्ष के दौरान यह बजट वेतन और भत्ते, पेन्शन, पेन्शन हित लाभ, गैर-नेट फेलोशिप छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय का अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग विश्वविद्यालय के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2022-23 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन इस वार्षिक प्रतिवेदन की पृष्ठ संख्या 241 में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य जो भविष्य निधि खाते के अंतर्गत है, उनको वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :–

- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (अध्ययन परिषद्) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरूप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग के द्वारा विद्वत् परिषद् की तीन बैठकें आयोजित की गईं। (08 मई, 2022, 26 मई, 2022 एवं 03 नवम्बर, 2022)
- विद्वत् परिषद् एवं कार्य परिषद् की अनुशंसा के आधार पर विद्यालयों/महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान की जाती है।

मूक्स परियोजना

मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (Mooc) के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरों में कार्यरत सभी विभाग के अध्यापकों को Moocs पाठ्यक्रम निर्माण पद्धति के ऊपर एक कार्यशाला मार्च 22-28, 2018 को एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित किया गया जिसमें संसाधकों के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. से प्राध्यापक आए। वर्तमान में विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा विषयवस्तुओं का कार्य चल रहा है।

➢ **ई-अधिगम (स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट, आईआईटी, बॉम्बे के साथ समझौता ज्ञापन)**

अप्रैल 2023 में, सीएसयू ने स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट, आईआईटी बॉम्बे के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया, जिसका उद्देश्य सीएसयू के छात्रों और संकाय सदस्यों को आईसीटी/डिजिटल तरीकों के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना है। वर्तमान में, STP पोर्टल पर विभिन्न पाठ्यक्रमों में 1100 से अधिक छात्र और संकाय सदस्य पंजीकृत हैं। इस परियोजना के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए, सीएसयू ने हर कैंपस में एक एसटीपी समन्वयक की नियुक्ति की है। एसटीपी समन्वयकों के लिए समय-समय पर कई ऑनलाइन एव ऑफलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया है ताकि इस प्रोजेक्ट के बेहतर परिणामो को हासिल किया जा सके।

➢ **तीन-दिवसीय MOOCs राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन**

17 से 19 अगस्त, 2023 के दौरान, सीएसयू MOOCs विभाग ने श्री रणबीर कैंपस, जम्मू में MOOCs की तीन-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में कई विशेषज्ञ शामिल हुए और SWAYAM MOOCs के नवीनतम ज्ञान को प्राप्त किया।

➢ **प्रथम ऑनलाइन संस्कृत ओलंपियाड का आयोजन**

संस्कृत भाषा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 14 और 17 सितंबर, 2023 को प्रथम ऑनलाइन संस्कृत ओलंपियाड का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस ओलंपियाड में 25,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। इस ओलंपियाड ने छात्रों को गेमिफाइड तरीके से संस्कृत सीखने के लिए प्रोत्साहित किया।

➢ **सीएसयू LMS पर 2000 से अधिक उपयोगकर्ताओं का पंजीकरण**

वर्ष 2023 में, सीएसयू LMS विभाग ने सीएसयू LMS पर 2000 से अधिक उपयोगकर्ताओं के पंजीकरण के लक्ष्य को हासिल किया। यह हमारे छात्रों और शिक्षकों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा और शिक्षण संसाधन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रोत्साहित करेगा।

➢ **LMS पाठ्यक्रमों का विकास एव विस्तार**

वर्तमान में सीएसयू LMS पर 80 से अधिक पाठ्यक्रम विकसित किये जा रहें हैं। ये पाठ्यक्रम हमारे छात्रों के

शिक्षा अनुभव को सुधारेंगे और छात्रों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।

- **SWAYAM & MOOCs के लिए नियमित समीक्षा मीटिंग्स का आयोजन**

  सीएसयू MOOCs विभाग, MOOCs की गुणवत्ता एव विकास की समीक्षा हेतु समय-समय पर ऑनलाइन एव ऑफलाइन मीटिंग्स का आयोजन कर रहा हैं। ये ऑनलाइन/ऑफलाइन मीटिंग्स MOOCs समन्वयकों को MOOCs के नवीनतम ज्ञान से अपडेट रहने में मदद करती हैं।

- **LMS के लिए नियमित समीक्षा मीटिंग्स का आयोजन**

  सीएसयू LMS विभाग, LMS की गुणवत्ता एव विकास की समीक्षा हेतु समय-समय पर ऑनलाइन एव ऑफलाइन मीटिंग्स का आयोजन कर रहा हैं। ये ऑनलाइन/ ऑफलाइन मीटिंग्स LMS समन्वयकों को LMS के नवीनतम ज्ञान से अपडेट रहने में मदद करती हैं।

- **'भारतीय भाषा सम्मेलन' में भागीदारी**

  सीएसयू MOOCs और LMS विभाग ने 'भारतीय भाषा सम्मेलन' में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे सफल बनाने में मदद की। यह भारत की भाषाओं और संस्कृति को संरक्षित करने में मदद करेगा।

- **सीएसयू परिसरों में MOOCs स्टूडियो का निर्माण करना**

  सीएसयू MOOCs विभाग सभी सीएसयू परिसरों में MOOCs स्टूडियो स्थापित करने का कार्य कर रहा है। यह हमें SWAYAM & MOOCs और LMS के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सामग्री बनाने और प्रस्तुत करने में मदद करेगा।

- **PMKVY 4.0 का कार्यान्वयन और 'कौशल हब' की स्थापना**

  भारत सरकार के कौशल विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सीएसयू MOOCs और LMS विभाग सीएसयू की शिक्षा प्रणाली में प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY 4.0) का कार्यान्वयन कर रहा हैं। इस संदर्भ में सीएसयू के प्रत्येक परिसर में 'कौशल हब' की स्थापना की जा रही है ताकि छात्रों में नवीनतम कौशल को विकसित किया जा सके।

4.1.4 शोध, प्रकाशन एवं कार्यक्रम अनुभाग

कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के शोध समिति की बैठक दिनांक 16.08.2022 को सम्पन्न हुई। जिसमें विद्यावारिधि में 05 कनिष्ठ एवं 06 शोध अध्येताओं (कुल 11 शोध छात्रों) का पंजीकरण किया गया।

संस्कृत विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है। इसके अतिरिक्त विभाग के द्वारा युवा महोत्सव, रूपक महोत्सव एवं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा तथा देश भर में आयोजित कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण कार्य–

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के शोध सम्बन्धित क्रियाकलापों का समन्वयन।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के ग्रन्थों एवं शोधपत्रिकाओं का प्रकाशन।
- केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन।

इस विभाग के द्वारा प्रकाशन समिति की बैठक 15.12.2022 को सम्पन्न कराई गई, जिसमें अमृत महोत्सव ग्रन्थमाला के अन्तर्गत विभिन्न संस्कृत विद्वानों की 19 पुस्तकों को सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के ई-प्रकाशन पर विचार किया गया। शिक्षाशास्त्री के पाठ्यक्रम हेतु 7 पुस्तकों को भी सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की गई।

इस विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित की गईं–

1. संस्कृत विमर्शः अंक – 19, 20, 21
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति
3. हितोपदेशः
4. व्यवहारकोषः
5. अमरकोषः
6. प्रथमा दीक्षा
7. द्वितीया दीक्षा
8. संस्कृत वार्ता (त्रैमासिक वार्तापत्रम्)
9. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
10. नूतना कौमुदी कथा कल्लोलिनी
11. शास्त्रपद्धति
12. शतकपञ्चदशी
13. नाट्यनवाह्निकम्
14. समावेशात्मक शिक्षा
15. संस्कृतशिक्षण भूमिका
16. संस्कृतशिक्षण दीपिका
17. शास्त्रशिक्षणम्
18. याज्ञसेनी
19. कुलगीत मलिका

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित पूर्वमध्यमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि नियमित पाठ्यक्रमों के साथ-साथ मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित प्राक्शास्त्री सेतु से आचार्य पाठ्यक्रमों तक की परीक्षाओं का आयोजन तथा परिणाम घोषणा कराना है। ये परीक्षायें विद्वत् परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2022-23 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्ध प्राप्त विद्यालय/महाविद्यालयों से प्राप्त परीक्षा आवेदन पत्रानुसार संस्था/कक्षावार परीक्षार्थीयों की संख्या निम्न लिखित प्रकार से हैं–

क्र.सं	पाठ्यक्रम	योग	AB	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %	EP/FL
1.	प्राक्शास्त्री – I सेमेस्टर	1324	47	1277	1129	88.41034	148
2.	शास्त्री (बी.ए.) अद्वैत वेदान्त – I सेमेस्टर	54	3	51	43	84.31373	8
3.	शास्त्री (बी.ए.) बौद्ध दर्शन – I सेमेस्टर	2	0	2	2	100	0
4.	शास्त्री (बी.ए.) दर्शन – I सेमेस्टर	17	2	15	13	86.66667	2
5.	शास्त्री (बी.ए.) धर्म दर्शन – I सेमेस्टर	13	2	11	6	54.54545	5
6.	शास्त्री (बी.ए.) जैन दर्शन – I सेमेस्टर	28	0	28	25	89.28571	3
7.	शास्त्री (बी.ए.) मीमांसा – I सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
8.	शास्त्री (बी.ए.) फलित ज्योतिष – I सेमेस्टर	209	2	207	181	87.43961	26
9.	शास्त्री (बी.ए.) पुराणेतिहास – I सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
10.	शास्त्री (बी.ए.) साहित्य – I सेमेस्टर	630	22	608	545	89.63816	63
11.	शास्त्री (बी.ए.) वेद-कर्मकाण्ड-पुरोहित्य – I सेमेस्टर	53	1	52	39	75	13
12.	शास्त्री (बी.ए.) व्याकरण – I सेमेस्टर	393	10	383	372	97.12794	11
13.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) अद्वैत वेदान्त – I सेमेस्टर	2	0	2	2	100	0
14.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) बौद्ध दर्शन – I सेमेस्टर	4	0	4	2	50	2
15.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) दर्शन – I सेमेस्टर	21	0	21	20	95.2381	1
16.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) धर्मशास्त्र – I सेमेस्टर	30	0	30	29	96.66667	1
17.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) जैन दर्शन – I सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
18.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) न्याय – I सेमेस्टर	5	0	5	4	80	1
19.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) फलित ज्योतिष – I सेमेस्टर	12	0	12	8	66.66667	4
20.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) साहित्य – I सेमेस्टर	70	0	70	61	87.14286	9
21.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. आनर्स) व्याकरण – I सेमेस्टर	85	0	85	83	97.64706	2
22.	आचार्य (एम.ए.) प्राकृत – I सेमेस्टर	3	0	3	3	100	0
23.	आचार्य (एम.ए.) व्याकरण – I सेमेस्टर	209	10	199	186	93.46734	13
24.	आचार्य (एम.ए.) अद्वैत वेदान्त – I सेमेस्टर	84	5	79	72	91.13924	7
25.	आचार्य (एम.ए.) बौद्ध दर्शन – I सेमेस्टर	22	1	21	20	95.2381	1
26.	आचार्य (एम.ए.) दर्शन – I सेमेस्टर	34	0	34	34	100	0
27.	आचार्य (एम.ए.) धर्मशास्त्र – I सेमेस्टर	105	5	100	97	97	3

क्र.सं	पाठ्यक्रम	योग	AB	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %	EP/FL
28.	आचार्य (एम.ए.) जैन दर्शन – I सेमेस्टर	6	0	6	6	100	0
29.	आचार्य (एम.ए.) काश्मीर शैव दर्शन – I सेमेस्टर	2	0	2	1	50	1
30.	आचार्य (एम.ए.) मीमांसा – I सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
31.	आचार्य (एम.ए.) न्याय – I सेमेस्टर	21	0	21	21	100	0
32.	आचार्य (एम.ए.) फलित ज्योतिष – I सेमेस्टर	113	4	109	102	93.57798	7
33.	आचार्य (एम.ए.) पुराणेतिहास – I सेमेस्टर	14	0	14	14	100	0
34.	आचार्य (एम.ए.) साहित्य – I सेमेस्टर	440	8	432	394	91.2037	38
35.	आचार्य (एम.ए.) सांख्य योग – I सेमेस्टर	14	0	14	14	100	0
36.	आचार्य (एम.ए.) सिद्धान्त ज्योतिष – I सेमेस्टर	14	0	14	12	85.71429	2
37.	आचार्य (एम.ए.) वेद – I सेमेस्टर	31	0	31	26	83.87097	5
38.	आचार्य (एम.ए.) नाट्यशास्त्र एवं भारतीय नाट्यशाला – I सेमेस्टर	10	3	7	6	85.71429	1
39.	आचार्य (एम.ए.) हिन्दू शिक्षा – I सेमेस्टर	5	1	4	3	75	1
40.	आचार्य (एम.ए.) पाली – I सेमेस्टर	15	0	15	13	86.66667	2
41.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.) – I सेमेस्टर	50	1	49	49	100	0
42.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) I सेमेस्टर	764	0	764	764	100	0
43.	प्राक् शास्त्री II सेमेस्टर	1226	44	1182	1130	95.60068	52
44.	शास्त्री (बी.ए.) अद्वैत वेदान्त – II सेमेस्टर	51	1	50	47	94	3
45.	शास्त्री (बी.ए.) बौद्ध दर्शन – II सेमेस्टर	2	0	2	2	100	0
46.	शास्त्री (बी.ए.) दर्शन – II सेमेस्टर	15	0	15	15	100	0
47.	शास्त्री (बी.ए.) धर्म शास्त्र – II सेमेस्टर	7	0	7	5	71.42857	2
48.	शास्त्री (बी.ए.) जैन दर्शन – II सेमेस्टर	30	0	30	30	100	0
49.	शास्त्री (बी.ए.) फलित ज्यौतिष – II सेमेस्टर	195	12	183	162	88.52459	21
50.	शास्त्री (बी.ए.) मीमांसा – II सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
51.	शास्त्री (बी.ए.) पुराणेतिहास – II सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
52.	शास्त्री (बी.ए.) साहित्य – II सेमेस्टर	588	21	567	527	92.94533	40
53.	शास्त्री (बी.ए.) वेद कर्मकाण्ड पौरोहित्य – II सेमेस्टर	51	0	51	41	80.39216	10
54.	शास्त्री (बी.ए.) व्याकरण – II सेमेस्टर	368	4	364	342	93.95604	22

क्र.सं	पाठ्यक्रम	योग	AB	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %	EP/FL
55.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) अद्वैत वेदान्त - II सेमेस्टर	2	0	2	2	100	0
56.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) बौद्ध दर्शन - II सेमेस्टर	4	0	4	4	100	0
57.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) दर्शन - II सेमेस्टर	21	0	21	21	100	0
58.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) धर्मशास्त्र - II सेमेस्टर	22	0	22	22	100	0
59.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) जैन दर्शन - II सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
60.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) फलित ज्योतिष - II सेमेस्टर	11	0	11	9	81.81818	2
61.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) न्याय - II सेमेस्टर	5	0	5	4	80	1
62.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) साहित्य - II सेमेस्टर	69	1	68	65	95.58824	3
63.	शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स) व्याकरण - II सेमेस्टर	82	0	82	80	97.56098	2
64.	आचार्य (एम.ए.) प्राकृत - II सेमेस्टर	3	2	1	1	100	0
65.	आचार्य (एम.ए.) अद्वैत वेदान्त - II सेमेस्टर	80	0	80	75	93.75	5
66.	आचार्य (एम.ए.) बौद्ध दर्शन - II सेमेस्टर	20	0	20	19	95	1
67.	आचार्य (एम.ए.) दर्शन - II सेमेस्टर	33	0	33	30	90.90909	3
68.	आचार्य (एम.ए.) धर्मशास्त्र - II सेमेस्टर	100	3	97	94	96.90722	3
69.	आचार्य (एम.ए.) जैन दर्शन - II सेमेस्टर	6	0	6	5	83.33333	1
70.	आचार्य (एम.ए.) काश्मीर शैव दर्शन - II सेमेस्टर	2	0	2	2	100	0
71.	आचार्य (एम.ए.) मीमांसा - II सेमेस्टर	1	0	1	1	100	0
72.	आचार्य (एम.ए.) न्याय - II सेमेस्टर	22	0	22	22	100	0
73.	आचार्य (एम.ए.) पुराणेतिहास - II सेमेस्टर	13	0	13	13	100	0
74.	आचार्य (एम.ए.) फलित ज्योतिष - II सेमेस्टर	100	1	99	90	90.90909	9
75.	आचार्य (एम.ए.) व्याकरण - II सेमेस्टर	192	3	189	182	96.2963	7
76.	आचार्य (एम.ए.) साहित्य - II सेमेस्टर	417	5	412	394	95.63107	18
77.	आचार्य (एम.ए.) सिद्धान्त ज्यौतिष - II सेमेस्टर	11	0	11	11	100	0
78.	आचार्य (एम.ए.) सांख्य योग - II सेमेस्टर	14	0	14	14	100	0
79.	आचार्य (एम.ए.) वेद - II सेमेस्टर	26	1	25	19	76	6
80.	आचार्य (एम.ए.) पालि - II सेमेस्टर	15	0	15	15	100	0
81.	आचार्य (एम.ए.) हिन्दू शिक्षा - II सेमेस्टर	4	0	4	3	75	1

क्र.सं	पाठ्यक्रम	योग	AB	सम्मिलित	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण %	EP/FL
82.	आचार्य (एम.ए.) नाट्यशास्त्र एवं भारतीय नाट्यशाला – II सेमेस्टर	10	3	7	3	42.85714	4
83.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.) II सेमेस्टर	48	3	45	45	100	0
84.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) II सेमेस्टर	764	6	758	758	100	0
85.	शास्त्री (बी.ए.) I सेमेस्टर (पुराना)	20	0	20	16	80	4
86.	शास्त्री (बी.ए.) II सेमेस्टर (पुराना)	183	8	175	167	95.42857	8
87.	शास्त्री (बी.ए.) III सेमेस्टर	1414	57	1357	1136	83.71408	221
88.	शास्त्री (बी.ए.) IV सेमेस्टर	1471	37	1434	1272	88.70293	162
89.	शास्त्री (बी.ए.) V सेमेस्टर	1332	50	1282	1211	94.46178	71
90.	शास्त्री (बी.ए.) VI सेमेस्टर	1358	33	1325	1182	89.20755	143
91.	शास्त्री प्रतिष्ठा I सेमेस्टर (पुराना)	2	0	2	2	100	0
92.	शास्त्री प्रतिष्ठा II सेमेस्टर (पुराना)	18	0	18	18	100	0
93.	शास्त्री प्रतिष्ठा III सेमेस्टर	214	4	210	191	90.95238	19
94.	शास्त्री प्रतिष्ठा IV सेमेस्टर	220	4	216	210	97.22222	6
95.	शास्त्री प्रतिष्ठा V सेमेस्टर	194	1	193	192	99.48187	1
96.	शास्त्री प्रतिष्ठा VI सेमेस्टर	197	0	197	193	97.96954	4
97.	आचार्य I सेमेस्टर (पुराना)	8	0	8	5	62.5	3
98.	आचार्य II सेमेस्टर (पुराना)	113	4	109	105	96.33028	4
99.	आचार्य III सेमेस्टर	1468	70	1398	1332	95.27897	66
100.	आचार्य IV सेमेस्टर	1517	39	1478	1425	96.41407	53
101.	शिक्षा आचार्य III सेमेस्टर	15	0	15	15	100	0
102.	शिक्षा आचार्य IV सेमेस्टर	15	0	15	14	93.33333	1*
103.	पूर्व मध्यमा (द्वितीय वर्ष)	578	39	539	494	91.65121	45
104.	उत्तर मध्यमा (द्वितीय वर्ष)	354	10	344	334	97.09302	10
105.	प्राक् शास्त्री (द्वितीय वर्ष)	1188	64	1124	1040	92.52669	84
106.	शिक्षा शास्त्री (प्रथम वर्ष, पुराना)	2	0	2	2	100	0
107.	शिक्षा शास्त्री (द्वितीय वर्ष)	734	0	734	734	100	0
108.	पूर्व मध्यमा (प्रथम वर्ष)	615	School/College Exam				

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-घ** में दिया गया है इस वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक कुल 157 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्लक-'ङ'** में दिया गया है। विश्वविद्यालय के संबद्ध विद्यालय महाविद्यालय एवं परीक्षाओं को मान्यता देने वाले सरकारों एव विश्वविद्यालयों विवरण (**संलग्लक च छ ज**) है। वर्ष 2022-2023 के दौरान विश्वविद्यालय का नियमित शिक्षण संकाय, सम्बद्ध महाविद्यालय, शोधच्छात्र-उपाधि, सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण-

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	शास्त्र	परिसर/संस्थान
1.	1006	आयुष शर्मा	....	श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, चरणपादुका, कटरा, जम्मू कश्मीर
2.	221194	ओमकार कुमार मिश्रा	....	गिन्नी देवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ, मोदी नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
3.	222451	राहुल तिवारी	....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
4.	182885	सुप्ता ए. एम्.	....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर
5.	300416	श्रीनिधि भट्ट	....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
6.	33244	श्रीनिवास शर्मा	नव्यव्याकरणाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला
7.	33845	पवार पंकज अरुण	साहित्याचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
8.	34498	विभा मिश्रा	सिद्धान्तज्यौतिषार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	33603	साहिल शर्मा	फलितज्यौतिषार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलाहार
10.	34386	दिव्या शर्मा	सर्वदर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर
11.	33210	प्रणव दास	धर्मशास्त्राचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला
12.	34338	तपन कुमार साहु	पुराणेतिहासाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	34475	कौशलेश कुमार मिश्र	वेदाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
14.	34474	अभिषेक कुमार चौबे	वेदाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ
15.	33421	रोशन कुमार	पौरोहित्याचार्य	श्री राम ज्योतिष कर्मकाण्ड संस्कृत महाविद्यालय, मण्डावली, दिल्ली

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	शास्त्र	परिसर/संस्थान
16.	32036	आरती पांडेय	रामानन्दवेदान्ताचार्य	श्री रघुवर रा.वे. महाविद्यालय, श्री कौशलेन्द्रमठ, पालडी, गुजरात
17.	33623	कोमल देवी कौल	काश्मीर–शैवदर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर, जम्मू
18.	33943	प्रांजल जैन	जैनदर्शनाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल
19.	34616	सुतपा दास	बौद्धदर्शनाचार्य	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
20.	34123	मीनु पाणिग्राही	सांख्ययोगाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी
21.	33844	शेखरचन्द्र भट्ट	नव्यन्यायाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
22.	33851	शशांक हेगड़े	मीमांसाचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
23.	33784	वैष्णव् के.वि.	अद्वैतवेदान्ताचार्य	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर
24.	21865	सोनम उपाध्याय	....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर
25.	1173	रामायण मिश्रा	....	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर

4.1.6 पुस्तकालय

लगभग 355159 पुस्तकें ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से दर्ज की गई हैं और परिसर की सभी लाइब्रेरी पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत चल रही हैं।

डिजिटलीकरण की प्रक्रिया के तहत लाइब्रेरी की 377 दुर्लभ पुस्तकें सी.एस.यू. आर्काइव के नाम से विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं। पाठकों के लिए ई.बी.एस.सी.ओ. ई–संसाधन भी खरीदे गए हैं।

4.1.7 विक्रय इकाई

विश्वविद्यालय के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशनों को सर्वजन साधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है –

- विश्वविद्यालय के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन।
- विभिन्न परिसरों के मान्यता प्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों / प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण राष्ट्र में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।
- विक्रय अनुभाग द्वारा पुस्तकों के ऑन-लाइन विक्रय हेतु **https://sales.csu- publications.co.in/** पोर्टल के माध्यम से विक्रय सुविधा उपलब्ध कराई गई है; जिसमें भुगतान की प्रक्रिया भी ऑन-लाइन माध्यम से ही किए जाने की सुविधा है। क्रयादेश एवं अधिक जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु ईमेल **sales@csu.co.in** द्रष्टव्य है।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित है –

1.	विश्वविद्यालय द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकें	रुपये	3,99,312/-
2.	विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें	रुपये	1,24,03,066/-
3.	ज्ञानदर्शन डी.वी.डी. / सान्द्रमुद्रिकाएँ	रुपये	2,351/-
	कुल योग	**रुपये**	**1,28,04,729/-**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत संवर्धन योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:-

केन्द्रीय योजनाएँ

1. **संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता**

   इस योजना के चार भाग क्रमशः (अ), (आ), (इ), (ई) है, जिनका उल्लेख निम्नलिखित है:

   (अ) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (आ) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (इ) राज्य सरकार से सम्बधित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

   (ई) चतुष्पाठी संस्थाओं में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

2. अभागवग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के लिए वित्तीय सहायता।

3. संस्कृत संवर्धन के कार्यक्रम/गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता।

4. संस्कृत शास्त्र शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों अथवा सेवानिवृत संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता। (शास्त्र चूड़ामणि)

5. पंजीकृत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों के लिए "व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम", संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता।

6. संस्कृत पुस्तकों के प्रकाशन, थोक खरीद और दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण।

7. पारम्परिक एवं आधुनिक धारा में नियमित रूप से 9वीं कक्षा से पी.एच.डी. तक संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा को अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं के लिए छात्रवृति।

8. अष्टादशी - संस्कृत संवर्धन हेतु अठारह परियोजनाएं।

9. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को रु. 8,000/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 20,000/- की दर से एवं अंशकालिक अध्यापकों को रु. 4,500/- की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 10,000/- की दर से मानदेय इस वर्ष के लिए दिया गया है, तथा छात्रों को आवासीय छात्रवृत्ति रु. 300/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 600/- प्रतिमाह की दर से 10 महीनों के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी गयी है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2022-23 में विश्वविद्यालय द्वारा रु. 1258.37 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 301 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में कार्यरत 677 संस्कृत अध्यापकों एवं 2543 आवासीय छात्र/छात्राएँ लाभान्वित हुए हैं। **(संलग्नक-झ)**

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के अध्यापकों के लिए मानदेय राशि रु. 8,000/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 20,000/- प्रतिमाह की दर से एवं अंशकालिक अध्यापक के लिए मानदेय राशि रु. 4,500/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 10,000/- की दर से इस वर्ष के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी गयी है।

इस योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु. 464.00 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 197 संस्कृत पाठशालाओं/ महाविद्यालयों में कार्यरत 282 आधुनिक विषय के अध्यापक/अंशकालिक अध्यापक/कंप्यूटर शिक्षक लाभान्वित हुए हैं।

(संलग्नक-ञ)

(ग) राज्य सरकार से सम्बन्धित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत जिन राज्यों में राज्य सरकार के द्वारा माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत अध्यापक उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं, उन राज्यों में सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को एक संस्कृत अध्यापक के लिए मानदेय राशि रु. 8,000/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 20,000/- की दर से इस वर्ष के लिए वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी गयी है।

इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 35 सरकारी विद्यालयों में 35 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए हैं। इस वित्तीय वर्ष में रु. 50.40 लाख की राशि निर्गत की गई। **(संलग्नक-ट)**

(घ) चतुष्पाठी संस्थाओं में संस्कृत के अध्यापकों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अंतर्गत चयनित चतुष्पाठी संस्कृत अध्यापकों को रु. 2,000/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 5,000/- की दर से मानदेय इस वर्ष के लिए दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में विश्वविद्यालय द्वारा रु. 57.96 लाख की राशि निर्गत की गई है। इस वित्तीय सहायता से 135 चतुष्पाठी संस्थाओं में कार्यरत 138 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित है। **(संलग्नक-ठ)**

II. अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के लिए वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। इस योजना के अन्तर्गत अनुदान समिति के द्वारा चयनित प्रत्येक विद्वान् को रु. 3,000/- प्रति माह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 5,000/- की दर से सम्मान राशि इस वर्ष के लिए अन्य आय की कटौती के बिना दी गई हैं। इस योजना के अन्तर्गत कुल 184 संस्कृत पण्डित लाभान्वित है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु. 88.32 लाख की राशि निर्गत की गई है।

III. संस्कृत संवर्धन के कार्यक्रम/गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/संस्कृत विश्वविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे संस्कृत विद्वानों का सम्मान, विद्वत सभाओं का आयोजन, संस्कृत की सायंकाल कक्षाएँ, संस्कृत समारोह, सम्मेलन प्रशिक्षण कक्षाएं, अनुसंधान परियोजनाओं, संस्कृत शिक्षण पद्धति का विकास आदि कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में विश्वविद्यालय द्वारा इस योजना के अन्तर्गत रु. 22.88 लाख की राशि निर्गत की गई। इस योजना के अन्तर्गत कुल 26 संस्थाएँ/विश्वविद्यालय/एन.जी.ओ. लाभान्वित है।

IV. संस्कृत शास्त्र शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता। (शास्त्र चूडामणि)

इस योजना के अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त/प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त संस्कृत विद्वानों की सेवा अनुभवों का उपयोग संस्कृत छात्रों और अध्यापकों की शंकाओं को दूर कर परम्परागत पद्धति से शास्त्रीय गहन अध्ययन करके छात्र अपने विषय के महारथी बन सके।

योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों को रु. 10,000/- प्रतिमाह की दर से तथा दिनांक 01.10.2022 से रु. 20,000/- की दर से दो वर्ष हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। वर्तमान में 13 नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2022-23 में 40 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों का चयन किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत रु. 18.98 लाख की राशि निर्गत की गई।

V. पंजीकृत पारंपरिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों के लिए "व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को पाण्डुलिपि विज्ञान, रत्नपरीक्षा, फैशन डिजाइन, प्रबंधन, मंदिर संस्कृति, प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया, होटल प्रबंधन, पाकशास्त्र, कृषि संवर्धन, अनुप्रयोग, पर्यटन, अतिथि सत्कार/सम्मान, व्यापक ऑनलाईन पाठ्यक्रम, सूचीपत्र, पुरालेख, कर्मकाण्ड, संस्कृत टंकण एवं आशुलिपि, संस्कृत रचना, संशोधन एवं पुरालेख, विकास आदि कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के सञ्चालन हेतु रु. 1,00,000/- प्रत्येक कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में रु. 10.90 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 12 संस्कृत पाठशाला/महाविद्यालय/संस्थाएँ लाभान्वित हुए हैं।

VI. प्रकाशन, पुनर्मुद्रण और थोक खरीद के लिए वित्तीय सहायता।

वर्ष 2022-23 के दौरान विश्वविद्यालय की अनुदान सहायता समिति की बैठक दिनांक 09.02.2023 को आहूत की गई जिसमें प्रकाशन योजनाओं के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

वर्ष 2022-23 के लिए थोक-खरीद, प्रकाशन, पुनर्मुद्रण और संस्कृत जर्नल/पत्रिका की योजना के लिए वित्तीय सहायता के तहत विवरण नीचे दिया गया है।

क्र.सं.	योजना का नाम	कुल प्राप्त प्रस्ताव	कुल स्वीकृत प्रस्ताव	कुल स्वीकृत पुस्तकों की संख्या
1.	थोक पुस्तक खरीद	105	103	443
2.	प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण	41	19	19
3.	संस्कृत शोध पत्रिका/पत्रिका/समाचार पत्र	22	20	20

VIII. अष्टादशी परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग पत्र संख्या F.No. 1-27/2015. Skt.II dated 18.11.2015 के माध्यम से संस्कृत के विकास के लिए अगले दस वर्षों के लिए दीर्घकालिक विजन और रोडमैप का सुझाव देने हेतु श्री एन्. गोपालस्वामी, कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की अध्यक्षता में तेरह(13) सदस्यों की समिति गठित की थी। उक्त सन्दर्भ में संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए समिति की प्रमुख सिफारिशों में से एक प्रमुख सिफारिश अष्टादशी (18 परियोजनाएं) है। रिपोर्ट के अनुसार संस्कृत के विकास इंजन को अत्यधिक आवश्यक बढ़ावा देने के लिए अष्टादशी योजना को एक विशेष मामले के रूप में लिया गया। अष्टादशी परियोजना के प्रमुख क्षेत्र हैं-

1. ज्ञानात्मक साहित्य अनुवाद परियोजना
2. पांडुलिपियों का संपादन एवं प्रकाशन परियोजना
3. डिजिटल एवं ऑन-लाईन परियोजना
4. ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम परियोजना
5. समकालीन साहित्य परियोजना
6. सांध्यकालीन विद्यालय परियोजना
7. प्रौद्योगिकी अनुकूलन परियोजना
8. कम्प्यूटर शिक्षा परियोजना
9. द्विवार्षिक संस्कृत पुस्तक मेला परियोजना
10. जनता तक संस्कृत पहुँचाना परियोजना
11. शब्दशाला परियोजना
12. दुर्लभ पुस्तकों का पुनः प्रकाशन परियोजना
13. आवासीय प्रशिक्षण परियोजना
14. संस्कृत-आधुनिक विषयों की समेकन परियोजना
15. इंटर्नशिप परियोजना के लिए सहायता
16. बाल साहित्य परियोजना
17. संस्कृत परियोजना के माध्यम से योग
18. संस्कृत माध्यम से आयुर्वेद

रोड मैप कमेटी और पूर्व में मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) की सिफारिशों के अनुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने अष्टादशी परियोजनाओं के अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों/संगठनों को वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। पूर्व-जांच समिति की अधिसूचना और सिफारिशों के अनुसार परियोजनाओं की प्रस्तुति के लिए कुल 80 प्रस्तावों की इंटरफेस मीटिंग बुलाई गई थी। अष्टादशी परियोजनाओं के दिशानिर्देशों और प्रस्तुति की गुणवत्ता के आधार पर उच्चस्तरीय समिति ने 49 परियोजनाओं के लिए लागत रू. 4,99,94,000/- (चार करोड़ निन्यानवे लाख चौरानवे हजार मात्र) सिफारिश की है। फलस्वरूप वित्तीय अनुदान समिति और प्रबंध समिति की मंजूरी के बाद संबंधित संस्थानों को नियमानुसार अनुदान वितरित किया जा रहा है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि विश्वविद्यालय के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च-माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1, 2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को विश्वविद्यालय के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन विश्वविद्यालय मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2022-23 में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र..	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	07
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	98	36	88	36	36	110	66	190	162	13	-	-
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	74	60	96	84	85	110	104	34	68	-	-	05
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	18	16	25	36	36	47	33	48	44	-	-	-
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	29	36	143	72	72	109	104	63	57	03	04	29
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	51	16	47	40	32	55	23	38	18	-	-	-
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	17	24	34	34	38	55	33	40	27	-	-	05
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	85	65	189	79	79	55	33	54	52	-	-	-
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	44	18	64	36	36	98	66	35	36	34	11	10
10.	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई	05	02	13	08	09	51	33	19	09	-	-	-
11.	मुख्यालय, नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	09
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	22	14	26	02	14	55	33	26	39	-	-	-
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	23	04	35	34	22	-	-	09	09	-	-	-
	योग	**466**	**291**	**760**	**461**	**461**	**745**	**528**	**556**	**521**	**50**	**15**	**65**
										कुल योग -			**4919**

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्ल्यू.एस.	सामान्य	अन्य	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री-I	28	19	77	06	336	00	316	150	**466**
प्राक् शास्त्री-II	22	14	51	03	199	02	205	86	**291**
शास्त्री-I	62	36	138	24	500	00	486	274	**760**
शास्त्री-II	39	17	90	22	293	00	278	183	**461**
शास्त्री-III	49	21	89	09	293	00	280	181	**461**
आचार्य-I	42	19	132	37	326	00	263	293	**556**
आचार्य-II	35	16	120	15	334	01	249	274	**521**
शिक्षा शास्त्री-I	101	52	207	100	232	00	335	410	**745**
शिक्षा शास्त्री-II	51	30	164	19	263	01	257	271	**528**
शिक्षा आचार्य-I	02	02	10	11	25	00	38	12	**50**
शिक्षा आचार्य-II	00	00	00	05	10	00	11	04	**15**
विद्यावारिधि	00	00	07	15	43	00	40	25	**65**
कुल योग	**431**	**226**	**1138**	**266**	**2854**	**04**	**2758**	**2161**	**4919**

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय सत्र 2022-23 के पारंपरिक एवं आधुनिक धारा में 9वीं कक्षा से पी.एच.डी. तक संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा में नियमित रूप से अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु।

संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषाओं के अध्ययनरत छात्रों प्रोत्साहित करने हेत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत परम्परागत धारा में मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/संस्कृत विश्वविद्यालय तथा आधुनिक धारा में मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में पूर्वमध्यमा (प्रथमवर्ष)/9वीं, पूर्वमध्यमा(द्वितीयवर्ष)/10वीं, उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री (प्रथमवर्ष)/11वीं, उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री (द्वितीयवर्ष)/12वीं, शास्त्री/बी.ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष) तथा विद्यावरिधि/पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों में संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा को मुख्य विषय या ऐच्छिक विषय के रूप में नियमित रूप से अध्ययनरत/प्रवेशित छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति की दर निम्न प्रकार से है :-

कक्षा	छात्रवृत्ति दर
* 9वीं से 10वी तथा समकक्ष पाठ्यक्रम	रु.500/-प्रति माह x 10 माह = रु. 5000/- प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
* 11वीं से 12वी तथा समकक्ष पाठ्यक्रम	रु. 600/- प्रतिमाह x 10 माह = रु. 6000/- प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
* बी.ए./बी.ए. (आनर्स) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा समकक्ष	रु. 800/- प्रतिमाह x 10 माह = रु. 8000/- प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
* संस्कृत, पालि/प्राकृत में एम.ए.-प्रथम एवं द्वितीय वर्ष या समकक्ष	रु. 1000/- प्रतिमाह x 10 माह= रु. 10000/- प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
* संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी.एच.डी. या समकक्ष	रु. 2500/- प्रतिमाह x 12 माह+रु. 5000/-प्रतिवर्ष आकस्मिक अनुदान रु. 35,000/- प्रतिवर्ष (केवल तीन वर्षों के लिए)

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या भारत सरकार द्वारा उपलब्ध धनराशि के आधार पर निर्धारित की जाती है। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लागू आरक्षण नीति का पालन भी किया जाता है।

संस्कृत संवर्धन की योजना के अन्तर्गत परम्परागत तथा आधुनिक धारा में वर्ष-2022-23 में छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 6022 पंजीकृत संस्थाओं से 35292 ऑनलाईन आवेदन प्राप्त हुए हैं। राज्यों को निर्धारित स्वीकृत बजट के अनुसार अधिकतम से अधिकतम प्रतिशतता के आधार पर छात्रों की योग्यता सूची तैयार की जाती है। पूर्वतन कक्षाओं में प्राप्तांकों के आधार पर रैंकवार छात्रवृत्ति की सूची तैयार के पश्चात् 17895 आवेदनकर्ता को परम्परागत तथा आधुनिक धारा में नीचे दी गई तालिका के अनुसार वर्ष-2022-2023 की कक्षा 9वीं से पी-एच.डी. तक भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/स्कूलों में छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए चयनित किया गया है:-

(क) परम्परागत धारा

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	अन्य पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	228	48	09	00	225	04	514	5000	25,70,000.00
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	172	50	36	00	216	01	475	5000	23,75,000.00
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	705	95	36	00	269	16	1121	6000	67,26,000.00
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	275	74	26	00	256	25	656	6000	39,36,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	522	137	18	00	201	29	907	8000	72,56,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	399	126	08	00	176	18	727	8000	58,16,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	299	79	14	00	179	22	593	8000	47,44,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	451	119	16	01	231	53	871	10000	87,10,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	240	80	09	00	156	37	522	10000	52,20,000.00
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	21	08	02	00	11	08	50	35000	17,50,000.00
कुल	**3312**	**816**	**174**	**01**	**1920**	**213**	**6436**	**--**	**4,91,03,000.00**

(ख) परम्परागत धारा (पूर्वोत्तर)

कक्षा	कुल छात्र संख्या								
	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	अन्य पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	00	01	00	00	00	00	01	5000	5,000.00
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	00	00	00	00	00	00	00	5000	----------
उ.म./प्राक्.शा. प्रथम/11वीं	23	07	03	00	10	00	43	6000	2,58,000.00
उ.म./प्राक्.शा. द्वितीय/12वीं	07	00	00	00	02	00	09	6000	54,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	06	01	08	00	04	00	19	8000	1,52,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	00	00	00	00	02	00	02	8000	16,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	00	00	00	00	01	00	01	8000	8,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	04	03	03	00	05	00	15	10000	1,50,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	00	00	00	00	00	00	00	10000	----------
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	01	00	00	00	00	00	01	35000	35,000.00
कुल	**41**	**12**	**14**	**00**	**24**	**00**	**91**	**--**	**6,78,000.00**

(ग) आधुनिक धारा

कक्षा	कुल छात्र संख्या								
	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	अन्य पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	750	223	111	02	401	32	1519	5000	75,95,000.00
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	723	223	111	03	401	24	1485	5000	74,25,000.00
उ.म./प्राक्.शा. प्रथम/11वीं	602	186	93	01	335	35	1252	6000	75,12,000.00
उ.म./प्राक्.शा. द्वितीय/12वीं	553	195	98	05	351	99	1301	6000	78,06,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	437	133	66	03	239	23	901	8000	72,08,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	310	97	48	01	174	14	644	8000	51,52,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	165	54	27	01	98	18	363	8000	29,04,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	311	113	57	08	204	68	761	10000	76,10,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	202	71	35	02	127	35	472	10000	47,20,000.00
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	56	20	10	01	36	11	134	35000	46,90,000.00
कुल	**4109**	**1315**	**656**	**27**	**2366**	**359**	**8832**	**--**	**6,26,22,000.00**

(घ) आधुनिक धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	09	01	01	00	03	00	14	5000	70,000.00
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	26	06	08	00	07	00	47	5000	2,35,000.00
उ.म./प्राक्.शा. प्रथम/11वीं	98	07	00	00	25	01	131	6000	7,86,000.00
उ.म./प्राक्.शा. द्वितीय/12वीं	06	00	00	00	04	00	10	6000	60,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	01	00	00	00	02	00	03	8000	24,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	00	00	00	00	00	00	00	8000	---------
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	02	00	00	00	01	00	03	8000	24,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	21	02	01	00	17	06	47	10000	4,70,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	15	02	02	00	05	00	24	10000	2,40,000.00
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	01	00	00	00	01	00	02	35000	70,000.00
कुल	**179**	**18**	**12**	**00**	**65**	**07**	**281**	**--**	**19,79,000.00**

(च) आधुनिक धारा (संस्कृत प्रतिष्ठा)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
बी.ए. प्रथम वर्ष	377	178	38	00	278	20	891	8000	71,28,000.00
बी.ए. द्वितीय वर्ष	311	162	06	00	318	32	829	8000	66,32,000.00
बी.ए. तृतीय वर्ष	175	106	31	00	185	08	505	8000	40,40,000.00
कुल	**863**	**446**	**75**	**00**	**781**	**60**	**2225**	**--**	**1,78,00,000.00**

(छ) आधुनिक (आनर्स) धारा (पूर्वोत्तर)

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
बी.ए. प्रथम वर्ष	03	00	00	00	02	00	05	8000	40,000.00
बी.ए. द्वितीय वर्ष	11	00	00	00	01	00	12	8000	96,000.00
बी.ए. तृतीय वर्ष	11	01	00	00	01	00	13	8000	1,04,000.00
कुल	**25**	**01**	**00**	**00**	**04**	**00**	**30**	**--**	**2,40,000.00**

कुल योग - (क), (ख), (ग), (घ) एवं (च)

कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्ति	कुल राशि
परम्परागत	3312	816	174	01	1920	213	6436	4,91,03,000.00
परम्परागत (पूर्वोत्तर)	41	12	14	00	24	00	91	6,78,000.00
आधुनिक	4109	1315	656	27	2366	359	8832	6,26,22,000.00
आधुनिक (पूर्वोत्तर)	179	18	12	00	65	07	281	19,79,000.00
आधुनिक (प्रतिष्ठा)	863	446	75	00	781	60	2225	1,78,00,000.00
आधुनिक (प्रतिष्ठा) (पूर्वोत्तर)	25	01	00	00	04	00	30	2,40,000.00
कुल योग	**8529**	**2608**	**931**	**28**	**5160**	**639**	**17895**	**13,24,22,000.00**

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2022-23 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर : रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश : वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली : श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड : श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग
5. ओडिशा : सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड : दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल : कालियाचक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान : जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश : लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ : भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात : दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा : के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश : राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल : गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक : कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : एकलव्य परिसर, अगरतला

60वाँ अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा दिनांक 22-25 मार्च विद्यानगरी काशी में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम दिनांक 22 मार्च 2023 को काशी विश्वनाथ मन्दिर के प्रांगण में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में काशी विश्वनाथ मन्दिर न्यासी परिषद के अध्यक्ष प्रो. नागेन्द्र पाण्डेय मुख्यातिथ के रूप में, सारस्वताथि के रूप में प्रो. गोपबन्धु मिश्र, अध्यक्ष, संस्कृत भारती निलकण्ठ तिवारीजी, विधानसभा सदस्य, वाराणसी, दक्षिण तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली उपस्थित थे। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे- 12 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 10 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 40 से अधिक तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् आमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमश: स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 12000/-, 8000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार रु. 5000/- प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा का समापन कार्यक्रम काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रेक्षागार में दिनांक 25 मार्च को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विजय कुमार शुक्ल मुख्यातिथि के रूप में विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. विजय कुमार सी. जी, कुलपति, महर्षि पाणीनि एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन, प्रो. दिनेश चन्द्र शास्त्री, कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. ललित पटेल, कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. उपेन्द्र त्रिपाठी, समन्वयक, वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, अध्यक्ष प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली उपस्थित थे।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श संस्कृत शोध संस्थान

योजना का नाम-आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

परिचय

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना वर्ष 1978 में भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत शिक्षण संस्थानों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरु की गयी थी। इस योजना को समय-समय पर परिवर्तित/समीक्षित किया गया। इस योजना को प्रथम बार 1983 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 80-7/88-SK-I दिनांक 06 अक्टूबर 1983 के माध्यम से संशोधित किया गया। पुनः इस योजना को 1993 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 30-19/88-SK-I दिनांक 06 जुलाई 1993 के माध्यम से संशोधित किया गया। बाद में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F. 8-3/94-Skt-I दिनांक 16.06.1995 के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान) को स्थानान्तरित किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.No. 31-4/2009 Skt-I दिनांक 29 जून, 2012 के माध्यम से इस योजना को पुनः संशोधित किया गया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र विशेषकर संस्कृत शिक्षा में आये परिवर्तन, छठे केन्द्रीय वेतन आयोग के लागू होने एवं उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी विनियम के फलस्वरूप योजना के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के माध्यम से पारंपरिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए इस योजना का पुनर्निर्माण अनिवार्य हो गया।

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित हो रही हैं। इस योजना हेतु वित्त का बड़ा भाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है। इसके अन्तर्गत 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थान सम्मिलित हैं। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएँ स्वीकृत आवर्ती मद का 95 प्रतिशत एवं स्वीकृत अनावर्ती मद का 75 प्रतिशत (अधिकतम रुपये पाँच लाख) प्राप्त करती हैं।

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इसी प्रयोजन से इस योजना के अन्तर्गत, संस्कृत महाविद्यालयों को शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी.एच.डी. एवं पी.एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा सञ्चालन और शोध आधारित प्रकाशन व शोध पत्रिका हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	राज्य का नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों की राज्यवार कुल संख्या	वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्गत राशि का विवरण
1.	तेलंगाना	01	1,07,93,498.00
2.	बिहार	05	9,68,78,131.00
3.	हरियाणा	02	3,08,33,844.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	4,60,45,169.00
5.	झारखण्ड	01	1,22,65,582.00
6.	कर्नाटक	01	1,44,97,440.00

7.	केरल	02	2,73,13,015.00
8.	महाराष्ट्र	02	1,25,48,015.00
9.	मणिपुर	01	82,15,552.00
10.	तमिलनाडु	02	3,42,60,100.00
11.	उत्तराखण्ड	01	1,35,46,593.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	5,93,54,610.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	5,35,00,638.00
14.	राजस्थान	01	1,45,90,952.00
कुल निर्गत अनुदान राशि		**26**	**43,46,43,139.00**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान आदर्श योजना के अंतर्गत जारी छात्रवृत्ति राशि का विवरण :

कुल छात्र संख्या									
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	दिव्यांग श्रेणी	अन्य पिछड़ा वर्ग	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	प्रति माह छात्रवृत्ति	निर्गत राशि के.सं.वि. अंश 95 प्रतिशत
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	0	0	0	0	0	0	0	600	0
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	0	0	0	0	0	0	0	600	0
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	56	18	1	0	18	27	120	700	781073
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	84	20	0	0	33	42	179	700	1173648
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	272	39	7	0	51	54	423	800	3071002
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	347	36	1	0	29	29	442	800	3194683
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	313	41	1	0	46	39	440	800	3172996
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	214	17	0	0	21	32	284	1000	2476467
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	275	22	1	0	36	48	382	1000	3255558
विद्यावारिधि/पी.एच.डी.	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	**1561**	**193**	**11**	**0**	**234**	**271**	**2270**	**-**	**17125427**

4.1.12 परियोजनाएँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने वर्ष 2023 से कुछ नई परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. समर्थ

समर्थ शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितध ारकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए 2022 में समर्थ परियोजना को सफलतापूर्वक लागू किया है। विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिभाषित करने और नियंत्रित करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर अपनी दक्षता में वृद्धि की है। समर्थ पोर्टल द्वारा विश्वविद्यालय सञ्चालन और प्रशासन के विभिन्न कार्यात्मक डोमेन के प्रबंधन के लिए कई मॉड्यूल पेश किए जाते हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रवेश, परीक्षा, शुल्क, पेरोल प्रबंधन, अवकाश प्रबंधन, शिकायत प्रबंधन और कर्मचारी प्रबंधन के लिए समर्थ पोर्टल के 22 मॉड्यूल का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहा है।

2. ई-ऑफिस

ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। केंन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में सरलीकृत, जवाबदेह, उत्तरदायी और पारदर्शी कामकाज हासिल करने के लिए इस परियोजना को लागू किया है। ई-ऑफिस केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय और पूरे भारत में इसके सभी परिसरों में कार्यान्वित किया गया है। यह एक उत्पाद सूट है जिसमें दिन-प्रतिदिन की आधिकारिक कार्य-संबंधी गतिविधियों को बदलने के लिए कई एप्लिकेशन शामिल हैं। यह एक डिजिटल कार्यस्थल है, जो विश्वविद्यालय को त्वरित निर्णय लेने में सहायता करता है। यह विश्वविद्यालय के कामकाज को कागज रहित बनाने में मदद करता है।

3. मीडिया सेल

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया सेल का गठन किया है। यह ट्विटर, यूट्यूब और फेसबुक सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। इस सेल के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रसारित किया जाता है। मीडिया सेल विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों या कार्यक्रमों के लिए पोस्टर और पैम्फलेट डिजाइन करता है तथा वैश्विक स्तर पर प्रचार-प्रसार करता है।

4. डिजिटल उपस्थिति प्रणाली

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने अपने कर्मचारियों की सटीक उपस्थिति रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए डिजिटल उपस्थिति प्रणाली को अपनाया है। बायोमेट्रिक उपस्थिति मशीनें मुख्यालय कार्यालय और विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में तैनात की गई हैं। इसे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अध्यापकों की दैनिक उपस्थिति को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया है। उपस्थिति को चिह्नित करने के लिए सिस्टम फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान सुविधा का उपयोग करता है। यह कर्मचारियों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक के कार्य घंटों पर नज़र रखने के लिए उपयोगी है।

उपरोक्त नई परियोजनाओं के अतिरिक्त पूर्व में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं

इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 120 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको नि:शुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा विश्वविद्यालय एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

विश्वविद्यालय के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत- शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। '**बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश**' में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। '**मालवी- संस्कृत-शब्दकोश**' में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे '**पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ**' परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11,487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) विश्वविद्यालय मुख्यालय में '**संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी- शब्दकोश**' तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण

पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

11. विश्वविद्यालय के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। विश्वविद्यालय के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में विश्वविद्यालय विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

12. भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए निःशुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतदर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर अपलोड किया गया।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

1. डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

शिक्षा मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 35 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

2. राजभाषा

मंत्रालय ने सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों में हिंदी राजभाषा के प्रचार-प्रसार के संबंध में कार्यक्रम लागू किया है। तदनुसार विश्वविद्यालय हिन्दी में पर्याप्त सरकारी कामकाज के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है। हर साल अन्य गतिविधियों के अलावा हिंदी में किए गए कार्यों की रिपोर्ट माननीय मंत्री को भेजी जाएगी।

4.1.13 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शैक्षिक वर्ष 2022-23 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का सञ्चालन किया–

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण
3. प्रशिक्षणोत्तर परीक्षण कार्यक्रम
4. केन्द्रीय समिति की बैठक
5. अभिविन्यास कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (IIT), केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, अन्ताराष्ट्रिय विश्वविद्यालययों, अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों मे विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षक को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारू सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2022-23 में आन्ध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, बिहार, देहली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्णाटक, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मध्यप्रदेश, ओड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, मेघालय, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्तर राज्यों में 120 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के विविध क्रियाकलापों तथा शिक्षकों का मासिक प्रगति विवरण इस विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा सञ्चालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 7426 (4552 महिलाएं तथा 2874 पुरुष) अध्येता इस शैक्षिक सत्र में नामांकन कराए।

राज्यानुसार 2022-23 सत्रीय केन्द्रों की सूची

क्र.सं.	राज्य	केन्द्र संख्या
1.	आन्ध्रप्रदेश	04
2.	अरूणाचल प्रदेश	01
3.	बिहार	03
4.	देहली	02
5.	गोवा	03
6.	गुजरात	07
7.	हरियाणा	01
8.	हिमाचल प्रदेश	01
9.	जम्मू कश्मीर	02
10.	कर्णाटक	03
11.	केरल	03
12.	मेघालय	01
13.	महाराष्ट्र	16
14.	मणिपुर	02
15.	मध्यप्रदेश	09
16.	ओडिशा	04
17.	पंजाब	06

18.	राजस्थान	03
19.	त्रिपुरा	03
20.	तमिलनाडु	01
21.	तेलंगाना	06
22.	उत्तराखण्ड	02
23.	उत्तरप्रदेश	08
24.	पश्चिम बंगाल	11
25.	असम	18
	कुल	**120**

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में किया गया अपितु सुदूरवर्ती छोटे कस्बों, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North-East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया जाता है। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, गृहिणी, शोधछात्रों, सेवानिवृत्त, व्यवसायिक, पुरातत्त्वविद्, श्रमिक सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया जाता है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री की भूरिशः प्रशंसा की है। संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृतेतर क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु विश्वविद्यालय को निवेदन किया है।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2022-23 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, प्रवक्ता (संस्कृत) सत्यनारायणपुरम्, विजयवाडा-520011, (आन्ध्रप्रदेश)
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डॉ. ताराकान्त शुक्ल, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ, नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए.जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, प्रकोष्ठ सं. 21, रोड भवन, ब्रह्म सरोवर, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. सुदेश गौतम, हिमाचल आदर्श संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांगला, तहसील-चढ़गांव, जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214

8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	श्री कू.वेंकटेशमूर्ति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला- चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	डॉ. के.गिरिधर राव, सहायकाचार्य शिक्षाशास्त्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, पो.- पुरनाट्टुकरा, जिला-त्रिचूर-680551 (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत-प्रगत-अध्ययन केन्द्र, पुणेविद्यापीठ, गणेशखिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)
12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया, भोपाल-462043 (मध्य प्रदेश)
13.	ओड़िसा	प्रो. हरेकृष्ण माहापात्र, लोनाथ रोड, गदाधर उच्च विद्यालय के समीप, जिला-पुरी, ओडिशा-752001
14.	असम	डॉ. रणजित तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेडिशनल संस्कृत, कुमार भास्कर वर्मा, संस्कृत एंड एनसिएंट स्टडिज यूनिवर्सिटी, नलबारी, असम-781337
15.	पंजाब	प्रो. हर्ष कुमार मेहता, 11 एस.टी.-5, सेक्टर-1, तलवाड़ा टाउनशिप, जिला-होशियारपुर, पंजाब-144216
16.	राजस्थान	प्रो. वाई.एस. रमेश, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
17.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
18.	तेलंगाना	डॉ. वी. सुब्रह्मण्यम, उपनिदेशक, संस्कृत परिषद्, उस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना
19.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
20.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धु मिश्र, संस्कृत विभाग, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश-221005
21.	पश्चिम बंगाल	डॉ. तन्मय कुमार भट्टाचार्य, ए.एफ.-159, रवीन्द्रपल्ली, प्रफुल्लकानन, कोलकाता-700101
22.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, कृष्णई, मकान नं. 214, देमानी, कानकोलिम, सलसिट, गोवा-403703

डॉ. रत्नमोहन झा, सहाचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा संस्कृत विषय को संस्कृत के माध्यम से अध्यापन करने हेतु 21 दिवसीय आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया।

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, बेंगलूरु-मैसूर मेन रोड, पोस्ट-कुबंलगोडु, बेंगलूरु	29.03.2022 से 21.04.2022	68	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी प्रो. के.वी. राजू, कुलाधिपति श्री जनार्दन हेगड़े, संस्कृतभारती प्रो. वाई.एस्. रमेश डॉ. भा.व. रामप्रिय श्री सचिन कठाले, संस्कृतभारती डॉ. विश्वास, संस्कृत भारती श्री श्रीश देवपुजारी, संस्कृत भारती श्री सत्यनारायणभट्ट, संस्कृत भारती डॉ. रत्नमोहन झा **वित्तीय पर्यवेक्षक** श्री अनिल नौटियाल, के.सं.वि.वि., नई दिल्ली

3. प्रशिक्षणोत्तर परीक्षण कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा अस्थायी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्यापन करने हेतु शिक्षकों का चयन किया जाता है। एतदर्थ लिखित एवं मौखिक रूप से प्रशिक्षण पूर्व प्रशिक्षणोत्तर परीक्षण का आयोजन किया जाता है। शैक्षिक सत्र 2022-23 में अखिल भारतीय स्तर पर दिनांक 19-21 अप्रैल, 2022 को आयोजित (लिखित एवं मौखिक) परीक्षा में 68 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें से 58 प्रतिभागी उत्तीर्ण हुए।

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	परीक्षण समिति
श्री स्वामीनारायण गुरुकुल, बेङ्गलुरु-मैसूर मेन रोड, पोस्ट-कुबंलगोडु, बेङ्गलूरु	19.04.2022 से 21.04.2022	68	प्रो. वाई.एस. रमेश श्री वेंकटेशमूर्ति डॉ. उदयन हेगड़े डॉ. रत्नमोहन झा

4. केन्द्रीय समिति उपवेशन

स्थान	अवधि	सदस्यों की संख्या	सदस्य
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	13.07.2022	06	1. प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी 2. प्रो. गोपबन्धु मिश्र 3. श्री सत्यनारायण भट्ट 4. डॉ. रणजीत तिवारी 5. श्री कू. वेङ्कटेश मूर्ति 6. डॉ. रत्नमोहन झा

5. अभिविन्यास कार्यक्रम

स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	परीक्षक
दर्शनम संस्कृत संस्थानम्, श्री स्वामी-नारायण गुरुकुल विश्वविद्या प्रतिष्ठान, सरखेज गान्धीनगर हाईवे, छारोड़ी अहमदाबाद, गुजरात	27.03.2023 से 05.04.2023	82	1. डॉ. एच.आर. विश्वास 2. डॉ. शान्तला विश्वास 3. प्रो. गोपबन्धु मिश्र 4. प्रो. विजयपाल शास्त्री 5. डॉ. विश्वजित प्रामाणिक 6. श्री नितिन आचार्य 7. डॉ. रत्नमोहन झा, प्रशिक्षण प्रमुख प्रबन्धक प्रमुख 1. डॉ. भा.व. रामप्रिय वित्तीय पर्यवेक्षक 1. श्री अनिल नौटियाल, के.सं.वि.वि., नई दिल्ली

4.1.14 पत्राचार पाठ्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से देश और विदेश में संस्कृत भाषा सीखने के जिज्ञासु अध्येताओं के लिए द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (हिंदी और अंग्रेजी माध्यम) का सञ्चालन वर्ष 1970 से करता आ रहा है।

सत्र 2022-23 में पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से 109 भारतीय अध्येताओं तथा 05 विदेशी अध्येताओं ने पंजीयन करवाया है।

4.1.15 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया। इसके अन्तर्गत व्याकरण, साहित्य तथा ज्योतिष विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य में उपाधि पाठ्यक्रमों का सञ्चालन किया जाता है। पालि, प्राकृत एवं संस्कृतपत्रकारिता में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों को भी संचालित किया जा रहा है।

शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में अध्ययनरत छात्रों की कुल संख्या 298 है।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् एवं संस्कृत संवर्द्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में संचालित ऑनलाइन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रमाणपत्रीय (छः माह) एवं डिप्लोमा (एक वर्ष) पाठक्रमों में कुल 92 छात्रों ने प्रवेश लिया।

अभिकल्प समिति का उपवेशन

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठम् की नियामक परिषद है। इस समिति की 13वीं बैठक दिनांक 08.08.2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस समिति के निर्णयानुसार दिनाङ्क 10.03.2023 को मुक्तस्वाध्यायपीठम् के शैक्षिक विकास केन्द्र की स्थापना राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी में की गई। इसमें 22 शैक्षिक सदस्यों को नियुक्त किया गया जो विविध पाठ्यसामग्रियों के विकास में संलग्न हैं।

आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA)

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) की स्थापना की गई है। यह मुक्तस्वाध्यापीठम् का एक अभिन्न अंग है। मुक्तस्वाध्यायपीठम् के विनियमन के अनुसार यह एक इकाई के रूप में कार्य करता है। यह ODL/Online शिक्षा प्रणाली के विकास और संस्कृत शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने हेतु कार्य करता है। आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) के निदेशक के द्वारा इसके विविध गतिविधियों का नेतृत्व किया जाता है। 13वीं अभिकल्प समिति में स्वीकृत निर्णयानुसार आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) को मुक्तस्वाध्यायपीठम् के शैक्षिक विकास केन्द्र राजीव गाँधी परिसर, शृंगेरी में स्थापित किया गया है।

सम्पर्क कक्षाएँ

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श/सम्पर्क-कक्षाएँ ऑफलाईन/ऑनलाइन माध्यन से चलायी जा रही हैं।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् में शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में कुल 298 छात्र अध्ययनरत हैं, जिनका विवरण अधोलिखित है:

	सेतु एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	तृतीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेतु	89	-	-	-
प्राक्शास्त्री	-	05	62	-
शास्त्री सेतु	07	-	-	-
शास्त्री	-	12	07	22
आचार्य सेतु (व्याकरण)	46	-	-	-
आचार्य सेतु (साहित्य)	21	-	-	-
आचार्य सेतु (फलित ज्योतिष)	08	-	-	
आचार्य	-	03	11	-
पालि भाषा प्रमाणपत्र	02	-	-	-
प्राकृत भाषा प्रमाणपत्र	03	-	-	-
कुल	**176**	**20**	**80**	**22**
कुल योग	**298**			

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

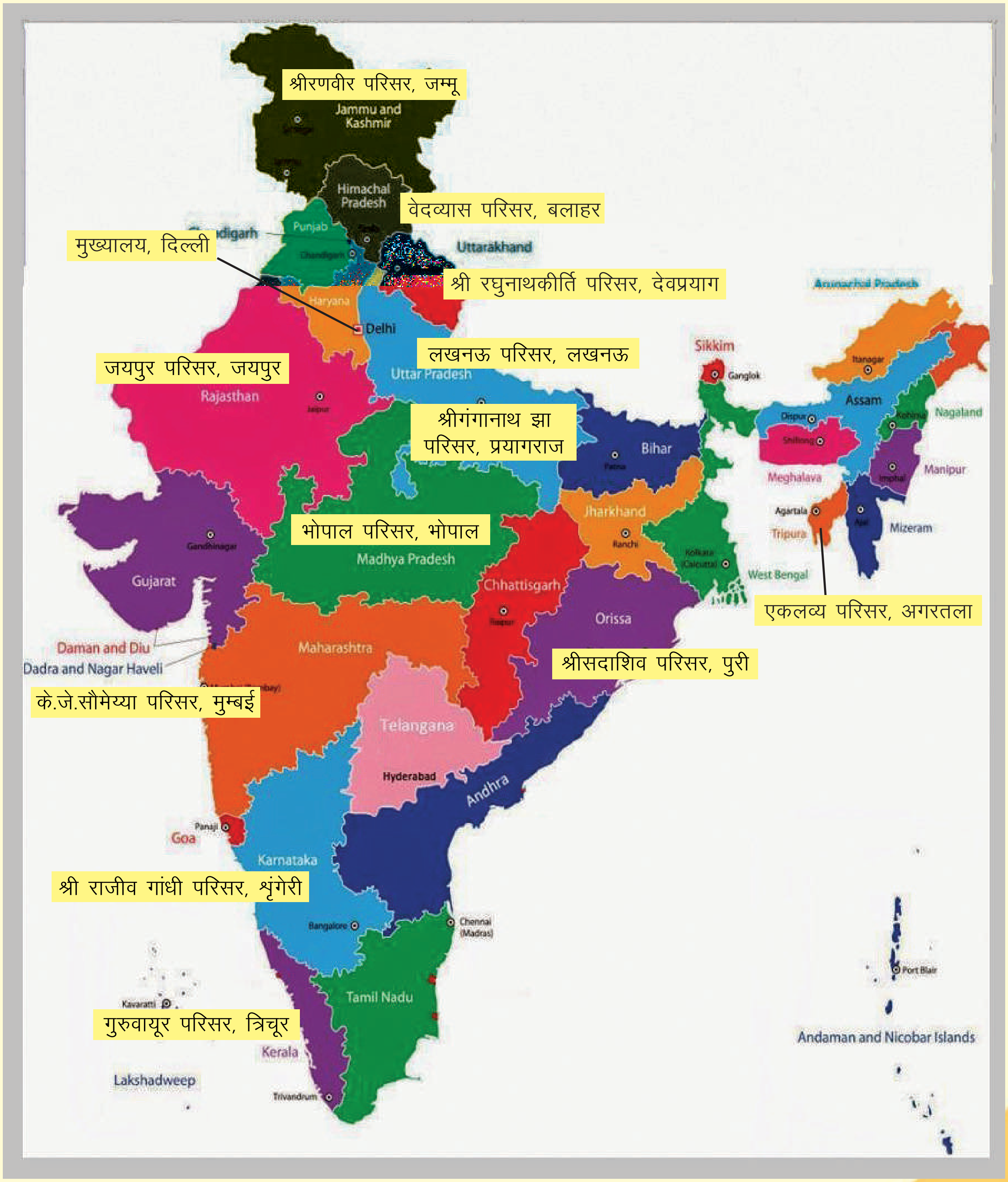
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
Jammu and Kashmir
Himachal Pradesh
वेदव्यास परिसर, बलाहर
मुख्यालय, दिल्ली
Punjab
Uttarakhand
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
Haryana
Delhi
लखनऊ परिसर, लखनऊ
Sikkim
Ganglok
जयपुर परिसर, जयपुर
Uttar Pradesh
Rajasthan
Jaipur
Itanagar
Assam
Nagaland
श्रीगंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज
Bihar
Meghalaya
Manipur
Gandhinagar
भोपाल परिसर, भोपाल
Madhya Pradesh
Jharkhand
Ranchi
Agartala
Tripura
Mizoram
Gujarat
Chhattisgarh
West Bengal
एकलव्य परिसर, अगरतला
Orissa
Daman and Diu
Dadra and Nagar Haveli
Maharashtra
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
Telangana
Hyderabad
Andhra
Panaji
Goa
Karnataka
श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
Bangalore
Chennai (Madras)
Port Blair
Tamil Nadu
Kavaratti
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
Kerala
Andaman and Nicobar Islands
Lakshadweep
Trivandrum

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

1. परिचय -

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,गङ्गानाथ झा परिसर का इतिहास 17 नवम्बर, 1943 ई. से प्रारम्भ होता है, जो अपने पूर्वरूप में गङ्गानाथ झा शोधसंस्थान के रूप मे स्थापित किया गया था। गङ्गा, यमुना एवं सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भूभाग पर सर गङ्गानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदनमोहनमालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गङ्गानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर हिन्दू हॉस्टल में की गयी थी।

म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार से कम्पनी बाग के चन्द्रशेखर आजाद पार्क में भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 13.02.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

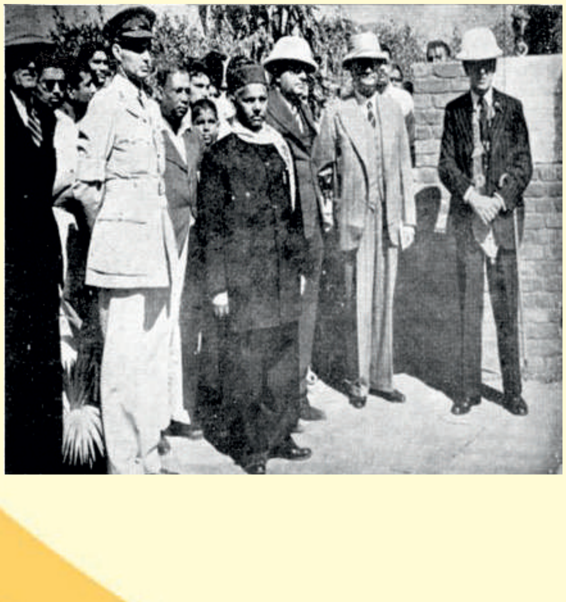

डॉ. बाबूराम सक्सेना, डॉ. ईश्वरीप्रसाद, डॉ. एस.पी. चतुर्वेदी एवं पं. के.सी. चट्टोपाध्याय इस समिति में थे। इस समय तक शोध संस्थान का प्रमुख कार्य 'जर्नल' का प्रकाशन रहा।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉ. भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यानाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉ. बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान करते रहे। संस्थान के सचिव प्रारम्भ से ही डॉ. उमेश मिश्र (1967 तक) रहे।

महामहोपाध्याय डॉ.पी.वी.काणे, सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, डॉ. एफ.डब्ल्यू. थॉमस (ऑक्सफोर्ड), प्रो. फैंकलीन एडगर्टन (न्यूयार्क), मौलवी सईद सुलेमान नकवी (आजमगढ़) और प्रो. मोहम्मद सफी इसके सम्मानित सदस्य रहे। श्री गोपालस्वरूप पाठक, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, सर एस. वरदाचारी, जस्टिस रघुबर दयाल, एस.सी.दवे और सर सीताराम इसके आजीवन सदस्य रहे। इन विद्वानों के वरदहस्त से इस संस्था की निरन्तर गौरव-वृद्धि होती रही।

1 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अङ्गीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया। तब से यह गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, 'गङ्गानाथ झा परिसर' हुआ। तदुपरान्त 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर के नाम से यह संस्था प्रगति कर रही है।

2. गंगानाथ झा परिसर की अवस्थिति –

यह परिसर चन्द्रशेखर आजाद पार्क इण्डियन प्रेस चौराहा के निकट स्थित है। इसके उत्तर में पन्नालाल रोड, जवाहर लाल नेहरू रोड तथा पीछे इलाहाबाद संग्रहालय, कमलानेहरू रोड है। यह परिसर सिविल लाइन्स बस अड्डे से 3 कि.मी. पर तथा प्रयागराज रेलवे स्टेशन से 5 कि.मी. तथा बमरौली प्रयागराज एयरपोर्ट से 15 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

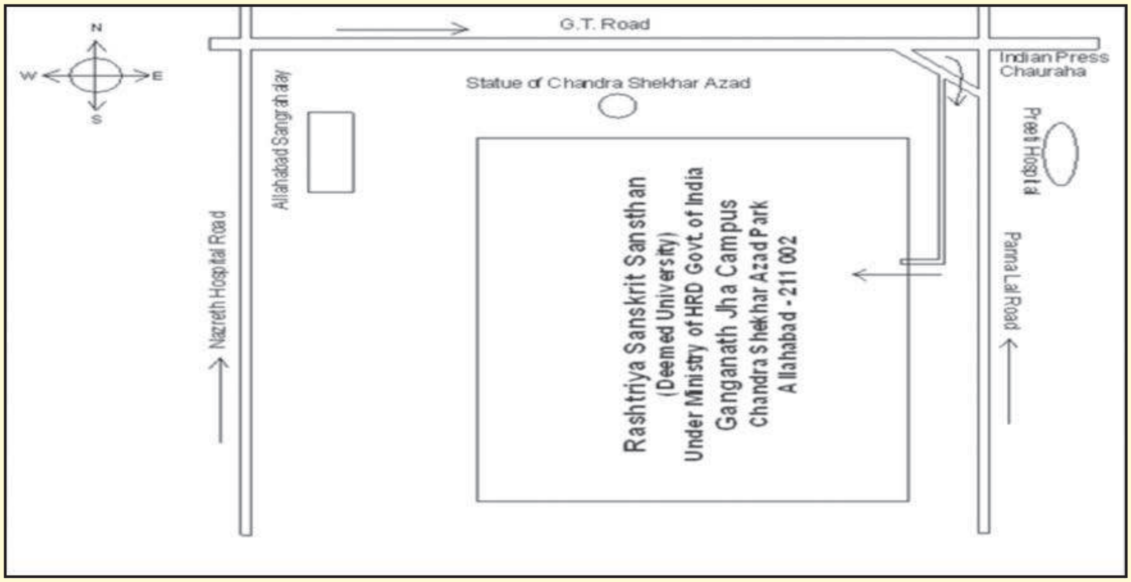

3. मुख्यगतिविधियाँ –

गङ्गानाथ झा परिसर मुख्य रूप से एक शोधसंस्थान है इसके मुख्य कार्यक्षेत्र निम्नलिखित हैं।

1. महत्त्वपूर्ण अप्रकाशित एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का सम्पादन।
2. प्रकाशन –

   (अ) परिसरीय परियोजना के अन्तर्गत सम्पादित पाण्डुलिपियों एवं अन्य ग्रन्थों का प्रकाशन

   (ब) 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा कैम्पस' – जो भारतीय ज्ञान पर आधारित तथा प्राच्य अध्ययन से सम्बन्धित शोध पत्रिका का प्रकाशन।

   (स) उशती – जो शास्त्र अध्ययन व संस्कृत अध्ययन पर आधारित शोध पत्रिका का प्रकाशन।
3. पाण्डुलिपियों का संरक्षण व संवर्धन।
4. विश्वविद्यालय के विविध परिसरों में शोधरत छात्रों का षाण्मासिक (कोर्सवर्क) का आयोजन।
5. शोधच्छात्रों के शोधशीर्षक निर्धारणार्थ यथासमय उपवेशन का आयोजन।
6. विविध परिसरों के शोधकेन्द्रों के सञ्चालन हेतु सुझाव प्रदान करना।
7. प्राक्शोधपाठ्यक्रम का निर्माण एवं सञ्चालन।
8. शोध को अत्यधिक उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण करने हेतु विविध शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन।
9. शोधप्रशिक्षण केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के अन्तर्गत सभी परिसरों के नवागन्तुक पंजीकृत शोधछात्रों के लिए प्राक्शोधपाठ्यक्रम का सञ्चालन।
10. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की शोधनीति के क्रियान्वयन हेतु शोधविकास प्रकोष्ठ का संचालन।

4. परिसर द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

1. शोधप्रविधि परिचयकार्यशाला दिनांक – 01.04.2022

शीर्षक	–	शोधसोपान एवं संक्षिप्तिका
मुख्यवक्ता	–	डॉ. गणेश टि.पण्डित
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी
संयोजिका	–	डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालिका – सुश्री पूजा (शोधच्छात्रा)

सम्पूर्त्तिसत्र

मुख्यवक्ता – डॉ. गणेश टि पण्डित

सारस्वतातिथि – डॉ. सुदीप्त मुंशी

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालिका – शोधच्छात्रा सुश्री पूजा

2. लेक्चर सीरिज ऑन फण्डामेण्टलस् ऑफ इण्डियनफिलोसिफी दिनांक – 04.04.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. सुदीप्त मुंशी

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

विषयः – आत्माऽतिरिक्तत्वस्थापनम्

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालक – श्री प्रेमकान्त झा

छात्रप्रस्तुति – श्री हितेश भट्ट

3. लेक्चर सीरिज ऑन फण्डामेण्टलस् ऑफ इण्डियनफिलोसिफी दिनांक – 06.04.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. सुदीप्त मुंशी

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठि।

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालक – सुश्री राधा शर्मा (शोधच्छात्रा)

छात्रप्रस्तुति

छात्र – श्री हितेश भट्ट

मार्गनिर्देशक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सत्रसंचालक – सुश्री राधा शर्मा (शोधच्छात्रा)

4. लेक्चर सीरिज ऑन फण्डामेण्टलस् ऑफ इण्डियनफिलोसिफी दिनांक – 07.04.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. सुदीप्त मुंशी

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी।

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालक – सुश्री शिखा चन्द्रवंशी

छात्र प्रस्तुत

छात्र – श्री हितेश भट्ट

मार्गनिर्देशक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्रसंचालक – सुश्री राधा शर्मा (शोधच्छात्रा)

सत्रसंचालक – सुश्री शिखा चन्द्रवंशी

5. लेक्चर सीरिज ऑन फण्डामेण्टलस् ऑफ इण्डियनफिलोसिफी दिनांक – 08.04.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. सुदीप्त मुंशी

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालक – श्री नवल किशोर

6. श्रीमद्बाल्मीकिरामायणस्य अखण्डपारायणम् दिनांक – 10.04.2022 तः 12.04.2022 तिथिं यावत्।

7. Aryan Invasion : New Dimensions (Online Class) Date - 18-04-2022

Speaker & Dr- Sunodan Kumar Sen, Assit- Professor, Dept. of Linguistic, University of Calcutta, Kolkata

Chairperson/Chief coordinator & Prof- Lalit Kumar Tripathi

Coordinator& Dr-Aparajita Mishra

Joint coordinator& Dr- Monali Das

Session coordinator& Sri Sudipta Munsi

तत्सम्बन्धित अन्तर्जालमाध्यमेन शोधसामग्रीअन्वेषणं अध्ययनञ्च

8. संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञानकार्याशाला (प्रथमदिवस) दिनांक 19.04.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. मोनाली दास

विषयः– WX Nations

Introduction to Sanskrit Computational linguistics-And Pratice Wx notation how to and whese to use wx-

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालक - श्रीसंजयतिवारी (शोधच्छात्र)

9. संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञानकार्यशाला-(द्वितीयदिवस) दिनांक- 20.04.2022

मुख्यवक्ता - डॉ. मोनाली दास

विषय - Use Of SLP and SlP 1

मार्गनिर्देशक एवं प्रधान संयोजक

- प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

द्वितीयसत्र

विषय:- SLP Practice, Concept of Programming

10. संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञानकार्यशाला दिनांक 21.04.2022 (तृतीयदिवस)

विषय - Introduction to NLP

मुख्यवक्ता - प्रो. डॉ. नीलाद्रिशेखरदास,विभागाध्यक्ष, भाषाई-अनुसंधानइकाई, भारतीयसांख्यिकीसंस्थान, कोलकाता

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालिका - सुश्री श्वेता (शोधच्छात्रा)

द्वितीय सत्र

मुख्यवक्ता - प्रो. डॉ. नीलाद्रिशेखरदास, विभागाध्यक्ष, भाषाई-अनुसंधान इकाई, भारतीय-सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालिका - सुश्री श्वेता (शोधच्छात्रा)

व्याख्यान सारांश प्रस्तुति – श्री सुदीप्त मुंशी

11. संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञान कार्यशाला - दिनांक 22.04.2022 (चतुर्थदिवस)

शीर्षक - Digitalisation of Classical Sanskrit teyts-

मुख्यवक्ता – प्रो. नीलाद्रि शेखर दास

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

व्याख्यान सारांशप्रस्तुति - श्री सुदीप्त मुंशी

सत्रसंचालिका - सुश्री शिवानी (शोधच्छात्रा)

द्वितीय सत्र

विषय - WX, SLPAnd IASt Practice and final assigronent-

मुख्यवक्ता - डॉ. मोनाली दास

मुख्य समन्वयक एवं अध्यक्ष - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

12. संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञानकार्यशाला - दिनांक- 25.04.2022

मुख्यावक्ता - डॉ. मोनाली दास

मुख्यसंयोजक अध्यक्ष - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

13. संस्कृतसंगणकभाषाविज्ञानकार्यशाला - (द्वितीय सत्र) 25.04.2022

शिक्षिका - डॉ. मोनाली दास

मार्गनिर्देशक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्रसंचालिका - ऋतुखत्री (शोधच्छात्रा)

14. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 26.04.2022

विषय - ब्राह्मी लिपि परिचय

मुख्य प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्रसंचालक - श्री धीरज कुमार (शोधच्छात्र)

15. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 27.04.2022

मुख्य प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

विषय - ब्राह्मीलिपि स्वर एवं व्यंजन

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्र सञ्चालिका - सुश्री नेहा

16. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 28.04.2022

मुख्य प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक

- प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्र सञ्चालिका - सुश्री प्रियंका शर्मा (शोधच्छात्रा)

17. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 29.04.2022

प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक

- प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

18. भारतीय विद्याग्रन्थ पाठमाला के अन्तर्गत काव्यशास्त्रीयग्रन्थ पाठमाला दिनांक 02.05.2022

अन्तर्जाल माध्यम से अयोजित

शीर्षक ग्रन्थ - काव्य प्रकाश (प्रथम-उल्लास से चतुर्थ-उल्लास तक)

मुख्यवक्ता प्रो. राम कुमार शर्मा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर

प्रधान संयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

19. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 02.05.2022

मुख्य प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्र संचालक - श्रीदीनबन्धु पाण्डेय (शोधच्छात्र)

20. भारतीय विद्याग्रन्थ पाठमाला के अन्तर्गत काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ पाठमाला – दिनांक 03.05.2022

पाठ्यग्रन्थ - काव्यप्रकाश

मुख्यवक्ता - प्रो. राम कुमार शर्मा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर

प्रधान संयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

21. भारतीय विद्याग्रन्थ पाठमाला के अन्तर्गत काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ पाठमाला –दिनांक 04.05.2022 अन्तर्जाल माध्यम एवं फेसबुक लाइव

ग्रन्थ - काव्यप्रकाश

मुख्यवक्ता - प्रो. राम कुमार शर्मा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

22. इन्ट्रोडक्सन टू जेनरललिंग्विस्टिक-भाषा शिक्षण दिनांक 05.05.2022

शिक्षिका - सुश्री परोमिता नन्दी

मुख्य समन्वयक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

23. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 05.05.2022

मुख्य प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सत्र संचालक - श्री निखिल वशिष्ठ

24. उत्कर्ष महोत्सव-राष्ट्रिय सङ्गोष्ठी दिनांक

07.05.2022 त: 09.05.2022

संस्कृत सम्भाषण प्रशिक्षण कक्षा दिनांक 09.05.2022

प्रशिक्षक - श्री उमेश कुमार पाण्डेय

मार्गनिर्देशक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

25. काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ पाठमाला दिनांक 11.05.2022 अन्तर्जालिय फेसबुक माध्यम से

शिक्षक - प्रो. राम कुमार शर्मा (केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर)

मुख्य समन्वयक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

26. काव्यशास्त्रीय व्याख्यानमाला दिनांक 11.05.2022

मुख्यवक्ता - प्रो. हरिदत्त शर्मा

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

27. काव्यशास्त्रीय व्याख्यानमाला दिनांक 12.05.2022

मुख्यवक्ता - प्रो. हरिदत्त शर्मा

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका - डॉ. मोनाली दास

सत्र संचालक - श्री प्रतीक तिवारी (शोधच्छात्र:)

28. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 12.05.2022

मुख्य प्रशिक्षिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सत्र सञ्चालक - श्री प्रतीक तिवारी (शोधच्छात्र)

29. काव्यशास्त्रीय व्याख्यानमाला दिनांक 13.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. हरिदत्त शर्मा

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्र संचालक – श्री प्रभाकर शर्मा

30. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 13.05.2022

मुख्य प्रशिक्षिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सत्र संचालक – श्री प्रभाकर शर्मा

मुख्य समन्वयक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

31. काव्य शास्त्रीय व्याख्यान माला दिनांक 14.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. हरिदत्त शर्मा

अध्यक्ष एवं मुख्यसंयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्र संचालक – श्री हितेश भट्ट

32. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 17.05.2022

मुख्य प्रशिक्षिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

शास्त्रचर्चा सत्र दिनांक 17.05.2022

मार्ग निर्देशक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

33. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 18.05.2022

प्रशिक्षिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

मुख्य समन्वयक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालिका – सुश्री साधना आर्या

34. व्याकरणशास्त्रीय कार्यशाला दिनांक 19.05.2022 प्रथमसत्र–

मुख्यवक्ता – डॉ. ब्रजभूषण ओझा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालिका – सुश्री साधना आर्या

द्वितीय सत्र

मुख्यवक्ता – डॉ. ब्रजभूषण ओझा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्र सञ्चालिका – सुश्री साधना आर्या

35. व्याकरणशास्त्रीय कार्यशाला दिनांक 20.05.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. ब्रजभूषण ओझा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालिका – श्री विकास कुमार प्रधान

36. पुरालिपि प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 20.05.2022

प्रशिक्षिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सत्रसञ्चालिका – श्रीविकासकुमारप्रधानः

37. व्याकरणशास्त्रीय कार्यशाला दिनांक 21.05.2022

मुख्यवक्ता – डॉ. ब्रजभूषण ओझा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालिका – श्री कुन्दनः

धन्यवादज्ञापन – श्री अंकित मिश्र

38. काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ पाठमाला दिनांक 23.05.2022

मुख्यवक्ता –प्रो. राम कुमार शर्मा, केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

39. हस्तलेखशास्त्र प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 23.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. विजयपाल शास्त्री

विषयः – पाण्डुलिपिसम्पादने भाषाज्ञानस्यावश्यकता

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालक – श्री संदीप कुमार

मंगलाचरण प्रस्तुति – श्री जयकिशन नैनानी एवं श्री योगेश बराल

धन्यवादज्ञापन – श्री दीपबन्धु पाण्डेय

40. काव्यशास्त्रीय ग्रन्थ पाठमाला दिनांक 24.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. राम कुमार शर्मा (केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर)

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

41. हस्तलेखशास्त्र प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 24.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. विजयपाल शास्त्री

विषय – पाण्डुलिपि सम्पादन व्याकरणज्ञानस्यानिवार्यता

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सत्र सञ्चालक – श्री यकलेश मुड़ितया

मङ्गलाचरणप्रस्तुति – श्री अपराजित शर्मा

धन्यवादज्ञापन – श्री नवल किशोर शर्मा

42. काव्यशास्त्रीयग्रन्थपाठमाला दिनांक 25.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. राम कुमार शर्मा

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

43. हस्तलेखशास्त्रप्रशिक्षणकार्यशाला दिनांक 25.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. विजयपालशास्त्री

विषयः – पाण्डुलिपिसम्पादने शब्दशक्तिज्ञानस्योपयोगिता

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्र सञ्चालक – सुश्री डोना मण्डल

मङ्गलाचरण प्रस्तुति – सुश्री राधा शर्मा

धन्यवादज्ञापन – सुश्री डोना मण्डल

44. हस्तलेखशास्त्रप्रशिक्षणकार्यशाला दिनांक 26.05.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. विजयपाल शास्त्री

विषयः –पाण्डुलिपिसम्पादने सम्बद्धविषयस्य शोधात्मकं सर्वेक्षणम्

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्र सञ्चालक – श्रीधर साहू

मङ्गलाचरण – श्री शिव प्रकाश

धन्यवादज्ञापन – श्रीधर साहू

45. हस्तलेखशास्त्रप्रशिक्षणकार्यशाला दिनांक 27.05.2022 से 31.05.2022 पर्यन्त

मुख्यवक्ता –प्रो. विजयपाल शास्त्री, डॉ. अपराजिता मिश्रा

शीर्षकम् –पाण्डुलिपिसम्पादनाय हस्तलिखित ग्रन्थसङ्ग्रह स्रोतांसि पाण्डुलिपिसम्पादनप्रविधिः

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

46. काव्यशास्त्रीयग्रन्थपाठमाला दिनांक 31.05.2022 से 16.06.2022 पर्यन्त

पाठ्यग्रन्थ –काव्यप्रकाश (प्रथमउल्लास से चतुर्थउल्लास पर्यन्त)

मुख्यवक्ता –प्रो. राम कुमार शर्मा, जयपुर परिसर, केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

47. पञ्चदश दिवसीय योगकार्यशाला एवं व्याख्यानमाला (पाक्षिकयोगकार्यशाला) दिनांक 31.05.2022 से 14.06.2022 पर्यन्त

मुख्यवक्ता – प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर

शीर्षकम् – वैश्विकपरिदृश्य में योग एवं आयुर्वेद

मुख्य समन्वयक एवं अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सह संयोजिका – डॉ. मोनाली दास

सत्र संचालक – श्री कृष्ण कान्त पञ्चारिया

मङ्गलाचरण प्रस्तुति – श्री शिव नारायण महर्षि

धन्यवादज्ञापन – श्री दिनेश भट्ट

अन्य व्याख्यान विषय –

योग का मौलिकस्वरूप

जीर्ण एवं असाध्यरोगों की चिकित्सा में आयुर्वेद की भूमिका

संयोजनसमिति सदस्य –

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी
डॉ. अपराजिता मिश्रा
डॉ. मोनाली दास
श्री अञ्जनी कुमार पुण्डरीक

48. मीमांसादर्शन ग्रन्थ पाठमाला दिनांक 01.06.2022

मुख्यवक्ता – प्रो. सूर्य नारायण भट्ट (शृंगेरी परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय)

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

विषया: – अर्थसङ्ग्रह: (शास्त्रारम्भसूत्रार्थविवरणम्)

अर्थसङ्ग्रह: (भावनानिरुपणम्)

शाब्दीभावना

विधिविभाग: (विशिष्टविधि:)

उत्पत्तिविधि:

श्रुतिनिरुपणम्

लिंवाक्यनिरूपणम्

प्रकरणस्थानसमाख्यानिरूपणम्

सह संयोजिका– डॉ. मोनाली दास

49. मध्यमंगलसमारोह – "अमृतमहोत्सवे योगोत्सवस्य विशिष्टसत्रञ्च" दिनांक 06.06.2022

अध्यक्ष – प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी, कुलपति के.सं.वि.वि.

मुख्यातिथि – प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी

विशिष्टातिथि – प्रो. हरिदत्त शर्मा

स्वागतं एवं प्रस्तावना – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

कृतज्ञताज्ञापन – डॉ. अपराजिता मिश्रा

उपस्थित विद्वान – प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'

प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'

डॉ. सुरेश पाण्डेय

डॉ. अपराजिता मिश्रा

डॉ. मोनाली दास

चर्चा सत्र

मुख्यवक्ता – प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति के.सं. विश्वविद्यालय, दिल्ली

मुख्य समन्वयक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

उपस्थित विद्वान – प्रो. रामकृष्णपाण्डेय 'परमहंस'

डॉ. अपराजिता मिश्रा

डॉ. मोनाली दास

50. संस्कृत स्वातन्त्र्य वीरस्मृति व्याख्यान माला दिनांक 13.06.2022 से 20.06.2022 पर्यन्त

उद्घाटनसत्राध्यक्ष –प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय

कार्यक्रमस्थल –भारतीयपुत्र चन्द्रशेखर आजाद वीर की प्रतिमा के पास

51. संस्कृतज्ञ स्वातन्त्र्यवीर स्मृति व्याख्यानमाला – प्रथमदिवस

मुख्यवक्ता – प्रो. हरिदत्त शर्मा

विषय: – भारतीय स्वतंत्रता संग्रामे संस्कृत साहित्यकाराणाम् अवदानम्

द्वितीयसत्र

मुख्यविषय – स्वातंत्र्य संग्राम एवं शहीद चन्द्रशेखर आजाद

मुख्यवक्ता – श्री वीरेन्द्र पाठक

52. संस्कृत स्वातन्त्र्यवीर स्मृति व्याख्यान माला दिनांक 14.06.2022

प्रथमदिवस

विषय:– 1857 की स्वतन्त्रता के 10 दिन एवं सनातन

मुख्यवक्ता – श्री वीरेन्द्र पाठक

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

द्वितीयसत्र

विषय:– विस्मृत शहीदों की शौर्यगाथा

मुख्यवक्ता – श्री वीरेन्द्र पाठक

तृतीयसत्र दिनांक 15.06.2022

विषय: – स्वतंत्रतासंग्रामे संस्कृत विदुषामवदानम्

मुख्यवक्ता – प्रो. विजयकुमार सी.जी.

संयोजन समिति –

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा

सहसंयोजिका– डॉ. मोनाली दास

उपस्थित विद्वान – प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'

प्रो. रामकृष्णपाण्डेय 'परमहंस'

डॉ. अपराजिता मिश्रा

डॉ. मोनाली दास

अष्टावधानकला व्याख्यानमाला दिनांक 16.06.2022

मुख्यवक्ता –डॉ. रामकृष्ण पेजताय 'अष्टावधानी'

विषय:-आमुखम्, अवधानांगानि, अवधानप्रकाश्च

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

द्वितीयसत्र

मुख्यवक्ता -डॉ. रामकृष्ण पेजताय 'अष्टावधानी'

विषय:-अवधानस्येतिहास:, अवधानित्वम्, पृच्छककर्त्तव्यम्, सहृदयाश्च

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

53. अष्टावधानकला प्रदर्शन दिनांक 17.06.2022

मुख्यवक्ता -डॉ. रामकृष्ण पेजताय 'अष्टावधानी'

विषय:-अष्टावधानप्रस्तुति:

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका -डॉ. अपराजिता मिश्रा

सहसंयोजका-डॉ. मोनाली दास

प्रश्नकर्त्ता विद्वान- श्रीअञ्जनी कुमार पुण्डरीक, डॉ. गोविन्द पौडेल

प्रश्नकर्त्तार छात्रा- श्री स्वर्ण मन्दार, श्री महेन्द्र हेगड़े, श्री अरुण पाण्डेय, डॉ. गोविन्द, श्रीपाद, श्री शिव नारायण महर्षि, कुमारी रुचि, श्री अथर्व, श्री संतोष, सुश्री श्वेता, श्री प्रकाश मण्डल, श्री अनिल चन्द्रन् के. इत्यादि।

54. सिद्धान्तज्योतिष व्याख्यानमाला दिनांक 17.06.2022 से 19.06.2022 पर्यन्त

मुख्यवक्ता -डॉ. रामकृष्ण पेजताय 'अष्टावधानी'

विषय:-ज्योतिषस्याविर्भाव:, विकास:, सिद्धान्तज्योतिषञ्च कालविभागा:, कालमानानि च, ग्रहणम्, भारतीयगणितवैशिष्ट्यम् भूस्वरूपपम् तत्र मतान्तराणां निरसनञ्च, 'मध्यस्थसूर्य:' इतिस्थिते: भारतीयज्योतिर्ग्रन्थेषु उल्लेखाञ्च।

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका -डॉ. अपराजिता मिश्रा

सहसंयोजका-डॉ. मोनाली दास

55. SriAurobindo \ Nationalism and National Culture – 19.06.2022

मुख्यवक्ता -डॉ. सरणि घोषाल मंडल

शीर्षक:-National and National culture

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सहसंयोजका-डॉ. मोनाली दास

व्याख्यान सत्र दिनांक 19.06.2022 से 20.06.2022 पर्यन्त

मुख्यवक्ता -प्रो. देवदत्त सरोदे

विषय:-(प) स्वातन्त्र्यवीर विनायक दामोदरसावरकरस्य राष्ट्रभक्ति: साहित्यसृष्टिश्च

(ii) स्वातन्त्र्य समरसेनान्यौ संस्कृतशास्त्रज्ञौ पं. श्यामकृष्णवर्मा लाला हरदयालश्च

(iii) जगत: समस्या:, समाधानशास्त्रम्

(iv) शिक्षणसम्प्रत्यय:, उद्देश्यानि च

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सह संयोजका-डॉ. मोनाली दास

56. व्याख्यानसत्र दिनांक 20.06.2022

मुख्यवक्ता -डॉ. राकेश दास

विषय:-Bankimchandra Chatterjee's Contribution to Indian Natilism and the Revial of Sanskrit

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका - डॉ. अपराजिता मिश्रा

सहसंयोजका - डॉ. मोनाली दास

57. व्याख्यानसत्र दिनांक 21.06.2022

मुख्यवक्ता -डॉ. राकेश दास

विषय:-Bankimchandra Chatterjee*s Contribution to Indian Natilism and the Revial of Sanskrit

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

संयोजिका -डॉ. अपराजिता मिश्रा

सहसंयोजका-डॉ. मोनाली दास

अष्टम: अन्ताराष्ट्रियययोगदिवसकार्यक्रम: दिनांक 21.06. 2022

विशिष्टातिथि - प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर

विषय:-योगशास्त्रे व्यासभाष्ये च वर्णितं मनस: स्वरूपं तथा च योगशास्त्रसार:

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

मुख्यवक्ता - प्रो. देवदत्त सरोदे

58. व्याख्यानसत्रम् (F B Online)
दिनांक 25.06.2022

Topic & Indian National Movement-

मुख्यवक्ता -प्रो. अभिषेक घोष

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सहसंयोजका-डॉ. मोनाली दास

59. व्याख्यानसत्र दिनांक 28.06.2022

मुख्यवक्ता -प्रो. रमाकान्त पाण्डेय

विषय:- स्वतन्त्रतासंग्रामविषयकं संस्कृतसाहित्यम् (अनुसन्धानस्य अभिनवा: सम्भावना:)

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सहसंयोजका - डॉ. मोनाली दास

60. व्याकरणव्याख्यानमाला दिनांक 28.06.2022 त: 18.07.2022 यावत्

मुख्यवक्ता -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, श्री यतिराज बराल, प्रो. रामसलाही द्विवेदी एवं श्री अङ्कित मिश्र

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सहसंयोजका - डॉ. मोनाली दास

61. संस्कृतभाषाशिक्षणकार्यशाला दिनांक 12.07. 2022 त: 15.07.2022

मुख्यवक्ता -प्रो. वाई.एस.रमेश, शिक्षाशास्त्र विभाग, जयपुर परिसर, के.सं.वि.वि.

व्याख्यानविषया:-

भाषाशिक्षणम्-तदनिवार्यता पूर्वपरीक्षा च

प्रश्नपत्रस्य विवरणम्, शब्दरूपाणां स्मरणोपाया:

सर्वनामशब्दानां, वाक्यसंरचनाया: पाठनम्

प्रश्नपत्रम्-तत्परीक्षणम् "सुभाषितमाध्यमेन भाषाशिक्षणम्"

सरलमानकसंस्कृतम्, प्रौढसंस्कृतम्

शतस्य अंकानां व्याकरणज्ञानपरीक्षा

परीक्षाप्रश्नपत्रस्यावबोधनम्, युष्मच्छब्दस्यमध्यमपुरुषस्य प्रयोगसरणि:

प्रत्ययानां प्रयोगसरणि:

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सहसंयोजिका-डॉ. मोनाली दास

62. शास्त्राभिव्यक्तिकार्यशाला दिनांक 20.07.2022 त: 26.07.2022 यावत्

मुख्यवक्ता -डॉ. जे. सूर्यनारायण

विषय:-Shastra Mapping शास्त्रीयाभिव्यक्ते: परिचय: अधिकारिनिरूपणञ्च।

विशिष्टावक्ता-श्री चैतन्य सु. लक्कुण्डी

विषय:-शास्त्राभिव्यक्ति के प्रयोजन और प्रायोगिक कार्यान्वयन

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक -प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

समुपस्थित विद्वान- प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. मोनाली दास, श्री पङ्कज कुमार शर्मा

अन्यव्याख्यान विषय - Sootra Minning, शास्त्रीय प्रश्नप्रकरणम्, शास्त्रीयाभिव्यक्ते: न्यायसम्बन्धा, तन्त्रयुक्ति:, लक्षणानि उदाहरणानि च, SpreaosQheet परिचय:, विषयचयन:, शास्त्राभिव्यक्तौक्रम: प्रायोगिकं प्रकलनञ्च प्रभृतय:।

63. अमरशहीदचन्द्रशेखरआजादस्य जीवनकेन्द्रिया प्रदर्शनी दिनांक 23.07.2022

शीर्षकम् - "आजादस्य शौर्यगाथा"

विशिष्टातिथि -श्री संजय गोयल (आई.ए.एस.)

प्रदर्शनी आयोजका - डॉ. कुमार संजय झा, प्रो. विजय शंकर शुक्ल, प्रो. अचल पण्ड्या, प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, डॉ. गोपाल मोहन शुक्ल इत्यादय।

प्रदर्शनीआलेख - परिकल्पना-क्यूरेशन आदि-डॉ. सत्य व्रत त्रिपाठी

प्रदर्शनी संयोजक - डॉ. अभिजीत दीक्षित

समुपस्थित विद्वान- प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि', डॉ. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मोनाली दास, श्री अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री राजेश कान्त तिवारी

64. पाठ आलोचन कक्षा दिनांक 01.08.2022 से 05.08.2022 पर्यन्त

अन्तर्जालमाध्यम से आयोजित

मुख्यवक्ता -प्रो. बसन्त एम्. भट्ट, सेवानिवृत्त आचार्य, संस्कृतविभाग, गुजरात विश्वविद्यालय

विषय - पाण्डुलिपिविज्ञान की शाखाएँ एवं उपादेयता, प्राचीनपाण्डुलिपियों की खोज एवं पाण्डुलिपियों का बहिरंगस्वरूप, पाण्डुलिपियों का लेखनकाल एवं संवत्सर-परिवर्त्तनपुरानी देवनागरीलिपि का वाचन इत्यादि

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक –प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सहसंयोजका–डॉ. मोनाली दास

65.अमृतमहोत्सव के अन्तर्गत 'हर घर तिरंगा यात्रा' दिनांक 12.08.2022 से 15.08.2022 पर्यन्त

मुख्य समन्वयक –प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

परिसर सदस्य – प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'
डॉ. अपराजिता मिश्रा
प्रो. देवदत्त सरोदे
डॉ. मोनाली दास
डॉ. सुरेश पाण्डेय एवं परिसर छात्र एवं कर्मचारी

66. अमृतभारतीयवैभव "संस्कृतसप्ताहसमारोह" दिनांक 13.08.2022

उद्घाटनसत्र –

मुख्यातिथि –प्रो. हरिदत्त शर्मा

विशिष्टातिथि –प्रो. गोपबन्धु मिश्र

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

कृतज्ञता ज्ञापन – डॉ. अपराजिता मिश्रा

समुपस्थित विद्वान–प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'
प्रो. देवदत्त सरोदे
प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'
डॉ. मोनाली दास
डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक
श्री राजेश कान्त तिवारी

67. विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदर्शनी का उद्घाटनकार्यक्रम – दिनांक 14.08.2022

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

प्रदर्शन उद्घाटन –प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

प्रास्ताविक –प्रो. देवदत्त सरोदे

समुपस्थित विद्वान –प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'
प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'
डॉ. सुरेश पाण्डेय
श्री राजेश कान्त तिवारी

68. अमृतभारतीयवैभवम् "संस्कृतसप्ताहसमारोहः" दिनांक 13.08.2022 श्लोकभाषाप्रस्तुतिः

मुख्यवक्ता –प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालक – श्री शिव नारायण महर्षि

छात्रप्रस्तुति –सुश्री शालिनी, सुश्री श्वेता, सुश्री आकांक्षा, श्री वरुण त्रिपाठी, सुश्री साधना आर्या, श्री संदीप मिश्र, श्री विकास सरकार, श्री मनोज मिश्र, श्री शिव प्रकाश दुबे, श्रीधर साहू, सुश्री शिवानी, सुश्री प्राची।

समुपस्थित विद्वान –प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'
प्रो. देवदत्त सरोदे

69. अमृतभारतीयवैभव 'संस्कृतसप्ताहसमारोह' दिनांक 17.08.2022

गूगलमीट् अन्तर्जाल माध्यम से

मुख्यवक्ता – डॉ. ऋषि राज पाठक

अध्यक्ष एवं प्रधान संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालक – श्री अंकित मिश्र

द्वितीयसत्र –

मुख्यातिथि – श्री देवेन्द्र पण्ड्या

मुख्यवक्ता – श्री सत्य नारायण कुमावत

समुपस्थित विद्वान –प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. मनीष जुगरान, डॉ. मोनाली दास, डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय, डॉ. शम्भुनाथ त्रिपाठी, डॉ. मुरारजी त्रिपाठी, श्री रवीन्द्र सिंह, डॉ. शेषनारायण शुक्ल, डॉ. प्रदीप शुक्ल, डॉ. शालिग्राम त्रिपाठी, डॉ. शत्रुघ्न, श्री सर्वज्ञ भूषण, डॉ. हरिश्चन्द्र दुबे, श्री घनश्याम, श्री राजेश कान्त तिवारी, डॉ. आशीष कुमार, डॉ. सन्दीप कुमार मिश्र, श्री शैलेन्द्र यादव, श्री जितेन्द्र कुमार, श्री मनोज कुमार मिश्र इत्यादि।

70. अमृत भारतीय वैभव 'संस्कृतसप्ताहसमारोह' दिनांक 18.08.2022

अध्यक्ष एवं मुख्यवक्ता – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

सत्र सञ्चालक – श्री केशव कुमार पाण्डेय

छात्र प्रस्तुति–सुश्री प्रियंका, श्री शिव नारायण महर्षि, श्री मनोज मिश्र, सुश्री आकांक्षा, सुश्री श्वेता, सुश्री शालिनी।

शास्त्रार्थ प्रस्तुति – श्री हितेश भट्ट, श्री यति राज बराल, श्री केशव पाण्डेय, श्री कृष्ण पाण्डेय, श्री प्रभाकर, श्री अथर्व।

समुपस्थित विद्वान – प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि', प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', प्रो. देवदत्त सरोदे, डॉ. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मोनाली दास इत्यादि।

71. श्रीमद्भगवद्गीता जयन्तीसमारोह, 05 December, 2022

मुख्यातिथि – प्रो. के. इन्दिराप्रियदर्शिनी, पूर्वविभाग प्रमुख, रसविज्ञान विभाग, भाभा परमाणु शोधकेन्द्र, मुम्बई।

72. राष्ट्रियपाण्डुलिपिविज्ञानकार्यशाला

मुख्यातिथि – श्रीमतीश्रद्धाशुक्ला (उपसचिव, माध्यमिक–शिक्षापरिषद्, उत्तरप्रदेश), मुख्यवक्ता – प्रो. सिद्धार्थयशवन्त वाकणकर (उपनिदेशकचर, प्राच्यविद्यामन्दिर, बडोदरा)

73. त्रिदिवसीया राष्ट्रिया कार्यशाला

छात्राणां संस्कृत भाषासम्प्रेषण कौशलानां विकासः, 01 March, 2023 से 03 डंतबी, 2023, [उद्घाटनसमारोह] मुख्यातिथि – डॉ. देवेन्द्रपण्ड्या (क्षेत्रसंघटनमन्त्री, संस्कृतभारती, उत्तरप्रदेश), सारस्वतातिथि – प्रो. मनोजकुमारमिश्र (वेदविभागअध्यक्ष, के.सं.वि.वि.वि., गङ्गानाथ झापरिसर, प्रयाग), मुख्यवक्ता – प्रो. देवदत्तसरोदे (संयोजक, शोधविकासप्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि.वि., गङ्गानाथझापरिसर, प्रयाग)। [समापनसमारोह] मुख्यातिथि – मा. न्यायमूर्तिश्रीमान शेखरयादव (माननीय न्यायमूर्ति, इलाहाबादउच्चन्यायालय), विशिष्टातिथि – मा. सन्तोषकुमार श्रीवास्तव (माननीयन्यायाधीशचर), मुक्यवक्ता – डॉ. देवेन्द्रपण्ड्या (क्षेत्रसंघटनमन्त्री, संस्कृतभारती, उत्तरप्रदेश)

74. अन्ताराष्ट्रिय महिलादिवस कार्यक्रम

01 March, 2023 से 08 March, 2023, मुख्यवक्ता – प्रो. जी.एस. तोमर (अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन, निवृत्तप्राचार्य, शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हण्डिया, प्रयाग), विशिष्टातिथि – डॉ. शान्तिचौधरी (सेवानिवृत्त चिकित्सा शोध अधिकारी, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज, प्रयागराज)

75. राष्ट्र के बारह राज्यों में 13 परिसरों में विस्तृत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गङ्गानाथ झा परिसर एवं कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के शास्त्राध्ययन केन्द्र के संयुक्ततत्त्वाधान में दिनांक 13.02.2023 से 15.02. 2023 पर्यन्त "पाणिनीयव्याकरण तदनुप्रयोगश्च" इस विषय पर त्रिदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी समायोजित हुई। जिस में विश्व के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से समागत आचार्यो नें संगोष्ठी के विषय को आधार बनाकर अपना सारगर्भित शोधपत्र प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्राच्यप्रतीच्योभय–विधविद्याविचक्षण केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने किया, सत्र का बीजवक्तव्य आचार्य कोराड सुब्रह्मण्यम (आई.आई.टी., हैदराबाद) ने प्रस्तुत किया, सत्र सारस्वातातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य परम वैयाकरण आचार्य आजादमिश्र उपस्थित रहे। उपस्थित आचार्यो का स्वागत गङ्गानाथ झा परिसर के निदेशक वैयाकरणधुरीण आचार्य ललित कुमार त्रिपाठी जी ने किया।

तत्पश्चाद् अगले सत्र में "भारतीय आर्यभाषा परिवार के शब्द और साहित्य के आलोक में पाणिनि को प्रकृति प्राच्य संरचना" इस विषय पर आचार्य सुद्युम्नाचार्य (वेदवाणीवितानम्, सतना) ने अपना वैदुष्यपूर्ण शोधपत्र पढ़ा। तत्पश्चाद् " वाचि ह्रस्वश्य इति न्यासः" इस विषय पर आचार्य श्रीपातसुब्रह्मण्यम् (निवर्तमान निदेशक, पाण्डुलिपिग्रन्थालय, हैदराबाद) ने अपना शोधपत्र वाचन किया। तदन्तर "पाणिनीयअष्टाध्यायीसंरचनायाः वैज्ञानिकत्त्वम्" इस विषय पर आचार्य श्रीधर मिश्र (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर) के द्वारा शोधपत्र पढ़ा गया। इस सत्र की अध्यक्षता आचार्य श्रीपाद सुब्रह्मण्यम् जी ने किया।

दिनांक 13.02.2023 को ही तृतीय सत्र में "द्वितीया–विभक्त्यर्थस्य वैविध्यम्" इस विषय पर आचार्य भारत भूषण त्रिपाठी (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ, परिसर) ने अपना शोधपत्र पढ़ा। तत्पश्चाद् "अष्टाध्यायीसंरचना" इस विषय पर डॉ. अम्बरीश कुमार मिश्र (भरतमिश्रसंस्कृत महाविद्यालय, छपरा, बिहार) ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। तत्पश्चाद् "शास्त्रान्तरेषु पाणिनीयव्याकरणस्य प्रभावः" इस विषय पर आचार्य दिव्य चौतन्य ब्रह्माचारि (व्याकरण विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी) ने अपना गाम्भीर्यपूर्ण शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता आचार्यकोराडसुब्रह्मण्यम् (आई.आई.टी., हैदराबाद) ने किया। इसी दिन सायंकाल में एक विद्वत संगोष्ठी का आयोजन हुआ

जिसमें विविध विद्वानों ने शब्दशास्त्र के विविध विषयों के उपर अपने विचार रखे।

संगोष्ठी के दूसरे दिन दिनांक 14.02.2023 को प्रथम सत्र में "पाणिनीयसूत्रप्रत्याख्यानसमीक्षा" इस विषय पर आचार्य भगवत शरण शुक्ल ने (व्याकरणविभाग, सं.वि.ध.वि.संकाय, का.हि.वि.वि., वाराणसी) अपना सारगर्भित शोधपत्र पढ़ा। तत्पश्चाद् "अकृतव्यूहपरिभाषाया: स्वरूपमर्थप्रवृत्तिश्च" इस विषय पर आचार्यविष्णुनम्पुतिरि (व्याकरणविभाग, श्रीशंकराचार्य संस्कृत सर्वकलाशाला, कालड़ी, केरल) ने अपना शोधपत्र वाचन किया। तत्पश्चाद् "शब्दशास्त्रीय कतिपय सिद्धान्तानां विमर्श:" इस विषय पर आचार्य रमाकान्तपाण्डेय (व्याकरणविभाग, सं.वि.ध.वि.संकाय, का.हि.वि.वि., वाराणसी) ने अपना शोधपत्र पढा। इस सत्र की अध्यक्षता व्याकरण विभाग, सं.वि.ध.वि.सं., का.हि.वि.वि. वाराणसी के आचार्य भगवत शरण शुक्ल ने किया।

द्वितीय दिवस के Demosession नामक सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें " Visualization of the relationship among Vedic texts " इस विषय पर डॉ. क्योको अमानो (शोधछात्र), क्योटोविश्वविद्यालय ने अपना शोधपत्र पढा। तत्पश्चाद् "संस्कृतशाला" इस विषय पर श्रीजीवनेशसंधान, शोधच्छात्र, आई.आई.टी. कानपुर ने अपना शोधपत्र वाचन किया। तत्पश्चाद् "Sanskrit TextsAnnotation and Research Tool "इस विषय पर विद्वद्वरेण्य अनिल कुमार, हैदराबाद विश्वविद्यालय ने अपना सारगर्भित शोधपत्र पढा। तत्पश्चाद् Neural Machine Translation System इस विषय पर डॉ. विश्वजीतसिन्हा बकरोला (Head, UKA Tarsadia, University) ने अपना शोधपत्र पढा। तत्पश्चाद् इसी प्रकार श्रीअंकितमिश्र, श्रीसुधन्वा मञ्जुनाथ, श्री-अभयप्रतापसिंह, श्रीप्रसन्नावेंकटेश, श्री चौन्तन्य एस. लकुंडी इत्यादि गवेषको ने गवेषणापूर्ण अपने शोधपत्रों का वाचन किया। इस सत्र की अध्यक्षता आचार्य-अम्बा कुलकर्णी ने किया। इस सत्र का सयोजन डॉ. स्वाती एवं पण्डित चौतन्य एस. लकुण्डी के द्वारा किया गया।

तत्पश्चाद् संगोष्ठी के द्वितीय दिवस का अग्रिम सत्र प्रारम्भ हुआ जिसमें "अष्टाध्यायीसंरचनाया: कानिचन उदाहरणानि" इस विषय पर आचार्य प्रमोद कुमार शर्मा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना शोधपत्र पढा। तत्पश्चाद् "अन्यभाषासु पाणिनीय सिद्धान्ता-नामनुप्रयोग:" इस विषय पर डॉ. अनन्तकृष्ण पद्मनाभ ने किया। तत्पश्चाद् "विकरणानामुत्सर्गापवादविचार:" इस विषय पर डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट, केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, राजीवगाँधीपरिसर, शृङ्गेरी ने अपना शोधपत्र पढ़ा। तत्पश्चात् "अष्टाध्यायीसंरचना" इस विषय पर आचार्यशैलेशतिवारी, व्याकरणविभाग, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय ने अपना विद्वद्पूर्ण शोधपत्र पढा। तत्पाश्चात् "अन्यभाषासु पाणिनीयस्य कारकविभक्तिसिद्धान्तस्य अनुप्रयोग:" इस विषय पर श्रीआन्द्रेय महाशय ने अपना शोधपत्र पढ़ा। तत्पश्चाद् Relationship of Paninian Grammar with the non Paninian Sanskrit and Pali Grammarsbl विषय पर आचार्य महेश देवकर, पालि एवं बौद्धाध्ययन

विभाग, सावित्री बाई फूले, पूणे विश्वविद्यालय, पूणे ने अपना शोधपत्र पढा। इस सत्र की अध्यक्षता आचार्य महेश देवकर ने की।

संगोष्ठी के द्वितीय दिवस के अन्तिम सत्र में वाक्यार्थसभा का आयोजन हुआ जिसमें "अष्टाध्याय्यामति देशसूत्रस्य महत्त्वम्" इस पर श्री मन्थभट्ट ने, "स्वतन्त्र: कर्ता" इस सूत्र का श्रीप्रमोद शंकर कुलकर्णी, "कर्तुरीप्सिततमं कर्म" इस सूत्र पर श्रीपङ्कज दीपक ढांगी ने "क्रिया प्रत्यक्षा वा न वा" इस सूत्र पर श्रीमनोज भण्डारी, "रप्रत्याहारखण्डनम्" इस विषय पर गोपाल कृष्ण ने, "पूर्वत्रासिद्धम्" इस सूत्र दीपक सप्तर्षि ने, "भूवादयो धातव:" इस सूत्र पर राहुल मैति ने, "वैयाकरणनये समासशक्ति:" इस पर वासुदेव गौराई ने, "साधकतमं करणम्" इस सूत्र पर करणसन्तोषकुलकर्णी ने, "अथर्वद्ग्रहणे नानर्थकस्य" इस विषय पर शिवप्रसादशुक्ल ने, "निपातार्थविचार:" इस विषय पर सुदर्शनगौतम ने, "प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा" इस सूत्र पर रामकृष्णमिश्र ने वाक्यार्थ विचार प्रस्तुत किया। वाक्यार्थ सभा के निर्णायक रूप में आचार्यविष्णुनम्पुतिरि, आचार्य श्रीपाद सुब्रह्मण्यम्, आचार्यरामसलाहीद्विवेदी और आचार्यप्रियव्रतमिश्र उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के अन्तिम दिवस दिनांक 15.02.2023 को प्रथम सत्र में सर्वप्रथम Some remarks on teaching Paninian Grammar to students of IIIB इस विषय पर आचार्य मल्हार कुलकर्णी आई.आई.टी., मुम्बई ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। तत्पश्चाद् "संस्कृतकाव्यशास्त्रे पाणिनीयव्याकरणस्य प्रभाव:" इस विषय पर आचार्य हरिदत्त शर्मा, संस्कृत विभाग, कला संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, ने शोधपत्र वाचन किया। तदनन्तर "दर्शान्तरेषु पाणिनीयप्रभाव:" इस विषय पर आचार्य दत्तात्रेय मूर्ति, जगन्नाथ संस्कृत

विश्वविद्यालय, पुरी, ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। तत्पश्चाद् "अपाणिनीयप्रयोगस्य स्वरूपमान्तर्यञ्च" इस विषय पर डॉ. जनार्दन हेगड़े ने अपना शोधपत्र पढा। तदनन्तर "अन्तरंग बहिरंग विमर्श:" इस विषय पर डॉ. अशोक मिश्र, सनातन संस्कृत विश्वविद्यालय आदर्श महाविद्यालय, अम्बाला, ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। तदनन्तर "शास्त्रान्तरेषु पाणिनीयव्याकरणस्य प्रभाव:" इस विषय पर आचार्य रामसलाहि द्विवेदी, व्याकरण विभाग, श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अपना विशिष्ट शोधपत्र वाचन किया। तत्पश्चात् "संगणकयन्त्रस्य कृते अष्टाध्यायीसंरचनाया: उपयोगित्वम्" इस विषय पर आचार्य विष्णुकान्त पाण्डेय ने शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्याक्षता आचार्य रामसलाहि द्विवेदी ने किया।

तदनन्तर दिवस के द्वितीय सत्र में। model of group workbl विषय पर डॉ. विनीत चैतन्य ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। तत्पश्चात् "Teñ lual meaning Repersentition Inspired by Indian Grammatical Tradition" इस विषय पर डॉ. सुखदा ने अपना शोधपत्र पढा। तदनन्तर Nivruttha padarthaka toAropa&Negation in the eye of Vaiyyakaranas इस विषय पर Malgorzata sulich, Indologist and Sanskrist, oriental faculty, university of warsaw Poland ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसके पश्चात "पाणिनीयधात्वन्तरनिर्देशस्य भाषावैज्ञानिकं समीक्षणम्" इस विषय पर डॉ. प्रियव्रत मिश्र ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इस सत्र की अध्यक्षता आचार्य दीप्ति मिश्रा ने किया।

तदनन्तर तृतीय दिवस के अन्तिम सत्र के आरम्भ में Insights from computational Implementation of Panini's grammar इस विषय पर अपना विचार प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् "Astadhyayi simulation using privacy of pata space" इस विषय पर आचार्या अम्बा कुलकर्णी ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् Issues in Nominal derivation in Panini and Non&paninian Grammars इस विषय पर डॉ. अनुजा अजोतिकर ने अपना शोधपत्र पढा। तत्पश्चात "पैताम्बरी" The XML commentary on the अष्टाध्यायी Its relevance in the era of paradiam shift इस विषय पर डॉ. तनुजा महाभागा Assistant Professor, The Sanskrit Library Prevedence, RI USA, अपना विचार प्रस्तुत किया।इसके पश्चात् "पाणिनीयदृष्ट्या कोशेषु लिङ्गव्यवस्था" इस विषय पर डॉ. सिवजा ए. नायर ने शोधपत्र पढा। सत्र के समापन में पण्डित विश्वनाथ गोपाल कृष्ण शास्त्रि, शृङ्गेरी मठ के स्थान पण्डित का अनुग्रह भाषणं एवं आशीर्वचन प्राप्त हुआ। सत्र की अध्यक्षता आचार्य अम्बा कुलकर्णी ने किया।

इसके अतिरिक्त प्रत्येक दिन विविध सभागारों में समोयजित सत्रों में पचास से अधिक शोधच्छात्रों ने शोधपत्र पढा। जहा यथा अवसर विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से समागत शब्दशास्त्र के मूर्धन्य विद्वानों के द्वारा प्रस्तुत शोधपत्रों पर गम्भीर चर्चा भी की गयी। संगोष्ठी का समापन सत्र दिनां 15.02.2023 को सायंकाल में आयोजित हुआ जिसमें मुख्यातिथि के रूप में आचार्य श्रीपाद सुब्रह्मण्यम, विशिष्टातिथि के रूप में आचार्य आर.सी.पण्डा, मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. शिवानी महाशया, सरस्वतातिथि के रूप में आचार्य सुद्युम्नाचार्य एवं अध्यक्ष के रूप केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

इस प्रकार विश्वविश्रुत विश्वविद्यालयों से समागत विद्वानों के विशिष्ट भाषणों के द्वारा गवेषकों के गवेषणापूर्ण शोधपत्र वाचन के द्वारा यथासमय विद्वत्संगोष्ठी वाक्यार्थसभा के आयोजन से यह अन्ताराष्ट्रियसंगोष्ठी सम्पूर्ण हुई। यह सम्पूर्ण उपक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेड़ी जी की अध्यक्षता में, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के शास्त्रसङ्कायाध्यक्षा प्रो. शिवानी जी एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी कुशल निर्देशन में प्रो. देवदत्त सरोदे जी के संयोजकत्व में तथा डॉ, मनीष जुगरान के सह-संयोजकत्व में एवं परिसरीय प्राध्यापक प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि', प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस', प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. अपराजिता मिश्रा, डॉ. मोनाली दास, डॉ. यशवन्त त्रिवेदी, डॉ.रामरूप (सहायक-पुस्तकालयाध्यक्ष) इत्यादि के सफल सहयोग से अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी सफल हुई।

76. अन्ताराष्ट्रिय महिला दिवस कार्यक्रम – विशिष्टव्याख्यान और नारी शक्ति पुरस्कार वितरण 01 मार्च 2023 से 08 मार्च 2023, संरक्षक - प्रो. श्रीनिवास वरखेडी (कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी (निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज), मुख्यवक्ता – प्रो. जी. एस. तोमर (अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन, निवृत्तप्राचार्य, शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय, हण्डिया, प्रयागराज), विशिष्टा तिथि – डॉ. शान्ति चौधरी (सेवानिवृत्तचिकित्सशोध अधिकारी,

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज, प्रयागराज) कार्यक्रम संयोजिका – डॉ. अपराजिता मिश्रा।

77. पाणिनीय व्याकरणसंशोधनस्य भविष्यद्दिग्दर्शनम्–

24 अप्रैल 2023 से 05 माई 2023, संयुक्ततत्त्वाधान – शोध विकास प्रकोष्ठ, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं संस्कृत पुस्तकालय, वक्ता – प्रो. पीटर एम. स्राफ, प्रो. अम्बा कुलकर्णी, प्रो. प्रसाद जोशी, प्रो. महेश देवकर, शारोन बीन डोर, प्रो. एलेक्स रोज फालक्यूस, सहायक प्रो. अनूजा अजोतिकर, सहायक प्रो. तनूजा अजोतिकर, सहायक प्रो. चिन्मय धारूरकर।

78. रामायणपारायण

(श्रीमद्वाल्मीकिरामायण पारायण) प्रतिभागी- परिसरीय- सदस्यगण– 29 –30 मार्च 2023 संयोजक – डॉ. रूपलाल शर्मा।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

1. परिचय

श्रीसदाशिव परिसर, भारत सरकार के संसदीय अधिनियम द्वारा स्थापित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी द्वादश परिसरों में सर्वबृहद् परिसर है। श्री सदाशिव परिसर कालक्रम के अधीन पंडित हरिहर दास एवं पंडित सदाशिव मिश्र के द्वारा टोल से प्रारम्भ होकर वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एक गौरवशाली परिसर के रूप में पुष्पित हो रहा है।

श्री सदाशिव परिसर में प्राक्शास्त्री से लेकर विद्यावारिधि तथा दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं और इन विविध शैक्षिक-उपक्रमों में इस वर्ष1284 छात्र-छात्रायें नामाङ्कित हैं।

विश्वविद्यालय के इस परिसर में शैक्षिक एवं गैरशैक्षिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे आचार्यों एवं कार्मिकों की संयुक्त संख्या 100 से अधिक है। वर्तमान समय में उपरोक्त शैक्षिक-उपक्रमों तथा प्रशासन के समुचित समन्वय से संस्कृत वाङ्मय एवं भाषा की निरन्तर वृद्धि हो रही है।

2. मुख्य क्रिया कलाप

- शिक्षण
- आंतरिक मूल्यांकन
- परीक्षा का आयोजन
- नवीन अनुसंधान और अनुसंधान का मार्गदर्शन
- ट्यूटोरियल कक्षाएं और उपचारात्मक कक्षाएं
- नेट/OSTET के लिए कोचिंग
- हिन्दी बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- संस्कृत बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- अंग्रेजी बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- बी.एड छात्रों के लिए इंटर्नशिप
- खेल-कूद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

4. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

विश्व पर्यावरण दिवस (05.06.2022)

विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 05 जून मनाया जाता है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमे पर्यावरण के महत्त्व एवं उसके विषय के बारे में परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने छात्र/छात्राओं को सारगर्भित जानकारी दी तथा परिसर के शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।

संस्कृतज्ञस्वातन्त्र्यवीरस्मृतिव्याख्यानमाला (08-15.06.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर पुरी के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र के मार्गदर्शन में संस्कृत ज्ञान स्वातंत्र्य वीर स्मृति व्याख्यान माला 08.06.2022 से 15.06.2022 तक आयोजित की गई। व्याख्यानमाला की इस श्रृंखला में अनेक विद्वानों ने मातृभूमि की सेवा, पोषण और सुरक्षा में स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान को अपने विचारों के माध्यम से व्यक्त किया।

08.06.2022, बुधवार को डॉ. राजेंद्र प्रसाद, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र ने श्री अरविन्द पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। गुरुवार दिनांक 09.06.2022 को राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति के पूर्व कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी ने अपना ओजस्वी व्याख्यान प्रस्तुत किया। शुक्रवार10.06.2022 को श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के पूर्व कुलपति प्रो. नीलकंठपति ने "जयी राजगुरुः" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। शनिवार 11.06.2022 को श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी केपूर्व कुलपति प्रो. किशोर चंद्र पाढ़ी ने "चाखि खुंटिआ" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। रविवार दिनांक 12.06.2022 को कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के धर्मशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो.

श्रीपति त्रिपाठी ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में संस्कृतियों का योगदान विषय पर अपने विचार रखे। मंगलवार दिनांक 14. 06.2022 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. गोपाल प्रसाद महापात्रा ने "स्वतंत्रता संग्राम एवं भारतीय अस्मिता की अभिव्यक्ति" विषय पर अपना व्याख्यान दिया। इसके बाद बुधवार, 15.06.2022 को कोल्हान विश्वविद्यालय, झारखंड के प्रोफेसर गंगाधर पंडा ने श्री गोपबंधु दास विषय पर अपना व्याख्यान दिया। इस प्रकार इन ओजपूर्ण व्याख्यानों से परिसर के छात्र छात्राएं तथा शिक्षक गण लाभान्वित हुए।

विश्व योग दिवस सम्मेलन (21-22 जून 2022)

विश्व योग दिवस के अवसर पर श्री सदाशिव परिसर, पुरी में एक व्यापक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह के उद्घाटन सत्र में डॉ. मणिकांत तिवारी ने चेतना को जगाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए तथा योग से हमारे समाज को क्या-क्या फायदे है, इन सभी विषयों को बताते हुए अपने विचार रखे। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के पूर्व कुलपति प्रो. श्री नीलकंठ पति ने योग की पारंपरिक विशेषताओं को व्यक्त किया। इस प्रकार शैक्षिक सत्र में योग, योग विज्ञान, योगासन, योग चिकित्सा और प्राकृतिक चिकित्सा जैसे विषयों पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किये गए। प्रो. खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में हुई समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर प्यारीमोहन पटनायक ने योग की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर चर्चा की। इस योग समारोह के अवसर पर विद्यार्थियों की योगाभ्यास प्रतियोगिताएं, भाषण प्रतियोगिताएं, गीत आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं तथा विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन परिसर में शारीरिक शिक्षा विभाग के श्री प्रियजित महापात्रा द्वारा किया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस (11.07.2022)

शैक्षिक वर्ष 2022-23 में 11.07.2022 को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. वृन्दावन पात्र तथा सह संयोजक डॉ. सागरिका नन्द थे। छात्रों के लिए वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

पाठ्यचर्या निर्धारण कार्यशाला (12-14 जुलाई 2022)

12 से 14 जुलाई तक, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में पाठ्यक्रम निर्धारण कार्यशाला आयोजित की गयी। दर्शनशास्त्र, अद्वैत वेदांत,नव्य न्याय, मीमांसा, जैन दर्शन, बौद्ध दर्शन, धर्मशास्त्र तथा पुराणेतिहास का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रंजीत कुमार वर्मन तथा विश्वविद्यालय के शैक्षिक निदेशक प्रो. बनमाली विश्वाल, NEP-Taskforce अध्यक्ष प्रो.सर्वनारायण झा भी उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में समस्त स्कूल के अध्यक्ष, शिक्षा की प्रत्येक शाखा के अध्यक्ष और अन्य समिति के सदस्यों ने पाठ्यक्रम का निर्धारण किया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय के बाहर से कई विद्वानों ने भाग लिया और अपनी बहुमूल्य राय प्रस्तुत की। परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र के उचित मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफल रहा।

व्यास पूर्णिमा (गुरु पूर्णिमा) महोत्सव (13.07.2022)

श्री सदाशिव परिसर के पुराणेतिहास विभाग की ओर से आषाढ़ पूर्णिमा तिथि 13.07.2022 को व्यास पूजा एवं गुरु पूजा महोत्सव मनाया गया। व्यासपीठ समिति की ओर से गुरु पूजन के बाद गूगुलमीट के द्वारा वेबिनार बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में परिसर के सभी शिक्षक, छात्र एवं शोध छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गंगाधर पंडा ने बैठक में सहभागिता की और गुरु तत्व पर अपना व्याख्यान दिया। परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने मुख्य भाषण दिया। विभागाध्यक्ष प्रो. मिनतीरथ ने गुरु तत्व के महत्त्व पर व्याख्यान दिया और विभिन्न शास्त्रीय तथ्य प्रस्तुत किये। विभाग के शिक्षक डॉ. कृष्ण चन्द्र कवि ने कार्यक्रम का संचालन किया।

विशेष व्याख्यान कार्यक्रम (15 जुलाई 2022)

15 जुलाई को परिसर के जयदेव हॉल में तर्क गीता पर एक विशेष व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विजिटिंग प्रोफेसर अरिंदम चक्रवर्ती उपस्थित रहे। प्रो. अरिंदम चक्रवर्ती ने अपना सारगर्भित और महत्त्वपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र सभा के अध्यक्ष पद पर आसीन हुए। परिसर में धर्मशास्त्र विभाग केअध्यक्ष प्रोफेसरश्री अतुल कुमार नंद, साहित्य विभाग केअध्यक्ष प्रोफेसर सूर्यमणि रथ ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। सर्वदर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. गौर प्रिया दाश ने अतिथियों का स्वागत किया। न्याय विभाग के अध्यक्ष डॉ. बालमुरुगन ने अपने विचार रखे तथा सर्वदर्शन विभाग के शिक्षक डॉ. नंदीघोष महापात्र ने कार्यक्रम का संचालन किया।

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष सत्रारम्भ (18/07/2022)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों का सत्रारम्भ 18/07/2022 को निदेशक महोदय के अध्यक्षता में हुआ। इस कार्यक्रम के उपरांत शिक्षण कार्य प्रारम्भ हुआ।

सूक्ष्म शिक्षण कौशल (19.07.2022 से 22.07.2022)

छात्र शिक्षकों के शिक्षण कौशल में सुधार हेतु शिक्षण अभ्यास से पूर्व दिनांक 19.07.2022 से 22.07.2022 तक सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम नारायण मिश्र, डॉ. सागरिका नन्द, डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर ने किया। शिक्षाशास्त्र विभाग के अंतर्गत प्राध्यापकों के निर्देशन में छात्र अध्यापकों एवं छात्राध्यापिकाओं ने विभिन्न शिक्षण कौशलों का अभ्यास किया।

सांख्ययोगविद्याशाखा में आचार्य द्वितीयवर्षीय छात्रों का सत्रारम्भ (25.07.2022)

आचार्य द्वितीयवर्षीय के छात्रों का सत्रारम्भ 25-07-2022 को हुआ। जिसके अन्तर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में परिसर के निदेशक उपस्थित रहे।

आदर्श पाठ प्रदर्शन (05/08/2022)

शिक्षण अभ्यास से पहले विषय प्राध्यापकों ने छात्राध्यापकों को पाठ योजना के क्रम में संस्कृत, अंग्रेजी, हिंदी और उड़िया भाषाओं में गद्य और पद्य तथा सामाजिक विज्ञान विषय दिनांक 03/08/2022 से 05/08/2022तक पढ़ाया।

संस्कृत सप्ताह समारोह (08-14 अगस्त 2022)

संस्कृत सप्ताह समारोह 10 अगस्त को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में दिनांक 08.08.2022 से 14.08.2022 तक आयोजित किया गया। प्रथम दिन दिनांक 08.08.2022 को प्रातः 7 बजे परिसर के विद्यार्थियों एवं कर्मचारी द्वारा एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य हरिहर होता ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक खगेश्वर मिश्र ने किया। व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. के.वि. सोमयाजुलु ने वैदिक मंत्रो के साथ समारोह का शुभारंभ किया। शिक्षाशास्त्र के प्रोफेसर और कार्यक्रम समन्वयक प्रो. रमाकांत मिश्र ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में साहित्य विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव ने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. नंदीघोष महापात्र ने कार्यक्रम का सञ्चालन किया।

10.08.2022 को सुभाषित कंठ पाठ प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमे 26 विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन समारोह में पुरी नगर के माननीय विधायक श्री जयंत कुमार षड़ंगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता परिसर के निदेशक आचार्य खगेश्वर मिश्र ने की। कार्यक्रम के आरंभ में व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. के. वी. सोमयाजुलु ने वैदिक मंगलाचरण किया। प्रो. सूर्यमणि रथ ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में प्रो. गौरप्रिया दाश ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रमुख विद्वानों में प्रो. प्रमोद चंद्र मिश्र, पूर्व-अध्यक्ष, साहित्य विभाग, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी एवं प्रो. प्यारी मोहन पट्टनायक, पूर्व-अध्यक्ष, सर्वदर्शन विभाग, श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, को श्री सदाशिव परिसर द्वारा सम्मानित किया गया। धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष आचार्य अतुल कुमार नंद सम्मानित अतिथि थे। संयोजक प्रो. रमाकांत मिश्र ने सत्र का सञ्चालन किया।

पुस्तक का लोकार्पण

इस संस्कृत सप्ताह समारोह के अवसर पर परिसर के निदेशक आचार्य खगेश्वर मिश्र द्वारा रचित "श्रीमहाप्रसाद-माहात्म्यम्" नामक पुस्तक का लोकार्पण किया। और इस पुस्तक को समस्त साहित्य प्रेमियों के लिए अध्ययन और अध्यापन के लिए प्रस्तुत की गई।

76वां स्वतंत्रता दिवस समारोह (15.08.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री सदाशिव परिसर में स्वतंत्रता दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव के दौरान तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए- झंडा फहराना, हरघर तिरंगा और वृक्षारोपण। निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र प्रातः 7.30 बजे ध्वजारोहण किया। इसके बाद देश के विकास और अपने कर्तव्यों को पूरा करने के उद्देश्य से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को संबोधित किया। माननीय निदेशक महोदय के द्वारा सेवानिवृत्त श्री देवदत्त पट्टनायक को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सभी लोगो ने हाथ में तिरंगे झंडे लेकर जय-जयकार करते हुए आगे बढ़े। कार्यक्रम के अंत में निदेशक, वरिष्ठ शिक्षक, कर्मचारियों और छात्रों ने पेड़ लगाए

क्योंकि पेड़ दूसरों के लाभ के लिए फल देते हैं और पेड़ पर्यावरण की रक्षा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हर घर तिरंगा-कार्यक्रम (15.08.2022)

स्वतंत्रता दिवस 15.08.2022 को श्री सदाशिव परिसर में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर हरघर तिरंगा कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिसर निदेशक श्री खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में सभी आचार्य, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय के नारे लगाते हुए देशभक्ति गीत गाए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशांत कुमार रॉय ने किया।

विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम (18.08.2022 से 17.12.2022)

शिक्षक प्रशिक्षणकार्यक्रम के अन्तर्गत पुरी जिले के 11विद्यालयों में दिनांक 18.08.2022 से 17.12.2022 तक आयोजित प्रशिक्षुता कार्यक्रम किये गए। यथा-

- महंत गदाधर हाई स्कूल, चंदनपुर।
- बिरहरे कृष्णपुर हाई स्कूल।
- भोला नाथ विद्यापीठ, पुरी।
- बालगंडी हाई स्कूल, पुरी।
- गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल, पुरी।
- विश्वम्भर विद्यापीठ, पुरी।
- मार्कंडेश्वर साही स्कूल, पुरी।
- गदाधर- हाई स्कूल, पुरी।
- नगरपालिका - हाई स्कूलः बालीसाही, पुरी।
- जिल्ला स्कूल, पुरी।
- पुलिस स्कूल, पुरी।

गणेश चतुर्थी महोत्सव (31.08.2022)

31/08/2022 को श्री सदाशिव परिसर में शिक्षा शोध भवन में भगवान्विघ्नविनायक गणेश की पूजा की गई। डॉ. श्री कृष्ण चंद्र कवि ने मंत्रोच्चारण के साथ भगवान् गणेश का आह्वान किया। पूजन कार्यक्रम में परिसर निदेशक प्रोफेसर श्री खगेश्वर मिश्र उपस्थित थे। उन्होंने गणेश जी को पुष्प अर्पित किये। परिसर के सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने मंत्रोच्चारण के बाद पुष्प अर्पित किये। शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. विजयपाल कछवाह ने कार्यक्रम का आयोजन किया और सभी को प्रसाद वितरित किया। परिसर के निदेशक, सभी विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक तथा छात्रों ने गणेश पूजन किया।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम (31.08.2022)

31 अगस्त 2022 कोआधुनिक विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी के द्वारा सत्र आरंभ में नव आगंतुक छात्र छात्राओं का ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया गया जिसमे छात्र छात्राओं को परिसर व विभाग के बारे में और माडर्न विभाग में पढाये जाने वाले विषय के बारे में पूर्ण जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में परिसर के निदेशक, विभागाध्यक्ष तथा विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षकपर्व शिक्षक दिवस समारोह (सितंबर 05-09, 2022)

शिक्षक दिवस के संदर्भ में श्री सदाशिव परिसर में 05.09.2022 से 09.09.2022 तकशिक्षक पर्व मनाया गया। 05.09.2022 को (शिक्षक पर्व के पहले दिन) परिसर के निदेशक प्रो खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में शिक्षक पर्व महोत्सव का उद्घाटन समारोह एवं गुरु पूजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीजगन्नाथ की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर, दीप प्रज्ज्वलन और सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पूजा के साथ हुई। धर्मशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. अतुल कुमार नंद, साहित्य विभाग के प्रमुख प्रो. सूर्यमणि रथ, शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. विजयपाल कछवाह, कार्यक्रम समन्वयक प्रो. निर्मला पाणिग्रही, डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर और सह-समन्वयक श्री रमाकांत सा एवं समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिक्षक पर्व के दूसरे दिन सेवानिवृत्त शिक्षक श्री डॉ. श्रीनिवासाचार्य का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में परिसर के विभिन्न विभागों के 35 छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषय विद्यार्थी-प्रेमी शिक्षक था। चतुर्थ दिन छात्रों ने 'गुरुगुण कीर्तन' कार्यक्रम आयोजित किया। परिसर में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने अपने शिक्षक के आदर्श गुणों का गुणगान किया। न केवल विद्यार्थियों ने बल्कि शिक्षकों ने भी उन गुरुओं को याद किया जिन्होंने उनके जीवन का मार्गदर्शन किया। पांचवें दिन महोत्सव का समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण समारोह एवं प्रतियोगिता की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। शिक्षक पर्व समारोह की समन्वयक प्रोफेसर निर्मला पाणिग्राही ने उत्सव की रिपोर्ट पढ़ी। इसके बाद निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया।

बैठक की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो खगेश्वर मिश्र ने की। मुख्य वक्ता के रूप में साहित्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. सूर्यमणि रथ ने छात्रों को गुरु के महत्त्व पर संबोधित किया। अंत में कार्यक्रम के सह संयोजक डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस प्रकार परिसर के सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से श्री सदाशिव परिसर में पाँच दिवसीय शिक्षक महोत्सव बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस के अतिरिक्त, शिक्षा विभाग के द्वारा प्रथम उपराष्ट्रपति: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती के अवसर पर में दिनांक 05.09.2022 को शिक्षक दिवस आयोजित किया गया। छात्रों द्वारा विभागीय प्राध्यापकों का सम्मान किया गया तथा विभागाध्यक्ष द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में उद्बोधन दिया गया।

भागवत जन्मोत्सव (10.09.2022)

शनिवार, 10.09.2022 को भाद्र पूर्णिमा (इंद्र उत्सव पूर्णिमा) के अवसर पर, श्री सदाशिव परिसर के पुराणेतिहास विभाग ने श्री भागवत जयंती के अवसर पर एक ऑनलाइन चर्चा, संगोष्ठी का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी इस बैठक के मुख्य संरक्षक थे।

हिन्दी-पखवाड़ा सम्मेलन (14-29 सितम्बर, 2022)

हिंदी पखवाड़ा समारोह 14 सितंबर 2022 से 29 सितंबर 2022 तक श्री सदाशिव परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी के सहयोग से हिन्दी की प्रगति एवं उत्थान हेतु यह कार्यक्रम प्रसारित किया गया। इस अवसर पर धर्मशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल कुमार नंद, साहित्य विभाग के प्रमुख प्रो. सूर्यमणि रथ, शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. विजयपाल कछवाह तथा परिसर के अन्य शिक्षकों ने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. लक्ष्मीधर दास, सेवानिवृत्त प्राचार्य, कटक उपस्थित थे। कार्यक्रम का सञ्चालन विश्वनाथ मिश्र ने किया तथा कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का आभार डॉ. शक्ति प्रसाद द्विवेदी ने किया।

इस अवसर पर निबन्ध लेखन, कविता पाठ, संगीत, छात्रों के लिए नारे, शिक्षकों के भाषण, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में हिंदी का महत्व" विषय पर भाषण, सभी कार्यालय कर्मचारियों के लिए "राजभाषा कार्यान्वयन में चुनौतियाँ" विषय पर भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस समारोह के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया।

14-29 सितम्बर 2022 को मनाये गए हिन्दी पखवाडा कार्यक्रम का विवरण निम्न प्रकार है - जिसमे 14 सितम्बर से निबंध लेखन प्रतियोगिता, 15 सितम्बर को शिक्षक सम्मान, 16 सितम्बर को काव्य पाठ प्रतियोगिता, 19 सितम्बर को संगीत प्रतियोगिता, 20 सितम्बर को रंगोली प्रतियोगिता, 21 सितम्बर को भाषण प्रतियोगिता, 22 सितम्बर शिक्षकों की अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता, 23 सितम्बर को कार्यालयी कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता, 26 सितम्बर को पोस्टर प्रतियोगिता, 27 सितम्बर को शिक्षकों द्वारा भाषण प्रतियोगिता, 28 सितम्बर को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर भाषण प्रतियोगिता तथा 29 सितम्बर को समापन समारोह सम्पन्न हुआ। जिसमे परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र, आधुनिक विभाग के विभागाध्यक्ष श्री दुर्गाप्रसाद दास महापात्रा, मुख्य अतिथि प्रो. लक्ष्मीधर दास ने हिन्दी के विकास एवं उन्नति के लिए छात्र छात्राओं का महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। हिन्दी पखवाडा दिवस के इस कार्यक्रम में परिसर के समस्त छात्र/ छात्राएं, शिक्षक उपस्थित रहे। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ. रश्मि मिश्र, कुमारी मधुस्मिता मिश्र तथा श्रीमती पद्मजा सतपथी ने छात्र छात्राओं के कार्यक्रम में जज की भूमिका निभायी तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. शक्ति प्रसाद द्विवेदी रहे।

धर्म शास्त्र विभाग द्वारा नेट कोचिंग (22.09.22 - 18.01.2023)

श्री सदाशिव परिसर, पुरी, के धर्मशास्त्र विभाग की ओर से 22.09.22 से 18.01.2023 तक नेट कोचिंग कक्षाएं आयोजित की गईं। जिसमे धर्मशास्त्र विभाग के सभी शिक्षकों ने नेट के प्रतियोगी छात्र छात्राओं को विस्तार पूर्वक पढ़ाया और उनका मार्गदर्शन भी किया। इसमें 37 छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वच्छता अभियान सप्ताह (26 सितंबर - 02 अक्टूबर 2022)

श्री सदाशिव परिसर, पुरी में 26 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2022 तक स्वच्छता सप्ताह अभियान चलाया गया। कार्य योजना के अनुसार प्रतिदिन बड़े पैमाने पर विभागीय सफाई कराई गई तथा ड्राइंग प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने परिसर के सदस्यों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री माननीय धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा हिंदू अध्ययन केंद्र का उद्घाटन, (04.10.22)

बहुत गर्व की बात है कि हमारे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, माननीय श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, भारत सरकार ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के श्री सदाशिव परिसर में हिंदू अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया। विशिष्ट अतिथिके रूप में पुरी क्षेत्र के विधायक माननीय श्री जयंत कुमार षड़ंगी, ब्रह्मगिरि क्षेत्र के विधायक माननीय श्री ललितेंदु विद्याधर महापात्र, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्रउपस्थित हुए। यह विशेष कार्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी और श्री सदाशिव परिसर के निदेशक आचार्य श्री खगेश्वर मिश्र के संरक्षण में आयोजित किया गया था।

सत्र की अध्यक्षता और उद्घाटन करते हुए माननीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने संस्कृत के विकास, प्रचार और प्रसार के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का परिचय दिया और कहा कि वैज्ञानिक और सामाजिक रूप से उपयोगी अनुसंधान किया जाना चाहिए। परिसर के छात्रों ने स्वागत गीत और पारंपरिक ओडिसी नृत्य प्रस्तुत किया। उद्घाटन कार्यक्रम आचार्य श्री अतुल कुमार नंद के उत्तम समन्वय के कारण गुणवत्ता पूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

प्रतिष्ठा सप्ताह समारोह (10-15 अक्टूबर 2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में दिनांक 10.10.2022 से 15.10.2022 तक प्रतिष्ठा सप्ताह मानाया गया। इस संदर्भ में 12.10.2022 को एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की। सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत धर्मशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल कुमार नन्द ने किया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक क्रमशः सेवानिवृत्त निम्न पांच प्रतिष्ठित विद्वानों को सम्मानित किया। सम्मानित विद्वान हैं- प्रो. सूर्यमणि रथ, डॉ. स्नेहानंद, प्रो. प्रभातरंजन महापात्र, प्रो. डॉ.माधवचंद्र पंडा, और डॉ.सीमांचल पंडा। समारोह में श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय (पुरी) के कुलपति प्रो. श्री रवीन्द्र कुमार पंडा ने "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में संस्कृत के विकास के उपाय" विषय पर मुख्य भाषण दिया। डॉ. सुशांत कुमार राय के संयोजकत्व एवं सह-संयोजक श्री रमाकांत के संचालन में बड़े हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रीय एकता सप्ताह (25-31 अक्टूबर 2022)

श्री सदाशिव परिसर में 25.10.2022 से 31.10.2022 तकश्री विश्वरंजन पति एवं डॉ. ओम नारायण मिश्र के संयोजकत्व में राष्ट्रिय एकता सप्ताह मनाया गया। जिसमे निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जैसे, निबंध लेखन, भाषण, चित्रकारी आदि। विजेताओं को परिसर के निदेशक आचार्य श्री खगेश्वर मिश्र ने पुरस्कृत किया एवं बधाई दी।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (31.10.2022 से 06.11.2022)

परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनाङ्क 31.10.2022 से 06.11.2022 तक मनाया गया। इस साप्ताहिक कार्यक्रम में विकसित राष्ट्र निर्माण के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के परिप्रेक्ष्य में सत्यनिष्ठा का संकल्प दिलाया गया। इसमें परिसर के शैक्षणिक और कार्यालय सदस्य तथा छात्र शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की तथा संचालन डॉ. विश्वरंजनपति एवं डॉ. सुब्रत षड़ंगी ने किया।

भागवत परायण (04.11.2022)

कार्तिक माह के पवित्र मास में देवोत्थानी एकादशी के अवसर पर दिनांक 4.11.2022को पुराणेतिहास विभाग में अष्टप्रहरी हरिनाम संकीर्तन और भागवत पारायण का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र, शिक्षक और परिसर के निदेशक प्रोफेसर खगेश्वर मिश्र शामिल हुए। श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी के प्रोफेसर प्यारी मोहन पट्टनायक, पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग ने भाग लिया और भागवत में छिपे विषयों और सिद्धांतों का, दैनिक जीवन में उसकी उपयोगिता पर चर्चा की। इस आध्यात्मिक उत्सव में सभी संकाय सदस्यों छात्रों और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया तथा अनेक विद्वानों ने इस गौरवशाली महापुराण के बारे में ज्ञान को प्रसारित किया।

टैक्स विषय में छात्र जागरूकता कार्यक्रम (10.11.2022)

10.11.2022 को परिसर में छात्रों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे श्री दीनबंधु स्वैन (आयकर अधिकारी, एम एस टी आई एस, पुरी) द्वारा प्रत्यक्ष कर और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका पर एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया।

टंका तोरानीवितरण और सांस्कृतिक कार्यक्रम (13.11.2022)

13.11.2022 को परिसर के सदस्यों ने श्री क्षेत्र परिक्रमा कार्यक्रम के दौरान सुदूर क्षेत्र से जगन्नाथ पुरी में आए भक्तों को टंका तोरानी (एक विशेष प्रकार का महाप्रसाद) वितरित किया गया। और जगन्नाथ जी के भजन और संकीर्तन से सम्बंधित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।

शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य प्रथम वर्ष स्वागत तथा परिचय कार्यक्रम (15.11.2022 से 17.11.202)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में 15.11.2022 से 17.11.2022 तक शिक्षाशास्त्री तथा शिक्षाचार्य प्रथम वर्ष का स्वागत तथा परिचय कार्यक्रम सम्पन्न हुआ है। जिसमें परिसर के निदेशक, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं सभी छात्र उपस्थित रहे।

संस्कृत सम्भाषण शिविर (21/11/2022 से 02/12/2022)

दिनांक 21/11/2022 से 02/12/2022 तक प्राध्यापकों ने शैक्षणिक कक्षा में प्रवेश करने वाले छात्रों के लिए संस्कृत में सुनने और बोलने का अभ्यास करने के लिए एक संस्कृत वार्तालाप शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुशान्त कमार राय तथा सदस्यगण श्री रमाकान्त सा, डॉ. सुशान्त होता, डॉ. महेश कुमार पाणिग्राही, डॉ. विद्याधर हरिचन्दन थे।

साधु पुरुष के आशीर्वचन (22.11.2022)

संतों के दर्शन और उनका सानिध्य पाना हमारे सनातन धर्म में बहुत ही श्रेयस्कर माना जाता है। ऐसे ही साधु पुरुष श्री दोरभल प्रभाकर शर्मा ने 22.11.2022 को परिसर का दौरा किया। उनकी उपस्थिति से विद्यार्थी एवं शिक्षक धन्य हो गये। प्रभाकर शर्मा ने देवभाषा संस्कृत के संरक्षण के बारे में एक प्रेरणादायक भाषण दिया।

OSSTET कोचिंग (24.11.2022 से 07.01.2023)

आईक्यूएसी, श्री सदाशिव परिसर, पुरी ने बीएड छात्रों के लिए OSSTET और CHT के लिए मुफ्त कोचिंग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 23.11.2022 को गूगल मीट के माध्यम से किया गया। कक्षाएं नियमित रूप से 24.11.2022 से 07.01.2023 तक आयोजित की गईं। इस कोचिंग कार्यक्रम में डॉ. जी सूर्य प्रसाद (कार्यक्रम के समन्वयक), डॉ. महेश कुमार पाणिग्राही (कार्यक्रम के सहायक समन्वयक), डॉ. सुशांत कुमार राय, डॉ. सुशांत होता, डॉ. स्वागतिका मोहंति, डॉ. विभुदत्त मिश्रा, कुमारी मधुमिता मिश्रा ने छात्रों को सफल बनाने के लिए पढ़ाया और उनका मार्गदर्शन भी किया।

MIME-कार्यशाला (25.11.2022)

25.11.2022 को श्री सदाशिव परिसर में एक प्रसिद्ध MIME अभिनेता और निर्देशक श्री कमल नस्कर ने छात्रों को अपने अभिनय कौशल को बढ़ाने के लिए आङ्गिक अभिनय के साथ-साथ सात्विक अभिनय करने का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्री रणवीर परिसर के निदेशक प्रो. मदन मोहन झा उपस्थित हुए। समारोह की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की और कार्यशाला का संचालन श्री विश्वनाथ मिश्र द्वारा किया गया। डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंह देव ने स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री आचार्य शम्भुनाथ महालिक द्वारा किया गया।

श्रीमद्भगवद्गीता जयंती महोत्सव (29.11.2022 से 05.12.2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री सदाशिव परिसर में दिनांक 29.11.2022 से 05.12.2022 तक प्रो. मखलेश कुमार एवं डॉ. कृष्णचन्द्र कवि के संयोजकत्त्व में श्रीमद्भगवद्गीता जयंती का साप्ताहिक पाठ महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इसका उद्घाटन परिसर निदेशक आचार्य खगेश्वर मिश्र ने किया। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्रीमद्भगवद गीता का दैनिक पाठ एक सप्ताह तक परिसर के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा किया गया था। समापन दिनांक 05.12.2022 को निदेशक महोदय ने परिसर परिवार के साथ मिलकर गीता पाठ किया और प्रसाद वितरण किया गया।

रक्तदान शिविर (7.12.2022)

दिनांक 07.12.2022 को डॉ. विश्वरंजनपति एवं श्री विश्वनाथ मिश्र के संयोजकत्व में श्री सदाशिव परिसर, समर्पण और निर्माल्य संस्थाएँ द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 57 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस रक्तदान शिविर में परिसर के शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

भारतीय भाषा महोत्सव (9-11 दिसंबर 2022)

भारतीय भाषा महोत्सव 09.12.2022 से 11.12.2022 तक श्री सदाशिव परिसर में आयोजित किया गया। डॉ. बाल

मुरगन के संयोजन में यह कार्यक्रम मनाया गया। "भाषा अलग है लेकिन भावना एक है" इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कला एवं शिल्प प्रशिक्षण कार्यशाला (13.12.2022)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में छात्रों के लिए दिनांक 13.12.2022 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला संयोजक डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर तथा श्री रमाकान्त सा थे।

क्षेत्रीय स्तरीय रूपक महोत्सव (16.12.2022)

दिनांक 16.12.2022 क्षेत्रीय स्तरीय रूपक महोत्सव का आयोजन श्री सदाशिव प्रांगण में बड़े धूमधाम से किया गया। जिसमे दो परिसर, जैसे - एकलव्य परिसर (अगरतला) और श्री सदाशिव परिसर (पुरी) तथा दो आदर्श महाविद्यालय, जैसे - राजकुमारी-गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, दरभंगा (बिहार), विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत कॉलेज, पूर्व मेदिनीपुरम (पश्चिम बंगाल) भाग लिए है। इनमें श्री सदाशिव परिसर प्रथम, एकलव्य परिसर द्वितीय और विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत कॉलेज तृतीय स्थान पर रहे। इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ अभिनेता- अरिताराम वेरा, विक्रम किशोर कॉलेज, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री- प्रतिज्ञा सरकार (एकलव्य परिसर), सर्वश्रेष्ठ मंच- श्री सदाशिव परिसर, सर्वश्रेष्ठ आहार्य- श्री सदाशिव परिसर, सर्वश्रेष्ठ प्रकाश व्यवस्था- श्री सदाशिव परिसर, सर्वश्रेष्ठ संगीत- विक्रम किशोर कॉलेज, सर्वश्रेष्ठ निदेशक- डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव (श्री सदाशिव परिसर) को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में श्री अश्रुमोचन महंती, उड़िया फिल्म उद्योग के महान कलाकार, प्रसिद्ध अभिनेता और निर्देशक,श्री वद्री कुमार मिश्रा, पुरी के नाट्य विशेषज्ञ और आचार्य सूर्यमणि रथ, संस्कृत साहित्य और नाटक के विशेषज्ञ थे। महोत्सव का संचालन प्रो. शंभुनाथ महालिक, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव एवं विश्वनाथ मिश्र ने किया।

सांख्ययोगविद्याशाखा में ओरिएंटेशन कार्यक्रम (20.12.2022)

सांख्ययोगविद्याशाखा में नवागत आचार्य प्रथम वर्षीय छात्रों केलिएओरिएंटेशन कार्यक्रम 20.12.2022 को मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्याशाखा के प्रमुख डॉ. अशोक कुमार मीना ने किया जिसमें विद्याशाखा के सभी आचार्य उपस्थित रहे।

सांख्ययोग विद्याशाखा में संस्कृत सम्भाषण शिविर (01-01-2023 से 10-01-2023)

सांख्ययोग विद्याशाखा में आचार्य प्रथम वर्षीय छात्रों के लिये 01-01-2023 से 10-01-2023 तक एक दस दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन किया गया। इस सम्भाषण शिविर में अध्यापिकाओं रूप में डॉ. सुकान्ति बारिक् और डॉ. विकासिनी गुमानसिंह उपस्थित रहे।

युवा दिवस (12.01.2023)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 12/01/2023 को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। जिसके अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता एवं निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जी. सूर्यप्रसाद तथा डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर थे।

अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष महोत्सव (12.01.2023)

अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष महोत्सव (12.01.2023) श्री सदाशिव परिसर में आयोजित किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने छात्रों व परिसर के शिक्षकों एवं कर्मचारियों के समक्ष बाजारा उत्पादित खाद्यान्नों के लाभ पर तथ्य प्रस्तुत किये। विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने नाटक एवं गीतों के माध्यम से बाजरा भोजन के उपयोग को प्रदर्शित किया।

योग विज्ञानसेमिनार (13.01.2023)

दिनांक 13.01.2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर के जयदेव सभागार में डॉ. खगेश्वर मिश्र के मार्गदर्शन में डॉ. सुशांत कुमार राय और डॉ. मणिकांत तिवारी के संयोजकत्व में "प्रायोगिक योग विज्ञान" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में सन्यासी आचार्य प्रियतोषानन्द ने योग के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान एवं ध्यान के अभ्यास पर निर्देश दिये। शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. विजयपाल कछवाह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया तथा डॉ. सुशांत कुमार राय ने धन्यवाद भाषण दिया। बैठक का संचालन डॉ. मणिकान्त तिवारी ने किया। जिसमे परिसर के लगभग तीन सौ छात्रों और शिक्षकों ने सेमिनार में भाग लिया और सेमिनार की सफलता में योगदान दिया।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21.01.2023)

21.01.2023 को श्री सदाशिव परिसर में परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस आयोजित की गई। श्री जगन्नाथ संस्कृत

विश्वविद्यालय की कुलसचिव श्रीमती सुमित्रा कुमारी पटनायक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नृसिंह चरण साहू उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में आधुनिक विभाग के प्रमुख श्री दुर्गा प्रसाद दास महापात्र और धर्मशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रोफेसर अतुल कुमार नंद उपस्थित थे। उड़िया और हिंदी भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस समारोह में सदाशिव परिसर के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं, छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे। परिसर के आधुनिक विभाग की ओडिया शिक्षिका डॉ. स्वागतिका ने संचालन किया और अंत में शिक्षक श्री विश्वनाथ ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ए.आई.यू. नेशनल यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स चौंपियनशिप (22.01.23 से 24.01.23)

हमारे दो छात्रों ने हमारे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और डॉ. गौतम कुमार चौधरी, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा की देखरेख में शिवाजी यूनिवर्सिटी, कोलोपुर, महाराष्ट्र में आयोजित एआईयू नेशनल इंटर-यूनिवर्सिटी कुश्ती (पुरुष) चौम्पियनशिप में भाग लिया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस (24.01.2023)

दिनांक 24.01.2023 को श्री सदाशिव परिसर के जयदेव सभागार में निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह मनाया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त, प्रतिष्ठित न्यायाधीश एवं सामाजिक कार्यकर्ता ऋतुपर्णा महंती उपस्थित थीं। उन्होंने परिसर में सभी छात्रों को बताया कि कैसे लड़कियों को जीवन में हर समस्या का समाधान करने में सक्षम होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर विचार प्रस्तुत किया कि लड़कियाँ किस प्रकार सभी क्षेत्रों में अग्रणी हैं। परिसर के धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल कुमार नंद ने बताया कि किस प्रकार महिलाओं का समाज में विशेष योगदान है। निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के आरंभ में वैदिक विभाग के आचार्य शिवार्चित मिश्र ने वेद पाठ किया। फिर कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अनुपमा पृष्टि ने स्वागत भाषण दिया। शिक्षाशास्त्र विभाग में व्याख्याता ओम नारायण मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने पुरस्कार जीते। इस अवसर पर परिसर के विद्यार्थियों में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में सभी छात्र एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रिय शिक्षा नीति -2020 परिप्रेक्ष्य में संस्कृत शिक्षा परिसंवाद (24.01.2023)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में मुख्यालय द्वारा दिनांक 24.01.2023 को 'राष्ट्रियशिक्षानीतेः (2020) परिप्रेक्ष्ये संस्कृतशिक्षा' इस विषय पर परिसंवाद आयोजन का ऑनलाईन प्रसारण किया। जिसमें सभी प्राध्यापक तथा छात्रों ने सहभागिता की।

सामान्य ज्ञान/भाषण/वादविवाद प्रतियोगिता (24.01.2023)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में विभागीय प्राध्यापकों द्वारा छात्रों के लिए दिनांक 24.01.2023 को सामान्य ज्ञान/भाषण/वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

गणतंत्र दिवस (26.01.2023)

निदेशक प्रो खगेश्वर मिश्र द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन परिसर के शारीरिक शिक्षा शिक्षक डॉ. गौतम कुमार चौधरी ने किया।

शिक्षाचार्य छात्रों द्वारा शिक्षाशास्त्री कक्षा अध्यापन (27.01.2023 से 30.012023)

शिक्षाचार्यपाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्री कक्षा में शिक्षाचार्य छात्रों द्वारा कक्षाध्यापन दिनांक 27.01.2023 से 30.01.2023 तक कराया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. निर्मला पाणिग्राही, डॉ. ओम नारायण मिश्र, डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर थे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता (30.01.2023)

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में दिनांक 30.01.2023 को एक भारत श्रेष्ठ भारत विषय के अन्तर्गत छात्रों के लिए पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर एवं डॉ. दिव्येन्दु कुमार मण्डल थे।

अखिल भारतीय 19वां रूपक महोत्सव (फरवरी 02-04, 2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 19वां अखिल भारतीय रूपक महोत्सव दिनांक 02.02.2023 से 04.02.2023 तक

श्री सदाशिव परिसर में बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया। रूपक महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, पुरी परिसर का संयोजक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव एवं सह संयोजक श्री विश्वनाथ मिश्र थे।

रूपक प्रतिस्पर्धी उत्सव में चार क्षेत्रीय स्तरों पर चयनित 12 नाट्य मंडली शामिल थीं। रूपक महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्रा (उपाध्यक्ष, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वैदिक अध्ययन संस्थान, उज्जैन) ने किया। परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र, तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का विभिन्न संकाय अध्यक्ष, यथा - प्रो. अतुल कुमार नंद,प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो. सुकांत कुमार सेनापति, प्रो. बनमाली विश्वाल, प्रो. वाई.एस. रमेश, प्रो. लोकमान्य मिश्र व अन्य मौजूद रहे।

सब से प्रथम, पूर्वरङ्ग में बारह नाट्य मंडलियों के नाटकों का संग्रह, प्रदर्शित किया गयाजो धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव द्वारा लिखित था। इसका निर्देशन डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव ने किया। ततः 12 रूपक प्रस्तुत किये गये। जज की भूमिका में प्रो. बलदेवानंद सागर, डॉ. शुक्ला मुखर्जी, प्रो. पी.के. माधवन, प्रो. श्रीकांत बाहुलकर, डॉ. उमेश नेपालः, विदुषी कलैवानी राजमोहन, प्रोफेसर अभिराज राजेंद्र मिश्र थे।

विशेष पुरस्कार

समापन समारोह में माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने भाग लिया। माननीय कुलपति महोदय ने, श्रीमती सन्ध्या पुरेचा, अध्यक्ष और निदेशक, संगीत नाटक अकादमी, दिल्ली, तथा जी-20की सदस्य ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

मुख्य अतिथि श्रीमती सन्ध्या पुरेचा ने रंगमंच की उत्पत्ति से लेकर अब तक इसके विभिन्न स्तरों पर विकास से जुड़े तथ्यों का प्रस्ताव किया। कुलपति ने रूपक के व्यापक विकास के लिए एक स्थायी व्यवस्थित कार्यक्रम स्थापित करने की आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत किये।

नाट्य कार्यशाला (वर्कशॉप)(फरवरी 06-25, 2023)

श्री सदाशिव परिसर, श्रीनाट्यम (संस्कृत थिएटर मंडली) के संयुक्त तत्त्वावधान में एक नाट्य कार्यशाला आयोजित की गई। परिसर के डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव द्वारा रचित नाटक षोडशसंस्कार का अभ्यास किया गया। इसका मञ्चन दिनांक 23.2.23 को राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता में एक राष्ट्रीय समारोह में किया गया। भारतीय संस्कृति पर आधारित इस नाटक को वहां मौजूद दर्शकों ने दिल खोलकर सराहा।

क्षेत्रीय स्तर-12वां युवा महोत्सवः (15-17 फरवरी, 2023)

दिनांक 02.02.2023 से 04.02.2023 तकचतुर्थ क्षेत्र का 12वां युवा महोत्सव श्री सदाशिव के परिसर में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दो परिसर तथा छः आदर्श महाविद्यालय ने भाग लिया। युवा महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रवींद्र कुमार पंडा ने किया। जिसमें युवा महोत्सव का संयोजक डॉ. गौतम कुमार चौधरी. परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र, धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अतुल कुमार नंद उपस्थित रहे। खेलकूद, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। श्री सदाशिव परिसर को सर्वोच्च पुरस्कार से सम्मानित किया गया और विजय वैजयन्ती प्रदान कर प्रथम स्थान से अलंकृत किया गया। इसमें 19 स्वर्ण, 08 रजत और 01 कांस्य पदक हैं। इसी प्रकार एकलव्य परिसर 06 स्वर्ण, 15 रजत एवं 03 कांस्य पदकों से सुशोभित हुआ। श्री सीता राम वैदिक आदर्श महाविद्यालय को 02 स्वर्ण, 01 रजत एवं 04 कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति ने सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को संबोधित किया।

अन्तिम शिक्षणाभ्यास तथा मनोविज्ञान परीक्षा (20.02.2023 से 25.02.2023)

शिक्षाशास्त्र द्वितीय वर्ष के छात्रों की अन्तिम शिक्षणाभ्यास तथा मनोविज्ञान परीक्षा का आयोजन दिनांक 20.02.2023 से 25.02.2023 तक किया गया। वाह्य परीक्षक प्रो. जे भानुमुर्ति, आन्तरिक परीक्षक प्रो. विजयपाल कच्छ्वाह, संयोजक प्रो. रमाकान्त मिश्र एवं सभी विभागीय अध्यापकों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हआ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी (21.02.2023)

गवर्नमेन्ट वुमेन कॉलेज, पुरी और श्री सदाशिव परिसर के सहयोग से वर्तमान परिदृश्य में संस्कृत, आयुर्वेद एवं योग का महत्त्व– इस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे प्रो. हरेकृष्ण शतपथी (पूर्व कुलपति), श्री अरुण कुमार उपाध्याय (पूर्व आईपीएस), प्रो. डॉ. एस.के. पांडेय (वनारस हिंदू विश्वविद्यालय), प्रो. रवि प्रकाश आर्य (अध्यक्ष,

इंटरनेशनल वैदिक फाउंडेशन), प्रो. खगेश्वर मिश्र (निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्रीसदाशिव परिसर, पुरी)उपस्थित हुए। कार्यक्रम के संयोजक गवर्नमेन्ट वुमेन कॉलेज, पुरी के डॉ. राकेश कुमार मिश्र थे।

वैदिक विश्वकोश कार्यशाला (फरवरी 28 - मार्च 06, 2023)

सत्य चेतना वैदिक अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, तमिलनाडु तथा श्री सदाशिव परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में वैदिक विश्वकोश की प्रस्तुति पर एक कार्यशाला श्री सदाशिव परिसर में आयोजित की गई थी। इसमें 28 बाहरी एवं 12 स्थानीय विषय विशेषज्ञ उपस्थित थे। कार्यशाला की शुरुआत स्वामी श्री आत्मानन्द महाराज के आशीर्वाद और आचार्य हरेकृष्ण शतपथी, पूर्व कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरूपति के मुख्य भाषण के साथ हुई।

अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह समारोह (01-08 मार्च, 2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री सदाशिव परिसर में दिनांक 01.03.2023 से 08.03.2023 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के शिक्षक, छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित होकर समारोह की गरिमा बढ़ा रहे थे। भाषण, पेंटिंग प्रतियोगिताएं और कविता सत्र आयोजित किए गए। इसी प्रकार सभी महिला कर्मचारियों को नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। महोत्सव के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की और संचालन दर्शनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्षा प्रो. गौरप्रिया दाश ने किया। समापन समारोह में प्रो. संगीता रथ, रेवेन्शा विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के योग विज्ञान संकाय के प्रमुख प्रो. अतुल कुमार नन्द, और परिसर के निदेशक प्रोफेसर खगेश्वर मिश्र ने अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।

वाक्यकौशलम् विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला (06.03.2023 – 05.04.2023)

वेदान्त विभाग और आईक्यूएसी ने संयुक्त रूप से 6 मार्च से 5 अप्रैल 2023 तक वाक्यकौशलम् विषय पर एक राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में प्रो. एस. एन. महालिक, समन्वयक थे और डॉ. जी. सूर्यप्रसाद इस कार्यशाला के सह-समन्वयक थे। इस कार्यशाला में 19 की संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्री विभुदत्त मिश्रा, डॉ. महेश कुमार पाणिग्रही और डॉ. अखिलेश मिश्रा रिसोर्स पर्सन थे। समापन सत्र में, प्रतिभागियों को निदेशक प्रोफेसर अतुल कुमार नंद द्वारा सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन (12.03.2023)

लोकभाषा प्रचार समिति एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन श्री सदाशिव परिसर में आयोजित किया गया। दिव्य अतिथि के रूप में श्रद्धेय स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती जी, (निगमकल्पतरु आश्रम, भुवनेश्वर) मुख्य अतिथि के रूप में श्री विद्युत रंजन षड़ंगी (मानद न्यायाधीश, ओडिशा उच्च न्यायालय) विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री बृजकिशोर शर्मा (अध्यक्ष राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन, जयपुर), प्रो. काशीनाथ न्यूपाने (महामंत्री, विश्व संस्कृत संगठन, काठमांडू, नेपाल) मुख्य वक्ता के रूप में श्री रमेश जॉयस (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लोकभाषा प्रचार समिति, बैंगलोर, तथा प्रो. आलेख चन्द्र षडंगी (पूर्व कुलपति, श्री जगनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी) ने भाग लिया।

स्पोकन इंग्लिश कार्यक्रम (16.03.2023 से 27.03.2023)

श्री सदाशिव परिसर, पुरी के आधुनिक विभाग द्वारा परिसर के IQAC के सहयोग से 16.03.2023 से 27.03. 2023 तक छात्रों के लिए 7 दिवसीय स्पोकन इंग्लिश कोचिंग कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में 37 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

हिन्दी सम्भाषण कार्यक्रम (16.03.2023 से 27.03.2023)

श्री सदाशिव परिसर, पुरी के आधुनिक विभाग द्वारा परिसर के IQAC के सहयोग से 16.03.2023 से 27.03. 2023 तक छात्रों के लिए 7 दिवसीय हिन्दी सम्भाषण कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम में 83विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्रीय एकता कैम्प (17.03.2023 - 25.03.2023)

राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय भुवनेश्वर द्वारा

17.03.2023 से 25.03.2023 को जगन्नाथ वेद कर्मकाण्ड महाविद्यालय, पुरी में एकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे श्री सदाशिव परिसर के उत्कृष्ट कार्य के लिए श्री सदाशिव परिसर, पुरी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई को उचित मार्गदर्शन एवं अनुशासित नेतृत्व के लिए परिसर को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ओम नारायण मिश्र भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संस्कृत नाटक प्रस्तुतीकरण (18.03.2023)

18.03.2023 को ओडिशा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट में भारत और विश्व में संस्कृत के योगदान विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के अन्तर्गत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में श्री सदाशिव परिसर, पुरी छात्रों द्वारा डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव द्वारा निर्देशित एक संस्कृत नाटक कृष्णकुतूहलम का मंचन किया गया। इस संस्कृत नाटक के मंचन की वहां उपस्थित सभी भारतीय विदेशी संस्कृत विद्वानों ने प्रशंसा की।

पांच दिवसीय ज्योतिष कार्यशाला (20.03.2023 से 24.03.2023)

दिनांक 20.03.2023 से 24.03.2023 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर, पुरी के ज्योतिष विद्या शाखा द्वारा पांच दिवसीय ग्रहवेधयन्त्र निर्माण कौशल संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 20 मार्च को परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. अतुल कुमार नन्द एवं मुख्य अतिथि व कार्यशाला प्रशिक्षक के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गरली परिसर के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजेन्द्र शर्मा जी थे।

कार्यशाला में प्रशिक्षक डॉ. शर्मा द्वारा गोल ज्ञान के अन्तर्गत गोल परिचय, खमध्य, रेखा देश, पृष्ठ स्थान, ध्रुव स्थान, याम्योत्तर वृत्त, नाड़ी, क्रान्ति, ग्रहवेध का परिचय, अक्षांस, लम्बांश, क्रान्त्यंश, आदि महत्त्वपूर्ण वृत्तों की प्रायोगिक रूप से ज्ञान कराया गया।

दिनांक 24 मार्च 2023 में आयोजित समापन सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की। सारस्वत अतिथि के रूप में प्रो. अतुल कुमार नन्द जी उपस्थित रहे। इसके अलावा प्रशिक्षकों में डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा एवं वी शिवशंकर शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सदाशिव परिसर,ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. विश्वरंजन पति, सह संयोजिका डॉ. विजयलक्ष्मी महापात्र, विभाग के अध्यापक डॉ. ज्योतिप्रसाद दाश, डॉ. नीलमाधव दाश, डॉ. चक्रधर कर, डॉ. गणेश प्रसाद मिश्र, डा राजश्री पाढ़ी एवं 100 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (25.03.2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी की हिन्दू अध्ययन विद्या शाखा ने दिनांक 25-03-23 को जयदेव सभागार में 'समकालीन समाज में सनातन धर्म की प्रासंगिकता' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर हरेकृष्ण शतपथी, पूर्व कुलपति (राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति) थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नचिकेता तिवारी (भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर) ने 'सनातन धर्म की प्रासंगिकता' विषय पर चर्चा की। सत्र की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र ने की। हिन्दू अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रो. अतुल कुमार नंद ने स्वागत भाषण दिया। अतिथियों ने पुरी के प्रतिष्ठित पत्रकार श्री वद्री नारायण मिश्र को सम्मानित किया। शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. विजयपाल कच्छवाह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। डॉ. स्वगातिका मोहंती ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस संगोष्ठी में सत्तर वक्ताओं ने शोधपत्र पढ़े। समारोह में दो सौ से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए। इस अवसर पर पुरी के पत्रकार और अनेक हिन्दू श्रद्धालु उपस्थित थे। पेपर वाचन सत्र की अध्यक्षता प्रो. सत्यनारायण आचार्य ने की। सम्पूर्ति सत्र में अतिथियों ने शोधपत्र वाचन करने वाले पाठकों को प्रमाण पत्र प्रदान किये।

राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान (28.03.2023)

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई श्री सदाशिव परिसर के द्वारा 28.03.2023 को पुरी परिसर में एक स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया जिसमे राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी छात्रों ने श्री सदाशिव परिसर की सफाई की तथा इस स्वच्छता कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर निदेशक प्रो. अतुल कुमार नन्द ने किया। इस स्वच्छता कार्यक्रम में श्री सदाशिव परिसर, पुरी के समस्त शिक्षक एवं आचार्यो ने भी सहभागिता की।

परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र का सौप्रस्थान (31.03.2023)

परिसर निदेशक प्रो. खगेश्वर मिश्र 31.03.2023 को निदेशक पद से सेवानिवृत्त हो गए। परिसर के सभागार में सौप्रस्थानिक महोत्सव मनाया गया। फिर प्रो. श्री अतुल कुमार नंद ने निदेशक का पद सुशोभित किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	00
उत्तर प्रेषित	–	00

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिसर के विषय में–

परिचय (Introduction)

भारतीय संसद के अधिनियम के अन्तर्गत 30 अप्रैल 2020 को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, (पूर्ववर्ती राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान) की स्थापना हुई। यह विश्व का एकमात्र बृहत्तम एवं बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। जो कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा A++ श्रेणी प्रदत्त है। वर्तमान में माननीय प्रो. श्रीनिवास वरखेडी इसके कुलपति हैं। देशभर में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 13 (मुख्यालयसहित) परिसर हैं। जम्मू स्थित श्रीरणवीर परिसर उन्हीं तेरह परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि (Objectives & Background)

जम्मू-कश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणवीर सिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवं अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्रीरणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। 02 मई, 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को बृहत्तम बहुपरिसरीय राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) घोषित किया गया। तब से 29 अप्रैल 2020 तक श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात रहा। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्तमराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघवप्रसाद चौधरी, डॉ. रामकिशोरशुक्ल, डॉ. प्रियतमचन्द्रशास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्तिशास्त्री, प्रो. यशपालखजूरिया (कार्यवाहक), प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्य-वाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. रामानुज-देवनाथन्, प्रो. बच्चाभारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्यमिश्र (कार्यवाहक), श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक), प्रो. फतहसिंह (कार्यवाहक)श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक) एवं प्रो. वासुदेव शर्मा परिसर के (कार्यवाहक) प्राचार्य रहे। 30 अप्रैल 2020 को संसदीय अधिनियम के द्वारा इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नाम का दर्जा दिया गया, तब से प्राचार्य के स्थान पर निदेशक व्यवस्था प्रारम्भ हुई जिसमें प्रो. वासुदेव शर्मा प्रथम निदेशक रहे और वर्तमान में प्रो. मदन मोहन झा निदेशक हैं।

प्रकाशन (Publications)

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीर शैवदर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा-पूर्ण निबन्धों आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। इस पत्रिका को जनवरी 2022 में UGC केयर सूची में शामिल किया गया है। परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा भी शिक्षामृतम् नामक शिक्षाशास्त्र पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। जो वर्तमान में यू.जी.सी केयर सूची में संग्रहीत है।

2. परिसर की स्थिति

पुस्तकालय (Library)

श्रीरणवीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

ई-पुस्तकालय (E-Library)

श्रीरणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का अनात्मक उपक्रम चल रहा है। जिसमें बहुत पुस्तकों का ई पुस्तकालीयकरण कर दिया गया है और वर्तमान में कार्य चल रहा है।

वेधशाला (Planetarium)

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिषशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्रीरणवीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण-यन्त्र, ग्रहकक्षाक्रम-यन्त्र, चन्द्रकला-यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण-यन्त्र तथा गोल-यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

सम्मेलन कक्ष (Conference Hall)

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है, जो कि आधुनिक एवं उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

वाणी विलास सभागार (Vani VilasAuditorium)

विद्वद् व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारु से संचालन के लिये श्रीरणवीर परिसर में आधुनिक तकनीकि युक्त ध्वनि प्रकाशादि व्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

सङ्गणक-कक्ष (Computer Room)

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में सङ्गणक-कक्ष भी बनाया गया है। इस सङ्गणक-कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 25 सङ्गणक यन्त्रों की व्यवस्था है। सङ्गणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से परिपूर्ण है।

प्रति विभाग कम्प्यूटर (Departmental Computers)

विभागीय कार्यों को सुचारु गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों को सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं। समस्त परिसर में फाईवर इन्टरनैट की व्यवस्था सुचारु रूप से सञ्चालित है। परिसर के प्रत्येक विभाग में एक स्मार्ट कक्षा कक्ष की व्यवस्था फाईवर इन्टरनेट के साथ की गई है।

विभागीय पुस्तकालय (Departmental Library)

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढने के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में 50,000 हजार रूपये की राशि से पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

भाषा-प्रयोगशाला (Language Lab)

परिसर के शिक्षाशास्त्र-विभाग (Education) में भाषा-प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा-कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम सङ्गणक एवं 01 अनुदेशक सङ्गणक व्यवस्थित हैं।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला (Psychology Lab)

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान-प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिसमें अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

प्राध्यापक वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी (Teaching &Non Teaching Staff)

परिसर में आचार्य, सहआचार्य, सहायक आचार्य, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 43 शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं। परिसर में 38 कार्यालयीय सदस्य, 14 सुरक्षा प्रहरी तथा कर्मचारी कार्यरत हैं।

छात्रावास (Hostel)

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्रीरणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधा सम्पन्न पुरुष छात्रावास (Boys Hostel) तथा महिला छात्रावास (Girls Hostel) हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में गीजर भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधायुक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

कर्मचारी आवास (Staff Quarters)

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकावास बनाये गए हैं।

व्यायामशाला (Gymnasium)

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिकस्वास्थ्य के लिए परिसर में योग, क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायामशाला में विविध आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। ओपन जिम की सुविधा भी है।

क्रीडा-क्षेत्र (Play Ground)

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है, जिसमें सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का सञ्चालन किया जाता है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

विद्याशाखा (Subjects & Departments)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरणवीर परिसर में अध्ययन विषयानुरूप आठ विभाग हैं -

1. वेद कर्मकाण्ड पौरोहित्य विद्याशाखा
2. व्याकरण विद्याशाखा
3. ज्योतिष विद्याशाखा
4. संस्कृत-साहित्य-विद्याशाखा
5. दर्शन विद्याशाखा
6. भारतीय भाषा विद्याशाखा (हिन्दी, डोगरी)
7. शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
8. सामाजिक विज्ञान विद्याशाखा
9. आंग्ल विद्याशाखा
10. मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र (Distance Education Centre)

अध्ययन-अध्यापन एवं शोधकार्य (Studies & ResearchActivities)

श्रीरणवीर परिसर में नई शिक्षा नीति आधारित क्रेडिट प्रणाली के अन्तर्गत-पारम्परिकशिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामञ्जस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। विश्वविद्यालय मुख्यालय के निर्देशानुसार वार्षिक एवं सत्रार्धिक परीक्षा प्रणाली (Semester System) भी लागू है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

पारम्परिक संस्कृतशिक्षा (Traditional Sanskrit Studies)

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्रीरणवीर परिसर में क्रेडिट व्यवस्था आधारित प्राक्शास्त्री (सत्रार्द्ध) (इण्टरमीडिएट), शास्त्री (सत्रार्द्ध)(B.A.) तथा आचार्य (सत्रार्द्ध) (M-A-) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरण शास्त्र, साहित्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा वेद वाङ्मय संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा, योग इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

व्यावसायिक-शिक्षा (Professional Education)

श्रीरणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र-विभाग (Education Department) में दो वर्षीय (सत्रार्द्ध) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Courses)

वेद कर्मकाण्ड पौरोहित्य विद्याशाखा द्वारा छात्रों के लिए एक वर्षीय प्रमाण पत्रीय पाठ्य-क्रम संचालित है। सत्र 2023-24 में एक वर्षीय योग प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाना है।

शोधकार्य (ResearchActivities)

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासङ्गिक विषयों में बहु आयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षो तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पञ्जीकृत शोधार्थियों की संख्या 17 है।

मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र (Distance Education Centre)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने दूरस्थ-शिक्षा-परिषद् (Distance Education Council) की मान्यता प्राप्त करके संस्कृत के विश्व व्यापी विस्तार के उद्देश्य से दूरस्थ-शिक्षा-निदेशालय (The Distance Education Institute) प्रारम्भ किया गया है। इस दूरस्थ-शिक्षा- निकाय को मुक्तस्वाध्यायपीठम् (मु.स्वा.पी/MSP) का नाम दिया गया है। मुख्यालय सहित संस्थान के सभी परिसरों में मुक्तस्वाध्याय केन्द्र बनाये गये हैं। श्रीरणवीर परिसर में भी 2010-2011 से मुक्तस्वाध्याय केन्द्र संचालित है। इसमें (10+2) से आचार्य (M.A.) कक्षापर्यन्त अध्ययन-अध्यापन चल रहा है। मुक्तस्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवम् आकर्षण यह है, कि इसमें संस्कृतेतर (Non-Sanskrit) विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासु जनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के लिये विविध-स्तरों पर सेतु पाठ्यक्रमों (Bridge courses) को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय-सामग्री के साथ-साथ दृश्य-श्रव्य (Audio Visual) सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है, ताकि संस्कृत से

अनभिज्ञ लोग भी अत्यन्त अल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय-ज्ञान अर्जित कर सकें।

7. अन्यक्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण–

नाट्यमहोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अष्टादश संस्कृत नाट्यमहोत्सव का आयोजन दिनांक 02 फरवरी 2023 से 04 फरवरी 2023 तक पुरी (उड़ीसा) में किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा उत्तररामचरितनाटक का मंचन किया गया। इस महोत्सव में परिसर के ज्योतिष विभाग के छात्र रोहित शर्मा को प्रथम, शिक्षाशास्त्री के छात्र अमन सढोत्रा को द्वितीय तथा-वेद-विभाग के छात्र सुमित शर्मा को तृतीय पुरस्कार दिया गया।

अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 27.03.2023 से 30.03.2023 तक अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा किया गया। जिसमें परीसरीय छात्रों ने भाग ग्रहण किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वविद्यालय परिसर में दो इकाई संचालित हैं, जिसमें लगभग 200 छात्र पंजीकृत हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री मनिन्दर सिंह है। वर्ष भर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का संचालन नियमित रूप से किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

समारोहादि का आयोजन

- दिनांक 14.08.2022 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के संयोजक श्री प्रदीप कुमार मिश्र रहे।
- 15.08.2022 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया जिसमें परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा ने ध्वजारोहण किया।
- दिनांक 29.08.2022 से 06.09.2022 तक व्यावसायिक कौशल संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के प्रत्येक विभाग के प्राध्यापक ने स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. घनश्याम मिश्र थे।
- दिनांक 31.08.2022 को परिसरीय प्राध्यापक कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा गणेश पूजनोत्सव मनाया गया।
- दिनांक 05.09.2022 से 09.09.2022 तक शिक्षक दिवस मनाया गया। जिसमें परिसरीय छात्रों द्वारा प्राध्यापकों का सम्मान, निबंध लेखन स्पर्धा, शिक्षकगौरवाधारित चलचित्र प्रदर्शन, शिक्षक के विशिष्ट गुणों पर आधारित आशुभाषण एवं पुरस्कार वितरण किया गया।
- दिनांक 01.09.2022 से 14.09.2022 तक हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। कार्यक्रम का आयोजन राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया।
- दिनांक 08.08.2022 से 13.08.2022 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू के विभिन्न क्षेत्रों में शोभा यात्रा एवं वीथी नाटकों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मदन कुमार झा थे।
- दिनांक 09-13 अगस्त तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्त्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया गया।
- दिनांक 16.09.2022 को परिसर में शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानन्द जी महाराज का विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया था।
- दिनांक 20.09.2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा राष्ट्रीय पोषण मास का आयोजन किया गया।
- दिनांक 02.10.2022 को महात्मा गाँधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता शपथ, स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर के स्वच्छता वीरों को सम्मानित किया गया।
- दिनांक 12.10.2022 को परिसर के वाणी विलास सभागार में विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।
- दिनांक 19.10.2022 को परिसरीय वाणी विलास सभागार में महाराजा डॉ. कर्ण सिंह का 'श्रीमद्भगवद्गीता' पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें

विश्वविद्यालय के कुलपति श्रीनिवास वरखेड़ी मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. मदन कुमार झा ने किया

- दिनांक 25.10.2022 से 31.10.2022 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा राष्ट्रीय एकता सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं सह-संयोजक श्री मनिन्दर सिंह थे।
- 31.10.2022 से 06.11.2022 तक राष्ट्रिय सेवा योजना इकाई के द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन श्री मनिन्दर सिंह ने किया।
- दिनांक 01.11.2022 को नई शिक्षा नीति 2020 के प्रथम बैच शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित रहे।
- दिनांक 11.11.2022 को राष्ट्रिय शिक्षा दिवस (मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती उत्सव) का आयोजन ऑनलाईन/ऑफलाईन मोड़ से किया गया। इसके संयोजक शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. ऋषिराज रहे।
- दिनांक 15.11.2022 को परिसरीय वाणी विलास सभागार में भगवान बिरसा मुण्डा के जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस-2022 का आयोजन किया गया। इसके संयोजक डॉ. ऋषिराज रहे।
- दिनांक 26 नवम्बर 2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा नागरिक सुरक्षा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 26 नवम्बर 2022 को परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं खेल, संस्कृति एवं युवा सेवा केन्द्र के संयुक्त तत्त्वावधान में संविधान की प्रस्तावना की शपथ आयोजित की गई।
- दिनांक 29.11.2022 को विश्वविद्यालय परिसर के द्वारा विक्रम चौक स्थित वेयर हाउस मार्केट, जम्मू में संस्कृत बाजार का निर्माण किया गया।
- दिनांक 01.12.2022 को परिसरीय एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के अन्तर्गत खेल, संस्कृति और युवा सेवा केन्द्र एवं रेड रीबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- दिनांक 03.12.2022 को गीता सप्ताह के उपलक्ष्य में केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए कण्ठ पाठ स्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मदन कुमार झा रहे।
- दिनांक 09.12.2022 को 60वीं राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें विविध शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डॉ. राज कुमार मिश्र रहे।
- दिनांक 11.12.2022 को महाकवि सुब्रह्मण्यम् भारती के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में "भारतीय भाषा उत्सव-2022 का आयोजन किया गया।
- दिनांक 28 दिसम्बर 2022 को उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का मंचन किया गया। जिसमें तीन परिसरों एवं चार आदर्श महाविद्यालयों ने भाग ग्रहण किया। रूपक महोत्सव में प्रथम पुरस्कार श्री रणवीर परिसर, जम्मू, द्वितीय पुरस्कार वेद व्यास परिसर, बलाहर, हिमाचल प्रदेश एवं तृतीय पुरस्कार आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, हि.प्र. को दिया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सतीश कुमार कपूर रहे।
- 25.01.2023 को परिसर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया, जिसका संयोजन डॉ. योगेन्द्र दीक्षित के द्वारा किया गया।
- 26.01.2023 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन झा के द्वारा किया गया।
- दिनांक 26.01.2023 को परिसर प्रांगण में वसन्त पंचमी में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। जिसके संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार दीक्षित थे।
- दिनांक 20.02.2023 से 22.02.2023 को उत्तर क्षेत्रीय युवमहोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के तीन परिसरों, आदर्श महाविद्यालयों एवं श्रीमाता वैष्णो देवी गुरुकुल कटरा ने भाग ग्रहण किया। उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में जम्मू कश्मीर राज्य के उप-राज्यपाल माननीय मनोज सिन्हा जी उपस्थित रहे। युवा महोत्सव में विजेता वेद व्यास परिसर, बलाहर रहा।
- दिनांक 01.03.2023 से 08.03.2023 तक अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसकी संयोजिका डॉ. शुभश्री दाश रही।

- दिनांक 18 से 23 मार्च 2023 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा सप्तदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया।
- दिनांक 24 मार्च 2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा यातायात नियमों के बारे में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 21.03.2023 को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया।
- दिनांक 27.03.2023 से 28.03.2023 तक व्याकरण विभाग द्वारा "शब्दशास्त्रीयसिद्धान्तानां शास्त्रान्तरैः सह सम्बन्ध" विषय पर द्वि-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें दश सत्र आयोजित किये गये। इसके समन्वयक डॉ. कैलास चन्द्र दाश, अध्यक्ष व्याकरण विद्याशाखा संयोजक एवं डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल कार्यक्रम सचिव तथा डॉ. हरिशंकर पाण्डेय संचालक रहे।
- दिनांक 29.03.2023 से 30.03.2023 तक ज्योतिष विभाग द्वारा 'वाताजरोगाणां निदानोपचारयोः परिप्रेक्ष्ये ज्योतिष-आयुर्वेद-योगशास्त्राणाम् अन्तस्सम्बन्धः' इस विषय पर द्वि-दिवसीय राष्ट्रीयशोध सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें काशी, सोमनाथ, हरिद्वार, तिरुपति, हिमाचल, पंजाब, एवं जम्मू कश्मीर के विद्वानों ने ऑनलाईन एवं ऑफलाईन माध्यम से शोध पत्र प्रस्तुत किये। जिसके संयोजक ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्याम देव मिश्र रहे तथा डॉ. प्रसाद भट्ट ने सत्र का संचालन किया।
- दिनांक 06.04.2023 को वाणी विलास सभागार में प्रो. कीर्तिरामजतन, विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग महात्मागान्धी इनस्टीट्यूट, मॉरिशस, का "Sanskrit Studies Mauritius" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजित किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

1. आमुख

केरल, भगवान का अपना देश, आदि शंकर के जन्म के साथ पवित्र, जगदगुरु श्री शंकराचार्य के अद्वैत वेदान्त के दर्शन से प्रभावित होकर, जाति, रंग, लिङ्ग और पन्थ के भेदभाव के बिना रहने की जगह के रूप में शिखर पर पहुंच गया है। संस्कृतप्राणयभजनम पी. टी. कुरियाकोस मास्टर ने 1909 में पावरट्टी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की शुरुआत की और 1934 में मद्रास विश्वविद्यालय के तहत यूजी और पीजी पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जो बाद में 1972 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अपना लिया गया और इसे साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के रूप में फिर से शुरू किया गया। 1979 में इसका नाम बदलकर गुरुवयूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ कर दिया गया और 1983 में इसे वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। 16 अगस्त 1998 को तत्कालीन माननीय मानव संसाध न विकास मन्त्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा पूरनाट्टुकरा में स्थित नए प्रशासनिक और शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन किया गया। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को एक बहु परिसरीय मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया था और 7 मई 2002 को इस संस्थान का नाम बदलकर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर कर दिया गया था। इसे संसदीय अधिनियम द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में दर्जा दिया गया है।

2. परिसर का स्थानः

यह शारदा गर्ल्स हाई स्कूल के ठीक पीछे त्रिशूर जिले के अडपट पंचायत में पुरनाट्टुकरा में स्थित है। यह अमला इंस्टीट्यूट मेडिकल साइंसेज, रामकृष्ण आश्रम गुरुकुलम् स्कूल, आईईएस इंजीनियरिंग कॉलेज और केन्द्रीय विद्यालय से घिरा हुआ है। यह NH 47 पर त्रिशूर से 8 किमी दूर है। निकटतम हवाई अड्डा कोच्चि, नेडुम्बाश्शेरी में है।

3. मुख्यगतिविधियाँ

प्राक-शास्त्री – दो वर्षीय पाठ्यक्रम

शास्त्री – तीन साल का कोर्स

आचार्य – दो वर्षीय पाठ्यक्रम

शिक्षा-शास्त्री – दो साल का कोर्स

विद्यावारिधि – न्यूनतम दो वर्ष से अधिकतम पांच वर्ष।

योग और आयुर्वेद साहित्य में प्रमाणपत्रीय- एक वर्षीय पाठ्यक्रम।

पारम्परिक विषयों की पेशकश

व्याकरण – प्राक-शास्त्री से आचार्य साहित्य तक – प्राक-शास्त्री से आचार्य दर्शन तक – प्राक-शास्त्री पाठ्यक्रम में केवल वेदांत – शास्त्री से आचार्य न्याय तक – शास्त्री से आचार्य ज्योतिष तक – शास्त्री से आचार्य तक

आधुनिक विषयों की पेशकश की – अनिवार्य पेपरः अंग्रेजी – प्राक-शास्त्री से शास्त्री कंप्यूटर विज्ञान तक – प्राक-शास्त्री से शास्त्री पर्यावरण विज्ञान तक – शास्त्री तृतीय वर्ष में केवल शारीरिक शिक्षा – सभी कक्षाएं

आधुनिक विषयों की पेशकश की – वैकल्पिक पेपर इतिहास – प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक

अंग्रेजी साहित्य – शास्त्री पाठ्यक्रम में ही।

मलयालम/हिंदी – प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक –

पवारट्टी केंद्र में मुक्तस्वाध्यायपीठम् के तहत प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक पाठ्यक्रम। ब्रिज कोर्स – शास्त्री और आचार्य शास्त्री – व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष आचार्य – व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष प्राथमिक पाठ्यक्रम – पाली और प्राकृत प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम – पाली, प्राकृत और पत्रकारिता।

4. परिसर का कार्यक्रम विवरणः

1. संस्कृत सप्ताह समारोह
2. 21 दिवसीय भाषा शिक्षण कार्यशाला
3. शिक्षक दिवस मनाया गया।
4. शिक्षा दिवस मनाया गया।
5. दस दिवसीय योग कार्यशाला।
6. प्रतिभा दिवस मनाया गया।
7. सूक्तियों का पाठ किया गया।

8. सूक्ष्म शिक्षण आयोजित किया गया।

9. माइक्रो–टीचिंग आयोजित की गई।

10. स्कूल अंडरस्टैंडिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया।

11. व्यक्तित्व विकास की कक्षाएं सञ्चालित।

12. हिन्दी पखवाड़े में विभागीय कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

13. मातृभाषा दिवस में विभागीय कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।

14. विभागीय कर्मचारियों ने NEP–2020 के एक संगोष्ठी में भाग लिया है, केरल के UWAS का सहयोग से।

1. दिनांक 23.02.2023 को संस्कृत प्रणय भजनम पी. टी. कुरियाकोस की 50वीं पुण्यतिथि पर पवारट्टी केन्द्र में 13वां पी.टी. कुरियाकोस मेमोरियल इंटरनेशनल लेक्चर आयोजित किया गया। प्रो. ललिता कुमार साहू, निदेशक, गुरुवयूर कैंपस ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. साहू ने धर्मो रक्षति रक्षित: विषय पर अपना अन्तार्राष्ट्रीय व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. ई. आर. नारायणन ने समारोह का स्वागत किया और डॉ. डी. वेणुगोपाल राव ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

2. जोन–1 यूथ फेस्टिवल 1 मार्च से 3 मार्च तक गुरुवायूर परिसर में आयोजित किया गया था। सीएसयू, गुरुवायूर परिसर, सीएसयू राजीव गांधी परिसर, कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, मद्रास संस्कृत कॉलेज, सीएसयू, के जे सोमैया कैंपस, मुंबादेवी आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, अहोबिलामठ संस्कृत आदर्श विद्यापीठ ने भाग लिया।

1. दिनांक 15.08.2022 को परिसर में पूर्णाट्टुकरा और पवाराट्टी परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। निदेशक ने पूरनट्टुकरा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और डॉ. ई आर नारायणन ने पवारट्टी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

2. दिनांक 12.10.2022 को अपराह्न 03:00 बजे सम्मेलन कक्ष में परिसर स्थापना दिवस मनाया गया। सभी कर्मचारियों और क्षमता छात्रों ने भाग लिया।

3. परिसर में 02.11.2022 के बीच सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। 2022 और 08.11. 2022।

4. दिनांक 30.11.2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे दहेज प्रथा एवं महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्टाफ व विद्यार्थियों ने भाग लिया।

5. नियमित सभाओं के अलावा दिनांक 05.12.2022 को एस1, एस2, एस3, ए1 एवं ए2 कक्षाओं के लिए सभागार में विशेष संयुक्त वाग्वर्धनी सभा का आयोजन किया गया।

6. दिनांक 29.11.2022 से 05.12.2022 तक परिसर में उत्साहपूर्वक भगवत–गीता–जयन्ती पारायण का आयोजन किया गया।

7. दिनांक 11.12.2022 को परिसर में भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया।

8. 16.01.2023 को एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) के अनुसार परिसर में मकर संक्रांति/पोंगल मनाया गया।

9. गणतंत्र दिवस दिनांक 26.01.2023 को परिसर में पूरनट्टुकरा और पवाराट्टी परिसरों में मनाया गया। निदेशक ने पूरनट्टुकरा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और डॉ. ई आर नारायणन ने पवारट्टी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

10. दिनांक 29.01.2023 को परिसर में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया।

11. 27.02.2023 को रात 10:30 बजे आदत फैमिली हेल्थ सेंटर के सहयोग से एनटीसीपी (नेशनल टोबैको कंट्रोल प्रोग्राम) जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

12. दिनांक 13.02.2023 को परिसर में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष जागरूकता का पहला कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. उमेश चंद्र मिश्र ने इस संबंध में व्याख्यान/वार्ता श्रंखला के रूप में व्याख्यान दिया।

13. दिनांक 06.03.2023 को परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष जागरूकता का द्वितीय कार्यक्रम। इस सम्बन्ध में विभिन्न व्यावहारिक प्रदर्शन छात्रों और परिसर के कर्मचारियों द्वारा किए गए।

14. दिनांक 14.03.2023 को समस्त कर्मचारियों ने माननीय कुलपति के साथ नैक विजिट प्रेजेंटेशन के लिए पीपीटी बनाने के संबंध में ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	00
उत्तर प्रेषित	–	00

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

परिसर का संक्षिप्त इतिहासः

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय स्व. श्री शिवचरण माथुर जी के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र पूर्वनिदेशक के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 को यह परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। कालान्तर में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। संसद द्वारा पारित अधिनियम से दिनांक 30 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से जाना जाता है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत-विद्या क्षेत्र में शोध-कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्रज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर इस वर्ष अपनी स्थापना के 40 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण कर रहा है। सत्रारम्भ से सत्रावसान तक परिसर ने अनेक शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उत्कृष्ट शिक्षण, छात्र संख्या एवं सौविध्य की दृष्टि से जयपुर परिसर अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में अग्रगण्य है।

परिसर की स्थितिः

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा भारत सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से राजस्थान की राजधानी जयपुर में नगर के केन्द्रीय क्षेत्र त्रिवेणीनगर में 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का यह विशाल भवन अध्यापन कक्षों, प्रशासन खण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृत शोध-अध्ययन केन्द्र, मुक्त स्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं के पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडांगण, बाग-बगीचे इत्यादि भौतिक सम्पदाओं से युक्त है। इस वर्ष भवन के नवीनीकरण, मरम्मत तथा नवीन सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य भी किये गये हैं। छात्रों की संख्या में वृद्धि एवं गुणवत्ता संवर्धन के प्रयोजन से कम्प्यूटर प्रशिक्षण आदि नूतन अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला का निर्माण किया गया।

सत्र 2022-23 में भौतिक विकास कार्यः

दिनांक 22 जनवरी 2023 को 34,4950276 करोड की लागत से बन रहे बहु-उद्देशीय भवन के प्राशासनिक तलका शिलान्यास कुलपति प्रो. श्रीनिवासवरखेडी एवं निदेशक प्रो. सुदेशकुमार के कर कमलों से किया गया। यह नवनिर्मित बहूद्देशीय भवन सुसज्जित सभागार, अतिथिगृह, चार लिफ्ट, पार्किंग आदि सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है। नैक निरीक्षण की पूर्व सज्जता की दृष्टि से सम्पूर्ण परिसर का सुशोभीकरण इस सत्र में किया गया है। राष्ट्रिय सेवा योजना के अन्तर्गत व्यापक स्तर पर परिसरीय स्वच्छता एवं वृक्षारोपण आदि कार्य भी इस सत्र में उल्लेखनीय रूप से किये गये।

परिसर में सत्र 2022-23 में क्रय प्रणालीः

Government E-Market (GEM) के माध्यम से क्रय-प्रक्रिया एवं P.F.M.S. (Public Finance Management System) के माध्यम से सभी प्रकार के भुगतान कार्य अनिवार्य रूप से किये जा रहे हैं।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर में सत्र 2022-23 में आयोजित कार्यक्रमों का विवरणः

क्र.	दिनांक	कार्यक्रमकानाम	अतिथि/वक्ता	अध्यक्ष	संयोजन
1.	01/04/2022	परीक्षा पे चर्चा 2022	प्रधानमंत्री श्रीनरेन्द्र मोदी (ऑनलाइन)	-	शिक्षा-मंत्रालय
2.	13/04/2022	सुन्दरकाण्डपारायण रामनवमी महोत्सव	प्रो. रामकुमारशर्मा	प्रो. भगवतीसुदेश	डॉ. पवनव्यास, डॉ. प्रकाशरंजन मिश्र

3.	19/04/2023	भारतीय लोकतंत्र और संविधान विशिष्ट व्याख्यान	स्वामी अभिषेक ब्रह्मचारी	प्रो. भगवती सुदेश	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुरपरिसर
4.	23/04/2022	विश्व पुस्तक दिवस	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय, जयपुरपरिसर
5.	04/05/2022	योगदिवस के सन्दर्भ में विविध स्पर्द्धा	प्रो. सत्यम कुमारी	प्रो. भगवती सुदेश	योग दिवस समिति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर
6.	13/05/2022	हास्य-योग	आचार्य राजेन्द्र कुमार	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. नवनीत कुमार, योगकेन्द्र, केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय, जयपुर परिसर
7.	19/05/2022	संस्कृत विकिपीडिया	डॉ. एस्.वैष्णव	प्रो. भगवती सुदेश	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर
8.	25/05/2022	समावर्तन समारोह	प्रो. सुरेन्द्र शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	शिक्षाशास्त्रविद्याशाखा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर
9.	31/05/2022	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	-	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रीय सेवा योजना, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर।
10.	03/06/2022	विश्व बाइसिकल दिवस	प्रो. सुदेशकुमार शर्मा		राष्ट्रीय सेवा योजना, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर।
11.	05/06/2022	विश्व पर्यावरण दिवस	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रीय सेवा योजना, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर।
12.	09/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. ब्रजभूषण ओझा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय
13.	10/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. वाचस्पति मिश्रा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. वाय्.एस्. रमेश

14.	11/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. भागीरथी नन्द	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. किशोरकुमार दलाई
15.	12/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. वाचस्पति त्रिपाठी	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय डॉ. राकेशकुमार जैन
16.	12/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. वाचस्पति मिश्रा	प्रो. वाय्.एस्. रमेश	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय -डॉ. ललित किशोर शर्मा
17.	13/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. सी.एच्. श्रीराम शर्मा	प्रो. सत्यम् कुमारी	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय प्रो. किशोर कुमार दलाई
18.	14/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. बलराम शुक्ल शर्मा	प्रो. सुदेशकुमार	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय डॉ. चेतन शर्मा
19.	14/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यान	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय डॉ. रानी दाधीच
20.	14/06/2022	स्वातन्त्र्य अमृतमहोत्सव व्याख्यानमालाया: सम्पूर्तिसत्रम्	प्रो. सच्चिदानन्द मिश्रा, प्रो. ब्रजभूषण ओझा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय डॉ. पवन व्यास
21.	21/06/2022	अन्तरराष्ट्रीय योगदिवस	श्री एस्.पी. भटनागर	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रीय सेवा योजना, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुरपरिसर।
	8-9/7/2022	राष्ट्रीय सेमिनार- स्वातन्त्र्य संग्रामे रामायणभगवद्गीतयो: प्रभाव:	प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र	प्रो. भगवती सुदेश	साहित्य अकादमी, नई दिल्ली और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुरपरिसर।
22.	10/07/2022	वार्षिकोत्सव	प्रो. सी.जी. विजय कुमार, कुलपति, म.पा.सं.वि.वि. उज्जैन।	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. वाय्.एस्. रमेश, प्रो. श्रीधर मिश्र, डॉ. पवनव्यास, अभिषेक शर्मा
23.	13/07/2022	गुरुपूर्णिमा-महोत्सव	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. श्रीधर मिश्र, डॉ. प्रकाशरंजन मिश्र
24.	28/07/2022	अनूचान प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन	प्रो. रामकुमार शर्मा, प्रो. वाय्.एस्. रमेश	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. पवन व्यास
25.	12/08/2022 से 19/08/2022	संस्कृत-सप्ताह-महोत्सव	प्रो. राजेन्द्रप्रसाद मिश्र	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. वाय्.एस्. रमेश, डॉ. पवनव्यास
26.	13/08/2022	तिरंगा यात्रा	श्रीअशोक लाहोटी, विधायक, सांगानेर	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रीय सेवा योजना, केन्द्रीय संस्कृत

					विश्वविद्यालय, जयपुरपरिसर।
27.	15/082022	स्वतंत्रता दिवस	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. कैलाश सैनी
28.	29/08/2022	राष्ट्रीय खेल दिवस	प्रो. सुदेशकुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. राजेन्द्र शर्मा, डॉ. रामेश्वर दयाल शर्मा, श्रीअभिषेकशर्मा
29.	05.09.2022	शिक्षक दिवस	श्री गोपाल लाल जाट	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. वाय्.एस्. रमेश, प्रो. फतहसिंह प्रो. लीना सक्करवाल
30.	08.09.2022	शिक्षक पर्व (5-9 सितम्बर, 2022)	प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. सुदेशकुमार शर्मा	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, के.सं. वि.वि. नईदिल्ली	प्रो. वाय्.एस्. रमेश, डॉ. पवन व्यास
31.	11.09.2022	क्षमावाणी पर्व	श्रीशैलेन्द्र कुमार जैन	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, के.सं.वि.वि. नईदिल्ली	प्राकृत-शोध अध्ययन केन्द्र, जयपुर परिसर
32.	15/09/22	हिन्दी पखवाड़ा-उद्घाटन समारोह	प्रो. लीना सक्करवाल	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. रेखा पाण्डेय डॉ. प्रीति शर्मा
33.	21.09.22	हिन्दी पखवाड़ा - समापन समारोह	प्रो. मनोज मिश्रा, जम्मू	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. रेखा पाण्डेय डॉ. प्रीति शर्मा
34.	26.09.22	स्वच्छ भारत अभियान	प्रो. भगवती सुदेश	-	राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर परिसर
35.	02.10.22 से 31/10/2022	इण्डिया फ्रीडम रन	-	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. सीमा अग्रवाल
36.	02.10.22	वेबिनार-गाँधीदर्शन	डॉ. विशेष गुप्ता, डॉ. अनिलदत्त मिश्रा	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. सीमा अग्रवाल
37.	11/10/22 से 15/10/2022	स्थापना दिवस समारोह	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. वाय्.एस्. रमेश
38.	25/10/2022 से 31/10/2022	राष्ट्रीय एकता सप्ताह रन फॉर यूनिटी, विशिष्ट व्याख्यान	प्रो. श्याम मोहन अग्रवाल	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर परिसर।
39.	03/11/2022	राष्ट्रीय सतर्कता सप्ताह	प्रांजल वाजपेयी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुरपरिसर। डॉ. रेखाशर्मा

40.	11/11/2022	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	प्रो. रामसेवक दुबे (कुलपति) प्रो. फतहसिंह	प्रो. भगवती सुदेश	राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर परिसर। डॉ. रेखा शर्मा
41.	15/11/2022	जनजातीय गौरव दिवस	प्रो. रामलखन नामी प्रो. लोकमान्य मिश्रा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. किरण खींची
42.	26/11/2022	राष्ट्रीय संविधान दिवस वेबिनार	प्रो. आशमा साहनी, पंजाब	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल, डॉ. विनी शर्मा
43.	05/12/2022	गीता जयन्ती	स्वामी ब्रह्मपरानन्द सरस्वती, जयपुर	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. पवन व्यास
44.	11/12/2022	भारतीय भाषा दिवस समारोह	प्रो. अरिन्दम चक्रवर्ती	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति	प्रो. वाय्.एस्. रमेश
45.	19/12/2022	ज्योतिष-वास्तु डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. ईश्वरभट्ट
46	13/12/2022	वार्षिक खेल सम्मेलन	प्रो. ओमप्रकाश भडाना प्रो. सुदेशकुमार शर्मा	प्रो. भगवती सुदेश	डॉ. राजेन्द्र शर्मा श्री अभिषेक शर्मा
47.	27/12/2022	क्षेत्रीय रूपक महोत्सव	प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. सर्वनारायण झा	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. रामकुमार शर्मा
48.	24/01/2023	राष्ट्रीय बालिका दिवस	प्रो. भगवती सुदेश, प्रो. वाय्.एस्. रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. सत्यम् कुमारी और समिति सदस्य
49.	26/01/2023	गणतन्त्र दिवस एवं वसन्त पञ्चमी महोत्सव	-	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. कैलाशचन्द्र सैनी, डॉ. सुधाकर पाण्डेय
50.	26/02/2023 से 28/02/2023	युव-महोत्सव	प्रो. ललित कुमार पटेल, कुलपति, सोमनाथ, श्रीदिनेश कामत	प्रो. सुदेशकुमार शर्मा	प्रो. फतहसिंह, डॉ. राजेन्द्रशर्मा, डॉ. पवनव्यास,
51.	01/03/2023 से 08/03/2023	राष्ट्रीय महिला दिवस पर सप्ताह व्यापि कार्यक्रम	प्रो. वाय्.एस्. रमेश, प्रो. लीना सक्करवाल	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. सत्यम् कुमारी और समिति सदस्य
52.	23/03/2023 से 24/03/2023	अनुवाद कौशल एवं भारतीय संविधान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. शरद शर्मा, प्रो. रेखा सक्सेना	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. कान्ता गलानी डॉ. सीमा अग्रवाल
53.	27/03/2023 से 28/03/2023	व्याकरणशास्त्र में लौकिक न्याय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. अर्कनाथ चौधरी, श्रीजनार्दन हेगड़े	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	व्याकरणशास्त्र विद्याशाखा, केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय, जयपुर परिसर

राष्ट्रीय सेवा योजनाः

जयपुर परिसर में सत्र 2022–23 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 02 इकाइयों में कुल 189 स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया गया। जिनमें 123 छात्र और 66 छात्राएँ हैं। भारत सरकार के युवाकल्याण एवं खेल मन्त्रालय के सहयोग से परिसर में सञ्चालित राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुभाषचन्द्र मीणा एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कैलाशचन्द्र सैनी के नेतृत्व में परिसर एवं परिसर के बाहर वृक्षारोपण, स्वच्छता, जनजागरुकता अभियान, रक्तदान आदि अनेक सेवाकार्य इस सत्र में किये गये।

अनूचान प्रशिक्षण केन्द्रः

जयपुर परिसर में सत्र 2022–23 में प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सफलता के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 'अनूचान प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा जुलाई से दिसम्बर 2022 तक डॉ. पवन व्यास के समन्वयकत्व में षण्मासिक प्रशिक्षण सत्र संचालित किया गया। इस सत्र में कुल 18 छात्रों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया जिनमें 2 छात्रों ने प्रथम प्रयास में ही यू.जी.सी. नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। इस सत्र के माध्यम से परिसर को एक लाख आठ हजार रुपयें की शुल्क राशि भी प्राप्त हुई है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	03
उत्तर प्रेषित	–	03

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

1. परिसर परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा वर्ष 1986 में 'केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के रूप में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थापित हुई। 07-05-2002 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। तब से इसे 'लखनऊ परिसर' के रूप में जाना जाता है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 30 अप्रैल, 2020 को संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 'केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय' के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। आज यह सुन्दर परिसर न केवल भारत, अपितु सम्पूर्ण विश्व में अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के कारण प्रसिद्धि पा रहा है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्धदर्शन, पालि तथा शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। इसके अलावा मुक्त-स्वाध्याय पीठ के पाठ्यक्रम (शास्त्री, आचार्य एवं सेतु) एवं प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (पालि, प्राकृत, ज्योतिष परिचय) सञ्चालित हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु क्रीड़ा विभाग में आधुनिक यंत्रों की समुचित व्यवस्था है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक्-पृथक् छात्रावास की व्यवस्था है। प्राध्यापकों और कर्मचारियों हेतु स्टाफ-क्वार्टर्स भी परिसर में हैं, जिनमें कुछ प्राध्यापक एवं कर्मचारी निवास करते हैं। यह परिसर 10 एकड़ भूमि में निर्मित है। निदेशक कार्यालय, प्राशासनिक अनुभाग, लेखा अनुभाग, केन्द्रीय पुस्तकालय, विभागीय पुस्तकालय एवं शैक्षणिक प्रौद्योगिक प्रयोगशाला परिसर में सुसज्जित हैं। परिसर के शैक्षणिक एवं शिक्षा सम्बद्ध गतिविधियों के विस्तार के साथ नवीन भवनों के निर्माण हेतु उपक्रम किये जा रहे हैं।

2. परिसर की अवस्थिति

संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था है तथा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में विद्यमान है। वर्ष 2012 में संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा 'ए' श्रेणी से सुशोभित किया गया था, इसके उपरान्त संस्थान के केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में परिवर्तित होने के बाद राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा वर्ष 2023 में A++ श्रेणी से प्रत्यायित किया गया। जिससे शैक्षणिक एवं शिक्षण सम्बद्ध गतिविधियों को विशेष बल मिला। यह परिसर शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य भाषाओं के शिक्षण व अनुसन्धान का भी केन्द्र है। परिसर संस्कृत शास्त्रों के साथ-साथ पालि के शिक्षण, अनुसन्धान एवं संवर्धन के लिए कृत-संकल्प है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्म-समन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र में इस तरह का परिसर होना अपने आप में एक विशिष्ट महत्त्व रखता है।

3. विद्याशाखा एवं विषय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर में निम्नलिखित विद्याशाखाएँ एवं तदन्तर्गत पाठ्यक्रम सञ्चालित हैं-

क्र.सं.	विद्याशाखा का नाम	कार्यक्रम	अन्य
1.	साहित्य विद्याशाखा	प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि (Ph.D.)	
2.	व्याकरण विद्याशाखा	प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि (Ph.D.)	

3.	ज्योतिष विद्याशाखा	प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (सिद्धान्त एवं फलित), विद्यावारिधि (Ph.D.)	ज्योतिष प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
4.	वेद विद्याशाखा	प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि (Ph.D.)	कर्मकाण्ड पौरोहित्य डिप्लोमा पाठ्यक्रम
5.	बौद्धदर्शन एवं पालि विद्याशाखा	प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (बौद्धदर्शन), एम.ए. (पालि), विद्यावारिधि (Ph-D-)	पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम पालि डिप्लोमा पाठ्यक्रम भोट प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
6	आधुनिक विषय विद्याशाखा	प्राक् शास्त्री, शास्त्री	
7	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा	शिक्षाशास्त्री (B.Ed.)	

4. अनुभाग, प्रकोष्ठ, क्लब एवं केन्द्र

अनुभाग-
- प्रशासन अनुभाग
- वित्त अनुभाग
- पुस्तकालय प्रभाग

प्रकोष्ठ-
- राजभाषा प्रकोष्ठ
- महिला प्रकोष्ठ
- एस.सी. प्रकोष्ठ
- एस.टी. प्रकोष्ठ
- ओ.बी.सी. प्रकोष्ठ
- डिजीटल लर्निंग तथा भाषा प्रयोगशाला
- निरीक्षण प्रकोष्ठ
- शोध प्रकोष्ठ
- आन्तरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन प्रकोष्ठ
- प्लेसमेंट सेल
- समान अवसर प्रकोष्ठ

क्लब-
- कलारञ्जनी क्लब
- संस्कृतसम्भाषण क्लब
- अंग्रेजी क्लब
- विवेकानन्द स्टडी सर्किल
- नेताजी सुभाषचन्द्र बोस स्टडी सर्किल

केन्द्र-
- पालि अध्ययन केन्द्र
- शोध केन्द्र
- स्वाध्याय केन्द्र, (मुक्त स्वाध्याय पीठ)
- योग केन्द्र
- लोकल चैप्टर- (एनपीटीईएल)
- स्टडी सेण्टर, (इग्नू)

5. शोध की गतिविधियाँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में शोध-केन्द्र स्थापित किया गया है। उसी तारतम्य में लखनऊ परिसर में परिसरीय शोध प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है। शोध प्रकोष्ठ में संयोजक तथा सह-संयोजक नियोजित किये गये हैं।

परिसर में विद्यावारिधि (पीएच.डी) की उपाधि हेतु शोधच्छात्र शोधरत हैं। MOOC's-SWAYAM इत्यादि की गतिविधियों का आरम्भ हो चुका है। समय-समय पर राष्ट्रीय तथा अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं सिंपोजियम का आयोजन भी किया जाता है।

6. प्रमुख गतिविधियाँ (शिक्षण प्रशिक्षण आदि)

- पालि अध्ययन केन्द्र
- MOOC's-SWAYAM Centre तथा NPTEL Local Chapter
- Study Centre, IGNOU
- स्वाध्याय केन्द्र, मुक्तस्वाध्यायपीठम्
- केन्द्रीय पुस्तकालय
- संगणक प्रयोगशाला
- स्मार्ट कक्ष (5)
- भाषा प्रयोगशाला

- मनोविज्ञान प्रयोगशाला
- राष्ट्रिय सेवा योजना
- विभागीय पुस्तकालय
- व्यायामशाला
- महिला प्रकोष्ठ
- शोध केन्द्र

7. परिसर द्वारा आयोजित सङ्गोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों/सिम्पोजियम/शास्त्रीय स्पर्धा तथा विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

1. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून, 2022 को परिसर में आठवें 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 6:30 बजे पूर्वाह्न में योगाभ्यास एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।

2. हर घर तिरंगा एवं शिवार्चन

8 अगस्त, 2022 को पूर्वाह्न 11 बजे शिवार्चन एवं 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसके अंतर्गत 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में हर घर में तिरंगा फहराने का शुभारम्भ हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी थे।

3. संस्कृत सप्ताह का आयोजन

9-14 अगस्त, 2022 की अवधि में परिसर में 'संस्कृत सप्ताह महोत्सव' का आयोजन हुआ। इसके अन्तर्गत सप्ताह पर्यन्त विभिन्न कार्यक्रम जैसे- प्रभात फेरी, संस्कृत शोभा यात्रा आदि आयोजित किये कये। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो.सर्वनारायण झा जी रहे।

4. स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 76 वें स्वतंत्रता दिवस का आयोजन हुआ। इसके अन्तर्गत परिसर निदेशक ने तिरंगा फहरा कर अध्यक्षीय भाषण से परिसर परिवार को संबोधित किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्राध्यापक, कार्यालय कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहें।

5. हिन्दी पखवाड़ा

14-18 सितम्बर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन हुआ, जिसके अन्तर्गत हिन्दी राजभाषा के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गई। हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों तथा कार्यालय कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय-क्रम में पुरस्कृत भी किया गया।

6. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय स्थापना दिवस

13 अक्टूबर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी ने ऑनलाईन माध्यम से परिसरों को सम्बोधित किया।

7. राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण

31 अक्टूबर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'राष्ट्रीय एकता शपथ ग्रहण' कार्यक्रम आयोजित हुआ। परिसरीय कर्मचारियों तथा छात्रों द्वारा राष्ट्रीय एकता अक्षुण्ण रखने की शपथ ली गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी रहे।

8. जनजातीय गौरव दिवस

15 नवम्बर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में बिरसा मुण्डा की जयन्ती के उपलक्ष्य में 'जनजातीय गौरव दिवस' मनाया गया।

9. संविधान दिवस

26 नवम्बर, 2022 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'संविधान दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारतीय संविधान की संरचना, इतिहास एवं इसके महत्त्व पर कार्यक्रम के अन्तर्गत व्याख्यान आयोजित किये गये।

10. भारतीय भाषा उत्सव

11 दिसम्बर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में सुब्रह्मण्य भारती की जयन्ती के उपलक्ष्य में 'भारतीय भाषा उत्सव' आयोजित किया गया, जिसके अन्तर्गत भारतीय भाषा उत्सव प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी ने की।

11. गीता-जयन्ती

2-6 दिसम्बर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,

लखनऊ परिसर में गीता-जयन्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी रहे।

12. उत्तर प्रदेश प्रान्तीय शास्त्रीय स्पर्धा 2022-23

17-18 दिसम्बर, 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में उत्तर प्रदेश प्रान्तीय शास्त्रीय स्पर्धा-2022-23 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. ध्रुवकान्त ठाकुर (IPS-अपर-पुलिस-महानिदेशक) एवं अध्यक्ष प्रो.सर्वनारायण झा जी थे।

13. राष्ट्रीय युव महोत्सव

12 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'राष्ट्रीय युव महोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ परिसर द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने बढ़-चढकर भागग्रहण किया।

14. भारतीय बाजरा वर्ष-2023

18 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में भारतीय बाजरा वर्ष 2023 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंग रूप में मोटे अनाजों को भोजन में शामिल करने सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित किये गये।

15. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्टडी सर्कल

23 जनवरी, 2023 को अपराह्न 4:30 बजे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस स्टडी सर्कल का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो.बच्चा भारती जी रहे।

16. राष्ट्रिय बालिका दिवसोत्सव

24 जनवरी, 2023 को परिसर में राष्ट्रिय बालिका दिवसोत्सव का आयोजन किया गया।

17. इग्नू पाठ्यक्रम उन्मुखीकरण कार्यक्रम

24 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में इग्नू के पाठ्यक्रमों के प्रसार तथा जागृति निर्माण हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मनोरमा सिंह (रिजनल डायरेक्टर इग्नू, लखनऊ सेन्टर) रहीं तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी थे।

18. सड़क सुरक्षा माह एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस

25 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में "सड़क सुरक्षा माह" एवं "तेरहवाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी रहे।

19. एक भारत श्रेष्ठ भारत

25 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अन्तर्गत भारत सरकार के द्वारा लॉच की गई 22 भाषाओं को जोड़ने वाली भाषा संगम मोबाइल ऐप लैंग्वेज लर्निंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

20. गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 74वां वें गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर निदेशक द्वारा ध्वजारोहण कर अध्यक्षीय सम्बोधन किया तथा छात्रों एवं कर्मचारियों को मिष्ठान्न वितरण किया गया। प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं एवं कार्यालयीय अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक उक्त कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

21. सरस्वती पूजन

26 जनवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

22. अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

22 फरवरी, 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' का आयोजन हुआ। इसमें विश्व स्तर पर समाप्त होने वाली भाषाओं के संरक्षण पर विचार विमर्श हुआ। बोलियों एवं भाषाओं के संवर्धन सम्बन्धी विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये गयें।

23. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

08 मार्च, 2023 को परिसर में 'अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस' का आयोजन हुआ, जिसमें 'जेन्डर इक्युवल टूडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो' विषय पर परिचर्चा-सत्र का आयोजन हुआ।

24. विश्व पर्यावरण दिवस

31 मई, 2023 से 5 जून, 2023 तक परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम संचालित हुए।

8. राष्ट्रीय सेवा योजना का शिविर

लखनऊ परिसर के अन्तर्गत विभिन्न सामाजिक गतिविधियों जैसे स्वच्छता आदि का आयोजन हुआ।

9. परिसर की समितियाँ

1. प्रवेश समिति (परम्परागत)
2. प्रवेश समिति (शिक्षाशास्त्र)
3. शिकायत निवारण व अनुशासन समिति
4. छात्रावास समिति
5. पुस्तकालय समिति
6. शैक्षिक स्पर्धा समिति
7. स्थानीय शोध समिति
8. छात्रकल्याण समिति
9. छात्रवृत्ति समिति
10. नि:शक्त जन सहायता समिति
11. प्रकाशन समिति
12. छात्रप्रताड़ना निषेध समिति
13. सूचना प्रसारण जन सम्पर्क समिति
14. अध्यापक-अभिभावक-परामर्श समिति
15. योजना परियोजना-विकास समिति
16. क्रय समिति
17. विक्रय नीलामी एवं निविदा समिति
18. महिला-उत्पीडन निषेध समिति
19. मार्गदर्शन समिति (व्यक्तित्व-संवर्धन, रोजगार तथा नियोजन व छात्र)
20. क्रीडा समिति
21. सूचनाधिकार पारदर्शिता तथा जागरुकता निष्पादन समिति
22. परिसरीय-आवास समिति
23. स्थानीय परामर्शदाता समिति
24. राष्ट्रीय सेवा योजना समिति
25. भौतिक सत्यापन समिति
26. उपकरण रख-रखाव समिति
27. परीक्षा समिति
28. स्वच्छता समिति
29. व्याख्यानमाला आयोजन समिति
30. परिसरीय जलापूर्ति-व्यवस्था समिति
31. विविध दिवसोत्सव/ सप्ताहोत्सव-पालन समिति
32. समय सारिणी निर्माण समिति
33. तकनीकी-समिति

10. छात्रों की उपलब्धियाँ

1. विभा मिश्रा, (आचार्य-II)- अखिल भारतीय ज्योतिष भाषण स्पर्धा (प्रथम स्थान)
   अखिल भारतीय ज्योतिष शलाका (प्रथम स्थान)
2. रेखा गौतम- (पीएच.डी. शोधार्थिनी) जनवरी 2023 में नियुक्ति- DSSSB
3. संयोगिता चौधरी- (आचार्य-II)- NET, JRF
4. सिद्धार्थ सैनी- 2 स्वर्ण पदक (योग)
5. हरिओम शुक्ल (व्याकरणाचार्य)
6. सुमित शुक्ल (व्याकरणाचार्य)

11. परिसरीय प्राध्यापकों एवं विद्वानों की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रो. लोकमान्य मिश्र, प्रोफेसर (शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा)

20-22 मई 2022 को "संस्कृतस्य समग्र-आनन्दपूर्ण-नीतियोगात्मिका च पाठ्यचर्या शिक्षणशास्त्रञ्च" विषयक संगोष्ठी में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में सत्राध्यक्षता की। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अध्ययन मण्डल (Board of Education) में अध्यक्ष के रूप में 17.06. 2022 को मनोनयन हुआ। जयपुर परिसर में आयोजित अध्ययन मण्डल शिक्षाशास्त्र की बैठक में अध्यक्षता तथा लखनऊ परिसर में राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की। विश्वविद्यालय संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों परिसर के प्रवर्तन सम्बन्धी समिति तथा कुलपति पुरस्कार योजना 2022 में निर्णायक मण्डल समिति में सदस्य रहे तथा शैक्षणिक परिषद (Academic council) में 14.10.2022 में भागग्रहण किया एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय शिक्षाशास्त्र, कौशल व प्रशिक्षण विद्यास्थान के अधिष्ठाता एवं Compendium on Sanskrit Education in NEP, 2020 में 06.01.2023 को अध्यक्ष के रूप में सहभागिता की। NAAC समिति के उपवेशन (जयपुर परिसर) में 25-27 अप्रैल, 2023 तथा मुख्य परीक्षक (केन्द्रीय मूल्यांकन) भोपाल परिसर में सहभागिता दी।

प्रो. रामनन्दन सिंह प्रोफेसर

बौद्धदर्शन पर Indian Council of Philosophical Research, Academic Centre, Lucknow, Uttar Pradesh में मुख्य वक्ता के रूप में 'बौद्ध परम्परा एवं विश्वशांति' विषय पर 16 मई, 2022 को व्याख्यान दिया। अन्ताराष्ट्रिय वेबिनार में 21.09.2022 को Bhadantacharya Buddhadatta Pali Promotion Foundation, के ऑनलाईन कार्यक्रम में अतिथि प्रवक्ता एवं Bharat Tibet Sangha, New Delhi में 17.12.2022 विशिष्ट व्याख्यान दिया। जम्मू विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सम्मेलन तथा पंजाब विश्वविद्यालय में अन्ताराष्ट्रिय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुत किया। Mahabodhi Society of India, Bodhgaya, Bihar तथा Bodhgaya Temple Management Committee, Bodhgaya, Bihar द्वारा दो महत्त्वपूर्ण शोधपत्र प्रकाशित हुए।

डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी, एसो. प्रोफेसर

विभिन्न परिसरीय समितियों, निवारण व अनुशासन समिति, प्रकाशन समिति, मार्गदर्शन एवं रोजगार समिति, व्याख्यानमाला आयोजन छात्रवृत्ति इत्यादि में सक्रियतापूर्वक कार्य सम्पादित किया। Board of Studies (Bauddhadarshan & Pali Dept.) में समन्वयक के रूप में 12-14 जुलाई 2022 (पुरी परिसर) में कार्य किया। NAAC Alumni Interaction Meeting में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ में 19.10.2022 को सहभागिता की। दिल्ली विश्वविद्याल के शोधछात्र Viva-voce में 20.02.2023 को योगदान दिया तथा परिसरीय पत्रिका सम्पादन एवं प्रकाशन हेतु गठित सम्पादक के रूप में कार्य निर्वहन किया।

डॉ. नीरज तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर (साहित्य विद्याशाखा)

'हरिप्रभा', संस्कृत-विद्या, तथा संस्कृत विमर्श शोध जर्नल में शोधपत्र प्रकाशित हुए। राष्ट्रीय शिक्षानीति प्रशिक्षणाधारित पुनरीक्षण पाठ्यक्रमनिर्माण कार्यशाला (21-25 नवम्बर 2022) में अपनी शैक्षणिक सहभागिता प्रदान की। अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 'वैदिक विधिशास्त्र एवं समसामयिक विश्व पर इसका प्रभाव' (11-12 फरवरी 2023) तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में सहभागिता दी। लखनऊ परिसर तथा उ.प्र. संस्कृत संस्थान लखनऊ में विशिष्ट व्याख्यान दिया। 1-2 मार्च, 2023 को वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र-प्रस्तुति एवं एक सत्र का संयोजन किया।

डॉ. कृष्णा कुमारी असिस्टेंट प्रोफेसर

1. 12.12.2022 से 24.12.2022 तक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के UGC-HRDC द्वारा ऑनलाईन संचालित REFRESHER COURSE में भाग लिया और। Grade सहित कोर्स पूरा किया। दिनांक 14.02.2023 से 16.02. 2023 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्याल, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के IQAC एवं न्यायदर्शन तथा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित "Basic values Embodied in Indian Culture and Their Relevance to National Reconstruction" विषयक त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में ऑनलाईन भाग लेते हुए 'मध्यम मार्ग की मानव जीवन में उपादेयता' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल, असिस्टेंट प्रोफेसर

चन्द्रधारी मिथिला महाविद्यालय, दरभंगा (बिहार) के संस्कृत विभाग द्वारा 10 अप्रैल, 2022 को आयोजित 'सम्राट् अशोक का योगदान एवं उनकी विरासत' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय वेबिनार में विषय प्रवर्तन व विशिष्ट वक्तव्य तथा 22 मई, 2022 को उक्त विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार मे 'युवावस्था में शुकनासोपदेश की महत्ता एवं प्रासंगिकता' विषय में विशिष्ट वक्तव्य किया गया। अमरावती (महाराष्ट्र) के श्री दादासाहेब गवई चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 12 मई, 2022 को आयोजित एक दिवसीय ऑनलाईन नेशनल वेबिनार में 'पालि भाषा एवं व्याकरण' विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रिय शिक्षानीति आधारित पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला में 31.03.2022 से 01.04.2022 तक बी.ए. (संस्कृत) का पाठ्यक्रम निर्माण समिति के सदस्य के रूप में पाठ्यक्रम तैयार किया। ऐसे ही मई, 2022 में आयोजित कार्यशाला में एम.ए. (संस्कृत) का पाठ्यक्रम तैयार किया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 07.05.2022 से 09.05. 2022 तक डॉ. अम्बेडकर इण्टरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'उत्कर्ष महोत्सव' के सन्दर्भ में भागग्रहण तथा राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र का संयोजन एवं संचालन किया गया। इस अवधि में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के त्रैमासिक वार्तापत्र 'संस्कृतवार्ता' (नवशृंखला-01) के जनवरी से मार्च, 2022 के अंक का सम्पादन किया।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर सोलापुर विद्यापीठ, सोलापुर के भाषा व वाङ्मय संकुल के अन्तर्गत पालि विभाग द्वारा 18 सितम्बर, 2022 को देवमित्त अनागारिक धम्मपाल जी की जयन्ती एवं पालि गौरव दिवस पर आयोजित ऑनलाईन व्याख्यान में 'आधुनिक भाषा शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में पालि-भाषा अध्ययन का महत्त्व' विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया। डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के यूजीसी-एचआरडीसी केन्द्र द्वारा 14-27 सितम्बर, 2022 की अवधि में आयोजित 'भारतीय चिन्तक तथा सामाजिक सद्भाव के लिए उनका योगदान' शीर्षकांकित बहुविषयक रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया तथा 'ए प्लस' ग्रेड प्राप्त किया। 25.10.2022 से लखनऊ परिसर की संस्कृतसाहित्य-विद्याशाखा (भाषा-साहित्य-संस्कृति-विद्यास्थान) में संयोजक (विभाग-प्रमुख) के रूप में दायित्वों का सम्पादन कर रहे हैं। भारतीय भाषा समिति, नई दिल्ली (शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार) द्वारा 28 अक्टूबर, 2022 को 'संस्कृत में शब्दनिर्माण, शब्दशाला और भविष्य की योजनाएँ' विषय पर एक दिवसीय बैठक में भागग्रहण किया एवं विचार प्रस्तुत किये। 07-15 अक्टूबर, 2022 को इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'Implementation of NEP-2020 for University and College Teachers' शीर्षकांकित ऑनलाईन अल्पकालिक व्यावसायिक संवर्धन कार्यक्रम में भागग्रहण किया तथा 'ए' ग्रेड प्राप्त किया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 21 नवम्बर, 2022 से 25 नवम्बर, 2022 तक आयोजित राष्ट्रिय शिक्षा नीति आधारित पाठ्यक्रमों के पुनरीक्षण कार्यशाला में भागग्रहणपूर्वक अकादमिक कार्यों का सम्पादन किया। महाबोधि सोसायटी ऑफ इण्डिया, सारनाथ, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित 'धर्मदूत' (UGC-CARE listed Journal] ISSN-2347-3428) जर्नल के नवम्बर, 2022 (कार्तिक पूर्णिमा) के अंक में पालि-व्याकरण-परम्परा में समास की अवधारणा ('पदरूपसिद्धि' के विशेष सन्दर्भ में) विषयक शोधपत्र प्रकाशित हुआ।

इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केन्द्र (लखनऊ) में बी.ए. (संस्कृत) की कक्षाओं हेतु 21.09.2022 से 30.11.2022 तक यथाकाल चैनल आधारित काउंसिलिंग की ऑनलाईन कक्षाओं में अध्यापन कार्य किया। Massive Open Online Courses-MOOCs के परिसरीय संयोजक तथा SPoC (Single Point of Contact) of (SWAYAM NPTEL Chapter) के रूप में दायित्वों का निर्वहन किया। उत्तर प्रदेश सरकार, संस्कृति विभाग द्वारा 11 दिसम्बर, 2022 को 'भाषा सेवा सम्मान, 2022' से सम्मानित किया गया जा रहा है। पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, सारनाथ, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) से प्रकाश्यमान 'पालि-पटिपदा' नामक पालि-माध्यम के जर्नल का सम्पादन किया। साहित्य-समाख्या पत्रिका का सम्पादन किया। नैक निरीक्षण के सन्दर्भ में परिसरीय समन्वय समिति के सदस्य के रूप में सक्रियतापूर्वक कार्य किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्राक्तन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपनी अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीव गाँधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी संस्थान के अध्यक्ष थे भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरामन् के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ वर्तमान में यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गाँधी परिसर के नाम से जाना जाता है इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केन्द्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू 4.17 करोड़ की लागत से किया गया अभी मुख्य भवन का विस्तार, छात्रावास का विस्तार तथा क्रीडांगण निर्माण रू 8.05 करोड़ की लागत से किया गया जिस का उद्घाटन संस्थान के माननीय कुलपति जी के द्वारा किया गया है

2022–23 में कुल 357 छात्र–छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है। यह परिसर, श्रद्धेय श्री जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरु श्री विधुशेखर भारती महास्वामी जी और आदरणीय पद्मश्री. डॉ. वी.आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी, एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गाँधी परिसर शृंगेरी, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

2. परिसर की भौगोलिक स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी., और शिवमोग्गा जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है शिवमोग्गा (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

3. प्रस्तावित पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए.) शास्त्री (बी.ए.) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात्, विद्यावारिधी (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है।

साथ साथ वास्तुशास्त्र के डिप्लोमा कोर्स एवं शास्त्री प्रतिष्ठा वर्ग का भी आरंभ किया गया है।

4. परीसरीय मुख्य गतिविधियाँ

1. व्यास पूजा समारोह

व्यास पूजा हमारे यहां डॉ. सी.एस.एस.एन. नरसिंह मूर्ति जी के मार्गदर्शन में की गई है, गुरु पूर्णिमा के अवसर पर परिसर में डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट, अद्वैत वेदांत विद्याशाखा, और डॉ. गोविंद हेगडे, मीमांसा विद्याशाखा, वेद व्यास पूजा समारोह के समन्वयक थे।

2. स्वतंत्रता दिवस

हमारे परिसर में 15–08–2022 को स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। प्रोफेसर सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया इसके लिए संयोजक के रूप में प्रो. हरिप्रसाद और सह संयोजक डॉ. एच. डी. रामचन्द्र को दायित्व दिया गया

3. संस्कृत सप्ताह समारोह

हमारे परिसर में 09.08.2022 से संस्कृत सप्ताह समारोह मनाया गया। श्री मठ में उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। परम पावन जगद्गुरु श्री श्री भारती तीर्थ महासन्निधानम और परम पावन जगद्गुरु श्री श्री विधुशेखर भारती सन्निधानम

ने आशीर्वाद के साथ सत्र का उद्घाटन किया। संस्कृत दिवस समारोह के सुचारू संचालन के लिए शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. चंद्रकांत के नेतृत्व में समिति नियुक्त की गई है। इस कार्यक्रम के समापन समारोह में हरिहरपुरा हाई स्कूल के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक विद्वान अनंत हेब्बार ने पुरस्कार वितरित किया और समापन भाषण दिया।

4. शिक्षक पर्व

05-09-2022 से 09.09.2022 तक, पाँच दिनों तक शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। 05-09-2022 को हमारे कैंपस के पूर्व व्याख्याता वर्तमान गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज ऑफ आर्ट्स, मूडुबिड्रे के सहायक प्रोफेसर डॉ. विनय एम.एस ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और भाषण दिया। विद्यार्थियों ने भी निष्ठापूर्वक कार्यक्रम को पूरा किया। परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. महाबलेश्वर पी भट्ट ने भावपूर्ण भाषण के साथ समापन किया और निदेशक प्रो. सी.एस.एस. एन. मूर्ति ने अध्यक्षीय भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वेंकटरमण भट्ट एवं डॉ. श्रीकर वी. ने किया

5. हिंदी दिवस

परिसर में दिनांक 01-09-2022 से 14-09-202 तक हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम मनाया गया। इस आयोजन को लेकर कई स्पर्धाएँ आयोजित की गईं, प्रो. सूर्यनारायण भट्ट एवं डॉ. दयानिधि कार्यक्रम के संयोजक थे।

6. गीता जयंती कार्यक्रम

दिनांक 28.11.2022 से 05-12-2022 तक गीता जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहले दिन महामहोपाध्याय दौर्बल प्रभाकर शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया समापन समारोह में डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विश्वनाथ हेगड़े ने किया।

7. स्थापना दिवस

दिनांक 13.10.2022 को विश्वविद्यालय स्थापना दिवस कार्यक्रम का संचालन डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट एवं डॉ. अरुण भट्ट द्वारा किया गया इस दौरान संस्थान के पूर्व कुलपति व परिसर प्राचार्य प्रो. ए.पी. सच्चिदानंद को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. कुटुम्ब शास्त्री और कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने विशिष्ट भाषण दिया।

8. सतर्कता एवं जागरूकता सप्ताह

सतर्कता एवं जागरूकता सप्ताह दिनांक 31.10.2022 से 06-11-2022 तक आयोजित किया गया। इसमें प्रतिज्ञा स्वीकृति, निबंध लेखन प्रतियोगिताएँ और विशेष व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किए गए "भ्रष्टाचार मुक्त भारत-एक विकसित भारत" विषय पर प्रसिद्ध वकील श्री एस.के. शशिभूषण ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्ण अनंत पद्मनाभम और श्री विश्वनाथ हेगड़े ने किया।

9. गणतंत्र दिवस

परिसर में राष्ट्रीय ध्वज परिसर निदेशक प्रोफेसर सी.एस. एस.एन. मूर्ति द्वारा फहराया गया। तत्पश्चात् राष्ट्रीय ध्वज वंदन, राष्ट्रगान एवं मिठाई वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह विशेष उल्लेखनीय है कि हमारे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने गणतंत्र दिवस पर ऑनलाइन भाषण दिया।

10. विश्व महिला दिवस

विश्व महिला दिवस कार्यक्रम 02-3-2023 से 08-03-2023 तक पूरे सप्ताह आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर शृंगेरी की प्रसिद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सक श्रीमती लक्ष्मी ने स्वास्थ्य संबंधी उपाय बताये। छात्राओं ने भाषण, निबंध, खेलकूद, अभिनय, वॉल पेंटिंग, गायन आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हिन्दी विदुषी डॉ. ज्योतिका काकतकर की उपस्थिति में समापन समारोह की अध्यक्षता हमारे परिसर निदेशक प्रोफेसर सी.एस.एस.एन. मूर्ति ने की। डॉ. चंद्रकला कोंडी और सुश्री सुमना समन्वयक थीं।

11. अखण्ड रामायण पारायण

29.03.2023 से 31.03.2023 तक अखण्ड रामायण पारायण परिसर में श्री राम नवमी उत्सव के अवसर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समापन समारोह में कार्यक्रम के बाद भजन, कुलपति का संबोधन, निदेशक का भाषण हुआ कार्यक्रम का नेतृत्व परिसर के छात्रों और मुक्त स्वाध्याय पीठ के श्री उमामहेश्वर, सहायक प्रोफेसर (अनुबंध) ने किया।

12. अखण्ड रामचरित मानस परायण

वैशाख-शुद्ध-एकादशी से वैशाख-शुद्ध-द्वादशी (01-05-2023 से 02-05-2023) तक अखण्ड रामचरित मानस का पाठ किया गया।

5. कैम्पस द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

1. 23, 24-03-2023 को वेदांग वेद भाष्य विद्याशाखा ने 'दर्शेष्टि प्रयोग एवं दर्श पूर्ण मास पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान परिसर के प्रांगण में वेद ब्रह्मा श्री नरसिंह भट्ट, अग्निहोत्री और शिमोगा क्षेत्र से सोमयाजी पहुंचे और दर्शेष्टी की। प्रोफेसर आर एन अयंगर जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर से, 'दर्श पूर्ण चंद्रमा का वैज्ञानिक दृष्टिकोण' पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक एवं संचालन प्रोफेसर सूर्य नारायण भट्ट एवं श्री आदर्श विनायक भट्ट ने किया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर सुब्राय वि भट्ट ने की।

2. 27-3-23 से 29-3-23 तक ज्योतिष विद्याशाखा द्वारा 'गोलियरेखागणितम्' विषय पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रोफेसर श्रीनिवास वरखेड़ी ने ऑनलाइन माध्यम से किया। परिसर निदेशक प्रोफेसर श्री नरसिंह मूर्ति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस कार्यशाला में प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो, प्रवेश व्यास , प्रो. हंसधर झा ने भी भाषण दिया समापन समारोह में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के पूर्व कुलपति प्रोफेसर सच्चिदानंद उडुपा मुख्य अतिथि थे। डॉ. विजयानंद अडिगा, श्री नागपति हेगड़े, डॉ. रामानंद भट्ट, डॉ. उमाकांत तिवारी, डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी और श्री ब्रजेश पाठक ने पेपर प्रस्तुत किये।

3. 27-3-23 को न्यायविद्याशाखा ने 'न्यायमंजरीस्थ प्रमेयविचाराणां समीक्षा' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। वहां श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय और कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य के.ई देवनाथन ने मुख्य भाषण दिया। हमारे कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया प्रो. उमाकांत भट्ट ने पर्यवेक्षक भाषण दिया। परिसर निदेशक प्रो. नरसिंह मूर्ति की अध्यक्षता में, प्रो. नवीन होला, डॉ. श्यामसुन्दर एवं श्री राघवेन्द्र अरोल्ली के समन्वयन में सेमिनार का उत्तम रीति से संचालन हुआ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

1. परिसर-परिचयः

शिक्षा-मन्त्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भारत का एकमात्र बहु परिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। इसका एक परिसर हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के बलाहर गाँव में वेदव्यास परिसर नाम से संचालित है। परिसर की स्थापना दिनांक 16.09.1997 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से भारत के प्रथम धरोहर गाँव गरली में हुई थी। वर्ष 2002 में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित-विश्वविद्यालय) गरली के नाम से प्रचलित हुआ। दिनांक 28.01.2012 से यह परिसर बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में संचालित हुआ। 30 अप्रैल 2020 को इस विश्वविद्यालय को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में परिवर्तित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

वेद व्यास परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर का लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसकी विविध शास्त्रीय परम्पराओं का परिरक्षण एवं संवर्धन करना है। परिसर में वर्ष 1997 से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पीएच. डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु यहाँ अधिक सम्भावनाएँ हैं। हिमाचल-प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में अखण्ड श्रद्धा तथा विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, हिमाचल-प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवताओं के मन्दिर जैसे- चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी, वज्रेश्वरी देवी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :-

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

1. व्याकरण,
2. ज्योतिष,
3. साहित्य
4. अद्वैत वेदान्त दर्शन (01-07-2011)
5. शिक्षाशास्त्री (वर्ष 2011)

परिसर में छात्रों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं हैं।

1. बालक छात्रावास
2. बालिका छात्रावास
3. जिम एवं योग-केन्द्र
4. भाषा प्रयोगशाला
5. मनोविज्ञान प्रयोगशाला
6. आई.सी.टी. कम्प्यूटर लैब (इण्टरनेट सुविधा)
7. स्मार्ट कक्ष
8. क्रीड़ा स्थल
9. नाटक आदि हेतु प्रेक्षागृह
10. छात्रों के लिए छात्रवृत्ति
11. परिसर का कार्यक्षेत्र भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार

के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने हेतु समुचित अवसर उपलब्ध कराना है।

विशिष्ट व्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 01.07.2022 को ब्रह्म वंशीकृष्ण घनपाठी द्वारा वेद विषय पर विशिष्ट व्याख्यान सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वंशीकृष्ण घनपाठी ने वेदों, उपनिषदों, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थों के विषय में विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि भगवान् वेदव्यास ने वेदों का अलग-अलग विभाग किया जिससे सभी लोग सरलता पूर्वक वेद अध्ययन कर सकें। उन्होंने बताया कि ज्ञान में बहुत शक्ति होती है किन्तु उस शक्ति का उपयोग ठीक ढंग से करना चाहिए, किसी भी प्रकार का ज्ञान निरर्थक नहीं होता है। ज्ञान का प्रयोग करने वाले व्यक्ति का भाव शुद्ध होना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने छात्रों को संस्कृत शास्त्र-वेद, पुराण, उपनिषद् आदि के अध्ययन हेतु प्रेरित किया। आचार्य ने वेद पाठ विकृति के अंतर्गत जटा पाठ एवं घन पाठ का अभ्यास कराया। इस अवसर पर परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक ने आचार्य का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि आचार्य विविध शास्त्रों के मर्मज्ञ हैं। आचार्य वंशी कृष्ण घनपाठी द्वारा जो भी निर्देश और सुझाव प्रदान किए गए हैं उनका परिसर में क्रियान्वयन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रदीप शर्मा द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागों के प्राध्यापक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

हिमजाग्रति मञ्च कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 13.07.2022 को परिसर के छात्रों के लिए प्रतिभा-प्रोत्साहनपरामर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी द्वारा की गई।कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनीष जुगुरान जी थे। इस कार्यक्रम में परिसर के लगभग 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

व्यास-पूजा कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 13.07.2022 को व्यास-पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें श्रीमद्भगवद्गीता का पारायण एवं श्री व्यास जी के जीवन पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मञ्जूनाथ महोदय जी द्वारा की गई, इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. के. मनोज्ञा थीं, कार्यक्रम में परिसर के वेदान्त विभाग के सभी प्राध्यापक एवं छात्रों ने भाग लिया।

पादप-रोपण कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 04.08.2022 को परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी की अध्यक्षता में पादप रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रागपुर वन विभाग की वन अधिकारी सुश्री वन्दना देवी की उपस्थिति में 108 फलदायक पौधों का रोपण कार्य किया गया। कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

सम्भाषण-शिविर कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 01.08.2022 से 15.08.2022 तक परिसर के प्राक्शास्त्री छात्रों के लिए सम्भाषण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी द्वारा की गई, कार्यक्रम के संयोजक डॉ. मनीष जुगुरान जी थे। कार्यक्रम में परिसर के लगभग 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

संस्कृतसप्ताह कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 08.08.2022 से 14-08-2022तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी ने की। संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में परिसर में छात्रों के लिए भाषण, आशुभाषण, संस्कृतगीत, प्रश्नमञ्च, समस्यापूर्ति, श्लोकोच्चारण, निबन्धलेखन, भाषानुवाद इत्यादि अनेक शैक्षिक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। समारोह के अन्त में स्पर्धाओं में विजयी रहे छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

त्रिवर्ण शोभायात्रा

12 अगस्त 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी द्वारा परिसर के सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों के साथ नलेटी नामक ग्राम में त्रिवर्ण शोभायात्रा आयोजित की गई, जिसमें परिसरीय सभी प्राध्यापकों के साथ ग्राम पंचायत नलेटी के प्रधान अंकुश शर्मा के द्वारा तिरंगा लहराते हुए हर घर तिरंगा यात्रा

निकाली गई। परिसर के प्रांगण से निदेशक महोदय के उत्साह वर्धक भाषण के साथ शोभा-यात्रा का प्रारम्भ हुआ।

स्वतन्त्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2022 को स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर निदेशक जी द्वारा प्रातः 10.00 बजे ध्वजारोहण किया गया, जिसमें निदेशक महोदय द्वारा स्वतन्त्रता के महत्व के विषय में विचार व्यक्त किये गये। ध्वजारोहण के उपरान्त परिसर के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति नाटक, नृत्य-गीत इत्यादि विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. प्रतिज्ञा आर्या ने किया।

स्वच्छता पखवाड़ा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 26-08-2022 को स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया, जिसमें परिसरीय राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत परिसर की सफाई एवं छात्रावास की सफाई इत्यादि कार्यक्रमों को सुचारु रूप से किया गया।

शिक्षक पर्व समारोह

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 05-09-2022 से 09-09-2022तक शिक्षक पर्व समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी ने की एवं कार्यक्रम का संयोजन डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी जी ने किया। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर महिला छात्रावास का शुभारम्भ भी किया गया। दिनांक 05-09-2022 को डॉ. ओ.सी. डोगरा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ. डोगरा ने सभी को विशेष उद्बोधन से ओत-प्रोत किया। दिनांक 06-09-2022 को भरत मण्डप में चलचित्र प्रदर्शन कार्यक्रय का आयोजन किया गया। दिनांक 07-09-2022 को शिक्षक गुण संकीर्तन का आयोजन भरत मण्डप में किया गया। दिनांक 08-09-2023 को 'छात्र वत्सल गुरु' इस विषय पर निबन्ध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 09-09-2022 को शिक्षक सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

राज्य स्तरीय योग स्पर्धा

दिनांक 11-12 सितम्बर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयवेदव्यास परिसर के छात्रों द्वारा हिमाचल-प्रदेश के सोलन जिले में आयोजित राज्य स्तरीय योग स्पर्धा में प्रतिभाग किया गया जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा निम्नलिखित विवरण के अनुसार पुरस्कार प्राप्त किये गये।

1. मनीष कुमार एवं साहिल-स्वर्ण पदक।
2. चिराग शर्मा, आरती एवं अंशुल-रजत पदक।
3. विशाल गौतम -कांस्य पदक।

मार्ग निर्माण कार्य

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक भवन से अतिथि भवन, महिला छात्रावास एवं निदेशक आवास तक मार्ग निर्माण का कार्य परिसरीय आउट सोर्स कर्मचारियों द्वारा किया गया। जिसमें मिस्त्री का कार्य श्री रविन्द्र जस्वाल एवं सहयोग श्री प्रवीण कुमार, संजीव कुमार, विनोद शर्मा, मदन लाल, बलदेव, देवराज, कुशल एवं अतुल इत्यादि द्वारा किया गया।

हिन्दी पखवाडा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 14-09-2022 से 21-09-2022 तक हिन्दी भाषा के विकास एवं प्रचार-प्रसार के लिए हिन्दी पखवाड़े का उल्लास पूर्ण परिपालन किया गया जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुम्बई परिसर के निदेशक प्रो. श्री लक्ष्मीनिवास पाण्डेय जी का शुभागमन हुआ जिन्हे परिसर निदेशक द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया एवं इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी ने की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पीयूषकान्त त्रिपाठी जी ने किया। कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागाध्यक्षों, प्राध्यापकों एवं कार्यालय कर्मचारियों तथा परिसर छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। हिन्दी पखवाड़े के उपलक्ष्य में परिसर में निबन्ध लेखन, भाषण, कवितापाठ इत्यादि अनेक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। स्पर्धाओं में विजयी छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

रजत जयन्ती उत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर में दिनांक 15-09-2022 से 17-09-2022 तक परिसर के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयन्ती उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम के संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों, पूर्व प्राचार्यों, निदेशकों एवं आचार्यों ने

भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी छात्र एवं पूर्व में अध्ययनरत रहे छात्रों ने भी सोत्साह प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर शास्त्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें देश भर से संस्कृत के कई विद्वानों ने भाग लिया। दिनांक 17-09-2022 को रजत जयन्ती के उपलक्ष्य में प्रातः 09:00 बजे शोभा-यात्रा प्रारम्भ हुई। सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने सोत्साह शोभा यात्रा में भाग लिया। रजत जयन्ती कार्यक्रम के समय परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक महोदय द्वारा सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं पूर्व छात्रों को उत्तरीय प्रदान कर सम्मानित किया गया।

स्थापना दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार वेद व्यास परिसर में दिनांक 13-10-2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के रूप में स्थापना दिनांक 15-10-1970 के उपलक्ष्य पर आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत स्थापना दिवस का आयोजन ऑनलाईन माध्यम से किया गया।

स्वच्छता सप्ताह अभियान

दिनांक 26-09-2022से 02-10-2022तक वेदव्यास परिसर द्वारा स्वच्छता सप्ताह अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विभाग-प्रमुखों द्वारा अपने-अपने विभाग की सफाई की गई तथा अनावश्यक सामग्री के निस्तारण हेतु यथोचित कदम उठाए गए। विगत 25 वर्षों में प्रथम वार राईट ऑफ की प्रक्रिया के माध्यम से परिसर में सड़े गले समाग्री को राईट ऑफ किया गया।

राष्ट्रीय एकता सप्ताह

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई द्वारा दिनांक 26-10-2022 से 31-10-2022 तक राष्ट्रीय एकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें परिसरीय छात्रों के लिए निबन्ध-लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्वच्छ भारत अभियान, फिट इण्डिया दौड़, व्याख्यान, मूल कर्त्तव्यों की प्रतिज्ञा एवं एकता-शपथ इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विजयी रहे छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

दीक्षा आरम्भ कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार वेदव्यास परिसर में दिनांक 07-11-2022 को दीक्षा आरम्भ कार्यक्रम का आयोजन मुख्यालय सहित सभी परिसरों में ऑनलाईन माध्यम से किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. वनमाली विश्वाल, अधिष्ठाता शैक्षणिकवृत्त ने सभी का स्वागत किया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति ने सभी को अपने आशीर्वचन प्रदान किये तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. पवन कुमार, परीक्षा नियन्त्रक ने किया 55 इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. कुलदीप शर्मा, कुलपति के विशेषाधिकारी ने किया।

कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयवेदव्यास परिसर में दिनांक 20-10-2022 को निदेशक महोदय की अध्यक्षता में कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ की बैठक की गयी, जिसमें प्रकोष्ठ से सम्बन्धित नियमों की रूप रेखा तैयार की गयी, जिसमें सभी समिति सदस्यों की सहमति बनी तत्पश्चात् इस प्रकोष्ठ के अन्तर्गत छात्रों को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए आवेदन आमन्त्रित किये गये, जिसमें कुल 80 छात्रों द्वारा भाग लिया गया जिसमें नियमानुसार 53 छात्र उत्तीर्ण हुए अतः दिनांक 01.12.2022 कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श प्रकोष्ठ की कक्षाओं को शुरू करने के लिए कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर के निदेशक महोदय प्रो. मदन मोहन पाठक जी के द्वारा किया गया। इसमें मुख्यतिथि के रूप में शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शीशराम जी, इस प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. महीपाल सिंह जी, प्रकोष्ठ सचिव श्री विक्रमजीत सिंह जी एवं परिसरीय सभी प्राध्यापक तथा छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। अब तक इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए छात्रों के अनुरोध पर यू. जी.सी. नेट सी. टेट तथा शास्त्रीय कमीशन की तैयारी के लिए अलग से कक्षाओं का प्रारम्भ किया गया। अब तक इस प्रकोष्ठ द्वारा 53+43 कुल 96 छात्र सफलता पूर्वक लाभान्वित हुए हैं।

संगणक साक्षरता दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 02-12-2022 को अपराह्न 03.00 बजे विश्व संगणक साक्षरता दिवस कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के तत्वावधान में प्रागपुर के बलाहर स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयवेदव्यासपरिसर में वर्ल्ड कम्प्यूटर लिट्रेसी-डे (विश्व संगणक साक्षरता दिवस) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ऑनलाइन माध्यम से संस्कृत विश्वविद्यालय के दिल्ली स्थित मुख्यालय से

कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी ने वेदव्यास परिसर सहित देश भर के समस्त छात्र एवं छात्राओं को कम्प्यूटर के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। वहीं, मुख्यालय के विभिन्न अधिकारियों ने भी ऑनलाइन माध्यम से विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस पर छात्र-छात्राओं को कम्प्यूटर व कम्प्यूटर के विभिन्न कोर्सों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम के समय वेदव्यास परिसर के निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी एवं परिसर के सभी अध्यापकों सहित समस्त छात्र एवं छात्राएँ भी उपस्थित रहे।

गीताजयन्ती कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार वेदव्यास परिसर में दिनांक 03-12-2022 से 09-12-2022 तक प्रात: 6:30 से 7:30 तक श्रीमद्भगवद्गीता का पारायण परिसरीय यज्ञशाला में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा किया गया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार वेदव्यास परिसर द्वारा दिनांक 17 एवं 18 दिसम्बर 2022 को राज्यस्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें हिमाचल प्रदेश के 05 संस्कृत महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय ने भाग लिया जिसमें लगभग 60 छात्रों ने प्रतिभागिता की।

राष्ट्रीय बालिका दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार वेदव्यास परिसर में दिनांक 24-01-2023 को राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया।

गणतन्त्र दिवस कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार दिनांक 26-01-2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी परिसरों ने एक साथ गणतन्त्र दिवस का परिपालन किया। परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी द्वारा प्रात: 8:30 पर ध्वजारोहण कर सम्बोधित किया गया। तत्पश्चात् 9:00 बजे गणतन्त्र दिवस कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी द्वारा ऑनलाईन माध्यम से सभी को उद्बोधित किया गया।

सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर बलाहर में माघ शुक्ल पंचमी (वसंत पंचमी) 25-26 जनवरी 2023 के शुभ अवसर पर पूर्व छात्र संघ वेदव्यास परिसर के सौजन्य से परिसर निदेशक आचार्य मदनमोहन पाठक के मार्गदर्शन में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन किया गया। पूर्व छात्र संघ के सचिव डॉ. दीप कुमार ने बताया कि उक्त आयोजन में 31 बटुकों का पूर्ण शास्त्रीय विधान से विशेषज्ञ विद्वानों ने यज्ञोपवीत संस्कार सम्पन्न करवाया। यह सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार पूर्व छात्रसंघ वेदव्यास परिसर तथा वेदानन्द आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। द्विदिवसीय यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम में परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। माघ शुक्ल चतुर्थी (25 जनवरी) को अपराह्न में बटुक अपने अभिभावकों के साथ पहुंचें। आचार्यों में आचार्य वनीश शर्मा, आचार्य गिरिराज गौतम, आचार्य भूपेन्द्र ओझा, आचार्य महात्मा वीणापाणी त्रिपाठी, तथा आचार्य सर्वानन्द महाराज ने पूर्ण शास्त्रीय विधि-विधान से पूर्व दिन 25 जनवरी को बटुकों का मुण्डन करवा कर मातृकापूजनादि पूर्व शास्त्र क्रिया सम्पन्न करवाई। माघ शुक्लपंचमी (26 जनवरी) को प्रात: काल ब्रह्म मुहूर्त में यज्ञोपवीत संस्कार विधि प्रारम्भ हुई जो शाम तक सम्पन्न हुई। परिसरीय भगवती त्रिपुर सुंदरी मन्दिर प्रांगण तथा यज्ञशाला में यह संस्कार सम्पन्न हुआ। परिसर के IQAC के बाह्य सदस्य गरली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. हरि कृष्ण शर्मा तथा बलाहर के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री देवराज शर्मा समारोह में विशेष रूप से शामिल हुए। बटुकों, अभिभावकों, स्थानीय निवासियों, स्वेच्छा से उपस्थित हुए परिसरीय अध्यापकों तथा पत्रकारों सहित लगभग 200 लोग समारोह में शामिल हुए। परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक ने विस्तार से यज्ञोपवीत की आवश्यकता, प्रयोजन तथा महत्व पर आधुनिक व प्राचीन सन्दर्भ में प्रकाश डाला। इस अवसर पर सभी के लिए भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारे के आयोजन में पूर्व छात्र संघ के उपाध्यक्ष तथा प्रसिद्ध शक्तिपीठ बगुलामुखी मन्दिर के प्रधान आचार्य श्री दिनेश शर्मा जी ने विशेष सहयोग दिया।

अखिल भारतीय रूपक महोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 2 से 4 फरवरी 2023 को अखिल भारतीय रूपक महोत्सव का आयोजन सदाशिवपरिसर, ओडिशा में

आयोजित हुआ, जिसमें वेदव्यास परिसर के छात्रों ने श्री कृष्णभक्तिचन्द्रिका नाटक की प्रस्तुति की एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर परिसर को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि पर समस्त परिसरीय छात्रों, शिक्षकों तथा निदेशक महोदय ने हार्दिक प्रसन्नता प्रकट करते हुए पुरस्कार प्राप्त छात्रों का अभिनन्दन किया।

क्रियात्मक योग कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर द्वारा राष्ट्रीय योजना प्रकोष्ठ वेदव्यास परिसर एवं योग विज्ञान विभाग के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती के उपलक्ष्य पर क्रियात्मक योग कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 15-02-2023 को हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन महोन पाठक जी ने की तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कृष्णानन्द दन्नाना ने किया।

राष्ट्रीय एकता शिविर

दिनांक 16-02-2023 से 22-02-2023 तक राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत पंजाब राज्य में राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें परिसरीय छात्रों भूमा एवं मुकेश ने प्रतिभागिता की एवं परिसर को गौरवान्वित किया। इस उपलक्ष्य पर परिसर के निदेशक ने प्रसन्नता प्रकट की।

उत्तरक्षेत्रीय युव महोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 20 से 22 फरवरी 2023 तक उत्तरक्षेत्रीययुवमहोत्सव का आयोजन श्री रणवीर परिसर, जम्मू में हुआ, जिसमें वेदव्यास परिसर के छात्रों ने प्रतिभागिता करके 14 स्वर्ण पदक, 07 रजत पदक तथा 03 कांस्य पदक प्राप्त कर उत्तरक्षेत्रीययुवमहोत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा विजय वैजयन्ती वेदव्यास परिसर के नाम की। इस उपलब्धि पर समस्त परिसरीय छात्रों, शिक्षकों तथा निदेशक महोदय ने हार्दिक प्रसन्नता प्रकट करते हुए पुरस्कार प्राप्त छात्रों का अभिनन्दन किया।

कला-कौशल कार्यशाला

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर एवं विज्यूअल आर्ट्स विभाग हिमाचल-प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 07-03-2023 से 11-03-2023 तक कला-कौशल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. मदन मोहन पाठक जी ने की तथा कार्यक्रम का संयोजन डॉ. कृष्णानन्द दन्नाना ने किया तथा सह- संयोजन डॉ. मुकेश शर्मा ने किया। कार्यक्रम का आयोजन IQAC के अन्तर्गत किया गया।

राज्य स्तरीय स्पर्धा

हिमाचल संस्कृत अकादमी द्वारा दिनांक 10-03-2023 एवं 11-03-2023को संस्कृत महाविद्यालयीय राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय वेदव्यास परिसर के 06 छात्रों ने भाग लेकर 04 पुरस्कार प्राप्त किये तथा प्रदेश भर में वेदव्यास परिसर को गौरवान्वित किया।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार दिनांक 17.03.2023 से 23.03.2023 तक अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के समयअन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर नारी शक्ति पुरस्कार कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें परिसरीय शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक महिला कर्मचारियों को पुरस्कार वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त बालिका छात्राओं की श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता, निबन्ध-लेखन प्रतियोगिता, भाषण-प्रतियोगिता एवं प्रश्नमञ्च प्रतियोगिता इत्यादि विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन भी किये गये।

आवास आवन्टन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयवेदव्यास परिसर, बलाहर में बहु प्रतीक्षित महिला छात्रावासादि आवासों का निर्माण एवं प्रत्यर्पण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा करने के उपरान्त शारदीय नवरात्र पर्व (2022) के पुनीत अवसर पर आवेदनों के आधार पर परिसरीय अध्यापकों, कर्मचारियों हेतु निर्धारित आवासों तथा छात्राओं हेतु महिला छात्रावास का आवन्टन किया गया।

‘सूचना का अधिकार’ अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अत: यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्शन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा.सं.सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्राय: दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह की घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकत-उल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्ब्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के रूप में जाना जाता है। भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- इसके अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवासों के निर्माण का कार्य 2014 में ही पूर्ण हो गया है।
- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन, नाट्यशास्त्र, दर्शन तथा आधुनिक विभाग में हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, इतिहास, राजनीति विज्ञान तथा कम्प्यूटर इत्यादि विषय सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष तथा पौरोहित्य के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। हाल ही में परिसर में इग्नू का स्वाध्याय केन्द्र भी खोला गया है। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में अनौपचारिक रूप से 'मुक्तस्वाध्यायपीठ' सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें सभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।

- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और 'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने के लिए स्थान उपलब्ध होता है।
- 'नाट्य अनुसन्धान केन्द्र' भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

2. उपलब्ध पाठ्यक्रम

प्राक् शास्त्री (+2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए.), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), शिक्षा आचार्य (एम. एड.), विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं।

3. मुख्य गतिविधियाँ

1. पतंजलि योगशास्त्र पर विशेष व्याख्यान 30.05.2022

30 मई 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में पतंजलि योगशास्त्र पर डॉ. निलिंप त्रिपाठी का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि प्रो. हंसधर झा थे। इस समारोह की अध्यक्षता प्रो. सुबोध शर्मा, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल ने की।

2. रक्तदान कार्यक्रम 14.06.2022

विश्व रक्तदान दिवस पर एनएसएस केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल के स्वयंसेवकों ने एम्स भोपाल में रक्तदान किया। इस अवसर पर सोमू भार्गव, सौरभ शर्मा, नंद कुमार शर्मा, रोहित कुमार पाराशर और महेश आर्य ने स्वयं सेवक के रूप में कार्य किया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश कुमार वर्मा थे।

3. विश्व योग दिवस 21.06.2022

21 जून 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में विश्व योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्य और छात्र सुबह 6.40 बजे माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन के ऑनलाइन प्रसारण में शामिल हुए। फिर योग प्रोटोकॉल के अनुसार परिसर के सभी लोगों ने योगाभ्यास किया। सुबह 11 बजे मुख्यालय केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से योग पर विशेष व्याख्यान के प्रसारण में परिसर के सभी लोग शामिल हुए। इस दिन परिसर के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में योग प्रशिक्षक श्री सूर्यकांत चौबे को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दाताराम पाठक थे।

4. गुरु पूर्णिमा - व्यास पूजा 13.07.2022

गुरु पूर्णिमा, 13 जुलाई 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में गुरु पर्व - व्यास पूजा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि प्रो. बालकृष्ण शर्मा एवं श्री प्रमोद पंडित थे। समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी थे।

5. महर्षि व्यास एवं भारतीय संस्कृति पर विशेष व्याख्यान 25.07.2022

25 जुलाई 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में महर्षि व्यास एवं भारतीय संस्कृति पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. उमाशंकर पचौरी थे। उन्होंने भारतीय परंपरा और संस्कृति के मुख्य सिद्धांतों और आदर्शों पर विस्तार से प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल और भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमण मिश्र थे।

6. संस्कृत सप्ताह महोत्सव 8 से 14 अगस्त 2022

आजादी के 75वें वर्ष को अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत मनाया गया। इस वर्ष का संस्कृत सप्ताह महोत्सव 08/08/2022 को शुरू हुआ तथा 14/08/2022 को समाप्त हुआ। इस सप्ताह में संस्कृत भाषा के गीत, तिरंगा ध्वज

प्रचार, शोभा यात्रा और वीथी नाटक जैसी कई गतिविधियाँ आयोजित की गई। संस्कृत भाषण, निबंध लेखन, वाद-विवाद, संस्कृत गीत और मोनोएक्टिंग जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं भी हुई। 13 अगस्त 2022 को संस्कृत संगीत संध्या का आयोजन किया गया। समापन सत्र में पुरस्कार वितरण और संस्कृत भूषण पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष संस्कृत भूषण पुरस्कार डॉ. गणेश त्रिपाठी, प्रो. अशोक कछवाहा, डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति, डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल और डॉ. अर्चना चौहान को दिया गया। इस समारोह में मानद अतिथि श्री भरत बैरागी थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने उद्घाटन और समापन समारोह की अध्यक्षता की। संस्कृत महोत्सव के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली और अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. हंसधर झा और सचिव प्रो. नागेंद्र नाथ झा थे।

7. स्वतंत्रता दिवस समारोह 15/08/2022

इस वर्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में स्वतंत्रता दिवस को भव्य तरीके से मनाया गया क्योंकि आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत उत्सव चल रहा था। 15 अगस्त 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सभी छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि हमें अपनी स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए नियमों का पालन करना चाहिए, राष्ट्र की प्रगति में मदद करनी चाहिए और उन सभी गतिविधियों से बचना चाहिए जो हानिकारक हैं। परिसर परिवार के सभी सदस्यों ने हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

8. विदिशा में नाटक भारत विजयम की प्रस्तुति - 15.08.2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर ने 15 अगस्त 2022 को विदिशा में कालिदास संस्कृत अकादमी के साथ संयुक्त रूप से नाटक भारत विजयम की प्रस्तुति का आयोजन किया। यह कार्यक्रम संस्कृत गौरव दिवस और आजादी का अमृत महोत्सव का जश्न मनाते हुए आयोजित किया गया था। इस नाटक के निर्देशक प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. मोहिनी अरोरा थे। इस प्रेजेंटेशन की परिकल्पना और तैयारी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसरके निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय द्वारा की गई थी।

9. केन्द्रीय मूल्यांकन 22.08.2022 से 31.08.2022 तक

एम.एड., आचार्य और शास्त्री परीक्षाओं के लिए केन्द्रीय मूल्यांकन 22 अगस्त 2022 से 31 अगस्त 2022 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में हुआ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों के साथ-साथ अन्य शिक्षण संस्थानों के शिक्षक मूल्यांकनकर्ताओं ने यह कार्य किया। दिल्ली मुख्यालय के कर्मचारियों ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर की सहायता से इस कार्य का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर की समिति में प्रो. नीलाभ तिवारी, प्रो. अशोक कुमार कछवाहा, डॉ. योगेश कुमार जैन, डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय और श्री संजय मिश्रा शामिल थे।

10. गणेश स्थापना 31.08.2022 से 09.08.2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के छात्रों ने गणेश चतुर्थी 31 अगस्त 2022 को गणपति पूजन का आयोजन किया। अनंत चतुर्दशी 9 सितंबर 2022 को यह समारोह गणेश विसर्जन के साथ संपन्न हुआ।

11. हिन्दी पखवाड़ा 01 सितम्बर 2022 से 14 सितम्बर 2022 तक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में 1 से 14 सितम्बर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि प्रो. नंद किशोर पाण्डेय, डॉ. रजनी शुक्ला और प्रो. विजय बहादुर सिंह थे। इसी श्रृंखला में विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन, हिंदी साहित्यिक गीत एवं भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेताओं को 14 सितंबर 2022 को समापन समारोह में पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. अर्चना दुबे थीं और सह-संयोजक डॉ. सुभाष चन्द्र रहे।

12. शिक्षक पर्व-5 सितंबर 2022- 9 सितंबर 2022

मुख्यालय के निर्देशानुसार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में 5 सितम्बर 2022 से 9 सितम्बर 2022 तक शिक्षक पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें राधा कृष्ण स्मृति व्याख्यान, वयोवृद्ध शिक्षक सम्मान, फिल्म 'सुपर-30' का प्रदर्शन शिक्षक गुण संकीर्तन एवं सम्मान शामिल था। प्रो. प्रभादेवी चौधरी को शिक्षा के क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान

के लिए सम्मानित किया गया। समापन सत्र में प्रो. लक्ष्मी नारायण पाण्डेय मुख्य अतिथि थे, राधा कृष्ण स्मृति व्याख्यान माला के तहत उनका विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो.सुबोध शर्मा एवं प्रो.श्री गोविंद पाण्डेय थे।

13. एन.एस.एस. दिवस समारोह 24 सितंबर 2022

24 सितंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल में एनएसएस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर अतिथि श्री एच.आर. प्रभाकर (सहायक संचालक कृषि विभाग म.प्र.) थे। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

14. स्वच्छता सप्ताहः- 26 सितम्बर 2022 से 2 अक्टूबर 2022 तक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में 26 सितंबर 2022 से 2 अक्टूबर 2022 तक स्वच्छता सप्ताह मनाया गया। सभी शिक्षकों, आधिकारिक कर्मचारियों और छात्रों ने परिसर और अन्य स्थानों को साफ रखने का संकल्प लिया। स्वच्छता शपथ का संचालन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने किया और परिसर के सभी लोगों ने इसमें हिस्सा लिया। प्रो. पाण्डेय ने बताया कि स्वच्छ भारत अभियान देश को स्वच्छ रखने और सभी नागरिकों को स्वस्थ और फिट बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हम सभी को अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखना चाहिए।

15. इग्नू के साथ एमओयू पर हस्ताक्षरः- 29 सितंबर 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में एक अध्ययन केंद्र स्थापित करने के लिए इग्नू के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस प्रयोजन के लिए बैठक 29 सितंबर 2022 को आयोजित की गई थी। एमओयू पर इग्नू नई दिल्ली की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. विनी थॉमस और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने हस्ताक्षर किए।

16. नाट्यशास्त्रम् तत्प्रयोगश्च विषय पर नाट्यशास्त्र कार्यशाला 30/09/2022 से 09/10/2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में 30 सितंबर 2022 से 9 अक्टूबर 2022 तक 'नाट्यशास्त्रं तत् प्रयोगश्च' विषय पर दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अतिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ. एम.के. सुरेश बाबू और डॉ. राघवेंद्र भट्ट थे। इस कार्यशाला के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार माहंती और संयोजिका डॉ. मोहिनी अरोड़ा थीं।

17. पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला 21 सितंबर 2022 से 23 सितंबर 2022

नाट्यशास्त्र विभाग के आचार्य पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का आयोजन 21 सितंबर 2022 से 23 सितंबर 2022 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में शामिल होने वाले विद्वान् प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. सर्वनारायण झा, प्रो. भारत रत्न भार्गव, प्रो. क्षेत्रवासी पंडा, प्रो. बनमाली बिश्वाल, प्रो.ई. एम. राजन, प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी, डॉ. राघवेंद्र भट्ट, डॉ. सुज्ञान कुमार माहांती, और डॉ. संगीता गुंदेचा थे। इस कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर और संयोजक डॉ. मोहिनी अरोड़ा थीं।

18. अभिविन्यास कार्यक्रम में भागीदारी 10 एवं 11 अक्टूबर 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के सभी शैक्षणिक सदस्यों ने 10 से 11 अक्टूबर 2022 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रयागराज गंगनाथ झा परिसर द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण की व्यवस्था केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के भवभूति सभागार में की गई थी।

19. स्थापना सप्ताह समारोह का उद्घाटन भगवदज्जुकम् नाटक की प्रस्तुतिः

10 अक्टूबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह का समारोह केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में शुरू किया गया। उद्घाटन समारोह में अतिथि डॉ. हेमचंद्र पाण्डेय, प्रो. वेद नारायण चौधरी और प्रो. रमाकांत पाण्डेय थे। इस सत्र के अध्यक्ष प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे। इस दिन भोपाल परिसर में भगवदज्जुकम् नाटक की भी प्रस्तुति हुई।

20. प्राक्शास्त्री शिक्षकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 12 और 13 अक्टूबर 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल प्रक्षाशास्त्री शिक्षकों ने 12 और 13 अक्टूबर 2022 को मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में नए पाठ्यक्रम से संबंधित निर्देश और दिशानिर्देश प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ललित मोहन पंतोला रहे।

21. स्थापना सप्ताह कार्यक्रम प्रो.राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा 14/10/2022 व्याख्यान

फाउंडेशन एक्शन सप्ताह कार्यक्रम 10 से 15 अक्टूबर 2022 तक आयोजित किए गए। इसी श्रृंखला में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल कैम्पस में 14 अक्टूबर 2022 को संस्कृतात्मान: स्वरूपम् विषय पर प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी का व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी थे।

22. राष्ट्रीय एकता सप्ताह-स्वच्छ भारत अभियान 2.0

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में राष्ट्रीय एकता सप्ताह मनाया गया। इस कार्यक्रम में परिसर की एनएसएस इकाई ने 28 अक्टूबर 2022 को फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन किया। एनएसएस इकाई ने इस दिन स्वच्छता कार्यक्रम भी चलाया. छात्रों और शिक्षकों ने परिसर की सफाई की और एकल उपयोग प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट सामग्री के कई बैग एकत्र किए। एकता दौड़ का आयोजन 31 अक्टूबर 2022 को सुबह 7:00 बजे किया गया और उसी दिन सुबह 11:30 बजे राष्ट्रीय एकता की शपथ ली गई। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय द्वारा छात्रों और स्टाफ सदस्यों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

23. मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह 1 नवंबर 2022

1 नवंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में मध्य प्रदेश का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर "संस्कृत साहित्य में मध्य प्रदेश का योगदान" विषय पर प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने मध्य प्रदेश की संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसरके निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. संगीता गुंदेचा थीं।

24. प्रो. सुद्युम्न आचार्य का विशेष व्याख्यान 3.11.2022

3 नवंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में 'व्याकरण दर्शन में ध्वनि एवं शब्द नित्य सिद्धांत' विषय पर वेदवाणी वितान प्राच्य विद्या शोध संस्थान के निदेशक प्रो. सुद्युम्न आचार्य का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुबोध शर्मा थे।

25. विशेष व्याख्यान सतर्कता जागरुकता सप्ताह - 4/11/2022

4 नवंबर 2022 सतर्कता जागरुकता सप्ताह समारोह के अंतर्गत एडीजी म.प्र. मानव अधिकार आयोग श्री बृज भूषण शर्मा का 'व्यक्तिगत जीवन में सतर्कता' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। इस समारोह की अध्यक्षता प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. श्री गोविंद पाण्डेय थे।

26. दीक्षारम्भ समारोह-07 से 18 नवम्बर 2022 तक

शास्त्री/आचार्य प्रथम सेमेस्टर के लिए 10 दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम 7 नवंबर 2022 को माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी के उद्घाटन भाषण के साथ शुरू हुआ। शास्त्री-आचार्य प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं डॉ. कृपाशंकर शर्मा थे।

27. जनजातीय गौरव दिवस- 15 नवंबर 2022

15 नवंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। इस दिन डॉ. लोनू सिंह सोलंकी का 'भारतीय परम्परा में जनसंख्या संस्कृति का योगदान' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. श्री गोविंद पाण्डेय थे।

28. शैक्षिक प्रतियोगितायें:- 17/11/2022

17 नवंबर 2022 को शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें व्याकरण, साहित्य, ज्योतिषभाषण, शलाका, कंठपाठ, समस्यापूर्ति, अक्षर श्लोकी आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सुबोध शर्मा एवं डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय थे।

29. नये विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम 23.11.2022

नए विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 23 नवंबर 2022 को आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि श्री जितेंद्र शुक्ला और श्री देवकी नंदन चौरसिया थे। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी थे।

30. संविधान दिवस 26.11.2022

26 नवंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. शालिनी चतुर्वेदी, लोक प्रशासन, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 'भारत लोकतंत्र की जननी' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। परिसर के सभी अध्यापकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस समारोह की अध्यक्षता प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कृपाशंकर शर्मा थे।

31. मानवाधिकार पर एक दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 दिसंबर 2022

मानव अधिकारों पर एक दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम 1 दिसंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रो. विश्वास चौहान, श्री प्रभु दयाल मिश्रा, डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव, सुश्री श्रद्धा तिवारी और डॉ. विनीत कपूर थे। इस कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली थे तथा अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर भोपाल थे। इस कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. अर्चना दुबे तथा समन्वयक डॉ. दाताराम पाठक एवं डॉ. अर्चना चौहान थीं।

32. विश्व एड्स दिवस 1.12.2022 पर प्रतियोगिताएं

1 दिसंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में एन.एस.एस. इकाई द्वारा पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्रों ने एड्स जागरूकता विषयों पर पोस्टर और नारे बनाए। कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

33. विश्व संगणक साक्षरता दिवस 2.12.2022

2 दिसंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में विश्व संगणक साक्षरता दिवस मनाया गया। यह एक ऑनलाइन कार्यक्रम था, जिसमें आईआईटी मुंबई की सुश्री आकांक्षा सैनी ने स्पोकन ट्यूटोरियल प्रस्तुत किया। प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने इस दिन डिजिटल शास्त्री कार्यक्रम का ई-लॉन्च किया। इस कार्यक्रम में अतिथि सुश्री आकांक्षा सैनी, श्री समकित जैन एवं डॉ. दिनेश त्यागी थे। कार्यक्रम के संयोजक श्री सुमित सक्सेना थे।

34. श्रीमद्भगवद्गीता जयन्त्युत्सव: 03-09 दिसम्बर 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 3 दिसंबर 2022 से 9 दिसंबर 2022 तक श्रीमद्भगवद्गीता जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर पवित्र ग्रंथ का नियमित पाठ का आयोजन किया गया। इसमें सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कार्यालयीन स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी थे।

35. अंतरराज्यीय शास्त्र स्पर्धा 10-11 दिसंबर 2022

अंतरराज्यीय शास्त्री स्पर्धा मध्य प्रदेश - छत्तीसगढ़ का आयोजन 10-11 दिसंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश के 12 जिलों और छत्तीसगढ़ के 2 जिलों के छात्रों ने भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में मुख्य अतिथि एवं निर्णायक के रूप में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. रमाकांत पाण्डेय, प्रो. नंदा पुरी, प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, श्री भरत बैरागी, डॉ. सत्यजीत पाण्डेय, प्रो. बृजभूषण ओझा, डॉ. नौनिहाल गौतम थे। डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, डॉ. विश्वबंधु, डॉ. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय, डॉ. मीनाक्षी जोशी, डॉ. ईश्वर भट्ट, प्रो. क्षेत्रवासी पंडा, प्रो. अशोक थपलियाल और डॉ.

स्वर्णलता तिवारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे, इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय, संयोजक प्रो. हंसधर झा और सह संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय थे।

36. भारतीय भाषा दिवस

12 दिसंबर 2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में भारतीय भाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने अपनी स्वरचित कविताओं का पाठ किया। अखंड भारत की गौरवशाली संस्कृति का जश्न मनाने के लिए इस कार्यक्रम में छात्रों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी सक्रिय भाग लिया। इस कार्यक्रम की संचालिका डॉ. संगीता गुंदेचा थीं। इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो.अर्चना दुबे थीं।

37. वीर बाल दिवस 26.12.2022

वीर बाल दिवस के अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में बाबा फतेह सिंह और बाबा जोरावर सिंह द्वारा किये गये महान साहसी कार्यों की डिजिटल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस समारोह में विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित निबंध लेखन, ड्राइंग एवं क्विज प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की संयोजक समिति में प्रो. श्रीगोविंद पाण्डेय, डॉ. कृपाशंकर शर्मा एवं श्री राकेश वर्मा शामिल थे।

38. क्षेत्रीय स्तरीय नाटक प्रतियोगिता में प्रतिभाग 27.12.2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के छात्रों ने जयपुर में क्षेत्रीय स्तर की नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और वृषभानुजा नाटक की प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार जीता। प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी, डॉ. मोहिनी अरोड़ा और डॉ. रजनी समूह के साथ जयपुर गए। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी थे।

39. 'रिप्रोग्राम योर ब्रेन' प्रशिक्षण 03.01.2023

03 जनवरी 2023 को लायंस क्लब भोपाल एम.पी. द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 'रिप्रोग्राम योर ब्रेन' का आयोजन किया गया। यह एक प्रेरक कार्यक्रम था, जिसमें छात्रों और शिक्षकों को आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

40. राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम 10-12 जनवरी 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में स्वामी विवेकानन्द का जन्मदिवस राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया। 10 जनवरी 2023 को सभी विद्यार्थियों के लिए एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 12 जनवरी 2023 को डॉ. उमाशंकर पचौरी, अखिल भारतीय महामन्त्री, भारतीय शिक्षा मंडल द्वारा 'परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन' विषय पर एक विशेष व्याख्यान भी आयोजित किया गया। इन समारोहों की अध्यक्षता प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दाताराम पाठक एवं श्री राकेश वर्मा थे।

41. वार्षिक प्रतियोगिताएँ 12-15 जनवरी 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 12 जनवरी 2023 से 15 जनवरी 2023 तक वार्षिक प्रतियोगिताएं हुईं। इन गतिविधियों में रंगवल्ली, संघ नृत्य, एकल संस्कृत गायन, संस्कृत अनुवाद, वार्तालेखन, संगणक, कबड्डी, कुश्ती, दौड़, वॉलीबॉल आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय, डॉ. संगीता गुंदेचा, डॉ. विवेक कुमार सिंह और डॉ. अनुप कुमार मिश्रा थे।

42. नाट्यशास्त्र पी.जी. कोर्स का सत्रारंभ कार्यक्रम 16.01.2023

नाट्यशास्त्र पीजी कोर्स का सत्रारंभ कार्यक्रम 16 जनवरी 2023 को हुआ। इस आभासी कार्यक्रम में अतिथि प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र, प्रो. आजाद मिश्र और प्रो. सुदेश शर्मा थे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे। प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल ने समारोह को संबोधित किया और सभी प्रतिष्ठित व्यक्तियों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति थे।

43. पराक्रम दिवस 23.01.23

23/01/2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल, मध्य प्रदेश में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्मदिन पराक्रम दिवस मनाया गया। इस दिन विद्यार्थियों ने

देशभक्ति विषय पर स्वरचित कविता प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

44. एनएसएस ओरिएंटेशन प्रोग्राम 24.01.2023

24 जनवरी 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल के सभी छात्रों के लिए एनएसएस ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए आमंत्रित एनएसएस विशेषज्ञ डॉ. आरएस नरवरिया और डॉ. राहुल सिंह परिहार थे। छात्रों को दूसरों की मदद करने और इस तरह देश की सेवा करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा थे।

45. राष्ट्रीय बालिका दिवस 24.01.2023

दिनांक 24/01/2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। इस दिन छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुरातन छात्रा कल्याणी फगरे मुख्य वक्ता थीं। छात्राओं को जीवन के सभी क्षेत्रों में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशकप्रो. रमाकांत पाण्डेयथे। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. महिमा तिवारी थीं।

46. वसंत पंचमी पूजा 26.01.2023

26 जनवरी 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में वसंत पंचमी पूजा की गई। शिक्षकों और छात्रों ने सामूहिक रूप से पूजा की और मां सरस्वती को फूल और प्रसाद चढ़ाया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल थे।

47. गणतंत्र दिवस 26.01.2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी मनाया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सभी छात्रों, शिक्षकों और आधिकारिक कर्मचारियों ने राष्ट्रगान गाया और झंडे को सलामी दी। दिल्ली मुख्यालय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण आयोजित किया गया और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल के सभी सदस्य इसमें शामिल हुए। इस दिन माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संबोधन से सभी लोग लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री राकेश वर्मा एवं डॉ. अनूप कुमार मिश्र थे।

48. वसंत पंचमी 26.01.2023 पर संत स्वामी रामभद्राचार्य का अभिनंदन

महान संत स्वामी रामभद्राचार्य ने 26 जनवरी 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर का दौरा किया। पूरा परिसर परिवार उनकी दिव्य संगति में आशीर्वाद पाने के लिए एकत्र हुआ। प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल ने उन्हें शॉल और श्रीफल से सम्मानित किया। प्रो. पाण्डेय ने बताया कि स्वामी जी का परिसर में आना बड़े गर्व और सम्मान की बात है।

49. पुरी में राष्ट्रीय नाटक प्रतियोगिता में भागीदारी 31.01.2023 से 05.02.2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर,भोपाल के छात्रों ने पुरी में राष्ट्रीय नाटक प्रतियोगिता में भाग लिया और संस्कृत नाटक वृषभानुजा प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में निखिल तिवारी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। इस दौरान प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी, डॉ. मोहिनी अरोड़ा और डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय समूह के साथ रहे।

50. भगवदज्जुकम् नाटक की प्रस्तुति के लिए लंदन यात्रा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के छात्रों और निदेशक ने 6/02/2023 से 22/02/2023 तक भगवदज्जुकम् नाटक की प्रस्तुति के लिए लंदन का दौरा किया। उन्होंने आयरलैंड का दौरा किया और वहां भी यह नाटक प्रस्तुत किया। यह दल केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा भेजा गया था। इस यात्रा के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय को मुख्यालय नई दिल्ली द्वारा इस नाटक का निदेशक नामित किया गया था।

51. NAAC तैयारी हेतु मुख्यालय निरीक्षण दल द्वारा भ्रमण

मुख्यालय निरीक्षण दल ने 8-10 फरवरी 2023 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य एनएएसी निरीक्षण के लिए

परिसर स्तर की तैयारी की जांच करना था। टीम ने दोनों छात्रावासों, सभी प्रयोगशालाओं, विभागों, पुस्तकालय आदि का दौरा किया। सदस्यों ने रिकॉर्ड और अन्य बुनियादी ढांचे के साथ-साथ परिसर में अन्य सुविधाओं की जांच की। उन्होंने परिसर की सभी गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया और छात्रावास के मेसरूम में छात्रावास के छात्रों के साथ दोपहर का भोजन किया। उन्होंने आगे की कार्रवाई के लिए मार्गदर्शन दिया। टीम के सदस्यों में डॉ. कुलदीप शर्मा, डॉ. गणेश टी पंडित और डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया शामिल थे।

52. युवा महोत्सव में भागीदारी 24 फरवरी 2023 से 2 मार्च 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के छात्रों ने 24 फरवरी से 4 मार्च 2023 तक जयपुर में आयोजित युवा महोत्सव में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और पुरस्कार जीते। उनका अनुरक्षण डॉ. विवेक कुमार सिंह और डॉ. महिमा तिवारी ने किया।

53. राष्ट्रीय संगोष्ठी 25-26 फरवरी 2023

गोकुल जनकल्याण समिति के सहयोग से आचार्य गोकुल प्रसाद त्रिपाठी की स्मृति में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (25 एवं 26 फरवरी 2023) आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी अध्यक्ष थे। इस संगोष्ठी में अतिथि न्यायमूर्ति श्री शबीहुल हसनैन, प्रो. बालकृष्ण शर्मा, श्री संतोष चौबे थे। संगोष्ठी में प्रो. रमाकांत पाण्डेय को पूर्ण सरस्वती सम्मान और डॉ. ऋषिराज जानी को आचार्य गोकुल प्रसाद त्रिपाठी संस्कृत सम्मान से सम्मानित किया गया।

54. नारी शक्ति सप्ताह 6-10 मार्च 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 6 से 10 मार्च 2023 तक नारी शक्ति सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता और विशेष व्याख्यान जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. अर्चना दुबे थीं।

55. दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन 20 -21 मार्च 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 20-21 मार्च 2023 को दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का आयोजन किया गया था। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के संरक्षक तथा सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल थे। यह सम्मेलन 'ज्योतिषशास्त्रे आजीविका विचारः' विषय पर आधारित था। इस सम्मेलन में देश भर के अलावा नेपाल, कनाडा, ब्राजील जैसे अन्य देशों से विद्वान् और शोधकर्ता शामिल हुए। इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि वक्ता प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी, डॉ. बालगोविंद शास्त्री, आचार्य सुखदेव राय चौरे, श्री ऋषि शुक्ला, डॉ. प्रमोद कौंडन्यायन, श्रीमती निशा शर्मा, श्री उमंग तनेजा, डॉ. हेमचंद पाण्डेय और अन्य थे। इस सम्मेलन में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के संयोजक प्रो. हंसधर झा थे।

56. रक्तदान एवं एड्स जागरूकता कार्यक्रम 21 मार्च 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के रेड रिबन क्लब ने 21 मार्च 2023 को रक्तदान और एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। छात्रों को रक्तदान के लाभों और इसकी उचित प्रक्रिया के बारे में बताया गया। उन्हें जीवन में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी बताया गया ताकि एड्स के संक्रमण से बचा जा सके। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रजनी एवं श्री राकेश वर्मा थे।

57. व्याकरण विद्याशाखा राष्ट्रीय संगोष्ठी 22-23 मार्च 2023

व्याकरण विद्याशाखा द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22 और 23 मार्च 2023 को 'तद्धित प्रत्ययार्थ विमर्श' विषय पर किया गया था। इस संगोष्ठी में अतिथि प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी, प्रो. धनिन्द्र झा, डॉ. दिव्य चेतन ब्रह्मचारी, प्रो. श्रीधर मिश्र, आचार्य बृजभूषण ओझा और प्रो. विष्णुकांत पाण्डेय थे। इस संगोष्ठी के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली थे और अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल थे। इस संगोष्ठी के संयोजक प्रो. सुबोध शर्मा और सचिव डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय थे।

56. अखण्ड रामचरित मानस 29-30 मार्च 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 29-30 मार्च 2023 को रामचरित मानस के अखंड पाठ का आयोजन किया गया। इस पाठ में सभी छात्र और शिक्षक शामिल हुए। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने परिसर परिवार का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्य अनुष्ठान संपन्न कराया।

57. 31 मार्च 2023 को अयोध्या में नाटक हरिप्रिया की प्रस्तुति

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के छात्रों ने 31 मार्च 2023 को रामनवमी समारोह के अवसर पर अयोध्या में हरिप्रिया नाटक प्रस्तुत किया। इस नाटक के निर्देशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल थे।

58. अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह तिरूपति संस्कृत विश्वविद्यालय प्रतियोगिता हेतु प्रतिभागियों का चयन 06.04.2023

6 अप्रैल 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह तिरूपति संस्कृत विश्वविद्यालय में भाग लेने के लिए अभ्यर्थियों के चयन हेतु विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं एथलेटिक्स, बैडमिंटन के साथ-साथ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

60. रमलशास्त्र परिचय कार्यशाला 26 अप्रैल से 05 मई 2023

ज्योतिष विभाग द्वारा 26 अप्रैल से 05 मई 2023 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल में रमलशास्त्र परिचय पर दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। रमलशास्त्र पर आधारित इस कार्यशाला में सभी संकायाध्यक्षों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. हंसधर झा थे।

61. शिक्षा संगोष्ठी 3-4 मई 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में शिक्षक शिक्षा' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 3 एवं 4 मई 2023 को ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड में आयोजित की गई थी। इस संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी तथा संरक्षक प्रो. रमाकांत पाण्डेय, अध्यक्ष प्रो. श्रीगोविंद पाण्डेय और इस संगोष्ठी के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी थे। इस सेमिनार में अतिथि प्रो. गोपीनाथ शर्मा थे।

62. जलाशय भूमि पूजन 19.05.2023

जलाशय निर्माण का भूमिपूजन 19 मई 2023 को हुआ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने इस पूजा का अनुष्ठान किया। परिसर में तालाब विकसित किया जाएगा, जिससे परिसर की सुंदरता तो बढ़ेगी ही, साथ ही भूजल के स्तर को भी सुधारने में मदद मिलेगी।

63. विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023

5 जून 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस दिन सभी छात्रों के लिए पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारत के शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लाइव प्रसारण में सभी छात्र, शिक्षक और आधिकारिक कर्मचारी सदस्य शामिल हुए। इस दिन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने सभी लोगों को प्रकृति और पर्यावरण की देखभाल के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति और परंपरा वनस्पतियों और जीवों को न केवल हमारे जीवित मित्र के रूप में महत्व देती थी, बल्कि उन्हें भगवान के समान दर्जा भी प्रदान करती थी। उन्होंने सभी लोगों को इस परंपरा का पालन करने और पर्यावरण की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

64. जनभागीदारी कार्यक्रम- शिक्षाशास्त्र विभाग, 6-15 जून 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के शिक्षा विभाग द्वारा भारत के जी 20 प्रेसीडेंसी के तहत जनभागीदारी कार्यक्रम के तहत 6 जून से 15 जून 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस श्रृंखला में छात्रों के लिए कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जैसे रंगोली बनाना, साइबर सुरक्षा पर प्रश्नोत्तरी, श्लोक पाठ और वर्तमान जीवन से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर बनाना: मानसिक कल्याण, छात्र शिक्षक संबंध, लिंग संवेदनशीलता आदि। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. श्रीगोविंद पाण्डेय थे।

65. लोक परम्पराओ में श्रीराम विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी 11-12 जून 2023

अयोध्या शोध संस्थान संस्कृति विभाग उ.प्र. के सहयोग से 11-12 जून 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 'लोकपरंपरा में श्रीराम' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में नवनिर्मित यज्ञशाला का उद्घाटन किया गया। इस संगोष्ठी के दौरान बुंदेली रामायण गायन, सुंदर कांड पाठ और रामार्चन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि भोपाल सांसद सुश्री साध्वी प्रज्ञा, प्रो. विजय कुमार मेनन, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, प्रो. विकास दवे, प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र, डॉ. उमाशंकर पचौरी, प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय आदि थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय और निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, डॉ. लवकुश द्विवेदी ने इस संगोष्ठी को सफल बनाने के लिए सभी शोधकर्ताओं और विद्वानों को धन्यवाद दिया। इस सेमिनार के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय तथा संयोजक एवं सह संयोजक प्रो.नीलाभ तिवारी एवं डॉ. कृपा शंकर शर्मा थे।

66. केन्द्रीय मूल्यांकन 12-20 जून 2023

केन्द्रीय मूल्यांकन 12 जून 2023 से 20 जून 2023 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर भोपाल में हुआ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्यालय ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में इस सत्र में शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री परीक्षाओं के मूल्यांकन का आयोजन किया। अन्य केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसरों, संस्थानों और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के प्रोफेसरों ने इस महत्वपूर्ण कार्य को पूरा किया।

67. 4.06.2023 को एम्स में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय छात्रों द्वारा रक्तदान

विश्व रक्तदान दिवस पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल के छात्रों ने 14 जून 2023 को भोपाल के एम्स में रक्तदान किया। एनएसएस के छात्रों ने इस गतिविधि में सक्रिय भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

68. कालिदासोत्सव आषाढस्य प्रथमदिवसे 19 जून 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 19 जून 2023 को महाकवि कालिदास की जयंती कालिदासोत्सव 'आषाढस्य प्रथमदिवसे' के रूप में मनाई गई। इस कार्यक्रम में अतिथि प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो.रामकुमार शर्मा और डॉ. पंकज विश्वास भांबुरकर थे। इस कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी तथा अध्यक्ष प्रो. रमाकांत पाण्डेय थे। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. संगीता गुंदेचा थीं।

69. 9वां विश्व योग दिवस 21 जून 2023

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में 9वां विश्व योग दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम था, जिसमें 20 जून 2023 को पोस्ट प्रदर्शनी एवं सेमिनार का आयोजन किया गया। 21 जून 2023 को सभी के लिए योग अभ्यास सत्र आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल एवं केन्द्रीय सूचना ब्यूरो, सूचना कार्यालय, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अतिथि श्रीमती कृष्णा गौर, श्री प्रशांत पाथराबे, प्रो. साधना दानोरिया, डॉ. पूर्णिमा दाते थे। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय थे।

70. राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन 24-25 जून 2023

राष्ट्रीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन 24-25 जून 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में किया। इस सम्मेलन के संयुक्त आयोजक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास तथा संस्कृत शिक्षक संघ दिल्ली थे। इस कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और डॉ. अतुल भाई कोठारी, राष्ट्रीय सचिव शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास थे। इस सम्मेलन का विषय था 'संस्कृत शिक्षा के संबंध में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का कार्यान्वयन'। इस कार्यक्रम में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भोपाल कैम्पस से इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने बताया कि यह सम्मेलन बेहद सफल रहा क्योंकि इस कार्यक्रम में बहुत उपयोगी चर्चाएं हुई और भविष्य में उनके परिणाम सामने आएँगे।

71. श्री दिनेश कामत द्वारा विशेष व्याख्यान 26.06.2023

26 जून 2023 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में (संस्कृतच्छात्राया: किदृशा भवेयु:) विषय पर श्री दिनेश कामथ का विशेष व्याख्यान हुआ। इस अवसर पर श्री कामथ ने सभी विद्यार्थियों को जीवन जीने के सही मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन किया। उन्होंने जीवन के हर पहलू के पीछे छिपे भारतीय पारंपरिक आदर्शों और सिद्धांतों की व्याख्या की और उनके सकारात्मक परिणामों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में श्री प्रमोद पंडित भी उपस्थित थे। इस समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. श्री गोविंद पाण्डेय थे।

72. स्वागत एवं विदाई - कुछ नये सदस्य जुड़े

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल और कुछ अन्य सदस्यों का इस सत्र में स्थानांतरण और सेवानिवृत्ति हो गई। प्रो.रमाकांत पाण्डेय को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में निदेशक के रूप में स्थानांतरित किया गया था। डॉ. अनूप कुमार पाण्डेय को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जम्मूपरिसर में स्थानांतरित किया गया, डॉ. राजश्री पाढ़ी को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी,परिसर में स्थानांतरित किया गया। प्रो. पी.वी.बी. सुब्रमण्यम् ज्योतिष विभाग में शामिल हुए और फिर निदेशक के रूप में देवप्रयाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर में स्थानांतरित हो गए। डॉ. जी नरसिंघुलु, डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. ललित मोहन पंतोला, डॉ. एस कृष्णा, डॉ. रजनीश शुक्ला, डॉ. पुनिता गुप्ता को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। सुश्री मोनिका वर्मा, सहायक लाइब्रेरियन को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। डॉ. एसटीपी कनकवल्ली, डॉ. प्रगति दीक्षित, डॉ. वरुण कुमार पोखरियाल, डॉ. अलापति पवन कुमार और डॉ. गोकुल आनंद तिवारी शिक्षाशास्त्र विभाग में सहायक प्रो. (अतिथि स्तर) के रूप में नई नियुक्ति पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में शामिल हुए। प्रो. नागेंद्र नाथ झा को अप्रैल 2023 में सेवानिवृत्ति मिल गयी। जून महीने में डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय और डॉ. ज्योति सिंह ने डॉ. पुनिता गुप्ता और डॉ. विवेक कुमार सिंह की जगह भोपाल परिसर में ज्वाइन किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.10 के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

1. कैम्पस के बारे में संक्षेप में

परोपकारी और महान दूरदर्शी पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित श्री करमशी जेठा भाई सोमैया का शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में महान योगदान था। उन्होंने सोमैया विद्याविहार में एक शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की, जो अब सबसे बड़े और सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है और दुनिया भर में सोमैया विद्याविहार विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है। सोमैया परिवार धार्मिक है और संस्कृत भाषा के प्रति उनका गहरा लगाव है। इसलिए श्री शांतिलाल सोमैया, पुत्र के.जे. सोमैया ने सोमैया विद्याविहार में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (डीम्ड यूनिवर्सिटी) नई दिल्ली का एक परिसर स्थापित करने के लिए एचआरडी को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के परिसर की स्थापना के लिए के. जे. सोमैया ट्रस्ट, विद्याविहार, मुंबई द्वारा भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि आवंटित करने के प्रस्ताव के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत करने के परिणामस्वरूप, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त एक समिति निरीक्षण किया और वहां अपना घटकविद्यापीठ स्थापित करने की सिफारिश की। भारत सरकार का मानव संसाधन विकास मंत्रालय 31 मार्च 2002 को लिए गए निर्णय के माध्यम से समिति की सिफारिशों से सहमत था। के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने संस्थान को भवन के निर्माण तक कक्षाएं संचालित करने के लिए अपने मौजूदा निर्मित ढांचे का उपयोग करने की अनुमति दी। कैम्पस पूरा हो गया है. संस्थान ने पट्टेदार सोमैया ट्रस्ट से आवंटित एक एकड़ जमीन पर कब्जा कर लिया है। 16 मई 2002 के शुभ दिन पर, भारत सरकार के तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने मुंबई परिसर का उद्घाटन किया। इस स्थल पर नये भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है. इस परिसर में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया ठीक 2003 से शुरू हुई। एन.सी.टी.ई. 2006 से परिसर में अनुमोदित शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम (बी.एड. से स्नातक) भी शुरू किया गया था।

2. कैम्पस स्थान

परिसर भारत की आर्थिक राजधानी विद्याविहार पूर्व, घाटकोपर, मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित है। विद्याविहार में के.जे. सोमैया ट्रस्ट ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर के निर्माण के लिए एक एकड़ जमीन दान में दी है। भवन निर्माण की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

वर्तमान में सोमैया परिसर के चाणक्य भवन में शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ, शास्त्र कक्षाएं एवं शोध कार्य चल रहे हैं। निदेशक का कक्ष और प्रशासनिक कार्यालय परिसर के सुरुचि भवन में स्थित हैं। पुस्तकालय की सुविधा इसके बगल में स्थित एक भवन में व्यवस्थित की गई है। सोमैया विद्याविहार के पॉलिटेक्निक छात्रावास में चार कमरे 20 छात्रों की छात्रावास सुविधा के लिए आवंटित किए गए हैं। लोकमान्य तिलक टर्मिनस, विद्याविहार रेलवे स्टेशन और घाटकोपर स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर स्थल के बहुत करीब हैं।

परिसर का संपर्क पता इस प्रकार है:

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
के जे सोमैया परिसर,
प्रथम तल, सुरुचि भवन,
विद्याविहार (ई), मुंबई,
महाराष्ट्र- 400077
फोन: 022 2102 5452/82

3. प्रस्तावित पाठ्यक्रम:

परिसर में नियमित आधार पर चार विभाग (शिक्षा-शास्त्र, व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य) के साथ-साथ मुक्त स्वाध्याय केन्द्रम, एक दूरस्थ शिक्षा विभाग चल रहा है। इसके अलावा परिसर में अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, राजनीति विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई भी चल रही है। पाठ्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

1. प्राक्-शास्त्री (Eq. 10+2, दो वर्षीय पाठ्यक्रम, वार्षिक प्रणाली)
2. शास्त्री (Eq. B.A., तीन वर्षीय पाठ्यक्रम, सेमेस्टर प्रणाली लागू)
3. आचार्य (Eq. M.A., दो वर्षीय पाठ्यक्रम, सेमेस्टर प्रणाली लागू)
4. शिक्षा-शास्त्री (Eq. B.Ed., दो वर्षीय पाठ्यक्रम, वार्षिक प्रणाली)
5. विद्यावारिधि (पीएच.डी.)

4. 2022-23 में शैक्षणिक गतिविधियाँ

4.1 शैक्षणिक सत्र का उद्घाटन

ऑफलाइन मोड के माध्यम से छात्रों का आगमन जुलाई 2022 में हुआ।

4.2 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

कैम्पस द्वारा 21 जून 2022 को कैम्पस के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में वर्चुअल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध शिवानंद योग गुरु श्री संजय सोलंकी एवं विशिष्ट अतिथि कैम्पस के पूर्व प्राचार्य एवं महान व्याकरण विद्वान् प्रो. प्रकाश चन्द्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन शिक्षा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. कुमार ने किया।

4.3 गुरुपूर्णिमा 13 जुलाई 2022

परिसर में दिनांक 13 जुलाई 2022 को पूर्वाह्ण 11. 30 बजे से गुरुपूजन संप्रदाय को ध्यान में रखते हुए गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए छात्रों द्वारा गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन प्रो. भारत भूषण मिश्रा की अध्यक्षता में किया गया, जिसके संयोजक डॉ. जीतेन्द्र कुमार रायगुरु और संचालक डॉ. सोमेश चंद्र बहुगुणा थे।

4.4 अमृतभारती वैभवं संस्कृत सप्ताहश्च :

भारतीय स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में अमृत भारती वैभवं नाम से हर घर तिरंगा एवं संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 10 अगस्त, 2022 से 17 अगस्त, 2022 तक क. जे. सोमैया धर्माध्ययन संस्था के संयुक्त तत्त्वाधान में किया गया, जिसमे हर घर तिरंगा की शोभायात्रा, भाषण प्रतियोगिता, एक दिवसीय संगोष्ठी आदि सम्मिलित है। इस साप्ताहिक कार्यक्रम का समापन दिनांक 17 अगस्त, 2022 को पूर्वाह्ण 11.00 बजे से समायोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में परम पूज्य श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरान्द गिरी जी महाराज, सन्यासाश्रम विलेपार्ले पश्चिम एवं विशिष्टातिथि श्री राघवेंद्र नाथ द्विवेदी संपादक, हमारा महानगर हिंदी दैनिक समाचार पत्र तथा सारस्वतातिथि प्रो. एन. एन. जोशी पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष सोमैया विद्याविहार विद्यापीठ, क. जे. सोमैया धर्माध्ययन संस्था की निदेशिका डॉ. सुप्रिया रॉय और अध्यक्ष के रूप में प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय उपस्थित होकर अपना अभूतपूर्व मार्गदर्शन दिए। एक कार्यक्रम के संयोजन समिति के सदस्य प्रो. बोध कुमार झा, डॉ. रुदाक्ष साकरीकर तथा डॉ. कुमार थे।

4.5 शिक्षक पर्वः

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णनमहोदय के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 05 सितम्बर, 2022से 08 सितम्बर, 2022 तक शिक्षक पर्व समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 05 सितम्बर, 2022 को प्रोफेसर लक्ष्मी निवास पांडे जी के अध्यक्षता में हुआ। छात्रों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। द्वितीय दिन दिनांक 06 सितम्बर, 2022 को शिक्षक गौरव ख्यापक चलचित्र प्रदर्शन किया गया। अगले दिन दिनांक 07 सितम्बर, 2022 को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। अंतिम दिन दिनांक 08 सितम्बर, 2022 को सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित गुरु का सम्मान करते हुए कार्यक्रम का समापन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर प्रकाश चंद्र जी एवं सारस्वत अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् श्री सुदेश कुमार शर्मा जी एवं अध्यक्ष, परिसर निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मी निवास पांडे जी उपस्थित रहे।

4.6 हिंदी पखवाड़ा :

प्रतिवर्ष की भांति इस सत्र में भी हिंदी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 14.09.2022 से 29.09.2022 तक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय महोदय की अध्यक्षता में समायोजित किया गया, जिसमे आभासीय व्याख्यान कार्यक्रम भाषण प्रतियोगिता, निबंध लेखन आदि सम्मिलित है। इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. गीता दूबे हिंदी प्राध्यापिका थी।

4.7 स्वच्छता अभियान 2022

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा प्राप्त पत्र

क्रमांक (सं.15020/3टीटी2022/मोसिक्स/31627 दिनांक:–24.09.2022) के अनुसार एवं क्रमांक 69 के अनुपालन में दिनांक 26.09.2022 से 02.10.2022 तक स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी की अध्यक्षता में सफाई के दौरान मुंबई परिसर के छात्रों, शिक्षकों और कार्यालय कर्मचारियों ने परिसर की इमारत और आसपास के क्षेत्र में सफाई का काम किया है। इस कार्यक्रम के संयोजक शारीरिक शिक्षा विभाग के अतिथि प्रशिक्षक (खेल निदेशक ग्रेड) डॉ. शंकर आंधले थे।

4.3 संस्कृत सप्ताह महोत्सव

हर साल की तरह इस साल भी दिनांक 10 अगस्त 2022 से दिनांक 17 अगस्त 2022 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय क.जे. सोमैया मुंबई परिसर और क.जे. सोमैया इंस्टिट्यूट ऑफ धर्म स्टडीज ने संयुक्त रूपसे कैम्पस के निदेशक प्रो. भारत भूषण मिश्र जी के अध्यक्षता में और प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी के मार्गदर्शन में संस्कृत सप्ताह मनाया। इसमें मुख्य अतिथि श्रीमान चंद्रशेखर वजे, अध्यक्ष संस्कृत भारती कोंकण प्रान्त, सारस्वत अतिथि मुंबई परिसर के पूर्व निदेशक प्रो. प्रकाश चंद्र और विशिष्ट अतिथि के रूपमे श्रीमान् अनुराग त्रिपाठी उपस्थित थे। दिनांक 10 अगस्त 2022 से दिनांक 17 अगस्त 2022 तक आजादी का अमृत महोत्सव, हर घर तिरंगा, अगस्त क्रांति स्मृति दिन जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किये गए।

4.4 स्वतंत्रता दिवस

सोमैया परिसर में 15 अगस्त 2022 को परिसर निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया।

4.5 शिक्षक दिवस

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 05 सितम्बर 2022 को वर्चुअल माध्यम से शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर प्रकाश चंद्र जी एवं सारस्वत अतिथि के रूप में प्रख्यात शिक्षाविद् श्री सुदेश कुमार शर्मा जी एवं अध्यक्ष, परिसर निदेशक प्रोफेसर लक्ष्मी निवास पांडे जी उपस्थित रहे।

4.8 स्थापना सप्ताह समारोह :

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यालय के निर्देशानुसार स्थापना सप्ताह समारोह आयोजन अपने परिसर में दिनांक 10 अक्तूबर, 2022 को किया गया। इस सन्दर्भ में मुंबई महानगर एवं कोंकण प्रान्त में संस्कृत ज्ञान परम्परा का प्रतिष्ठापन करने में मुंबई परिसर की भूमिका विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यातिथि प्रो. प्रकाशचंद्र महोदय, विशिष्टातिथि डॉ. सी. गिरी, मुख्यवक्ता प्रो. बोध कुमार झा तथा अध्यक्ष प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय थे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वि. एस. वि. भास्कर रेड्डी एवं सह संयोजिका सुश्री वैशाली निवडुंगे थे।

4.9 सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती :

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य परिसर में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता सप्ताह दिनांक 25.10.2022 से दिनांक 31.10.2022 तक मनाया गया। जिसका उद्घाटन आभासीय माध्यम से परिसर निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। दिनांक 26.10.2022 को परिसर की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 27.10.2022 को छात्रों के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता समायोजित हुई। अगले दिन अखंड भारत निर्माण में सरदार वल्लभभाई पटेल महोदय की सफलता इस विषय पर वाद विवाद तथा स्टेचू ऑफ यूनिटी विषय पर निबंध लेखन स्पर्धा हुई। दिनांक 29.10.2022 को भारतीय एकता धावन का आयोजन किया गया। दिनांक 30.10.2022 को परिसरीय सभी सदस्यों ने भारतीय संविधान में 4क परिच्छेद 51अ के नियमानुसार शपथ ग्रहण किया। इस साप्तहिक कार्यक्रम का समापन दिनांक 31.10.2022 को प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता में मुख्यातिथि के रूप में महाराष्ट्र शासन के पूर्व राज्य मंत्री भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री श्री संजय उपाध्याय, विशिष्टातिथि के रूप में श्री अशोक राय, सरस्वतातिथि के रूप में प्रो. दयानन्द तिवारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रंजय कुमार सिंह थे।

4.10 सतर्कता जागरूकता दिवस :

सतर्कता जागरूकता दिवस दिनांक 02.11.2022 को नॅशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन लि. पश्चिम क्षेत्र मुंबई के संयुक्त तत्त्वावधान में परिसर में समायोजित किया गया जिस में छात्रों की भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी सम्मिलित था। इस कार्यक्रम में NTC के मुंबई विभाग प्रबंधक विजिलिअन्स अधिकारी और एक सहायक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय महोदय एवं संयोजक डॉ. कुमार थे। प्रतियोगिता में भाग लिए हुए सभी छात्रों को प्रोत्साहक पारितोषिक दिया गया और प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार से उत्तम भाषणकारों का सम्मान किया गया।

4.11 राष्ट्रीय शिक्षा दिवस :

दिनांक 11 नवम्बर, 2022 अपराह्ण 03.15 बजे मौलाना अबुल कलाम आजाद जन्म दिवस के उपलक्ष में प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय महोदय की अध्यक्षता में परिसरीय सभी शिक्षक उपस्थित होकर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया।

4.12 संविधान दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के.जे. सोमैया परिसर, मुंबई के कार्यालय आदेश संख्या-101 दिनांक 25-11-2022 के अनुपालन में 26-11-2022 को अपराह्न 03:00 बजे से संविधान दिवस का ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर वत्सल्ला शुक्ला, आर.सी.डब्ल्यू.सी.एस.एन.डी.टी. महिला महाविद्यालय मुम्बई ने कहा कि भारतीय संविधान एक ऐसा राष्ट्रीय धार्मिक ग्रन्थ है जिसकी सभी भारतवासी पूजा करते हैं। व्याख्यान के रूप में डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी, के जे सोमैया कैंपस, मुंबई, शिक्षा विभाग के प्रमुख ने कहा कि भारत का संविधान पहले कानून दिवस के रूप में मनाया जाता था लेकिन 2015 से प्रत्येक भारतीय के लिए एक राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मनाया जाता है। साथ ही भारत का संविधान विश्व का संविधान है।

कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ. रंजय कुमार सिंह ने किया. इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी वर्चुअल रूप से जुड़े रहे।

4.13 गीता जयंती :

दिनांक 03.12.2022 से दिनांक 09.12.2022 तक गीता जयंती के उपलक्ष्य में साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे सप्ताहपर्यन्त गीता पारायण हर दिन किया गया। समापन समारोह के सन्दर्भ में परिसरीय छात्रों ने गीता की प्रस्तुति की एवं अपराह्ण के समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. अर्कनाथ चौधरी महोदय का उद्बोधन हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बोध कुमार झा तथा सह संयोजक श्री जी. सागर रेड्डी थे।

4.14 भारतीय भाषा दिवस

हर साल की तरह इस साल भी 10 दिसंबर 2022 को भारतीय भाषा दिवस मनाया गया। परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी की अध्यक्षता में समारोह आयोजित किया गया और मुख्य अतिथि डॉ. वीना सानेकर थीं और सारस्वत अतिथि के रूप में श्री कुमार थे।

4.15 हिन्दी कार्यशाला

दिनांक 26/12/2022 को ऑफलाइन मोड में हिंदी कार्यशाला समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता परिसर की हिंदी विषय की शिक्षिका डॉ. गीता दुबे थीं।

4.16 वीर बाल दिवस

हर साल 26 दिसंबर को 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादे बाबा फतेह सिंह और जोरावर सिंह की शहादत का सम्मान करने के लिए वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का आयोजन हमारे मुम्बई परिसर में प्रोफेसर भारत भूषण मिश्र की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने एवं प्रो रंजय कुमार सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये कार्यक्रम का संचालन डॉ. संदीप जोशी एवं डॉ. शंकर आंधले द्वारा किया गया।

4.17 पराक्रम दिवस

दिनांक 23-01-2023 को परिसर में पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया, जिसमें परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी ने अपने विचार व्यक्त किये। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में परिसर के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्चुअल रूप से जुड़े हुए थे।

4.18 राष्ट्रीय बाल दिवस

लड़कियों के अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने और उनके जीवन में आने वाली असमानताओं को उजागर करने के लिए 24 जनवरी 2023 को यह दिन मनाया गया। यह दिन मुंबई परिसर द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी और डॉ. वीणा शंकर की अध्यक्षता में मनाया गया। कार्यक्रम का समन्वय और संचालन डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी, प्रोफेसर और कंप्यूटर विषय की प्रोफेसर श्रीमती वैशाली निवडुंगे द्वारा किया गया।

4.19 गणतंत्र दिवस

दिनांक 26-01-2023 को सोमैया परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया जिसमें परिसर के सदस्यों ने भाग लिया।

4.20 छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती

मुंबई परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती का आयोजन दिनांक 20 फरवरी, 2023 को हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडेय सर रहे, उन्होंने अपने भाषण में छत्रपति शिवाजी महाराज के श्रेष्ठ गुणों के बारे में छात्रों को मार्गदर्शन किया । कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री राजन पारकर थे, वरिष्ठ पत्रकार, सामना थे। पारकर सर ने अपने भाषण में छत्रपती शिवाजी महाराज के जीवन परिचय के बारे में मार्गदर्शन किया । कार्यक्रम की संचालिका वैशाली निवडुंगे रही।

4.21 नारी शक्ति सम्मान

नारी की शक्ति को सम्मान देना हर एक मानव का कर्तव्य मानते हुए हमारे परिसर में दिनांक 01.03.2023 से 09.03.2023 तक साप्तहिक कार्यक्रम सम्पन हुआद्य दिनांक 01.03.2023 को अपराहण 02.30 बजे साप्ताहिक कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। अगले दिन दिनांक 02.03.2023 नारी सम्मान सुरक्षा विषय पर परिसंवाद का आयोजन हुआ। दिनांक 03.03.2023 को नारी सम्मान सुरक्षा अभिव्यक्ति कार्यक्रम आयोजित हुआ। समापन समारोह दिनांक 09.03.2023 को अपराहण 02.30 बजे संपन्न हुआ, जिसमे परिसर में कार्यरत नारियों का विशेष रूप से सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. बोध कुमार झा एवं संयोजिका डॉ. मीनाक्षी बरहाटे थी।

4.22 व्यक्तित्वविकास दिवस

15 मार्च 2023 को हमारे मुंबई परिसर में परिसर के निदेशक प्रो. लक्ष्मी निवास पांडे जी की अध्यक्षता में व्यक्तित्व विकास दिवस मनाया गया। दिन के दौरान उन्होंने ज्ञान और अनुभव साझा किए, अपनी प्रतिभा का उपयोग उस तरीके से कैसे किया जाए जिसे आपने पहले कभी अनुभव नहीं किया हो। इस समारोह के लिए डॉ. सोना सेठ, उपआयुक्त, के.वी.एस., मुंबई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। परिसर के सभी शिक्षक, कार्यालय कर्मचारी, समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी एवं संचालक डॉ. वी. फणीप्रसाद थे।

अन्य गतिविधियाँ

खेल

हमारे छात्रों ने शारीरिक शिक्षा शिक्षक डॉ. शंकर बी. आंधले के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया है।

4.15 महाराष्ट्र ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता

दिनांक 20.05.2023 से 22.05.2023 तक 71वीं महाराष्ट्र ओपन एथलेटिक्स प्रतियोगिता बालेवाड़ी, पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित की गई, जिसमें शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री नेहा वर्मा ने डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

4.16 राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पुरस्कार

युवा महोत्सव 01.03.2023 से 03.03.2023 तक गुरुवायूर कैंपस, केरल में आयोजित किया गया है। जिसमें मुंबई कैंपस ने 3 स्वर्ण पदक, 4 रजत पदक और 6 कांस्य पदक सेतीसरी रैंक हासिल की। इसमें निम्नलिखित पदक विजेता रहे।

अ.क्र.	छात्र का नाम	स्पर्धा	पदक
1.	बापूराव वाघमारे	65 KG कुस्ती	स्वर्ण पदक
2.	हिमांशू गर्ग	चेस	स्वर्ण पदक
3.	केयूर कुलकर्णी	लघु चल चित्र निर्माण	स्वर्ण पदक
4.	अभिषेक थिटे	57 KG कुस्ती	रजत पदक
5.	मैत्रेयी जानी	अनुवाद	रजत पदक
6.	लोपामुद्रा पण्डा	चेस	रजत पदक
7.	अश्विनी चाळके	200 मी. धावन	रजत पदक
8.	अभिषेक थिटे	100 मी. धावन	कांस्य पदक

अ.क्र.	छात्र का नाम	स्पर्धा	पदक
9.	अभिषेक थिटे	200 मी. धावन	कांस्य पदक
10.	अश्विनी चाळके	400 मी. धावन	कांस्य पदक
11.	वेदा साखरे	रंगोली	कांस्य पदक
12.	पूजा वर्मा	योगासन	कांस्य पदक
13.	आदर्श कुमार, योगेश कुमार, प्राजक्ता पेंडसे, भाग्यश्री तिवारी, ईशा परमार	समूह गान	कांस्य पदक,

B. मुंबई उपनगरीय डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता कांदिवली में आयोजित की गई, जिसमें कु. नेहा वर्मा ने प्रथम स्थान तथा कु. सागरिका यादव ने दूसरा स्थान हासिल किया।

C. सोमैया खेल एथलेटिक्स प्रतियोगिता दिनांक 11.01.2023 को आयोजित की गई थी, जिसमें हमारे परिसर की छात्रा कु. नेहा वर्मा ने डिस्कस थ्रो में प्रथम और 200 मीटर में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

D. बॉम्बे वाईएमसीए 45वीं ओपन एथलेटिक्स राज्य स्तरीय प्रतियोगिता दिनांक 21.01.2023 को मरीन लाइन मुंबई विद्यापीठ ग्राउंड में आयोजित की गई, जिसमें परिसर की छात्रा नेहा वर्मा ने डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा कु. सागरिका यादव ने दूसरा स्थान हासिल किया।

E. आई.आई.टी. मुंबई ओपन एथलेटिक्स राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 24.03.2023 से 26.03.2023 तक आई.आई.टी. पवई मुंबई में आयोजित किया गया था जिसमें कैम्पस की छात्रा नेहा वर्मा ने डिस्कस थ्रो में प्रथम स्थान एवं गोला फेंक में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

6.1 आधुनिक और पारंपरिक धाराओं में अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृत महाविद्यालयों के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता।

परिचयः-

संस्कृत/पाली/प्राकृत में छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, 11 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत/पाली/प्राकृत शिक्षा के विकास की योजना के तहत पारंपरिक स्ट्रीम में किसी भी मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/संस्कृत विश्वविद्यालय में मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में संस्कृत/पाली/प्राकृत पढ़ने वाले नियमित छात्रों या आधुनिक स्ट्रीम में पूर्व-मध्यमा (प्रथम वर्ष)/9वीं कक्षा, पूर्व-मध्यमा (द्वितीय वर्ष) में स्कूल/कॉलेज/विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले नियमित छात्रों को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। /10वीं कक्षा, उत्तर- मध्यमा/प्रक्षाशास्त्री (प्रथम वर्ष)/11वीं कक्षा, उत्तर-मध्यमा/प्रक्षाशास्त्री (द्वितीय वर्ष)/12वीं कक्षा, शास्त्री/बी.ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/ एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष), विद्यावारिधि/पीएचडी या उसके बराबर।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.11 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

परिचय-केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ओर से (ए.++) श्रेणी प्राप्त विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय के समग्र भारत वर्ष में 13 (तेरह) परिसर हैं जिनमें त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला में स्थित हमारा एकलव्य परिसर भी है। यह परिसर पूर्वोत्तर राज्यों में अपनी तरह का एक अनूठा परिसर है। इस परिसर की स्थापना दिनांक-04.06.2013 को त्रिपुरा राज्य में हुई। यहां पर प्राक्शास्त्री (11वीं और 12वीं), शास्त्री (बी.ए.), शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.एऑनर्स), शिक्षा शास्त्री (बी.एड), आचार्य (एम.ए.) तथा विद्यावरिधि (पीएचडी) जैसे विभिन्न पाठ्यक्रमों का अध्ययन करवाया जाता है। विषय विशेषज्ञता के रूप में शिक्षार्थी स्नातक (यू.जी) एवं स्नातकोत्तर (पी.जी) स्तर पर व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, धर्मशास्त्र, बौद्धदर्शन जैसे प्रस्तावित विषयों में से किसी एक को चुन सकते हैं। तथा शिक्षार्थी विषय विशेषज्ञता के रूप इन सभी क्षेत्रों में शोध कार्य भी कर सकते हैं। इसके अलावा, आधुनिक विषय और भाषाएं जैसे-अंग्रेजी (अनिवार्य), हिन्दी, बंगाली (वैकल्पिक), राजनीति विज्ञान (अनिवार्य), कम्प्यूटर शिक्षा (अनिवार्य) आदि भी प्राक्शास्त्री और शास्त्री स्तर पर पढ़ाए जाते हैं। साथ ही शिक्षार्थियों के पास शारीरिक शिक्षा के माध्यम से विभिन्न खेलों और योगिक क्रियाओं में प्रशिक्षित होने की यहां पर प्रबल सम्भावनायें हैं।

हम सभी जानते हैं कि शिक्षक भविष्य के निर्माता होते हैं और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण शिक्षाशास्त्र (बी.एड) विभाग के कामकाज के माध्यम से परिलक्षित होता है। जो विद्यार्थी शिक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनना चाहते हैं तथा अध्यापन में रुचि रखते हैं वे शिक्षा शास्त्र (बी.एड) विभाग से दक्षता पूर्ण प्रशिक्षण लेते हैं। इसके अतिरिक्त परिसर में अनेक डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी हैं जैसे- पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड स्नात्तकोतर डिप्लोमा, योग विज्ञान में स्नात्तकोतर डिप्लोमा, P.G. Diploma in Library and Information Science इत्यादि। साथ ही जो विद्यार्थी किसी कारणवश परिसर में आकर नियमित अध्ययन नहीं कर सकते वह मुक्तस्वाध्यायपीठ (दूरस्थ शिक्षा केन्द्र) के माध्यम से साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष आदि विषयों में स्नातक (यू.जी) और स्नातकोत्तर (पी.जी) पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर अध्ययन कर सकते हैं। परिसर के सभी शिक्षक अपने-अपने कार्य क्षेत्र में दक्ष हैं तथा शिक्षण जैसे पवित्र कार्य के लिए पूरी निष्ठा से समर्पित रहते हैं। एकलव्य परिसर में निम्नलिखित विभाग हैं-

1. व्याकरण विभाग
2. साहित्य विभाग
3. ज्योतिष विभाग
4. अद्वैत वेदान्त विभाग
5. धर्मशास्त्र विभाग
6. बौद्ध दर्शन विभाग
7. शिक्षा शास्त्र विभाग
8. आधुनिक विषय और भाषा विभाग
9. कर्मकांड एवं पौरोहित्य विभाग
10. योग विभाग

परिसर का स्थान-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, लेम्बुछडा, त्रिपुरा (पूर्वोत्तर) में स्थित है। यह त्रिपुरा की राजधानी अगरतला से लगभग 15 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। भारत सरकार द्वारा परिसर के लिये दो स्थानों पर भूमि आवंटित की गयी हैं। जिसमें सिपाई पाडा, लेम्बुचेरा में 3.25 एकड़ भूमि तथा तारानगर, मोहनपुर में 9.22 एकड़ भूमि है। लेम्बुचेरा के 3.25 एकड़ भूखण्ड में शैक्षणिक भवन, प्रशासनिक भवन तथा पुरुष व महिला छात्रावास हैं वहीं तारानगर, मोहनपुर के भूखण्ड में अभी कार्य निर्मणाधीन है।

त्रिपुरा की जलवायु मध्यम है और वातावरण में थोड़ी नमी है। परिसर में पहुंचने के लिए मुख्य शहर अगरतला से बस, जीप, ऑटो-रिक्शा आदि उचित परिवहन सुविधाऐं एवं उत्तम सड़क मार्ग है। एकलव्य परिसर, महाराजा बीर बिक्रम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सिर्फ 10 किमी. की दूरी पर स्थित है।

परिसर में छात्रों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं-

- बालकों का छात्रावास
- बालिकाओं का छात्रावास
- जिम एवं योग केन्द्र
- भाषा प्रयोगशाला
- मनोविज्ञान प्रयोगशाला
- आई.सी.टी, कम्प्यूटर लैब (इण्टरनेट सुविधा)
- स्मार्ट कक्षा प्रकोष्ठ
- राष्ट्रीय स्वयं सेवा योजना (एन.एस.एस.)
- छात्रों के लिए मासिक छात्रवृत्ति
- परिसरीय पुस्तकालय
- यूजीसी-नेट, सेट, सी.टी.ई.टी आदि प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण कक्षाएं
- जलपान गृह (कैन्टीन)
- भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित विश्वविद्यालय के परिसरों द्वारा आयोजित होने वाली विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं व कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का विकास करने हेतु समुचित अवसर।

सांस्कृतिक गतिविधियाँ

शिक्षाशास्त्रविभाग कि तरफ से दिनांक-02.05.2022 से दिनांक-04.05.2022 तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिये सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन के उद्घाटन सत्र में सत्राध्यक्ष पद का निर्वहन प्रो. अवधेश कुमार चौबे (प्रभारी निदेशक) के द्वारा किया गया। मुख्यातिथि के रूप में विभागाध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश महोदय थे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंगलाचरण छात्राध्यापक जितेन्द्र कुमार के द्वारा किया गया। समागत सभी अतिथियों का स्वागत डॉ. अनूपविश्वास महोदय ने किया। मुख्यातिथि महोदय के उद्बोधन के उपरान्त छात्रों की बहुविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन हुआ। छात्रों ने नृत्य-संगीत-अभिनय इत्यादि के माध्यम से समुपस्थित सभी दर्शकों के चित्त को आकृष्ट किया। दिनांक-04.05.2022 को प्रान्तीय कला के माध्यम से लोगों को छात्रों ने आकृष्ट किया। अन्त में डॉ. लक्ष्मीनारायण महोदय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा शान्तिमन्त्र के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सञ्चालन कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. विजयकुमारजेना महोदय ने किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग

क्रीडाकार्यक्रम (05.05.2022 से 06.05.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा शिक्षाशास्त्री प्रथमवर्षीय छात्रों के लिए दिनांक-05.05.2022 से 06.05.2022 दिनद्वयात्मक क्रीड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के 49 छात्रों ने सोत्साहपूर्वक चेस, कैरमबोर्ड, बैडमिण्टन, म्यूजिकल चेयर इत्यादि क्रीडाओं में भाग लिया। विभागीय सभी प्राध्यापकों ने भी क्रीडा में भाग लिया।

सामूहिक रचनात्मक कार्य (09.05.2022 से10.05.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक-09.05.2022 से 10.05.2022 पर्यन्त सामूहिक रचनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक-09.05.2022 को किया गया। उद्घाटन सत्र में विभागाध्यक्ष महोदय ने उपस्थित होकर छात्रों को मार्गदर्शन प्रादान किया। महोदय ने सामूहिक रचनात्मक कार्य के महत्व का प्रतिपादन किया। इस कार्यशाला में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों ने भाग लेकर ज्ञान का संवर्धन किया। दिनांक-10.05.2022 को सायं 5.00 बजे कार्यशाला का समापन सत्र हुआ। इस कार्यक्रम में सभी विभागीय प्राध्यापक तथा छात्र उपस्थित रहे।

वासन्ती व्याख्यानमाला का द्वितीय पुष्प (दिनांक-11.05.2022)

भारत के स्वातन्त्र्य अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर अगरतला के साहित्य विभाग द्वारा द्वितीय विशिष्ट आभासीय व्याख्यान का आयोजन दिनांक-11.05.2022 को किया गया। व्याख्यान पूर्वनिर्धारित समय 3:00 बजे से प्रारम्भ हुआ। सत्र के मुख्यवक्ता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष तथा विश्वविद्यालय के संकाय प्रमुख प्रो. रामकुमार शर्मा महाशय थे। "पण्डितराज रूपक अलंकार के लक्षण" इस विषय का आश्रयण करके उन्होने अपने विचार प्रकट किये। इस विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय की अध्यक्षता में हुआ। सर्वप्रथम मंगलाचरण के अनन्तर उपस्थित

सभी महानुभावों का हार्दिक स्वागत तथा विषयोपस्थापन डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र महोदय ने किया। मुख्यवक्ता के व्याख्यानान्तर निदेशक महोदय के अध्यक्षीय भाषण से सभा सभाजित हुई। अन्त में साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मञ्जुठेमदेव महोदया ने धन्यवाद समर्पित की। धन्यवाद समर्पणानन्तर शान्तिपाठ के द्वारा व्याख्यान को पूर्ण किया गया। सम्पूर्ण सत्र सञ्चालन डॉ. जितेन्द्र तिवारी महोदय द्वारा किया गया। इस व्याख्यान सत्र में परिसर के सभी छात्र, प्राध्यापक तथा विभाग प्रमुखों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढाई। यह कार्यक्रम अत्यन्त सार्थक तथा सफल रहा।

अभिनन्दन कार्यक्रम (20.05.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर द्वारा दिनांक- 20.05.2022 को परिसरीय छात्रों का उत्साह वर्धन के लिए अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अखिलभारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा समायोजित अन्तः परिसरीय नाट्योत्सव स्पर्धा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर एकलव्य परिसर की ओर से अभिनन्दन किया गया।

इस कार्यक्रम में एकलव्य परिसर के निदेशक माननीय प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय अध्यक्ष पद को विभूषित किये। मुख्यातिथि के रूप में प्रो. अवधेश कुमार चौबे महोदय मञ्चशोभा का संवर्धन किये। राज्यस्तरीयस्पर्धा के संयोजक व्याकरण विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वर नाथ झा तथा एकलव्य परिसर के नाट्यदल की मार्गदर्शिका साहित्यविभाग की प्राध्यापिका डॉ. मञ्जुठेमदेव महोदया भी मञ्च पर समुपस्थि थी। इन सभी मान्यवरों ने अपने उद्बोधन के द्वारा परिसर के छात्रों का पथ प्रदर्शन तथा स्पर्धा में यश प्राप्ति के लिए प्रेरणा दिये। कार्यक्रम में स्पर्धागण की ओर से प्रतिनिधि के रूप साहित्य विभाग के विद्यार्थी विक्रमविश्वास सभी आचार्यों के समक्ष अपना अनुभव भी प्रकट किया। कार्यक्रम में परिसर के सभी विभागाध्यक्ष तथा प्राध्यापक उपस्थित थे।

नेट /सेट/ विद्यावारिधि/ बी.एड प्रतियोगी परीक्षावर्ग (दिनांक 01-06-2022)

सम्पूर्ण भारतवर्ष विशिष्टरूप से पूर्वोत्तराज्यों संस्कृतच्छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा उद्योगप्राप्ति के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर के द्वारा निःशुल्क प्रतियोगिता परीक्षा प्रशिक्षणवर्ग विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गणेश्वरनाथ झा महोदय थे। इस प्रतियोगिता परीक्षावर्ग का उद्घाटन दिनांक 01.06.2022 को हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में अध्यक्षरूप में परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति महोदय थे। मुख्यातिथि प्रो. अनीलकरवन्दे महोदय तथा विशिष्टातिथि डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय के प्राध्यापिका डॉ. संगीताखरे महोदया थी। स्वागतभाषण साहित्यविभाग के प्राध्यापिका डॉ. मञ्जूचन्रे महोदया द्वारा सम्पादित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गणेश्वरनाथ झा महोदय ने किया। नेट/ सेट/ पीएच. डी प्रतियोगिता परीक्षा के प्रथम प्रश्नपत्र तथा द्वितीय प्रश्नपत्र का प्रशिक्षण प्रतिदिन ऑनलाइन के माध्यम से दिया गया। देश के विभिन्न स्थानों से सत्तर छात्र लाभान्वित हुए। शिक्षाशास्त्री प्रवेशपरीक्षा के लिए 4:00 बजे 5:00 बजे तक प्रथमप्रश्न का अध्यापन तथा 6:30 बजे से 7:30 बजे तक द्वितीयप्रश्न का अध्यापन करया गया। शिक्षाशास्त्री प्रवेशपरीक्षाध्यापन वर्ग के संयोजक प्राध्यापक डॉ. बि. वि. लक्ष्मीनारायण महोदय थे।

स्वातन्त्र्यवीर स्मृति व्याख्यान माला (08.06.2022 से 15.06.2022)

महान हर्ष का यह विषय है कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अगरतला स्थित एकलव्य परिसर के द्वारा भारत के स्वतन्त्रता अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में माननीय कुलपति आचार्य प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी के संरक्षत्व में तथा कार्यक्रमनिदेशक आचार्य रमाकान्तपाण्डेय महोदय के निदेशकत्व में एवं एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्तसेनापति महोदय के मार्गदर्शन में ऑनलाइन माध्यम से "सस्कृतज्ञ स्वातन्त्र्य वीरस्मृति व्याख्यानमाला" दिनांक-08. 06.2022 से दिनांक- 15.06.2022 पर्यन्त समायोजित हुआ।

इस व्याख्यानमाला का समुद्घाटन कार्यक्रम श्रीमान् कुलपति महोदय की अध्यक्षता में दिनांक-08.06.2022 को प्रातः 11:00 बजे हुआ। तदनन्तर प्रतिदिन अपराह्ण में 03:30 बजे से क्रमशः आठ व्याख्यान सम्पन्न हुए। दिनांक-08.06.2022 को प्रथम व्याख्यान श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय के शैक्षणिक संकाय प्रमुख आचार्य भागीरथीनन्द महोदय मुख्यवक्ता के रूप में "स्वतन्त्रतायज्ञ में उत्कलीय महत्रयी का योगदान" विषय को स्वीकार कर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किये। व्याख्यान क्रम में स्वतन्त्रता संग्राम काल के महान उत्कल साहित्यकार फकीरमोहनसेनापति, राधानाथराय, मधुसूदन राव इन कवि श्रेष्ठ का संस्कृतरचना तथा उनकी कृतियों के योगदान के विषय में विशेष रूप से चर्चा किये।

कार्यक्रम का सञ्चालन वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. जी. नरसिंहलु महोदय ने किया तथा स्वागत भाषण वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. श्रीकर. जी.एन्. महोदय ने दिया। धन्यवाद समर्पण शिक्षाशास्त्रविभाग के प्राध्यापक डॉ. बि.वि. वेंकट लक्ष्मीनारायण महोदय ने किया।

दिनांक-09.06.2022 को सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति तथा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, कला संकाय के अध्यक्ष आचार्य प्रो. गोपबन्धु मिश्र महाभाग मुख्य वक्ता के रूप में वीरव्रती संस्कृत कवि "आचार्य बटुकनाथ शास्त्री ख्रिस्ते महोदय" पर अपना व्याख्यान दिये। उन्होंने कहा कि ख्रिस्ते महोदय ने अपने कविता में भारत माता के भक्ति का व्याख्या किये। अनेक सन्दर्भों को उद्धृत करते हुआ कहा कि ख्रिस्ते महोदय की कविता लोगों को प्रेरणा देती रहेगी। कार्यक्रम सञ्चालन साहित्यविद्या शाखा के विभागाध्यक्ष डॉ. स्वर्गकुमारमिश्र महोदय ने किया। धन्यवाद समर्पण वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. जि. नरसिंहालु महोदय ने किया। दिनांक-10.06.2022 को सावित्रीबाई फूले विश्वविद्यालय के संस्कृत अध्ययन के पूर्वसञ्चालक आचार्य रवीन्द्रमुले महोदय मुख्यवक्ता के रूप में "युगपुरुष लोकमान्यतिलक" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि लोकमान्य तिलक का स्वतन्त्रता के योगदान तथा संस्कृत विषय में चिन्तन अभूतपूर्व है। कार्यक्रम का सञ्चालन व्याकरणशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वरनाथ झा महोदय ने किया। स्वागतभाषण शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. लक्ष्मीनारायण महोदय तथा धन्यवाद समर्पण ज्योतिष विभाग के प्राध्याक डॉ. यज्ञदत्त शर्मा महोदय ने किया।

दिनांक-11.06.2022 को मुख्यवक्ता के रुप में थे गुहावटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. कामेश्वर शुक्ल महोदय थे। इन्होंने "कुमार भास्करवर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर व्याख्यान दिया। आचार्य ने अपने व्याख्यान में कहा कि कुमार भास्कर वर्मा संस्कृतज्ञ तथा पराक्रमशाली राजा थे। इनके विषय में असमराज्य के ताम्रपत्र तथा शिलालेखों में उल्लेख मिलता है। कुमार भास्कर वर्मा की कीर्ति न केवल पूर्वोत्तर राज्य में अपितु सम्पूर्ण विश्व में व्याप्त है। वर्तमान में असमराज्य के नलवारी नगर में इनके नाम से संस्कृत विश्विद्यालय स्थापित है। इस कार्यक्रम का सञ्चालन साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र तिवारी महोदय ने किया। समागत अतिथियों का स्वागत साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मञ्जुठेमदेवे महोदया ने किया। धन्यवाद समर्पण साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलवीर महोदय के द्वारा किया गया।

दिनांक-12.06.2022 को पश्चिम बंगविश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष आचार्य अयनभट्टाचार्य महोदय ने "स्वतन्त्रता संग्राम के प्रोत्साहन में अलंकार वैशिष्ट्य से युक्त श्रीमद् अरविन्द कृत भवानी भारती का अवदान" इस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होने अपने व्यख्यान में कहा कि श्री अरविन्द एक महान दार्शनिक थे। स्वतन्त्रता संग्राम के बंग आन्दोलन में उन्होने भाग लिया तथा विविध पत्रिकओं में अपने लेख लिखकर बहुत युवकों को स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री अरविन्द ने "भवानी भारती" पद्यात्मक काव्य का प्रकाशन किया। अपने काव्य में महर्षि अरविन्द ने तत्कालीन भारत माता की स्थिति का निरूपण सोदाहरण प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का सञ्चालन वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. सम्बित महापात्रा, अतिथियों का स्वागत साहित्यविभाग के प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र तिवारी महोदय तथा धन्यवाद समर्पण शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. बिचित्ररञ्जन पण्डा महोदय ने किया।

दिनांक-13.06.2022 को कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के आधुनिक संस्कृत विभागाध्यक्ष आचार्य परागजोशी महोदय ने "प्रज्ञा भारती श्रीधरभास्करवर्णेकर महोदय का स्वातन्त्र्य वीर काव्य" इस विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने साहित्य समाज का दर्पण होता है, इस उक्ति का अनुसरण करते हुए कहा कि साहित्य का अध्ययन कर स्वयं को सुसज्जित किया जाता है। लेखनी तलवार की अपेक्षा प्रभाव उत्पन्न करने में अत्यधिक समर्थ होती है। काव्य में रुद्र भवानी का भी स्तवन है तथा महाराष्ट्र के सह्याद्रि प्रान्त में समुत्पन्न वीरों का भी वर्णन है इन सभी के विषय में चर्चा की। अन्त में उन्होने श्रीधरभास्कर वर्णेकर महोदय के काव्य में वर्णित अनेक वीरों के विषय में भी अवगत कराया। कार्यक्रम का सञ्चालन साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मञ्जुठेमदेव महोदया ने किया। अतिथि स्वागत व्याकरण विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश्वरनाथ झा महोदय तथा धन्यवाद समर्पण ज्योतिषविभाग के प्राध्यापक श्रीरजतगौतम महोदय ने किया।

दिनांक-14-06-2022 को मुख्यवक्ता के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग के आचार्य प्रो. सदाशिवकुमार द्विवेदी महोदय ने "महामहोपाध्याय नारायण शास्त्री ख्रिस्ते

महोदय का व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर उद्बोधन दिया।अपने स्वकीय उद्बोधन में नारायण शास्त्री का जीवन परिचय, विद्याभ्यासकाल तथा उनकी स्वतन्त्रता से सम्बन्धित रचनाओं ने समाज को कैसे प्रेरित किया इत्यादि विषयों का वर्णन किया। तथा उनके द्वारा विरचित उपन्यास, कथा, काव्यों का वर्णन उदाहरण पूर्वक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सञ्चालन वेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ. श्रीकर.जी.एन् महोदय, अतिथियों का स्वागत वेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ. जि. नरसिंहलु महोदय, धन्यवाद समर्पण शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. चक्रधरमेहर महोदय ने किया।

दिनांक-15-06-2022 को मुख्यवक्ता के रूप में आन्ध्रप्रदेश के विजयवाटिका स्थित एस. आर. आर. एवं सी. वी. आर. कलाशाला के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. उद्रष्टा वेंकटरमणमूर्ती जी ने उपस्थित होकर "राष्ट्रभक्त वीर सावरकर" इस विषय पर व्याख्यान दिया। यह व्याख्यान बहुत ओजपूर्ण रहा। अपने व्याख्यान में उन्होने स्वतन्त्रता के लिए विनयदामोदर वीरसावरकर के सम्पूर्ण परिवार का योगदान, बाल्यावस्था में स्वतन्त्रता के लिए विभिन्न क्रिया-कलाप का व्यवहार तथा कविता के द्वारा नवयुवको को प्रेरणा एवं दो बार आजीवन कारावास इत्यादि बहुत से विषयों पर प्रेरणात्मक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का सञ्चालन शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. बी.वि. लक्ष्मीनारायण ने, स्वागत भाषण वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. जि. नरसिंहलु महोदय तथा धन्यवाद समर्पण वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. श्रीकर जी. एन. महोदय के द्वारा किया गया।

इस प्रकार अष्टदिनात्मक संस्कृतज्ञस्वातन्त्र्य वीर स्मृति व्याख्यान माला का समापन एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय के अध्यक्षीय उद्बोधन से हुआ, उन्होने प्रत्येक व्याख्यान में अध्यक्षपद को सुशोभित किया तथा अपने अध्यक्षीय भाषण के द्वारा सभी को प्रोत्साहित किया।

ज्योतिष व्याख्यानमाला

चतुर्थव्याख्यान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग के द्वारा अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में छात्रों के उपकारार्थ के ज्योतिष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस अमृत महोत्सव ज्योतिष व्याख्यानमाला के संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सम्माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय तथा मार्गदर्शक केन्द्रीयसंस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रणजितकुमार वर्मन महोदय थे।

इस व्याख्यानमाला के चतुर्थव्याख्यान का आयोजन दिनांक-15.06.2022 को अपरान् 4:00 बजे "खगोलशास्त्र का वैज्ञानिक चिन्तन" इस विषय पर अन्तर्जालमाध्यम से हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में कविकुलगुरु कालिदास संस्कृतविश्वविद्यालय तथा अभिनवभारती अन्ताराष्ट्रियपरिसर के निदेशक प्रो. कृष्ण कुमार पाण्डेय महोदय थे। सत्राध्यक्ष एकलव्य परिसर के कुशल निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय थे। इस कार्यक्रम के संयोजक ज्योतिष विभागध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा महोदय तथा सह-संयोजक ज्योतिषविभाग के प्राध्यापक डॉ. मनोज श्रीमाल महोदय थे। कार्यक्रम की निर्विघ्नता सिद्धि के लिए मंगलाचरण ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक श्रीरजत गौतम महोदय ने किया। स्वागत भाषण डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र महोदय तथा सत्रसञ्चालन डॉ. यज्ञदत्त महोदय ने किया। इस कार्यक्रम में एकलव्य परिसर के सभी प्राध्यापक तथा देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से शताधिक छात्र उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक श्रीरजत महोदय ने किया तथा अन्त में शान्तिमन्त्रपाठ के द्वारा व्याख्यान का समापन हुआ।

अन्तर्राष्ट्रिय योग प्रशिक्षण कार्यशाला

(17.05.2022 से 21.06.2022)

भारत सरकार आयुष्मन्त्रालय के निर्देश से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा दिनांक-17.05.2022 से 21.06.2022 तक चौतीस दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका प्रारम्भ दिनांक-17.05.2022 को सायं 04:00 बजे "योगेन चित्तस्य पदेन वाचा" इस श्लोक से किया गया। इस कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में वेदान्त शास्त्र के निष्णात विद्वान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सुकान्तसेनापति महोदय अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। इन्होंने अपने समुद्बोधन में कहा कि आत्मा मुक्ति तथा शरीर के लिए योगसाधना परम आवश्यक है। उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि बौद्धदर्शन विभागाध्यक्ष प्रो.अवधेश कुमार चौबे महोदय विराजमान रहे। इन्होंने अपने समुद्बोधन में गीतादि विविधशास्त्रों में योगवृत्तान्त के विषय में कहा तथा बौद्धदर्शन में योग का क्या स्थान है इस विषय पर भी विशदरूप से चर्चा की। उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डॉ. अनूपविश्वास

तथा प्रास्ताविक भाषण अन्ताराष्ट्रिययोगदिवस कार्यशाला के संयोजक शारीरिक शिक्षाविभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीवघोष महोदय ने दिया। धन्यवादज्ञापन वेदान्त विभाग के प्राध्यापक डॉ.पलाश सान्तरा महोदय ने किया। इस कार्यशाला में परिसर के सभी प्राध्यापक, छात्र-छात्राओं ने सोत्साहपूर्व भाग लिया। उद्घाटन सत्र में प्राय:175 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने योगाभ्यास भी किया। उद्घाटन सत्र में मञ्चसञ्चालन परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य श्रीनन्ददुलालमहोदय ने किया। अन्त में अध्यक्ष महोदय के अनुमति से आयुषमन्त्रालय के द्वारा निर्धारित शान्तिमन्त्र से कार्यक्रम सम्पूरित किया गया। योग का प्रायोगिक कार्य दिनांक-17.05.2022 से 21.06.2022 पर्यन्त परिसर के शैक्षिकभवन में प्रतिदिन सांय 4.00 बजे से 5.00 बजे तक किया गया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में परिसर के शरीरिकशिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. राजीव घोष थे। तथा सहायक के रूप में परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक श्रीनन्ददुलालमण्डल महोदय, शिक्षाशास्त्र विभाग के ही प्राध्यापक डॉ. अनूपविश्वास महोदय एवं परिसर के वेदान्तविभाग के प्राध्यापक डॉ. पलाशसाँतरा महोदय थे। आन्ताराष्ट्रिय योग दिवस को अभिलक्ष्य करके विश्वविद्यालय में एकदिवसीय विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम भी किया गया। यह कार्यक्रम दिनांक-14.06.2022 के मध्याह्न में 12:30 बजे से 1:30 बजे तक किया गया। व्याख्यान का विषय था "स्वास्थ्य संरक्षण के लिए योग का महत्व" इस व्याख्यान कार्यक्रम में योगसमिति के प्रार्थना को स्वीकार करके एकलव्य परिसर के निदेशक महोदय ने अध्यक्ष पद का निर्वहन किया। अध्यक्ष महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्र तथा प्राध्यापकों को योग की आवश्यकता के विषय में प्रेरित किया। मार्गदर्शक बौद्धदर्शनविभागाध्यक्ष छात्रवत्सल प्रो. अवधेश चौबे महोदय थे। इन महोदय ने विविधयोगक्रिया के विषय में छात्रों को बताया तथा प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि त्रिपुरा केन्द्रीयविश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षाविभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुदीपदासमहोदय थे। इन्होंने अपने व्याख्यान में शरीरचर्या के ऊपर बल दिया। व्यायामादि आसन के पहले प्राणायामादि क्रिया करनी चाहिए तभी स्नायु सक्रिय होती है, अपने व्याख्यान में निवेदन किये। इस कार्यक्रम का सञ्चालन श्रीनन्दुलालमण्डल महोदय ने किया। योगकार्यशाला में जिन लोगों ने भाग लिया उनके लिए स्पर्धा की व्यवस्था की गई। योगसमिति के द्वारा पाँच स्पर्धाएं की गई। जिसमें सोलह लोगों ने पुरस्कार प्राप्ति के लिए योग्यता अर्जित किये। 21जून 2022 को आन्ताराष्ट्रिय योग दिवस विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर के द्वारा मनाया गया। योगदिवस के समापन कार्यक्रम में बौद्धदर्शन के विभागाध्यक्ष प्रभारी निदेशक प्रो. अवधेश कुमार चौबे महोदय ने अध्यक्ष पद का निर्वहन किया। मुख्यातिथि के रूप में श्री प्रेमदातादास महोदय उपस्थित थे। महोदय अगरतला में स्थित इस्कॉन मन्दिर के अध्यक्ष हैं। आचार्य जी मुख्य रूप से इटली देश के निवासी हैं। इन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गीता का सारतत्व योग के द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। तथा निर्देश भी किया कि संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र तथा समाजिक लोग योग के प्रचार-प्रसार के प्रति ध्यान दें। अन्त में मुख्यातिथि के करकमलों द्वारा योगस्पर्धा में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया। तदुपरान्त अध्यक्ष महोदय की अनुमति से शान्ति मन्त्र के द्वारा योगदिवस कार्यक्रम की समाप्ति की उद्घोषणा हुई।

वासन्ती व्याख्यानमाला

तृतीय पुष्प (18.06.2022)

भारत की स्वतन्त्रता के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गतिमान वासन्ती व्याख्यान माला के तृतीय पुष्प का विशिष्ट आभासीय व्याख्यान केन्द्रीय संस्कृतविश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के साहित्यविभाग के द्वारा दिनांक-18.06.2022 को आयोजित किया गया। व्याख्यान पूर्वनिर्धारित समय 3:30 बजे प्रारम्भ हुआ। इस विशिष्ट व्याख्यान के सत्राध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के साहित्य विभाग के आचार्य डॉ. सुज्ञान कुमार माहन्ति जीने मुख्यवक्ता के रूप में "तात्पर्यावृत्ति" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का आरम्भ मङ्गलाचरण से हुआ। इस व्याख्यान के संयोजक साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र थे, महोदय ने सभी अभ्यागतों का स्वागत तथा प्रास्ताविक भाषण दिया। मुख्यवक्ता के व्याख्यान के बाद परिसर के निदेशक महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण से सभा को समुद्‌बोधित किया। अन्त में साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. जितेन्द्र तिवारी महोदय ने सभी का धन्यवाद समर्पित किया। सभा का समापन शान्तिपाठ के द्वारा किया गया। सम्पूर्ण सत्र का सञ्चालन साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मञ्जुठेमदेव महोदया के द्वारा किया गया। इस व्याख्यान सत्र में परिसर के सभी छात्र-छात्रायें तथा प्राध्यापकों ने उपस्थित होकर सत्र की शोभा बढाई। जिससे यह व्याख्यान सार्थक तथा सफल रहा।

ज्योतिष व्याख्यानमाला

पञ्चम व्याख्यान (28.06.2022)

भारत सरकार के शिक्षामन्त्रालय के अधीन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर, अगरतला के ज्योतिष विभाग के द्वारा अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पञ्चम व्याख्यान का आयोजन दिनाङ्क–28.06.2022 को अपराह्ण 4.00 बजे "ग्रहण मुकुर नामक अप्रकाशित ग्रन्थ के कुछ विशेष अंश" विषय पर आभासीय माध्यम से किया गया। इस व्याख्यान में मुख्यवक्ता के रूप में भारतीय परम्परा केन्द्र चाणक्य विश्वविद्यालय के सहायकाचार्य डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय महोदय थे। सत्राध्यक्ष के रूप में एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय थे। सत्र का सञ्चालन ज्योतिष विभाग के अध्यापक डॉ. यज्ञदत्त महोदय ने किया। अतिथियों का स्वागत ज्योतिष विभाग के प्रमुख डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र महोदय के द्वारा किया गया। तत्पश्चात मुख्यवक्ता महोदय का वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान सम्पन्न हुआ। उनके व्याख्यान से सभी प्राध्यापक, शोधार्थी तथा छात्र–छात्रायें अत्यन्त उपकृत हुए। गूगलमीट के माध्यम से आयोजित इस व्याख्यान में बंगाल–उडीसा–दिल्ली–त्रिपुरा–आन्ध्रादि प्रदेशों से 122 प्रतिभागियों ने पञ्जीकरण किया था। मुख्यवक्ता भाषण के अनन्तर परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय का अध्यक्षीय भाषण हुआ। अन्त में ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक श्री रजत गौतम महोदय ने धन्यवाद समर्पण किया तथा शान्तिपाठ से सभा का समापन किया गया।

कालिदास-दिवस (दिनांक 04.07.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, के साहित्य विभाग द्वारा 'कालिदासदिवस' के अवसर पर 4 जुलाई को 'भारत स्वातंत्र्य अमृत महोत्सव' के अंतर्गत 'मेघदूत पद्यानुवाचनम्' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कालिदासप्रणीत मेघदूत महाकाव्य के पद्यों का वाचन किया गया।

दीप प्रज्ज्वालन के पश्चात् शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा सुश्री पूर्णिमा देवनाथ द्वारा मंगलाचरण किया गया जिसके बाद कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर साहित्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जीतेन्द्र तिवारी ने अपने कुशल मञ्चसंचालन एवं मेघदूतपद्यानुवाचन से कार्यक्रम की शोभा को बढ़ाया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि एकलव्य परिसर के बौद्ध विभाग के प्रमुख प्रो. अवधेश कुमार चौबे जी थे। उन्होंने कहा कि हमें महान लोगों को याद करने के लिए ऐसे आयोजन जरूर करने चाहिए। सभा की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रोफेसर सुकान्त कुमार सेनापति महोदय ने की उन्होने अपने आशीर्वाद रूपी उद्बोधन से सभा को सम्बोधित किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. चक्रधर मेहर महोदय ने सभा में उपस्थित सभी लोगों का अपने वाक्कुसुमों से स्वागत किया। साहित्य विभाग की डॉ. मंजुठेमदेव चन्ने ने 'कालिदास दिवस' मनाने के उद्देश्य को बताते हुए प्रास्ताविक भाषण प्रस्तुत किया तथा 'मेघदूत की कविता को पद्य में ही क्यों पढ़ा जाना चाहिए'! इसे सोदाहरण प्रतिपादित किया। अद्वैत वेदांत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जि. नरसिम्हुलु जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

व्यास पूजा महोत्सव

(दिनांक-13.07.2022 समय प्रातः 11:30 बजे)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी के मार्गदर्शन में एकलव्य परिसर में दिनांक-13.07.2022 समय प्रातः 11:30 बजे व्यास पूजा महोत्सव बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भगवान गणपति और व्यास जी की प्रतिमा की पूजा करके दीप प्रज्ज्वालनपूर्वक वैदिक मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी निदेशक डॉ. ओमप्रकाश महोदय ने की, इस कार्यक्रम में मुख्यवक्ता अद्वैत वेदांत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जि. नरसिंहुलु महोदय थे। इस कार्यक्रम में स्वागत भाषण ज्योतिष विभाग के सहाचार्य आचार्य डॉ. यज्ञदत्त महोदय ने किया।

परिसर के कुछ विद्यार्थियों ने 'गुरु-पर्व का महत्व' इस विषय पर उत्साह पूर्वक अपना वक्तव्य दिया। साथ ही परिसर के सभी विभागाध्यक्षों और कुछ प्राध्यापकों ने 'गुरु-तत्व' के विषय पर अपने विचार अभिव्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता अद्वैत वेदांत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जि. नरसिम्हुलु ने परिसर के छात्रों को बताया कि व्यास पूजा क्यों की जाती है तथा गुरु पूर्णिमा का महत्व क्या है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश महोदय ने परिसर के छात्रों व शिक्षकों को संबोधित किया। आभार ज्ञापन शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री नन्द दुलाल मण्डल ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन साहित्य विभाग के सहायकाचार्य

डॉ. जितेन्द्र तिवारी ने किया। शान्तिमंत्र के साथ कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

अमृतमहोत्सव-ज्योतिष व्याख्यानमाला-2022

छठा व्याख्यान (दिनांक-22.07.2022)

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर ज्योतिष विभाग ने शुक्रवार दिनांक-22-07-2022 को अपराह्न 03:30 बजे, 'ज्योतिष शास्त्रदृष्ट्या अरिष्टचिंतनम्' इस विषय पर छठा व्याख्यान आयोजित किया। जिसमें मुख्यवक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री जी थे। कार्यक्रम संरक्षक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय तथा कार्यक्रम में अध्यक्ष की भूमिका में प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय उपस्थित थे। एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग के श्री रजत गौतम छेत्री महोदय द्वारा मञ्च संचालन किया गया और डॉ. मनोज श्रीमाल, सहायक आचार्य ज्योतिष विभाग द्वारा मंगलाचरण किया गया। एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष आचार्य डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री द्वारा अति मनोरम एवं वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान दिया गया। जिससे सभी छात्र एवं शोधार्थी अत्यन्त लाभान्वित हुए। Google Meet के माध्यम से आयोजित इस व्याख्यान शृंखला में ओडिशा, दिल्ली, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश आदि राज्यों से लगभग 122 छात्रों ने पंजीकरण कराया। मुख्यवक्ता के पश्चात् परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति द्वारा अध्यक्षीय भाषण दिया गया। उसके बाद ज्योतिष विभाग, एकलव्य परिसर के सहायक आचार्य डॉ. यज्ञदत्त महोदय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया और अन्त में शान्तिमन्त्र के द्वारा यह सभा पूर्णता को प्राप्त हुई।

श्रीगणपति पूजन कार्यक्रम

(दिनांक-31.08.2022- समय प्रातः 11:00 बजे)

एकदन्ताय विद्महे, वक्रतुण्डाय धीमहि।

तन्नो दन्ती प्रचोदयात्।

हे सनातन धर्म के अनुयायियों और संस्कृत भाषा के प्रेमियों! आपको सूचित करते हुए मुझे अति प्रसन्नता हो रही है, कि केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर द्वारा श्री गणेश चतुर्थी-2022 के अवसर पर परिसर के शैक्षणिक भवन में माननीय परिसर निदेशक प्रोफेसर सुकान्त कुमार सेनापति महोदय की अध्यक्षता में 31 अगस्त 2022, दिन बुधवार को प्रातः 11:00 बजे गणपति पूजन किया गया। इस पूजन कार्यक्रम में परिसर के निदेशक प्रोफेसर सुकान्त कुमार सेनापति महोदय ने श्री गणेश पूजन करके होमादि कर्म सम्पन्न किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि- 'श्री गणपति की आराधना करके ही हमारे समस्त क्रियाकलाप निर्विघ्न हो सकते हैं'। इस कार्यक्रम में परिसरीय अध्यापक और कर्मचारियों ने उत्साह पूर्वक भाग ग्रहण किया। इस कार्यक्रम का संयोजन ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र महोदय तथा साहित्य विभाग के सहाकाचार्य डॉ. जितेन्द्र तिवारी महोदय ने किया।

संस्कृत-सप्ताह-महोत्सव

(दिनांक-08.08.2022 से 14.08.2022)

त्रिपुरा राज्य में स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर, अगरतला द्वारा 'संस्कृत-सप्ताह महोत्सव' का आयोजन दिनांक-08.08.2022 से 14.08.2022 तक किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री तपन कुमार मैती, (प्राचार्य, कृषि महाविद्यालय, अगरतला) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा को बढ़ाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बौद्धदर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार चौबे जी उपस्थित थे। इस संस्कृत सप्ताह महोत्सव कार्यक्रम में छात्रों के लिये चार प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिनमें गीताश्लोक-उच्चारण-प्रतियोगिता, सुभाषित-कण्ठपाठ-प्रतियोगिता, संस्कृत-सम्भाषण प्रतियोगिता और रसप्रश्न प्रतियोगिता। ये प्रतियोगिताएं कनिष्ठ और वरिष्ठ छात्रों को उद्देश्य करके की गईं थीं। छात्रों ने समाज में संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्थानों पर प्रभात-फेरी और वीथी-नाटकों का आयोजन भी किया। इसके अलावा दिनांक-14.08.2022 को 'संस्कृत-सप्ताह' का समापन समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में महाराजा वीरविक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री सत्यदेव पोद्दार महोदय तथा कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति महोदय उपस्थित रहे। इस 'संस्कृत-सप्ताह' महोत्सव कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गणेश्वर नाथ झा तथा सह-संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा महोदय थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

(दिनांक-15.08.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में दिनांक-15.08.2022 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति ने अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। महोदय ने सुबह 9:00 बजे ध्वजारोहण कर 76वें स्वतंत्रता दिवस का शुभारंभ किया। उन्होंने अपने मुख्य भाषण में इस बात पर जोर दिया कि जैसे ईंटें, बालू, सीमेंट, लोहे के रॉड और पानी आपस में मिलकर किसी इमारत का निर्माण करते हैं, वैसे ही परिसर, विश्वविद्यालय और राष्ट्र के निर्माण के लिए हमें एक साथ आगे आना चाहिए। इस प्रकार उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के महत्व को प्रस्तुत किया। इस परिसर के वरिष्ठ आचार्य प्रो. अवधेश कुमार चौबे जी ने मुख्य अतिथि के रूप में सभी का उत्साहवर्धन किया। परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों ने देशभक्ति गीत और नृत्य आदि प्रस्तुत किए। शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नन्ददुलाल मण्डल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन किया। परिसर के विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों ने मातृभूमि एवं महान विभूतियों की जयजयकार की। साथ ही प्रोजेक्टर के माध्यम से मुख्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम एवं माननीय कुलपति जी के भाषण का प्रसारण भी सभी ने सभागार में बैठकर देखा। परिसर में सारा कार्यक्रम शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजीव घोष जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

शिक्षक कौशल विकास केन्द्र उद्घाटन समारोह

(दिनांक-18.08.2022)

प्राध्यापकों के कल्याण, विकास एवं कौशल संवर्धन हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सर्वशास्त्रनदीष्ण, सतत क्रियाशील, प्रशासन-निपुण एवं दूरद्रष्टा कुलपति माननीय प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय लगातार प्रयास कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में 'शिक्षक कौशल विकास केन्द्र' की स्थापना की।

इस 'शिक्षक कौशल विकास केन्द्र' का उद्घाटन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय की उपस्थिति में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय प्रोफेसर श्री गंगा प्रसाद प्रसाई के करकमलों से दिनांक-18 अगस्त 2022 को हुआ। इस अवसर पर श्री आचार्य गोपबंधु मिश्र, (वाराणसी), श्री दिनेश कामत, (संस्कृत भारती) एवं एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी तथा अन्य प्राध्यापक भी उपस्थित थे। इस शिक्षक कौशल विकास केन्द्र के संयोजक आधुनिक विभाग के प्राध्यापक डॉ. सुमन आचार्जी तथा सह-संयोजक ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी हैं।

10. दिवसीय संस्कृत-शिक्षक-प्रशिक्षण-कार्यक्रम

(दिनांक-18 से 29 अगस्त 2022 तक)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के शिक्षक कौशल विकास केंद्र की ओर से 'दस दिवसीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण' कार्यक्रम दिनांक-18 से 29 अगस्त 2022 तक आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम संस्कृत शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर और संस्कृत-भारती, त्रिपुरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

इस 'संस्कृत-शिक्षक-प्रशिक्षण' कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक-18 अगस्त 2022 को सुबह 10.30 बजे आयोजित किया गया। जिसमें त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला के कुलपति प्रो. गंगा प्रसाद प्रसाई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, तथा उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने त्रिपुरा राज्य में संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे वर्ग की अनिवार्य आवश्यकता भी सिद्ध की। इसी प्रकार काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के संस्कृत-विभाग के प्रो. गोपबंधु मिश्र द्वारा सारस्वत-अतिथि के पद की शोभा बढ़ाई गई। वे यहां दो दिनों तक रुके और प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर श्री दिनेश कामत, जो संस्कृत-भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री हैं, वे मुख्य अतिथि थे। उन्होंने यह मार्गदर्शन दिया कि एक संस्कृत अध्यापक का कर्तव्य क्या है और उसे किस प्रकार का कार्य करना चाहिए। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट-अतिथि के रूप में संस्कृत-भारती, पूर्वोत्तर भारत के प्रांतीय संगठन मंत्री श्री कमल शर्मा ने भी वेदिका को अलंकृत किया। उन्होने इस शिक्षक-प्रशिक्षण-वर्ग में 10 दिन तक रह कर कार्य-सफलता की प्रणाली को प्रदर्शित किया। यह 'शिक्षक- प्रशिक्षण-वर्ग दस दिनों चला। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय न केवल वेदी के आभूषण थे, बल्कि सभी के लिए प्रेरणा के स्रोत भी थे। इनका मार्गदर्शन सभी को पाथेय-रूप में प्राप्त हुआ। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. श्रीकर जी.एन. ने किया। अतिथियों का स्वागत एकलव्य

परिसर के निदेशक प्रो.सुकान्त कुमार सेनापति ने किया। इसी प्रकार कार्यक्रम की सह-समन्वयिका, साहित्य विभाग की सहायक आचार्या डॉ. सुश्री मञ्जुठेम देवचन्ने ने प्रस्ताविक भाषण को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जी. नरसिम्हुलु जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस प्रशिक्षण वर्ग में त्रिपुरा, असम, मणिपुर आदि राज्यों से कुल 90 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों ने यहां 10 दिन तक रह कर प्रशिक्षण प्राप्त तथा सम्भाषणवर्ग के संचालन करने की दक्षता प्राप्त की। प्रशिक्षक के रूप में पश्चिम बंगाल, असम एवं त्रिपुरा के प्रशिक्षकों ने भी प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। जिसमें श्री जयशाह दस दिनों तक मुख्यशिक्षक के रूप में रहे और 'आदर्श संस्कृत सम्भाषण कक्षा' का सञ्चालन किया। सुश्री तनुश्री सिन्हा ने भी परिसर में रहकर मार्गदर्शन दिया। इसी प्रकार एकलव्य परिसर के कई प्राध्यापक प्रशिक्षण में सहायता करने हेतु अग्रणी रहे। प्रतिभागियों के बौद्धिक विकास के लिए अनेक उद्बोधनकर्ता यहां आये। इनमें वाराणसी से श्री गोपबंधु मिश्र, दिल्ली से श्री दिनेश कामत, जयपुर से प्रो. वाय्.एस. रमेश, असम से प्रो.रणजीत तिवारी, पश्चिम बंगाल से श्री जयप्रकाश गौतम और जम्मू से श्री प्रताप सिंह ने प्रशिक्षण कक्षाओं के विषयों और प्रत्यक्ष पद्धति के लाभों पर प्रधान रूप से उद्बोधन दिया तथा अपने ज्ञान और मार्गदर्शन से सभी को लाभान्वित किया।

इस कार्यक्रम का समापन समारोह 29 अगस्त को सुबह 11 बजे हुआ। इस अवसर पर मध्य प्रदेश के उज्जयिनी नगर में स्थित 'महर्षि पाणिनि संस्कृत वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी.जी. विजय कुमारमेनन जी मुख्य अतिथि के रूप में विराजमान थे। उन्होंने कहा कि 'संस्कृत शिक्षण में लगे लोगों को सदैव संस्कृत माता की आराधना करनी चाहिए, यहीं हमारा प्रथम कर्तव्य है'। उन्होंने हमें याद दिलाया कि हमें आज संस्कृत को पुनर्जीवित करने के लिये क्या करना चाहिए। सारस्वत अतिथि पद को अलंकृत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में वरिष्ठ आचार्य प्रो. वाई.एस. रमेश जी ने किया। उनके प्रेरक भाषण ने सभी को प्रोत्साहित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जयप्रकाश गौतम उपस्थित थे। वे संस्कृत-भारती के अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री भी हैं। इस अवसर पर रामकृष्ण मठ के सचिव आदरणीय स्वामी शुभंकरा नन्द जी ने समारोह में उपस्थित होकर मंगल वचनों से अपना शुभ आशीर्वाद दिया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति महोदय अध्यक्ष के रूप में विराजमान थे। उन्होंने कहा कि 'हमारे विचार संस्कृत में होने चाहिए, हमारा व्यवहार संस्कृत में होना चाहिए, हमारी बातचीत संस्कृत में होनी चाहिए और हमारा आचरण संस्कृत में होना चाहिए' अपने ओजस्वी भाषण से उन्होने सभी को प्रेरित किया।

शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायकाचार्य डॉ. लक्ष्मी नारायण ने सुन्दर ढंग से मंच संचालन किया। वेदांत विभाग के डॉ. जी.एन्. श्रीकर महोदय ने अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात् साहित्य विभाग की सहायकाचार्या डॉ. मंजुठेमदेव चन्ने ने प्रतिवेदन पढा। इस समापन समारोह में सुश्री तनुश्री सिन्हा ने धन्यवाद रूपी पुष्प अर्पित किये। साथ ही कुछ प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव साझा किये। इस प्रकार कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

अमृतमहोत्सव-ज्योतिषव्याख्यानमाला

समापन समारोह (दिनांक-20-08-2022)

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के शुभावसर पर ज्योतिष विभाग द्वारा 'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वास्तुशास्त्रम्' इस विषय पर शनिवार दिनांक-20.08.2022 को अपराह्न 03:00 बजे अमृतमहोत्सव-ज्योतिषव्याख्यानमाला का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वास्तुशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक थपलियाल जी मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी उपस्थित थे तथा संरक्षक के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदरणीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय एवं कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमारसेनापति महोदय विराजमान थे। एकलव्य परिसर के ज्योतिष-विभाग के सहायक आचार्य श्री रजतगौतम ने मञ्च का संचालन किया। परिसर के छात्र श्री सौरभ जोशी ने मंगलाचरण एवं एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया। ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. यज्ञदत्त शर्मा ने व्याख्यानमाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद डॉ. अशोक थपलियाल महोदय ने अपने वैदुष्यपूर्ण व्याख्यान से सभी को लाभान्वित किया। उनके व्याख्यानों से सभी विद्यार्थी

एवं शोधार्थी प्रभावित हुए। 'गूगल मीट' के माध्यम से आयोजित इस व्याख्यान शृंखला में बंगाल, उड़ीसा, दिल्ली, त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश, तथा पूर्वोत्तर राज्यों से लगभग 152 विद्वानों व छात्रों ने पंजीकरण कराया। मुख्यवक्ता के व्याख्यान के बाद प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी जी के मुख्यातिथि भाषण से सभी लोग उपकृत हुए। उसके बाद परिसर निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति ने अध्यक्षीय भाषण दिया। इसके बाद ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. यज्ञदत्त ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अन्त में शान्ति मन्त्र के साथ सभा सम्पन्न हुई।

हिन्दी पखवाड़ा (दिनांक-01.09.2022 से 14.09.2022 तक)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में प्रति वर्ष की भाँति विश्वविद्यालय के वार्षिक पंचांग के अनुसार तथा कार्यालय आदेश संख्या 109 के आदेशानुसार 'हिन्दी पखवाड़ा समिति' का गठन किया गया। जिसमें समन्वयक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र, संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र, सह संयोजक डॉ. विचित्र रंजन पण्डा, सदस्य रूप में डॉ. अनूप विश्वास, डॉ. सम्बित महापात्र, डॉ. इतिश्री महापात्रा, डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी, डॉ. बलवीर सिंह, श्रीमती पारवीन देवबर्मा आदि नियुक्त किए गए तथा परिसर निदेशक के निर्देशानुसार दिनांक-01.09.2022 को हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह किया गया। जिसमें मंगलाचरण डॉ. विचित्र रंजन पण्डा जी ने किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा विश्वविद्यालय के राजभाषा के सहायक निदेशक, डॉ. मुनीन्द्र मिश्र जी थे। जिन्होंने हिन्दी को जन-सम्पर्क भाषा बताया और कहा कि 'हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनना चाहिए'। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र जी ने हिन्दी को जन-जन की भाषा कहा। अतिथियों का स्वागत हिन्दी के सहायक आचार्य डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र जी, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बलवीर सिंह जी, संचालन डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी जी ने किया।

दिनांक-06.09.2022 को ऑनलाइन माध्यम से विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो.दिनेश कुमार चौबे (हिंदी विभाग, पूर्वोत्तर पर्वतीय विश्वविद्यालय शिलांग) ने 'पूर्वोत्तर भारत में राज भाषा की स्थिति एवं चुनौतियाँ' इस विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने हिन्दी को वैज्ञानिक भाषा, जनभाषा, सम्पर्क भाषा और जनता की भाषा कहा। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसर निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने किया।

दिनांक-07.09.2022 को कार्यालयीय कर्मचारियों के लिए पत्र लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय 'राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं विज्ञापन हेतु सम्पादकीय' था। इस विषय पर प्रतिभागियों ने सोत्साह भाग लिया। जिसमें विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार राशि दी गयी। इसमें प्रथम पुरस्कार मणिका दास, द्वितीय पुरस्कार पापड़ी दास, तृतीय पुरस्कार सत्या ग्वाला ने प्राप्त किया।

दिनांक-11.09.2022 को ऑनलाइन माध्यम से समय सुबह 11:00 बजे भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय था- 'जनसम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति एवं महत्व'। इस विषय पर प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रितिक राज, द्वितीय पुरस्कार दिपाली पौड्याल, तृतीय पुरस्कार दीपंकर देवनाथ, निवेदिता आचार्जी, शाम्भवी बराल को प्रदान किया गया।

दिनांक-11.09.2022 को ऑनलाइन माध्यम से अपराह्न 02:30 बजे निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निर्धारित विषय 'वर्तमान समय में मित्रता का महत्व' पर प्रतिभागियों ने निबन्ध के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार निशा देवी, द्वितीय पुरस्कार ॠतिक राज, तृतीय पुरस्कार उदयन सरकार को प्रदान किया गया।

दिनांक-14.09.2022 को सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में हिन्दी हायर सेकेण्डरी स्कूल, अगरतला के प्रधानाचार्य श्री विपिन कुमार जी उपस्थित थे। उन्होंने हिन्दी को जनमानस की भाषा कहा और हिन्दी भाषा में लिखने वाले कई कवियों का नाम लिए। इस कार्यक्रम में मंगलाचरण डॉ. अनूप विश्वास, स्वागत उद्बोधन प्रो. प्रभात कुमार महापात्र और पूरे हिन्दी पखवाडे का प्रतिवेदन डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र ने, तथा पुरस्कार वितरण मञ्चासीन अतिथियों द्वारा किया गया, अध्यक्षीय उद्बोधन में परिसर निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने कहा कि 'हिन्दी एक ऐसी भाषा है, जो पूरे भारत वर्ष के विचारों का आदान प्रदान करती है और यह एक वैज्ञानिक भाषा है, जो पूरे भारतवर्ष को एक सूत्र में बाँधने की क्षमता रखती है'। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सम्बित महापात्र जी ने प्रस्तुत किया और शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

शिक्षकदिवस (दिनांक 05.09.2022 से 09.09.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा दिनांक 05.09.2022 से 09.09.2022 तक पञ्चदिनात्मक 'शिक्षकदिवस पर्व' मनाया गया। जिसमें पहले दिन (05.09.2022) को परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति की अध्यक्षता में 'शिक्षक-दिवस' का आचरण किया गया। उन्होने अपने अध्यक्षीय उद्‍बोधन में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् जी के जीवनचरित्र को सबके सामने प्रस्तुत किया और इस समय समाज में आचार्यों का क्या दायित्व होना चाहिए, इस विषय में भी उन्होंने सभी को मार्गदर्शित किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साहित्य विभाग के पूर्व-अध्यक्ष प्रो. सचिदानन्द तिवारी जी थे। इन्होंने ऑनलाइन माध्यम से 'मुख्यातिथि' पद को अलंकृत किया। उनके द्वारा अपने भाषण में परिसर के विकासक्रम को सबके सामने प्रस्तुत किया गया और शिक्षक दिवस के महत्व को प्रतिपादित किया गया।

इस कार्यक्रम में ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो प्रभात, कुमार महापात्र जी सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने अपने भाषण में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जीवनी, व्यक्तिगत जीवन, राजनीतिक जीवन आदि के बारे में बताया। साथ ही बौद्धदर्शन विभाग के अध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार चौबे ने सारस्वत-अतिथि के रूप में सभा की शोभा बढ़ाई। अपने भाषण में उन्होंने शिक्षक दिवस के महत्व का प्रतिपादन किया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीपप्रज्वालन, सरस्वती वन्दना एवं मंगलाचरण से हुई। शिक्षाविभाग के सहायक आचार्य डॉ. अनूप विश्वास ने अतिथि-स्वागत-भाषण किया। वेदान्त विभाग के अतिथि व्याख्याता डॉ. पलाश सान्तरा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस प्रकार सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन शिक्षा विभाग के सहायक-प्राध्यापक एवं शिक्षकपर्व के संयोजक श्री नन्ददुलाल द्वारा किया गया।

दूसरे दिन (06-09-2022) सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने परिसर में प्रोजेक्टर के माध्यम से शैक्षणिक विषय पर फिल्म 'मैडम गीतारानी' को निदेशक की उपस्थिति में देखा। इससे सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को प्रेरणा मिली। इस फिल्म के माध्यम से हमने सीखा कि एक शिक्षक कैसे समाज को बदल सकता है। विद्यार्थियों ने सीखा कि शिक्षकों पर श्रद्धा व विश्वास रखने से ही सर्वविध उन्नति संभव है।

कार्यक्रम के तीसरे दिन (07.09.2022) को 'परस्पर गुणानुकीर्तनम्' कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस विशिष्ट कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक ने एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा निदेशक महोदय की अध्यक्षता में की। लॉटरी के माध्यम से किसी एक आचार्य के नाम का चयन करके दूसरे आचार्य ने उनके गुणों की प्रशंसा की। इस प्रकार सभी आचार्यों ने एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा की। अंत में अध्यक्षीय भाषण से 'परस्पर गुणकीर्तनम्' नामक कार्यक्रम संपन्न हुआ।

चौथे दिन दिनांक-08.09.2022 को 'छात्रवत्सलगुरु:' इस विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस विषय पर कैम्पस के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों की कुल संख्या (14) चौदह थी। प्रथम पुरस्कार शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्र पिंकुकलिता को, द्वितीय पुरस्कार धरणी शर्मा को और तृतीय पुरस्कार देवस्मिता पाडी को मिला।

दिनांक-09.09.2022 को शिक्षकदिवस के समापन कार्यक्रम पर स्थानीय शिक्षकों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय विद्यालय 'बोधजंग हाई स्कूल', अगरतला के पीजीटी संस्कृत शिक्षिका श्रीमती देवी साह मुख्य अतिथि पद को और परिसर के निदेशक प्रोफेसर सुकांत कुमार सेनापति अध्यक्ष पद को सुशोभित किये। परिसर के निदेशक जी ने अतिथियों को उत्तरीय, श्रीफल, पुष्प एवं स्मृति चिह्न से सम्मानित किया। इस प्रकार अध्यक्षीय भाषण में उपनिषद्-प्रसंगों के दृष्टांत के माध्यम से सभी को अतिथियों का आतिथ्य-सत्कार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपने मुख्य अतिथि भाषण में पीजीटी संस्कृत शिक्षिका श्रीमती देवी साह ने संस्कृत को बढ़ावा देने पर जोर दिया तथा उन्होंने विश्वविद्यालय, परिसर को इस आतिथ्य के लिये धन्यवाद दिया। मुख्य अतिथि भाषण के बाद अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि की उपस्थिति में प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किये गये।

इस कार्यक्रम में साहित्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. जितेन्द्र तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया, 'शिक्षक-दिवस' का प्रतिवेदन शिक्षाशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नंददुलाल मंडल ने प्रस्तुत किया। धर्मशास्त्र विभाग की आचार्या डॉ. इतिश्री महापात्र ने धन्यवाद ज्ञापित किया। शिक्षक महोत्सव के समापन सत्र का संचालन ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. यज्ञदत्त शर्मा ने किया।

स्वच्छता अभियान (19.10.2022)

भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना शाखा के मुख्यालय के निर्देशानुसार दिनांक-19.10.2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर के एन्.एस्.एस्. विभाग ने परिसर और स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता पर एक व्यापक अभियान चलाया गया तथा स्वच्छता के महत्व के विषय में एक व्याख्यान भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिपाई पारा गांव की सरपंच श्रीमती सुखिनी देववर्मा जी ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा उन्होंने स्वच्छता की आवश्यकता के बारे में सभी को अवगत कराया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति जी ने की। उन्होंने छात्रों को स्वच्छता के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे से भी अवगत कराया तथा प्लास्टिक का उपयोग ना करने का अनुरोध किया। तथा उन्होंने एन्.एस्.एस्. के कार्य को प्रोत्साहित किया।

उसी दिन सायं चार बजे एकलव्य परिसर के एन्.एस्. एस्. स्वयंसेवकों ने परिसर की सफाई में भाग लिया। तथा एकलव्य परिसर से सिपाई पाड़ा ग्राम तक रास्ते की सफाई की तथा रस्तों में पडा प्लास्टिक एकत्र किया। बौद्ध दर्शन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. उत्तम सिंह ने स्वागत भाषण दिया तथा ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक का संचालन परिसर के एन्.एस्.एस्. समन्वयक डॉ. नन्ददुलाल मंडल ने किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस (27.10.2022-31.10.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में राष्ट्रिय सेवा योजना इकाई की ओर से सरदार वल्लभाई पटेल जी के जन्म जयन्ती (राष्ट्रीय एकता दिवस) पर दिनांक-27. 10.2022 से 31.10.2022 तक परिपालित किया गया। इस कार्यक्रम में दिनांक- 27.10.2022 को परिसर के प्राध्यापकों तथा राष्ट्रिय सेवा योजना के कार्यकर्ताओं ने सोत्साह भाग ग्रहणकर परिसर की स्वच्छता की तथा इसमें कुल 47 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

दिनांक-28.10.2022 को प्रातः 11:00 बजे एकता मैराथन का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने परिसर प्रांगण से पुलिस स्टेशन तक दौड लगायी। जिसमें लगभग 30 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष के रूप में परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी तथा मुख्यातिथि के रूप में लेम्बुछरा Police Station के मुख्याधिकारी श्री काजल देवनाथ जी थे। मुख्याधिकारी श्री काजल देवनाथ ने सभी प्रातिभागियों को प्रोत्साहित किया।

उसी दिन दिनांक-28.10.2022 को सायं 03:00 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों की प्रतिभा प्रदर्शन हेतु 'राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार पटेल जी का योगदान' इस विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में बौद्धदर्शन विभाग के सहायकाचार्य डॉ. उत्तम सिंह जी, धर्मशास्त्र विभाग की सहायकाचार्या डॉ. इतिश्री महापात्र जी एवं साहित्य विभाग के सहायकाचार्य डॉ. जितेन्द्र तिवारी जी थे। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया।

दिनांक-29.10.2022 को 'आधुनिक भारत में सरदार पटेल जी का योगदान' इति विषय में निबन्धलेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें छात्रों ने सानन्द भाग ग्रहण किया।

राष्ट्रीय एकता समारोह का समापन कार्यक्रम दिनांक-31. 10.2022 आयोजित किया गया जिसमें एक विशिष्ट व्याख्यान रखा गया था। जहां सभाध्यक्ष के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी उपस्थित थे। उन्होने अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्र की एकता में सरदार पटेल जी का योगदान विषय पर छात्रों को सम्बोधित किया। मुख्यातिथि के रूप में त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयोजक डॉ. राजेश चटर्जी जी थे, उन्होने अपने भाषण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में नवयुवकों का दायित्व विषय के बारे में अभिप्रेरित किया तथा सरदार पटेल जी की सेवा भावना के स्वरूप का प्रतिपादन किया। उक्त कार्यक्रम में मुख्यवक्ता के रूप में केन्द्रीय विद्यालय संगठन, एन.आई.टी., अगरतला के प्राचार्य श्री सन्दीप कुमार जी उपस्थित थे। उन्होंने राष्ट्र की एकता के लिये भिन्न-भिन्न स्वतन्त्र राज्यों को भारत में विलय कैसे हुआ इस विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया, जिससे सभी विद्यार्थी अत्यन्त लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम में कुल 170 प्रतिभागियों ने भाग ग्रहण किए।

सम्पूर्ण कार्यक्रम का सञ्चालन एकलव्य परिसर के सहायकाचार्य डॉ. नन्ददुलाल मण्डल जी व समन्वयक ज्योतिषविभाग के सहायकाचार्य व संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा एवं सह-संयोजक वेदान्त विभाग के सहायकाचार्य डॉ. पलाश सांतरा के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

सतर्कता-जागरूकता-सप्ताहकार्यक्रम (03.11.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला द्वारा दिनांक- 03.11.2022 गुरुवार को परिसर निदेशक प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति जी की अध्यक्ष्यता में विशिष्ट व्यख्यान कार्यक्रम अनुष्ठित हुआ। इस कार्यक्रम में त्रिपुरा राज्य के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सौरभत्रिपाठी जी ने मुख्यतिथि के रूपमें उपस्थित होकर सभा को सम्बोधित किया। प्रो. सुकान्तकुमार सेनापति जी ने आध्यक्षीय भाषण के द्वारा सभी को मार्गदर्शन प्रादान किया। बोद्धदर्शन के विभागाध्यक्ष प्रो. अवधेशकुमार चौबेजी ने स्वागत भाषण तथा कार्यक्रम के अन्त में शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बि. पद्ममित्रश्रीनिवास जी ने आगन्तुक अतिथिओं का धन्यवाद ज्ञापन किया। सभा का सञ्चालन आधुनिक विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुमन आचार्यजी ने किया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापक, छात्र एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्ण योगदान दिया।

दिनांक- 07.11.2022 को सतर्कता-जागरुकता-सप्ताह के अन्तर्गत परिसर के सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्रों ने सतर्कता की प्रतिज्ञा ली।

दस दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम
(07.11.2022 से 18.11.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के विद्यार्थियों के हेतु दिनांक-07-11-2022 से 18-11-2022 तक दस दिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्घाटन दिनांक 07-11-2022 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के मुख्यालय में माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय जी द्वारा किया गया। तदुपरान्त एकलव्य परिसर में छात्रों के लिए प्रतिदिन योगाभ्यास कार्यक्रम सुबह 07:00 बजे डॉ. राजीव घोष और डॉ. पलाश संतरा के मार्गदर्शन में शुरू किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक ज्योतिष शाखा के प्रमुख प्रो प्रभात कुमार महापात्र थे।

दिनांक-10-11-2022 को अपराह्न 03:00 बजे एकलव्य परिसर स्थित बहुउद्देश्यीय सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहां परिसर के विद्यार्थियों द्वारा मंगल अनुष्ठान किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण ज्योतिष विद्या शाखा के प्राध्यापक श्री रजत गौतम छेत्री ने किया। प्रास्ताविक भाषण ज्योतिर्विद्याशाखा के प्रमुख प्रो. प्रभात कुमार महापात्रा ने दिया। 'नगर परिचय' डॉ. वीणापाणि चन्दा द्वारा किया गया। 'कैम्पस परिचय' बौद्धदर्शन विद्याशाखा के प्रमुख प्रो. अवधेश कुमार चौबे जी द्वारा किया गया। कुलगीत का परिचय ज्योतिर्विद्याशाखा के संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी द्वारा तथा धन्यवाद श्री बलवीर सिंह द्वारा व्यक्त किया गया। मंच संचालन डॉ. यज्ञदत्त ने किया। अन्त में शांति मंत्र के साथ सभा सम्पन्न हुई।

दिनांक-11.11.2022 को अपराह्न 03:00 बजे परिसर में विद्यमान 'विभागों एवं विधाओं का परिचय' विषय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां परिसर के विद्यार्थियों द्वारा मंगलाचरण किया गया। तथा स्वागत भाषण डॉ. उत्तम सिंह द्वारा किया गया। आधुनिक विभाग का परिचय हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र ने दिया। डॉ. श्रीकर जी.एन ने अद्वैत वेदांत विभाग का, बौद्ध दर्शन का परिचय प्रो.अवधेश कुमार चौबे ने, डॉ. गणेश्वरनाथ झा ने व्याकरण विभाग का, साहित्य विभाग का डॉ. पवन कुमार ने, धर्मशास्त्र का डॉ. मनोज कुमार साहू ने, डॉ. पद्ममित्र श्रीनिवास ने परिचय दिया। प्रो. प्रभात कुमार महापात्र ने ज्योतिष शास्त्र विभाग का परिचय दिया तथा सभी का कृतज्ञता ज्ञापन डॉ. बलवीर सिंह ने किया। मंच संचालन डॉ. श्री यज्ञदत्त ने किया था। अन्त में शांति मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ।

दिनांक-14.11.2022 को सायं 03:00 बजे परिसरीय छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिसमें स्वागत भाषण डॉ. श्री अनूप विश्वास द्वारा किया गया। डॉ. शिवराम कृष्ण सिंह ने परिसर में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का परिचय कराया। 'सम्भाषण संस्कृत-कार्यशाला' इस विषय पर डॉ. श्री बलवीर सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. सुमन आचार्य ने 'सरल अंग्रेजी कार्यशाला' विषय पर व्याख्या दिया। श्रीमती पारवीन देववर्मा ने 'डिजिटल इण्डिया' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। कृतज्ञता ज्ञापन डॉ. सौम्य ज्योति साहा जी ने किया तथा मंच संचालन श्री रजत गौतम छेत्री ने किया। अन्त में शांति मंत्र के साथ सभा संपन्न हुई।

दिनांक-15.11.2022 को अपराह्न 03:00 बजे परिसर के छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिसमें स्वागत भाषण डॉ. जितेन्द्र तिवारी द्वारा किया गया। इस दिन परिसर के निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति जी ने Lecture on carrier in Sanskrit इस विषय पर छात्रों का मार्गदर्शन किया। Information of NSS के विषय में डॉ. नंददुलाल मंडल ने परिचय कराया। Lecture on Importance of Library इस विषय पर श्रीमती पापड़ी दास ने अपने विचार व्यक्त किये। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रकाश चन्द्र यादव ने दिया। मंच का संचालन डॉ. बलवीर सिंह ने किया तथा अन्त में शांति मंत्र के साथ सभा संपन्न हुयी।

दिनांक-16.11.2022 को परिसरीय छात्र-छात्राओं द्वारा अपराह्न 03:00 बजे कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिसमें स्वागत भाषण डॉ. मञ्जु ठेमदेव चन्ने के द्वारा किया गया। 'Special Lecture on Wikipedia' इस विषय पर विशेष व्याख्यान श्री दीपज्योति भौमिक द्वारा दिया गया। 'Lecture on creativeArt and Culture' पर डॉ. पलाश सांतरा ने अपने विचार प्रस्तुत किये। 'स्वच्छता एवं संस्कृति' इस संबंध में डॉ. इतिश्री महापात्रा ने अपना उद्‌बोधन दिया। डॉ. नंददुलाल मंडल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा मंच संचालन डॉ. यज्ञदत्त ने किया था। शांति मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ।

दिनांक-17.11.2022 को कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंगलाचरण डॉ. प्रकाश चन्द्र यादव ने किया। स्वागत भाषण डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र जी द्वारा किया गया। डॉ. राजीव घोष ने परिसर में पाठ्येतर गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। योग का परिचय डॉ. पलाश संतरा ने दिया। धन्यवाद भाषण डॉ. बलवीर सिंह एवं मंच संचालन श्री रजत गौतम छेत्री ने किया। अन्त में शांतिमंत्र के साथ सभा संपन्न हुई।

'दसदिवसीय दीक्षारम्भ कार्यक्रम' का समापन दिनांक-18.11.2022 को अपराह्न 03:00 बजे आयोजित किया गया। उसमें डॉ. जितेंद्र तिवारी ने मंगलाचरण किया। डॉ. बलवीर ने स्वागत भाषण दिया। तथा 'अपनी विचारधारा को जानें' इस विषय पर विशेष व्याख्यान डॉ. पद्ममित्र श्रीनिवास द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ. विचित्ररंजन पण्डा ने नवीन पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के परिचय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. पलाश संतारा ने 'ललित कला एवं व्यक्तित्व विकास' पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि के रूप में मत्स्यकीय महाविद्यालय के सहाचार्य डॉ. अनिल दत्त उपाध्याय जी उपस्थित थे। उन्होने अपने विचार छात्रों के साथ सांझा किये उनके भाषण से सभी अत्यन्त लाभान्वित हुए। अध्यक्षीय भाषण प्रो. प्रभात कुमार महापात्रा जी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन श्री रजत गौतम छेत्री ने तथा मंच संचालन डॉ. श्री यज्ञदत्त शर्मा द्वारा किया गया। सभा का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

सप्तदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

(14.11.2022 से 20.11.2022)

एकलव्य परिसर में शिक्षक विकास कौशल केंद्र द्वारा Moocs & E-learning विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला दिनांक- 14.11.2022 से 20.11.2022 तक आयोजित की गई, इस कार्यशाला में 27 प्राध्यापकों ने भाग लिया। तथा कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रारंभ के दो दिन विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. गोपीकृष्णन रेघु, सहायक आचार्य, रामकृष्ण मिशन, विवेकानन्द शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, वेलूरमठ ने सभी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया। दिनांक-16.11.2022 तथा17.11.2022 को डॉ.मंथा श्रीनिवासु, परियोजना अधिकारी, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने 'पाठ्यक्रम विकास में कंप्यूटर का उपयोग' विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में 18.11.2022 को आई.टी, त्रिपुरा सेंट्रल यूनिवर्सिटी के विभागाध्यक्ष स्वनिभर मजूमदार ने सभी प्रशिक्षकों को Moocs के सन्दर्भ में प्रशिक्षित किया। दिनांक-19.11.2022 कोश्री अभिजीत देवनाथ तकनीक और अनुसंधान सहायक, नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी ने बेसिक ऑफ कंप्यूटर, एमएस ऑफिस और बेसिक प्रोग्रामिंग लैंग्वेज पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला के अंतिम दिन दिनांक-20.11.2022 को श्री संदीप कुमार, प्राचार्य, के.वी.एस., एन.आई.टी, अगरतला ने सभी को वेव डिजाइनिंग विषय पर प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का समापन दिनांक-20.11.2022 को सायं 4:00 बजे आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. एस.के. सेनापति जी ने की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि परिसर हमेशा शिक्षकों के विकास के लिए ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन के लिए समर्पित रहा है और आगे भी रहेगा ऐसी मेरी आशा है। इस सप्त दिवसीय कार्यशाला के समन्वयक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र, विभागाध्यक्ष, ज्योतिष शाखा, संयोजक डॉ. सुमन आचार्जी, सहायक आचार्य, अंग्रेजी, तथा सह-संयोजक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा, सहायक आचार्य, ज्योतिष शाखा थे।

जनजातीय गौरव-दिवस (15.11.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में दिनांक-15.11.2022 को जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमालपुर राजकीय महाविद्यालय की सहायकाचार्या डॉ. अष्टमिका सिन्हा जी थीं। मुख्य वक्ता के रूप में गंडाचारा कॉलेज सहायक आचार्य डॉ. निर्मल्य कर्माकर जी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. निर्मल्य कर्माकर ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर 'विरसामुंडा' के जीवन का परिचय, तथा आदि से लेकर अंत तक के कष्टमय जीवन पर अपने विचार प्रस्तुत किये। मुख्य अतिथि डॉ. अष्टमिका ने भी आदिवासी दिवस पर विद्यार्थियों से अपने विचार साझा किये। अपने अध्यक्षीय भाषण में परिसर निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति जी ने भी आदिवासी सम्बन्धों पर अपने अमूल्य विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की संयोजिका संगणक विभाग की अध्यापिका श्रीमती पारभिनदेव वर्मा ने भी आदिवासी मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त किये। इसी प्रकार परिसर के विद्यार्थियों ने भी जनजातीय गौरव दिवस पर अपने विचार प्रस्तुत किये। उनमें शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र प्रकाश, उदयन सरकार आदि थे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. प्रभात कुमार महापात्र भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. बलवीर सिंह ने किया। साहित्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. जितेंद्र तिवारी ने अतिथियों का स्वागत तथा श्री रजत गौतम छेत्री ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

गीताजयन्तीमहोत्सव

(दिनांक- 27 नवम्बर से 03 दिसम्बर तक)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के द्वारा गीताजयन्ती के उपलक्ष्य में दिनांक-27 नवम्बर से 03 दिसम्बर 2022 तक सप्तदिवसात्मिका गीताजयन्ती महोत्सव का आयोजन किया गया। दिनांक-27 नवम्बर 2022 को प्रातः 10:30 बजे परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी के कर कमलों से श्रीकृष्णार्चन के द्वारा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। तदनन्तर परिसरीय अध्यापकों तथा छात्रों ने मिलकर श्रीमद्भगवद्गीता के प्रथम-द्वितीय व तृतीय अध्यायों का पारायण किया। महोत्सव के द्वितीय दिन परिसरीय अध्यापकों व छात्रों ने मिलकर चतुर्थ से षष्ठ अध्याय तक पारायण किया। इस प्रकार तीसरे दिन भी परिसरीय अध्यापकों और छात्रों ने मिलकर श्रीमद्भगवद्गीता के सप्तम से नवम अध्याय तक पारायण किया। कार्यक्रम के चौथे दिन दशमाध्याय से द्वादशाध्याय तक, पांचवें दिन त्रयोदश से पञ्चदश अध्याय तक एवं छठवें दिन सोलहवें और सत्रहवें अध्याय कापारायण हुआ। कार्यक्रम के समापन दिवस में श्रीमद्भगवद्गीता के अठारहवें अध्याय का पारायण हुआ। तत्पश्चात् कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रो. प्रभात कुमार महापात्र जी ने सभी को उद्बोधित किया उन्होने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता हमें कर्तव्य निर्देश करती है अतः सभी को प्रतिदिन गीतापारायण करना चाहिए। अन्त में ज्योतिषविभाग के प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. जितेन्द्र तिवारी जी ने किया।

स्थानान्तरण

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के अनुभाग अधिकारी श्री सुरेंद्र कुमार महापात्रा जी को श्री सदाशिव परिसर, उडीसा में स्थानांतरित कर दिया गया। जिनका सौप्रस्थानिक कार्यक्रम दिनांक-01.12.2022 को परिसर के शैक्षणिक भवन में संपन्न हुआ। इसके बाद डॉ. मनोज श्रीमाल जो ज्योतिष विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यरत थे, को हिमाचल प्रदेश स्थित वेदव्यास परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। इसी प्रकार व्याकरण विभाग के अतिथि प्राध्यापक डॉ. प्रकाश चंद यादव को श्रीरणवीर परिसर, जम्मू में स्थानांतरित कर दिया गया।

संस्कृत संभाषण वर्ग (3.12.2022 से 20.01.2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक-13.12.2022 से 20.01.2023 तक अपराह्न 3:00 से 4:30 बजे तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए संस्कृत संभाषण वर्ग का आयोजन किया गया। कक्षा का संचालन विभागीय प्राध्यापक डॉ. बी.वी. लक्ष्मीनारायण एवं डॉ. विचित्ररंजन पण्डा ने किया। इस सम्भाषण कक्षा में शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के शैक्षणिक (55 छात्रों) ने भाग लिया।

दिनांक-20.01.2023 को इस संस्कृत संभाषण वर्ग का समापन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति थे। शिक्षाशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.बी. पद्ममित्र श्रीनिवास एवं विभाग के अन्य सभी प्राध्यापक उपस्थित थे। इस समापन सामारोह कार्यक्रम में छात्रों ने सरल

संस्कृत भाषा में अपना कक्षा अनुभव, संस्कृत गीत तथा सरल संस्कृत में लघु नाटक आदि का प्रदर्शन किया।

पूर्वोत्तर-राज्यस्तरीय-शास्त्रीय प्रतियोगिता

(8-9 दिसम्बर 2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के त्रिपुरा राज्य में स्थित एकलव्य परिसर में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन दिसम्बर मास के 8 एवं 9 दिनांक को किया गया। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि कोलकाता विश्वविद्यालय के साहित्य विभाग के वरिष्ठ आचार्य प्रो. रवीन्द्रभट्टाचार्य जी एवं मुख्य अतिथि श्रीजगन्नाथ विश्वविद्यालय के व्याकरण विभाग के सहाचार्य डॉ. प्रियव्रत मिश्र जी थे तथा कार्यक्रम में अध्यक्ष पद को एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने सुशोभित किया। दिनांक-09. 12.2022 को समापन समारोह कार्यक्रम में इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलसचिव ए.रंगराजन् जी ने मुख्य अतिथि के रूप में पधार कर मंच को सुशोभित किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि विवेकानन्द विश्वविद्यालय के आचार्य डॉ. राकेश दास जी थे। सारस्वत अतिथि पद को डॉ. देवराज पाणिग्राही जी तथा डॉ. दिव्या मिश्रा जी ने सुशोभित किया। इस राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों पर 21 प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया जो निर्विघ्न पूर्वक सम्पन्न हुई। उक्त कार्यक्रम में असम, मणिपुर, त्रिपुरा, नागालैण्ड आदि पांच राज्यों से छात्रों ने प्रतिभाग किया।

भारतीय भाषा उत्सव -2022

(दिनांक-11.12.2022 से 12.12.2022 तक)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पत्रांक संख्या D.O.No. F. 1-11/2022 (Bharatiya Bhasa Diwas) दिनांक-02. 12.2022 तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पत्रांक संख्या-08-1/CSU/Acd/DSE/2022/721 दिनांक-06.12. 2022 के आदेशानुसार एकलव्य परिसर, अगरतला ने राजभाषा दिवस के अवसर पर दिनांक-11.12.2022 को दोपहर 02:00 बजे ऑनलाइन माध्यम से 'राजभाषा दिवस समारोह' का आयोजन किया। जिसमें 'तमिल साहित्य में सुब्रमण्यम भारती का योगदान' इस विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्यवक्ता के रूप में रंगलक्ष्मी आदर्श महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के आचार्य डॉ. राजेश कुमार शुक्ल जी उपस्थित रहे। उन्होंने तमिल साहित्य में निहित सांस्कृतिक तत्वों तथा सुब्रमण्यम भारती जी के योगदान पर सरल भाषा में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन प्रोफेसर श्री सुकांत कुमार सेनापति के अध्यक्षीय उद्बोधन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम-संयोजक ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. श्री प्रभात कुमार महापात्र द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र ने किया। कार्यक्रम का संचालन ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा ने किया। इस विशिष्ट व्याख्यान में 65 श्रोतागण उपस्थित रहे।

दिनांक-12.12.22 को सुबह 11:00 बजे एकलब्य परिसर में छात्रों के लिये नाटक, कविता, गायन, वाद-विवाद, समूहनृत्य, एवं प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर के सभी छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण किया। प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार भी वितरित किये गये। दिनांक-12.12.2022 को अपराह्न 4:00 बजे सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया जिसमे मंच व्यवस्था तथा संचालन परिसर के छात्र एवं छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। अर्थात मंच संचालन परिसर के छात्र एवं छात्रा विक्रम विश्वास तथा ओमि सोलङ्की, मंगलाचरण संजना राय एवं धन्यवाद ज्ञापन दीपंकर देवनाथ ने प्रस्तुत किया। परिसर निदेशक प्रो.सुकान्त कुमार सेनापति जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा भाषा के महत्व पर अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए, अन्त में राष्ट्रगान के द्वारा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

(19वां क्षेत्रीयरूपकमहोत्सव)

(16.12.2022 से 18.12.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 19वें क्षेत्रीय रूपक महोत्सव स्पर्धा का आयोजन चार स्थानों में हुआ। पूर्वोत्तर राज्यों के प्रतिभागियों के लिये स्पर्धा का आयोजन 16.12. 2022 से 18.12.2022तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पुरीस्थ श्रीसदाशिव परिसर में किया गया। इस रूपक महोत्सव स्पर्धा में अगरतलास्थित एकलव्य परिसर के कुशीलव छात्र-छात्राओं ने श्रीलक्ष्मणमाणिक्यदेव विरचित वीररसप्रधान 'विख्यातविजयम्' नाटक की प्रस्तुती कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

श्रीगुरुसपर्याकार्यक्रम (29.12.2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में परिसर निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति जी के मार्गदर्शन में यडतोरे श्री योगानंदेश्वर सरस्वती पीठ के प्रमुख

परमपूज्य श्री श्री शंकर भारती महास्वामी की दिव्य उपस्थिति में श्री गुरु सपर्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दिनांक–29.12.2022 को प्रातः 11:00 बजे परम पूज्य श्री श्री शंकर भारती महास्वामीजी ने परिसर में पधार कर सभी को अपना आशीर्वाद दिया। महास्वामी जी ने अपने उद्‌बोधन में विशेष रूप से शंकराचार्य जी द्वारा रचित स्तोत्रों के महत्व को समझाया। उन्होने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि स्तोत्र की रचना आम लोगों के लिए की गई थी, विद्वानों के लिए नहीं। लेकिन शंकराचार्य जी ने सभी के लिए स्तोत्र गाये हैं जिनमें भगवान शिव, भगवान विष्णु और अन्य देवताओं और शिक्षकों के बारे में स्तोत्र की रचना की है। संस्कृत साहित्य में स्तोत्र का महत्व सर्वत्र देखा जाता है। वेदों में ऋग्वेद एक ऋचा के रूप में है। पुराणों और महाभारत तथा अन्य ग्रंथों के स्तोत्रों की एक विशिष्ट विशेषता है। सभी धार्मिक अनुष्ठानों में स्तोत्र का पाठ अवश्य करना चाहिए। स्तोत्र पाठ के अनेक प्रयोजन हैं। स्तोत्र पाठ से परमात्मा शीघ्र प्रसन्न होते हैं, तथा हम परमात्मा के सार को जान सकते हैं। साथ ही मन भी शुद्ध हो जाता है। शंकर आचार्य के स्तोत्रों की खासियत यह है कि वे शाश्वत फलों के लिए नहीं, बल्कि संसार के त्याग जैसे फलों के लिए प्रार्थना करते हैं। इस प्रकारमहास्वामी जी ने कई शंकर भजनों का उदाहरण देते हुए व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम के दौरान परिसर की ओर से श्री चरणों में फल अर्पित किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत में परिसर के ज्योतिष विभाग के सहायक आचार्य डॉ.यज्ञदत्त जी ने मंगलाचरण किया। परिसर निदेशक प्रो. सुकांत कुमार सेनापति जी ने सभी का स्वागत किया। वेदांत विभाग के सहायक आचार्य व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. श्रीकरजी.एन. ने सभा का संचालन किया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी संकायों के प्राध्यापक, छात्र, कर्मचारी और अन्य स्रोतागण उपस्थित रहे।

विभागीय उपलब्धियां

1. ज्योतिष विभागीय छात्रोपलब्धि–

ज्योतिष विभाग की छात्रा सुश्री पूजाराय ने 08–09 दिसंबर को एकलव्य परिसर में आयोजित पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय शास्त्रीय ज्योतिष भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के लिए चुनी गईं। प्रतियोगिता में शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा संजनाराय ने द्वितीय तथा आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा टुशि दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

2. बौद्धदर्शन विभागीय छात्रोपलब्धि

बौद्ध दर्शन विभाग की छात्रा सुमित्रा सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय जैन बौद्ध दर्शन भाषण और शास्त्रीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता के लिए चुनी गईं।

3. शिक्षकोपलब्धि– बौद्ध दर्शन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. प्रदीप कुमार द्विवेदी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी से आचार्यद्वितीय वर्ष में पाली विषय से सर्वाधिक अंकप्राप्त कर आचार्य की उपाधि हेतु स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

4. साहित्य विभागीय छात्रोपलब्धि–दिसम्बर माह में एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता में साहित्य विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें निम्नलिखित छात्रों को पुरस्कार प्राप्त हुए–

साहित्यिक भाषण में ओमी सुलंकी प्रथम स्थान।

भारतीय विज्ञान भाषण में हृषिकेश बर्मन को तृतीय स्थान।

'सुभाषितकण्ठपाठ' में पाउजोवांगवे ङामे को द्वितीय स्थान।

रंजन भट्टाराई काव्यपाठ में द्वितीय स्थान पर रहे। तथा निवेदिता आचार्जी ने काव्यपाठ कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

4. धर्मशास्त्र विभागीय छात्रोपलब्धि

1. शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा तृषिता शर्मा ने 08–09 दिसंबर को एकलव्य परिसर में आयोजित पूर्वोत्तर राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता में धर्मशास्त्र भाषण में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता के लिए चुनी गईं। प्रतियोगिता में आचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा तृष्णा देवनाथ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रतीक्षा सरकार ने वेदभाष्य उच्चारण में प्रथम स्थान और शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा प्रिया नाथ ने भगवद्‌गीतापाठ करने में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुई। शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा देवांजना नाथ ने धातुरूप कंठपाठ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

2. आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा प्रतीक्षा सरकार को 16 दिसंबर 2022 को पुरी के श्रीसदाशिव परिसर में आयोजित क्षेत्रीय रूपक महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया।

3. विद्यावरिधिछात्र विकास सरकार को 19.12.2022 को धर्मशास्त्रविभाग में सहायक आचार्य (अतिथि) के रूप में नव नियुक्त किया गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी 2022)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा में 24 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक आचार्य सुकांत कुमार सेनापति जी के कर कमलों द्वारा शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीडा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाली सभी छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एकलव्य परिसर द्वारा निर्मित 'बालिका बचाओ, बालिका पढाओ' नामक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के माननीय निदेशक ने कहा कि 'बालिकाओं को बचाना और उनको पढाना' हमारा कर्तव्य है, आगे उन्होने कहा कि वे लक्ष्मी स्वरूपा और शक्ति के स्वरूपा हैं। इसीलिए नवरात्रि में कन्याओं को भोजन कराने की परम्परा हमारे देश मे है। कन्या के बिना घर की शोभा नहीं होती।

इस अवसर पर परिसर में कार्यरत सभी महिला प्राध्यापिकाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मंजु ठेमदेव चन्ने ने किया। तथा सह-संयोजन दर्शनशास्त्र शाखा के प्राध्यापक डॉ. पलाश सान्तरा द्वारा किया गया।

खास बात यह है कि पूरा कार्यक्रम परिसर के छात्र-छात्राओं द्वारा सुचारू रूप से संचालित किया गया।

19वीं अखिल भारतीय रूपक महोत्सव प्रतियोगिता (2-4 फरवरी 2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की 19वीं अखिल भारतीय रूपक महोत्सव प्रतियोगिता 2, 3 और 4 फरवरी 2023 को पुरी परिसर में आयोजित की गई थी। इस अखिल भारतीय रूपक महोत्सव प्रतियोगिता में, एकलव्य परिसर, अगरतला के प्रतिभावान छात्रों ने श्री लक्ष्मण माणिक्यदेव द्वारा विरचित वीरतापूर्ण नाटक 'विख्यात विजयम्' प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में भगवान श्रीकृष्ण का किरदार निभाने वाले छात्र जीतेंद्र कुमार ने प्रथम स्थान हासिल किया। इसी तरह अर्जुन का किरदार निभाने वाली प्रतीक्षा सरकार दूसरा और कर्ण का किरदार निभाने वाले बिराट राय चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल किया।

युवा-महोत्सव-2022-2023

(15.02.2023 से 17.02.2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 12वें तीन दिवसीय युवा-महोत्सव का आयोजन करने हेतु पुरी में स्थित श्री सदाशिव परिसर को चिन्हित किया था। जहां पूर्वी प्रान्तों के विभिन्न राज्यों से आए हुये विभिन्न परिसरों के विद्यार्थियों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। यह आयोजन 15.02. 2023 से 17.02.2023 तक चला जिसमें हमारे एकलव्य परिसर के छात्रों ने भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग लिया और कई पुरस्कार जीते। एकलव्य परिसर से मार्गदर्शक के रूप में छात्रों के साथ तीन प्राध्यापक गये हुये थे जिनमें -

डॉ. राजीव घोष (अतिथि व्याख्याता)

श्री रजत गौतम छेत्री (अतिथि शिक्षक)

डॉ. दर्शन राय (सहायकाचार्या, संविदा)

युवा-महोत्सव में आयोजित प्रतियोगिताओं में छात्रों द्वारा जीते गए पुरस्कारों का विवरणनिम्नलिखित है-

खो खो- प्रथम स्थान (लड़कियां)

युगल बैडमिंटन टूर्नामेंट - दूसरा स्थान (लड़कियां)

बैडमिंटन प्रतियोगिता - दूसरा स्थान (एकल लड़की)

युगल बैडमिंटन टूर्नामेंट - दूसरा स्थान (केवल लड़कों के लिए)

बैडमिंटन टूर्नामेंट - प्रथम स्थान (केवल लड़कों के लिए)

वॉलीबॉल प्रतियोगिता - दूसरा स्थान (लड़के)

चेस प्रतियोगिता -

प्रथम स्थान (केवल एक लड़कियों के लिए)

दौड प्रतियोगिता -

100 मीटर- दूसरा स्थान (केवल एक बच्चे के लिए)

200 मीटर- दूसरा स्थान (केवल एक बच्चे के लिए)

400 मीटर- दूसरा स्थान (केवल एक बच्चे के लिए)

कुश्ती प्रतियोगिता -

51 कि.ग्रा- प्रथम स्थान (एक बच्चे के लिए)

55 कि.ग्रा- प्रथम स्थान

60 कि.ग्रा- प्रथम स्थान

70 कि.ग्रा- तीसरा स्थान

योग प्रतियोगिताएं-

दूसरा स्थान (एक बच्चे के लिए)

दूसरा स्थान (एक लड़की के लिए)

सांस्कृतिक प्रतियोगिताएँ -

समाचार लेखन - दूसरा स्थान (बालिका वर्ग)

अंग्रेजी अनुवाद - दूसरा स्थान (बालक वर्ग)

एकल संगीत - दूसरा स्थान (बालक वर्ग)

समूह गान - दूसरा स्थान

समूह नृत्य - दूसरा स्थान

अन्तर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह समारोह (01.03.2023 से 08.03.2023)

पूर्वोत्तर राज्य में स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर में 1-8 मार्च 2023 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती स्वप्ना शोम, प्राचार्य, भारतीय विद्या भवन, अगरतला उपस्थित रहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं को कड़ी मेहनत करनी चाहिए और अपना विकास करना चाहिए। इसी क्रम में संगीत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. मनिका दास ने शिक्षा के महत्व पर जोर देकर बालिकाओं को अच्छी शिक्षा लेने के लिये प्रेरित किया। अगरतला के सिपाईपारा ग्रामसभा में सामाजिक कार्य करके अपनी पहचान बनाने वाली सामाजिक कार्यकर्त्री श्रीमती सागरिका देबबर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसी तरह श्रीमती चित्रा सरकार, सचिव, भारत विकास परिषद्, अगरतला को भी इस मौके पर सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में उदाहरण देकर बताया कि श्रीमद्भगवद्गीता किस प्रकार हमारे लिए मार्गदर्शक है और सुझाव दिया कि हमें इसका अध्ययन अवश्य करना चाहिए। स्थानीय न्यायाधीश माननीय पुष्पिता चक्रवर्ती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। उन्होंने संक्षेप में महिला न्याय प्रणाली का परिचय दिया तथा सभी को अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहने के लिये प्रेरित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एकलव्य परिसर के निदेशक आचार्य सुकांत कुमार सेनापति ने की तथा उन्होंने सभी आगंतुक महानुभावों का अभिवादन किया। इस अवसर पर न केवल परिसर की प्राध्यापिकाओं व कर्मचारियों को बल्कि अन्य आगन्तुक महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह समारोह के अवसर पर परिसर में 'भारतीय परिवार व्यवस्था में महिलाओं का योगदान' इस विषय पर 'भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। तथा विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर सरस्वती पूजन से हुआ। अतिथियों का परिचय साहित्य विभाग की प्राध्यापिका डॉ. मन्जु ठेमदेव चन्ने ने कराया तथा कार्यक्रम का संचालन परिसर की छात्रा दीपश्री नाथ ने एवं धन्यवाद ज्ञापन शिक्षाशास्त्र की छात्रा निशादेवी ने किया और अन्तिम में शान्तिमन्त्र के द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया।

स्वच्छता अभियान (11 मार्च 2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग (NSS) ने दिनांक- 11 मार्च 2023 को परिसर में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें परिसर प्रांगण, छात्रावास, शैक्षिक भवन तथा आस-पास के क्षेत्र की स्वच्छता की गयी। इस कार्यक्रम में परिसर के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सभी स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। स्वच्छता के उपरान्त परिसर निदेशक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी ने सभी छात्रों को स्वच्छता के महत्त्व के विषय में सम्बोधित किया।

पूर्वोत्तर ज्ञानोत्सव (17-18 मार्च 2023)

दिनांक-17-18 मार्च 2023 को त्रिपुरा विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर ज्ञानोत्सव नामक दो दिवसीय चर्चा सत्र आयोजित किया गया। जिसका विषय 'शिक्षा नीति-२०२० पूर्वोत्तर राज्यों में कार्यान्वयन में समस्याएँ' था। इस कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस द्विदिवसीय चर्चा सत्र में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एकलव्य परिसर ने भी प्रतिभाग किया। परिसर के साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष ने 'भारतीय ज्ञान परम्परा' विषय पर डॉ. श्री पवन कुमार दीक्षित ने दृश्य-श्रव्य माध्यम से व्याख्यान दिया। तथा परिसर के आदरणीय निदेशक आचार्य सुकांत कुमार सेनापति जी ने इस सत्र की अध्यक्षता की। प्रतिनिधि के रूप में परिसर के कुछ प्रतिष्ठित आचार्य उपस्थित थे।

इस पूर्वोत्तर ज्ञानोत्सव की खास बात यह रही है कि एकलव्य परिसर द्वारा लगाई गई 'विज्ञान प्रदर्शनी' दर्शकों के

लिए आकर्षण का केंद्र बन गई थी, इसी प्रकार केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की प्रदर्शनी से भी सामान्य जनमानस परिचित हुये जिससे संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार भी हुआ।

पांडुलिपि एवं पुरालिपि विज्ञानाध्ययन कार्यशाला

(20.03.2023 से 26.03.2023)

शिक्षक कौशल विकास केंद्र, एकलव्य परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने दिनांक-20.03.2023 से दिनांक-26.03.2023 तक पांडुलिपि एवं पुरातत्व विज्ञान अध्ययन विषय पर सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया, यह कार्यशाला ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आयोजित की गई। कार्यशाला में कुल 1086 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग ग्रहण किया। कार्यशाला में देश के महान पांडुलिपि विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला के समन्वयक बौद्ध दर्शन विभाग के सहायकाचार्य डॉ. उत्तम सिंह तथा सह-संयोजक ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा थे।

बलिदान दिवस (22.03.2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला, त्रिपुरा में दिनांक- 22.03.2023 को बाल दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री अभिषेक ब्रह्मचारी, आचार्य, करपात्रिपीठ, वाराणसी, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रोहित कुमार सिंह, राष्ट्रीय समन्वयक, युवा चेतना संगठन तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. सुकान्त कुमारसेनापति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साहित्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार ने स्वागत भाषण तथा डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास ने आगन्तुक अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

ज्योतिष विभागीय उपलब्धि (22-25 मार्च 2023)

1- एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग की छात्रा सुश्री पूजाराय ने दिनांक- 22-25 मार्च 2023 तक वाराणसी में आयोजित 60वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय ज्योतिष भाषण प्रतियोगिता में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

2. शोधमार्गदर्शक-ज्योतिष विभाग की छात्रा सुश्री रीता देबबर्मा ने 20 जनवरी 2023 को एकलव्य परिसर में विद्यावारिधि हेतु अपना पंजीकरण कराया। वह ज्योतिष विभाग के सहायकाचार्य डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा जी के कुशल मार्गदर्शन में अपना शोधकार्य सम्पादित करेगी।

राष्ट्रिया संगोष्ठी (29-30 March 2023)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के वेद-पौरोहित्य-कर्मकाण्ड विद्याशाखा द्वारा अथर्ववेद में औषध विज्ञान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन online, offline माध्यम से किया गया। इस संगोष्ठी में 130 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। तथा 35 प्रतिभागियों ने शोधपत्र वाचन किया। वहीं ऑनलाइन माध्यम से 30 प्रतिभागिओं ने पत्र वाचन किये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. देवेन्द्र नाथ पांडे, प्रो.रवीन्द्र भट्टाचार्य, प्रो.रामराज उपाध्याय व अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। यह संगोष्ठी सभी शोधार्थियों के लिये ज्ञानवर्धक रही।

नई नियुक्तियाँ

15 फरवरी 2022 से 17 फरवरी 2022 तक हमारे एकलव्य परिसर में ज्योतिष एवं आधुनिक विभाग में दो सहायक आचार्य (अतिथि) के रूप में नियुक्त किये गये।

1. डॉ. सत्यस्वरूप वाजपेयी, सहायक आचार्य (अतिथि) ज्योतिष विभाग
2. श्री बलरामदास, सहायक आचार्य (अतिथि) आधुनिक विभाग

धर्मशास्त्र विभागीय उपलब्धि

दिनांक-15-17 फरवरी 2022 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री सदाशिव परिसर में आयोजित बारहवें युवा महोत्सव में आचार्य प्रथम वर्ष की छात्रा तृष्णदेवनाथ ने खो-खो प्रतियोगिता तथा 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर दूसरा स्थान प्राप्त किया।

वहीं आयोजित अखिल भारतीय रूपक महोत्सव में शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र सौरभ चटर्जी, आचार्य द्वितीय वर्ष के छात्र शुभम चक्रवर्ती और प्रतीक्षा सरकार ने प्रतिभाग लिया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या:

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	00
उत्तर प्रेषित	-	00

4.2.12 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

4.2.1. परिसर परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्री रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16-06-2016 को अधिगृहीत किया गया। इस परिसर का नामकरण दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाडों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गंगा का उद्गम-स्थान भी है। दिनांक 16-06-2016 को इस परिसर का उद्घाटन किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान रघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी 3-443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9-228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। दिनांक 06-05-2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डॉ. के-के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। दिनांक 08-11-17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारत सरकार के मानव संसाधन विकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (आडिटोरियम), खेल-मैदान (स्टेडियम) आदि के निर्माण-कार्य उत्तराखण्ड के राज्यपाल के हाथ से शिलान्यास के पश्चात् मई 2017 से प्रारम्भ हो रहा है, जो कार्य अब लगभग समाप्ति की ओर अग्रसर है। नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2020-21 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लगभग 170 छात्रों को प्राक्-शास्त्री (इंटर मीडिएट), शास्त्री (स्नातक), आचार्य (स्नातकोत्तर), विद्यावारिधि (पीएच.डी.) की कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान की जा रही है जिन्हें पारम्परिक विषयों के साथ-साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी अंग्रेजी इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी ज्ञान कराया जाता है।

4.2.2. परिसर की स्थिति

जहाँ तक परिसर की भौगोलिक, ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक स्थिति का प्रश्न है, उत्तराखण्ड देवभूमि के नाम से प्रसिद्धि-प्राप्त है। इस देवभूमि देवप्रयाग में न केवल प्रसिद्ध ज्योतिर्मठों में अन्यतम श्रीबद्रिकाश्रम-धाम अवस्थित है अपितु द्वादश-ज्योतिर्लिंगों में प्रधान श्रीकेदारनाथ जी भी यहाँ विराजमान है। साथ ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्रोतस्विनी श्रीगंगा एवं श्री यमुना का उद्गम-स्थान भी यही पावन प्रदेश है। देवतात्मा हिमालय आज भी यहाँ पृथ्वी के मानदण्ड की गौरवमयी गाथा को अपनी अमित-प्रभा से भासित कर रहा है। पौराणिक मान्यता (स्कन्दपुराण, केदारखण्ड) के अनुसार देवशर्मा नामक तपस्वी के नाम से इस स्थान को देवप्रयाग नाम से जाना जाता है जिन्होंने कभी यहाँ घोर तपस्या की थी। उत्तराखण्ड के पाँच प्रयागों में देवप्रयाग प्रथम प्रयाग है जिसके बाद रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग एवं विष्णुप्रयाग का क्रम आता है। देवप्रयाग का नगरीय-भूभाग तीन पर्वत-मालाओं से परिवेष्टित है। भगवान् श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर वाला भूप्रदेश गृद्धाचल-श्रेणी में आता है, **दूसरा** भागीरथी का दक्षिण-तटीय भाग दशरथाचल शृंखला में है तथा **तीसरा** अलकनन्दा-तटीय भाग नृसिंहाचल नाम से जाना जाता है। यहाँ की मान्यता के अनुसार, प्राचीन समय से ही देवप्रयाग का नृसिंहाचल विद्या-क्षेत्र के नाम से अभिहित है। उल्लेख्य है कि यह प्रथम प्रदेश है जहाँ संस्कृत को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाया गया है। श्रीरघुनाथ के मन्दिर के नाम पर अवस्थित श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर उत्तराखण्ड की पुण्य देवभूमि पर पौडी जनपद के अन्तर्गत देवप्रयाग के पावन संगम पर स्थित है। यह परिसर हरिद्वार से ऋषिकेश होते हुए बद्रीनाथ मार्ग पर ऋषिकेश से लगभग 75 किमी दूर नृसिंहाचल पर्वत पर स्थित है।

4.2.3. मुख्य गतिविधियां-

- राष्ट्रिय बालिका दिवसोत्सव 20/01/2023
- गणतन्त्र दिवस 26/01/2023
- सरस्वती पूजनम् 26/01/2023
- अन्तर्राष्ट्रिय महिला सप्ताह कार्यक्रम 01/03/2023 – 08/03/2023
- श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरेण आयोजितं रामायणपाठम्
- भारतीय दर्शन दिवसस्यायोजनम्- 14/07/2022
- गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम- 13/07/2022
- संस्कृतसप्ताहस्य कार्यक्रमः 08/08/2022 – 15/08/2022
- परिसरे गणेश पूजनोत्सवः- 31-08-2022
- पुस्तकालयस्य ओरिएंटेशन कार्यक्रम 01.09.2022
- गंगा स्वच्छता कार्यक्रम 03-09-2022
- हिन्दी पक्ष कार्यक्रमः 01-09-2022
- श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसरे शिक्षकपर्वणः आयोजनम 5-9-2022
- परिसरेण समाचरितः स्वस्थापनादिवससमारोहः (14/10/2022 तः 15/07/2022 पर्यन्तम्
- राष्ट्रिय-एकता-सप्ताहः- (25/10/2022 तः 31/10/2022 पर्यन्तम्
- सतर्कता जागरूकता सप्ताहः- (31/10/2022 तः 06/11/2022
- माननीय श्रीचन्दनरामदासस्य परिसरे आगमनम् 09/11/2022
- विशिष्टव्याख्यानस्यायोजनम् 10/11/2022
- राष्ट्रीयशिक्षादिवसः-11/11/2022
- जनजातीय गौरव दिवस 15/11/2022
- काशी तमिल संगम कार्यक्रम का आयोजन- (19/11/2022
- साम्प्रदायिक सद्भावना अभियान-(19-25 नवम्बर 2022
- चिकित्सा शिविर- (29 नवम्बर 2022)
- गीताजयन्ती (01-07 दिसम्बर 2022)
- विश्व संगणक दिवस (02 दिसम्बर 2022)
- राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा (09-11 दिसम्बर 2022)
- भारतीय भाषोत्सव (11 दिसम्बर 2022)
- वीरबाल दिवस (26 दिसम्बर 2022)
- नाट्य महोत्सव (28 दिसम्बर 2022)
- राष्ट्रिय बालिका दिवस उत्सव (20 जनवरी 2023)

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्याः

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	–	00
उत्तर प्रेषित	–	00

5. वर्ष 2022-23 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2022-23 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 उत्कर्ष महोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, देहली, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति श्रीलालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली तीन मानित विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप प्रोन्नत होने के शुभावसर में 7 से 9 मई 2022 तक उत्कर्ष महोत्सव का आयोजन किया। दिनांक 7 मई के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में भाजपा-दल के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री जे.पी. नड्डाजी, सारस्वातिथि भारत के प्रधान मंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष श्री विवेक देबराय, डा. विजय भटकर, कुलाधिपति नालन्दा विश्वविद्यालय, नालन्दा, प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली उपस्थित थे। दिनांक 08 मई 2022 को डॉ. मुरली मनोहर जोशी, भूतपूर्व शिक्षा मन्त्री, शिक्षामन्त्रालय, भारत सरकार, मुख्यातिथि के रूप में डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक सारस्वातिथि के रूप में उपस्थित थे। दिनांक 9 मई 2022 संपन्न संपूर्ति सत्र में मुख्यातिथि के रूप में माननीय शिक्षामन्त्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान, शिश्रामन्त्रालय, भारत सरकार, प्रो. एम जगदीश कुमार, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, श्री चमू कृष्ण शास्त्री, अध्यक्ष, भारतीय भाषा समिति उपस्थित थे। इस त्रिदिसीय कार्यक्रम में देश प्रतिष्ठित विद्वानों चिन्तक एवं विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतियाँ उपस्थित थे।

5.2 अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आठवाँ अन्तारष्ट्रीय योग दिवस का समाचरण किया। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग सें विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को योग का महत्व प्रस्तुत किया।

5.3 संस्कृत सप्ताह

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 08 आगस्त से 14 अगस्त 2022 तक संस्कृत सप्ताह का समाचरण किया। इस सन्दर्भ में शास्त्र सपर्यादि विविध कार्यक्रम का भी ओयजन हुआ। संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित विशिष्ट कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में माननीय शिक्षा राज्य मन्त्री डा. सुभाष सरकार, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, सारस्वताथि के रूप में श्री दिनेश कामत, संघटना मन्त्री, संस्कृत भारती,प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,दिल्ली तथा अन्य गणमान्य उपस्थित थे। उस सन्दर्भ में संस्कृतेतर क्षेत्र में रहकर संस्कृत सेवा करने वाले विभिन्न विद्वानों एवं संस्था को संस्कृत सेवाव्रती सम्मान से सम्मानित किया। संस्कृत संप्ताह के समापन कार्यक्रम में श्री श्रीश देव पूजार मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे।

5.4 शिक्षक पर्व

शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 05 सिप्तम्बर से 9 सिप्तम्बर 2022 तक शिक्षा पर्व कार्यक्रम समाचरण किया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में भूतपूर्व शिक्षा मन्त्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक अध्यक्ष के रूप में प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अधिकारी गण उपस्थित थे।

5.5 अन्ताराष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रमाण वार्तिक विषय पर दिनांक 29 एवं 30 सप्तम्बर 2022 को अन्ताराष्ट्रीय संगोष्ठी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में महत्मागान्धी अन्तराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वार्धा के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल, सारस्ताथि के रूप में प्रो. एम आर भट्ट, अध्यक्ष के रूप में प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय उपस्थित थे। द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रीय संगोष्ठी में नेपाल तथा चीना देश के प्रतिष्ठित विद्वानों ने अपना शोधपूर्ण लेख प्रस्तुत किया।

5.6 स्थापना दिवस

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 15 अक्तोबर 2022 को वैभव से आचरण किया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. शान्तिश्री धुलुपुडि पण्डित, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, सारस्वातिथि के रूप में आचार्य बालकृष्ण, कुलपति पतञ्जलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार तथा अध्यक्ष के रूप में प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली उपस्थित थे। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए कुलपति महोदय द्वार प्रदीयमान शिक्षाश्रीः, शिक्षाभूषण, शिक्षा विभूषण प्रशस्ति प्राप्त विद्वानों का सम्मान किया।

5.7 युवा महोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2022–23 में युवा महोत्सव का आयोजन किया गया था। विश्वविद्यालय के समस्त परिसर एवं आदर्श महाविद्यालयों को समावेश करके अधोलिखित तिथियों में महोत्सव का आयोजन विभिन्न परिसरों में किया गया।

1.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	दिनांक 15–17 फरवरी 2023
2.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	दिनांक 20–22 फरवरी 2023
3.	जयपुर परिसर, जयपुर	दिनांक 25–27 फरवरी 2023
4.	गुरुवायूर परिसर, केरल	दिनांक 1–3 मार्च 2023

5.8 अखिलभारतीय भारतीय रूपक महोत्सव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय रूपक महोत्सव श्री सदाशिव परिसर में दिनांक 2–4 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया था। इस महोत्सव को (दो स्तरों) अखिल भारतीय स्तर एवं क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित किया गया था। क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का आयोजन श्री सदाशिव परिसर, श्री रणवीर परिसर, जयपुर परिसर, गुरुवायूर परिसर में हुआ। विश्वविद्यालय के परिसरों के साथ 22 आदर्श महाविद्यालयों ने भाग ग्रहण किया तथा जिन परिसरो एवं महाविद्यालयों के परिसरों के साथ 22 आदर्श महाविद्यालयों ने भाग ग्रहण किया तथा जिन परिसरों एवं महाविद्यालयों ने इस महोत्सव में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया उनको अखिल भारतीय रूपक महोत्सव में भाग ग्रहण करने का अवसर कल्पित किया। सदाशिव परिसर में दिनांक 02.02.2023 को सम्पन्न अखिल भारतीय रूपक महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में महर्षि सान्दीपनि वेदविद्या प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र उपस्थित थे एवं समापन कार्यक्रम में संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्षा प्रो. सन्ध्या पुरेच्छा मुख्यातिथि के रूप में प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी अध्यक्ष के रूप में उपस्थित हुए।

6. संलग्नक

शासी परिषद् के सदस्यों की सूची

(1.04.2022 से 31.03.2023)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी-221002 (उत्तर प्रदेश)	सदस्य (कुलाधिपति द्वारा नामित)
3.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य (पदेन)
4.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा संकायाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान) (दिनांक 29.07.2022 तक) प्रो. सर्व नारायण झा आचार्य एवं संकायाध्यक्ष, वेद-वेदांग, वैदिक साइंस, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, उ.प्र.	सदस्य
5.	प्रो. श्रेयांश कुमार शिंघई प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष (सर्वदर्शन) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान) (29.07.2022 तक)	सदस्य

क्रमश:....

	प्रो. राजकुमार शर्मा प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष (भाषा, साहित्य एवं संस्कृति) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुर बाईपास, जयपुर-302018 (राजस्थान) (29.07.2022 तक)	
6.	प्रो. अतुल कुमार नंदा प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष (संस्कृत ज्ञान प्रणाली विद्यालय) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, मेणसे, भारती नगर पोस्ट, शृंगेरी, जिला चिकमंगलूरु, कर्नाटक-577139	सदस्य
7.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट सहाचार्य (अद्वैत वेदान्त) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, राजीव गांधी परिसर, मेनसे, भारती नगर, पोस्ट-श्रृंगेरी, जिला-चिकमंगलूरु, कर्नाटक-577139	(सदस्य)
8.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन कुलसचिव, (प्र.) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सचिव (पदेन)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची

(31 मार्च 2023 के अनुसार)

	(01 अप्रैल 2022 से 13 अक्टूबर 2022 तक)	
1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
	संकायाध्यक्ष	
2.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा संकायाध्यक्ष (शिक्षाशास्त्र) जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
3.	प्रो. सर्व नारायण झा संकायाध्यक्ष (स्कूल-अध्ययन) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उत्तर प्रदेश)	सदस्य
4.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई संकायाध्यक्ष (सर्वदर्शन, जैन दर्शन एवं बौद्ध दर्शन) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
5.	श्री शरतचन्द्र शर्मा संकायाध्यक्ष (आधुनिक विषय) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर, जम्मू	सदस्य
6.	प्रो. राम कुमार शर्मा संकायाध्यक्ष (साहित्य) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	सदस्य

क्रमशः....

7.	प्रो. सुब्राय वेंकटरमन भट्ट संकायाध्यक्ष (दर्शन, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा, सांख्य योग एवं न्याय दर्शन) श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	सदस्य
8.	निदेशक, मुक्त स्वाध्याय पीठम् संकायाध्यक्ष (दूरस्थ शिक्षा)	सदस्य
	विभागाध्यक्ष	
9.	प्रो. शिवकान्त झा विभागाध्यक्ष (व्याकरण) जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
10.	प्रो. अतुल कुमार नंदा विभागाध्यक्ष (धर्मशास्त्र) श्री सदाशिव परिसर	सदस्य
11.	प्रो. लोकमान्य मिश्रा विभागाध्यक्ष (शिक्षाशास्त्र) लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
12.	प्रो. राम नन्दन सिंह विभागाध्यक्ष (बौद्ध दर्शन) लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
13.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय विभागाध्यक्ष (हिन्दी) लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
14.	प्रो. विजय पाल शास्त्री विभागाध्यक्ष (साहित्य) श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग	सदस्य
15.	प्रो. मिनती रथ विभागाध्यक्ष (पुराणेतिहास) श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
16.	प्रो. भारत भूषण मिश्रा विभागाध्यक्ष (ज्योतिष) के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ	सदस्य

क्रमशः....

17.	प्रो. सत्यम कुमारी विभागाध्यक्ष (न्याय) जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
18.	प्रो. (श्रीमती) गौरी प्रिया दाश विभागाध्यक्ष (सर्वदर्शन) श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
19.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन विभागाध्यक्ष (अद्वैत वेदान्त) एकलव्य परिसर, अगरतला	सदस्य
20.	प्रो. कमलेश कुमार जैन विभागाध्यक्ष (जैनदर्शन) जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
21.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा विभागाध्यक्ष (वेद) श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	सदस्य
22.	डॉ. सूर्य नारायण भट्ट विभागाध्यक्ष (मीमांसा) श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	सदस्य
23.	डॉ. अशोक कुमार मीणा विभागाध्यक्ष (सांख्य योग) श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
	विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)	
24.	प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	सदस्य
25.	प्रो. भगवती सुदेश जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
26.	प्रो. एच.के. महापात्रा श्रीसदाशिव परिसर	सदस्य

क्रमशः....

27.	प्रो. वाई.एस. रमेश जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
28.	प्रो. लोकमान्य मिश्रा लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
29.	प्रो. फतेह सिंह लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
30.	प्रो. ई.एम. राजन गुरुवायूर परिसर	सदस्य
31.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
32.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय गंगानाथ झा पसिर, देवप्रयाग	सदस्य
33.	प्रो. बनमाली बिश्वाल रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	सदस्य
34.	प्रो. कमलचन्द्र योगी जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
	विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)	
35.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट श्रीराजीवगांधी परिसर, शृंगेरी	सदस्य
36.	डॉ. भगवान समन्त रॉय श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
37.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
	विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)	
38.	डॉ. बत्तीलाल मीणा जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य

क्रमश:....

39.	डॉ. सी.के. अनन्त पद्मनाभम श्री राजीवगांधी परिसर, शृंगेरी	सदस्य
40.	डॉ. दरियाव सिंह भोपाल परिसर, भोपाल	सदस्य
	तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं	
41.	प्रो. आर्.एन. शर्मा हाऊस नं. 14, जिबानकृष्णपथ, हेंग्राब्री, गुवाहाटी–781036	सदस्य
42.	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री 3/127, इन्द्रा विहार, पुराना जॉनीपुर, जम्मू–तवी–180007	सदस्य
43.	प्रो. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल सचिव, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, चिन्तामणि गणेश मार्ग, जावसैया, उज्जैन, मध्यप्रदेश–456006	सदस्य
44.	कुलसचिव केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य
	(14 अक्टूबर 2022 से 31 मार्च 2023 तक)	
	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058	अध्यक्ष
	अधिष्ठाता	
1.	प्रो. सर्व नारायण झा अधिष्ठाता, वेद–वेदाङ्ग–वैदिक–विज्ञान–विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड–4, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (उत्तर प्रदेश)	सदस्य

क्रमशः....

2.	प्रो. खगेश्वर मिश्र अधिष्ठाता, शास्त्रीयज्ञानप्रणाली विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
3.	प्रो. अतुल कुमार नन्दा, अधिष्ठाता, यौगिकविज्ञान-समग्रस्वास्थ्य-चर्या-विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी	
4.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा अधिष्ठाता, समकालिक-ज्ञानप्रणाली-मानविकी-विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
5.	प्रो. लोकमान्य मिश्रा अधिष्ठाता, शिक्षाशास्त्र-कौशल प्रशिक्षण-विद्यास्थान कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम	सदस्य
6.	प्रो. बनमाली बिश्वाल अधिष्ठाता (शैक्षणिक मामले) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सदस्य
7.	प्रो. वाई.एस्. रमेश अधिष्ठाता, बहुविषयक-विज्ञान-तकनीक-विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
8.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी अधिष्ठाता (शोध) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज	सदस्य
9.	प्रो. रामकुमार शर्मा अधिष्ठाता, भाषा-साहित्य-संस्कृति-विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	

क्रमश:....

10.	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति अधिष्ठाता, दर्शन-विद्यास्थान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	सदस्य
	विद्याशाखा प्रमुख	
1.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई विद्याशाखा प्रमुख (जैन दर्शन एवं प्राकृत) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
2.	प्रो. फतेह सिंह विद्याशाखा प्रमुख (शिक्षा) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
3.	प्रो. शिवकान्त झा विद्याशाखा प्रमुख (व्याकरण शास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
4.	प्रो. विजयपाल शास्त्री (28.09.2022 से 15.11.2022) विद्याशाखा प्रमुख (साहित्य) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, देवप्रयाग परिसर, उत्तराखण्ड	सदस्य
	प्रो. ई.एम. राजन (16.11.2022 से 3 वर्ष के लिए) विद्याशाखा प्रमुख (साहित्य) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, देवप्रयाग परिसर, उत्तराखण्ड	सदस्य
5.	प्रो. सुब्राय वेंकटरमन विद्याशाखा प्रमुख (मीमासा) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीवगांधी परिसर, शृंगेरी	सदस्य

6.	प्रो. ललित कुमार साहू विद्याशाखा प्रमुख (धर्मशास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	सदस्य
7.	प्रो. ईश्वर भट्ट विद्याशाखा प्रमुख (ज्योतिष शास्त्र) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य
8.	प्रो. (श्रीमती) गौरी प्रिया दास विद्याशाखा प्रमुख (दर्शन) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
9.	प्रो. के.ई. मधुसूदनन विद्याशाखा प्रमुख (न्याय) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	सदस्य
10.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा विद्याशाखा प्रमुख (वेद-पुरोहित्य एवं कर्मकाण्ड) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, प्रयागराज	सदस्य
11.	प्रो. प्रतिभा आर्. विद्याशाखा प्रमुख (वेदान्त) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	सदस्य
12.	प्रो. अर्चना दूबे विद्याशाखा प्रमुख (भारतीय भाषा) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल	सदस्य
13.	प्रो. राम नंदन सिंह विद्याशाखा प्रमुख (बौद्धदर्शन एवं पालि) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य

क्रमशः....

14.	प्रो. सूर्यनारायण भट्ट विद्याशाखा प्रमुख (वेदांग एवं वेद भाष्य) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	सदस्य
15.	प्रो. मखलेश कुमार विद्याशाखा प्रमुख (पुराणेतिहास) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
16.	डॉ. अपराजिता मिश्रा विद्याशाखा प्रमुख (हस्तलिपि एवं प्राचीन शिलालेख) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	सदस्य
17.	डॉ. अशोक कुमार मीना विद्याशाखा प्रमुख (सांख्य योग दर्शन) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
18.	डॉ. जगन्नाथ झा समन्वयक (सामाजिक विज्ञान) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
19.	डॉ. एम.के. सीबा समन्वयक (अंग्रेजी) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	सदस्य
	विद्याशाखा प्रमुख के अतिरिक्त अन्य दो आचार्य **(कुलपति महोदय द्वारा वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में नामित)**	
1.	प्रो. एल.एन. पाण्डेय शिक्षाशास्त्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुम्बई परिसर, मुम्बई	सदस्य

क्रमशः....

2.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय हिन्दी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
	विश्वविद्यालय के दो सह आचार्य (कुलपति महोदय द्वारा वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में नामित)	
1.	डॉ. बालूसू पद्म मित्रश्रीनिवास शिक्षाशास्त्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला	सदस्य
2.	डॉ. गणेश टी.पण्डित शिक्षाशास्त्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, मुख्यालय, दिल्ली	सदस्य
	एक सदस्य, उल्लिखित सदस्यों के अलावा अन्य (बी),(सी),(डी), अध्ययन के प्रत्येक स्कूल एवं केंद्र से	
1.	डॉ. बिश्वरंजन पति ज्योतिष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
2.	डॉ. गणपति शुक्ला न्याय केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	सदस्य
3.	डॉ. एस.पी. सिंह अर्थशास्त्र केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य
	तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं, कुलपति महोदय द्वारा नामित	
1.	प्रो. ओमनाथ बिमली दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	सदस्य

क्रमश:....

2.	प्रो. सुदेशना भट्टाचार्य आसाम विश्वविद्यालय, आसाम	सदस्य
3.	प्रो. अरविंद मल्हार कुलकर्णी आई.आई.टी. मुम्बई	सदस्य
	विश्वविद्यालय के कुलसचिव शैक्षणिक परिषद के सचिव होंगे	
1.	कुलसचिव केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110 058	सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची
(01.04.2022 से 31.03.2023)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	श्री सुनील कुमार लोहानी पूर्व संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, मयूर विहार, दिल्ली	सदस्य
3.	श्री किरण डी.एम. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) ओ.एन्.जी.सी. फाउनडेशन, नई दिल्ली	सदस्य
4.	प्रो. सर्व नारायण झा निदेशक, ज्योतिष आचार्य, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ, (कार्यकारी परिषद सदस्य)	सदस्य
5.	वित्तीय सलाहकार शिक्षा मन्त्रालय (उच्च शिक्षा विभाग), भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 (शिक्षा मन्त्रालय द्वारा नामित)	सदस्य
6.	प्रो. पवन कुमार वित्तीय अधिकारी (प्रभारी) केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2023 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज, (उ.प्र.) (शिक्षक वर्ग) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. रामाकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा	आचार्य	वेद
5.	प्रो. देवदत्त सरोदे	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. अपराजिता मिश्रा	आचार्य	साहित्य
7.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. मनीष जुगरान	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. मोनाली दास	सहायकाचार्य	साहित्य
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
10.	श्री विनोद कुमार द्विवेदी	अनुभाग अधिकारी	
11.	डॉ. रामरूप	सहायक पुस्तकालय	
12.	सुश्री मोनिका वर्मा	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	
13.	सुश्री अश्विनि राजेश लंके	संग्रहाध्यक्ष	
14.	डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय	पेशेवर सहायक	
15.	श्रीमती अन्जू मिश्रा	पेशेवर सहायक	
16.	श्री शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय	हस्तलिपि पण्डित	
17.	डॉ. विपिन द्विवेदी	प्रतिलिपिकार	
18.	श्री रमेश चन्द्र	सहायक	
19.	श्री विजय कुमार मिश्र	सहायक	
20.	सुश्री शालू कुमारी	कनिष्ठ लिपिक	
21.	सुश्री मंजू देवी	पुस्तकालय परिचायक	

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
22.	श्री रामभवन	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
23.	श्री आनन्द कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
24.	श्री अर्जुन कुमार मण्डल	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
25.	श्री नन्द कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
26.	श्री द्वारिका प्रसाद कुशवाहा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
27.	श्री अखिलेश मिश्र	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
	(शैक्षणिक कर्मचारी)		
1.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	निदेशक	धर्मशास्त्र
2.	डॉ. भास्कर रेड्डी वी.एस.वी.	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. महेश झा	आचार्य	नव्यन्याय
5.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	आचार्य	साहित्य
6.	प्रो. अनुपमा परुस्थी	आचार्य	नव्यव्याकरण
7.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य	धर्मशास्त्र
8.	प्रो. वृन्दावन पात्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. गौराप्रिया दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
11.	प्रो. किशोर कुमार दलाई	आचार्य	साहित्य
12.	प्रो. मखलेश कुमार	आचार्य	पुराणेतिहास
13.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
14.	प्रो. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. रमाकान्त मिश्रा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	प्रो. शम्भुनाथ महालिक	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
17.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
18.	प्रो. उदयनाथ झा	आचार्य	साहित्य
19.	प्रो. विजय पाल कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सहाचार्य	सांख्ययोग
21.	डॉ. भगवान सामन्तराय	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
22.	डॉ. दुर्गाचरण शडंगी	सहाचार्य	नव्यव्याकरण
23.	डॉ. गणपति शुक्ल	सहाचार्य	नव्यव्याकरण
24.	डॉ. (श्रीमति) विजयलक्ष्मी महापात्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
25.	डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सहायकाचार्य	ज्योतिष
27.	श्री दुर्गाप्रसाद दास महापात्र	सहायकाचार्य	इतिहास
28.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. गणपति शुक्ला	सहायकाचार्य	नव्य न्याय
30.	डॉ. नन्दीघोष महापात्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
31.	डॉ. ओम नारायण मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. (श्रीमति) राधामणि प्रतिहारि	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
33.	डॉ. रमाकान्त झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
34.	डॉ. (श्रीमति) सावित्री शतपथी	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
35.	डॉ. सागारिका नन्दा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
36.	डॉ. सुशान्त कुमार राय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
37.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
38.	श्री देवदत्त पटनायक	अनुभाग अधिकारी	
39.	श्री सुरेन्द्र कुमार महापात्रा	अनुभाग अधिकारी	
40.	श्री चौधरी मदन मोहन पटनायक	सहायक	
41.	श्रीदेवी प्रसाद दास महापात्रा	वरिष्ठ लिपिक	
42.	सुश्री सरिता मुर्मू	कनिष्ठ लिपिक	
43.	सुशान्त कुमार झा	कनिष्ठ लिपिक	
44.	श्री कान्ता नारायण दास	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
45.	श्रीमती राधामणि देवी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
46.	श्री दिनेश कुमार कथुआ	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
47.	श्री प्रताप चन्द्र बेहरा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
48.	श्रीमती बसन्ती नायक	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
49.	डॉ. गौतम कुमार चौधरी	सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा एवं खेल	

क्रमशः....

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. मदन मोहन झा	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. सतीश कुमार कपूर	आचार्य	साहित्य
3.	डॉ. ऋषि राज	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. शरत् चन्द्र शर्मा	सहाचार्य	अंग्रेजी
5.	डॉ. दे.दयानाथ	सहायकाचार्य	वेद
6.	डॉ. देवेन्द्र कुमार मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. घनश्याम मिश्रा	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
8.	डॉ. गोपाल वर्मा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
9.	डॉ. मदन कुमार झा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. राजकुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. रामदास शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. रानी दाधीच	सहायकाचार्य	सर्वदर्शनम्
14.	डॉ. रतन कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	ज्योतिष
15.	श्री कुमार रोहित	सहायक पुस्तकालय	पुस्तकालय
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
16.	श्री बिशन दास	अनुभाग अधिकारी	
17.	श्री कुशल कुमार	पेशेवर सहायक	
18.	श्री हरशिव कुमार मीणा	सहायक	
19.	श्री सव्यसाची शर्मा	वरिष्ठ लिपिक	
20.	श्री हितेष	कनिष्ठ लिपिक	
21.	श्री शेखर साहू	कनिष्ठ लिपिक	
22.	श्री अरुण कुमार	पुस्तकालय सहायक	
23.	श्री टेकचंद	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
24.	श्री राज मोहद	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
25.	श्री बोधराज	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
26.	श्री चन्द्रमणि शर्मा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
27.	श्रीमती प्रीति देवी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

क्रमशः....

4. गुरुवायूर परिसर, (केरल)

01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. ललिता कुमार साहू	निदेशक	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. ई. एम. राजन	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. के.ई. मधुसूदनन	आचार्य	नव्यन्याय
4.	प्रो. आर. प्रतिभा	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
5.	प्रो. चन्द्रकान्त	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. के.के. शाइन	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. के.के. हर्षकुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. ई.आर. नारायण	आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. एन्.आर्. श्रीधरन	आचार्य	नव्यन्याय
10.	डॉ. रामचन्द्र जोयसा एच्.	सहायक आचार्य	साहित्य
11.	डॉ. के. विश्वनाथन्	आचार्य	साहित्य
12.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सहाचार्य	न्याय
13.	डॉ. उमेशचन्द्र मिश्रा	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
14.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	श्रीमति के.ए. जेस्सी	सहायकाचार्य	मलयालम
16.	डॉ. राधिका पी.आर्.	सहायकाचार्य	वेदान्त
17.	डॉ. डी. वेणुगोपाल राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. विद्याधर प्रभला	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. श्याम राज सी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. शीबा एम.के.	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
21.	डॉ. श्रीनिवासन पी.के.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
22.	डॉ. राउतमेल आनन्द एस्.	सहायक पुस्तकालय	पुस्तकालय
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
23.	श्री रविन्द्रन के.एम.	अनुभाग अधिकारी	
24.	श्रीमती विजयकुमारी	अनुभाग अधिकारी	
25.	श्रीमती रोशमा सी.आर्.	कनिष्ठ लिपिक	
26.	श्रीमती सारन्या के.वी.	कनिष्ठ लिपिक	
27.	श्री नन्दू पंकज	पुस्तकालय सहायक	

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
28.	श्रीमती वी.एस. शान्ता	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
29.	श्री विनीश पी.वी.	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
30.	श्री हर्ष	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
31.	श्री पी.पी. मरिदास	कर्मचारी वर्ग वाहन चालक	

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. भगवती सुदेश	निदेशक	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. फतेह सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई	आचार्य	जैनदर्शन
5.	प्रो. वाई. एस. रमेश	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. शिवकान्त झा	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. रामकुमार शर्मा	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. श्रीधर मिश्र	आचार्य	व्याकरण
9.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य	ज्योतिष
10.	प्रो. सत्यम कुमारी	आचार्य	सर्वदर्शन
11.	प्रो. कमल चन्द्र योगी	आचार्य	व्याकरण
12.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	आचार्य	जैनदर्शन
13.	प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण
14.	प्रो. शुभस्मिता मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
15.	प्रो. लीना सक्करवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	प्रो. गौरांग बाघ	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	प्रो. कृष्णा शर्मा	आचार्य	धर्मशास्त्र
18.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सहाचार्य	ज्योतिष
19.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. रेखा कुमारी	सहायकाचार्य	हिन्दी

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
22.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सहायकाचार्य	राजनीतिविज्ञान
23.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. सुभाषचन्द्र मीणा	सहायकाचार्य	व्याकरण
25.	डॉ. डम्ब्रूधर पति	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. मनीष कुमार चण्डाक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. अञ्जू चौधरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. बलवीर सिहं मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
30.	प्रो. आरती मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
31.	डॉ. रानी दाधीच	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
32.	डॉ. किरण खिंची	सहायकाचार्य	व्याकरण
33.	डॉ. पवन व्यास	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
34.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक (शा.शि.)	शारीरिक शिक्षा
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
35.	श्री शंकर जयकिशन	अनुभाग अधिकारी	लेखा/प्रशासन
36.	श्री गिरधर गोपाल पोपली	सहायक	लेखा विभाग
37.	डॉ. रविकान्त मणि	तकनीकि प्रयोगशाला सहायक	शिक्षाशास्त्र
38.	सुश्री मीना कुमारी	पेशेवर सहायक	पुस्तकालय
39.	श्री योगेश छोलक	पेशेवर सहायक	पुस्तकालय
40.	श्री दीपक वर्मा	आशुलिपिक-2	कैशियर
41.	श्री सुरेन्द्र सिंह नरुका	वरिष्ठ लिपिक	छात्र अनुभाग
42.	श्री सुरेश कुमार सैनी	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
43.	श्री गिर्राज सिंह कुशवाह	कनिष्ठ लिपिक	कैशियर
44.	श्री लक्ष्मीनारायण मीना	कनिष्ठ लिपिक	स्टोर
45.	श्री परमेश्वर दयाल शर्मा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	स्टोर
46.	श्री राजेश कुमार शर्मा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	प्रशासन
47.	श्री जसवन्त कुमार	ग्रुप सी	पुस्तकालय
48.	श्री श्रवण सिंह	ग्रुप सी	कार्यालय

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
49.	श्री अनिल कुमार मीना	पुस्तकालय सहायक	परीक्षा
50.	श्रीमती ललिता देवी	ग्रुप सी	छात्रावास
51.	श्री अजय कुमार मीना	ग्रुप सी	छात्रावास
52.	श्री केशराम मीना	ग्रुप सी	कार्यालय

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. सर्व नारायण झा	निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. लोक मान्य मिश्र	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
9.	प्रो. श्यामदेव मिश्र	आचार्य	ज्योतिष
10.	डॉ. (श्रीमती) गजाला अंसारी	आचार्य	साहित्य
11.	प्रो. रामनन्दन सिंह	आचार्य	बौद्ध दर्शन
12.	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	साहित्य
13.	प्रो. गणेश शंकर विद्यार्थी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी	आचार्य	बौद्ध दर्शन
15.	डॉ. हरिनारायणधर द्विवेदी	सहाचार्य	ज्योतिष
16.	डॉ. प्रफुल्ल गडपाल	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	डॉ. नीरज तिवारी	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. रामबहादुर दूबे	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायकाचार्य	अर्थशास्त्र
20.	डॉ. हरिओम शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
21.	डॉ. कृष्णा कुमारी	सहायकाचार्या	बौद्ध दर्शन
22.	डॉ. कविता बिसारिया	सहायकाचार्या	अंग्रेजी
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
23.	श्रीमती उर्मिला तिवारी	अनुभाग अधिकारी	
24.	डॉ. घनानंद त्रिपाठी	पेशेवर सहायक	
25.	श्री गुरु प्रसाद	सहायक	
26.	श्री वेद प्रकाश	कनिष्ठ लिपिक	
27.	श्री नीतिश कुमार सिंह	कनिष्ठ लिपिक	
28.	श्री रजनीकान्त चतुर्वेदी	पुस्तकालय सहायक	
29.	श्री कन्हैयालाल सैनी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
30.	श्री रामबदन राम	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
31.	श्री सहजराम	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
32.	श्री मुकेश कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
33.	श्री गोपाल किशोर मेहरोत्रा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
34.	श्री सन्तोष कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
35.	श्री हर्षित निगम	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

7. श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
	(शैक्षणिक कर्मचारी)		
1.	प्रो. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
3.	डॉ. चन्दशेखर भट्ट	सहाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहाचार्य	अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. चन्द्रकला आर्. कोण्डी	सहाचार्य	साहित्य
7.	प्रो. के. हरिप्रसाद	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	प्रो. नवीन होल्ला	आचार्य	नव्यन्याय
9.	प्रो. रामचन्द्रुल बालाजी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. सूर्यनारायण भट्ट	आचार्य	मीमांसा
11.	डॉ. के.ए. पद्मानाभम्	सहाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. एस्. वेंकटेश ताताचार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा
13.	डॉ. वेंकटरमण एस्. भट्ट	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. दयानिधि शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. कोमपेल्ली विनय कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. नारायण वैद्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. प्रमोद भट्ट	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
18.	डॉ. पी. अरविन्द कुमार सोमदत्त	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. विजयनन्दा अदीगा बी.	सहायकाचार्य	ज्योतिष
20.	डॉ. विश्वनाथ हेगड़े	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
21.	श्री के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
22.	श्री गुरुराज भट्ट	सहायक	
23.	डॉ. आकाश बाबू जैन	पुस्तकालय सहायक	
24.	श्रीमती मंजुला	वरिष्ठ लिपिक	
25.	श्री महबूब मौहम्मद रफीक	पुस्तकालय सहायक	
26.	श्रीमती सिद्धम्मा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
27.	श्री एस्. शिवन्ना सोमैया	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
28.	श्री एच्. कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
29.	श्री दिनेश एस्.	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
31.	श्रीमती जयम्मा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

क्रमशः....

8. वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. मदन मोहन पाठक	निदेशक	ज्योतिष
2.	डॉ. शीशराम	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. मञ्जूनाथ एस. जी.	आचार्य	अद्वैत वैदान्त
4.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहाचार्य	ज्योतिष
5.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. संजय कुमार	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा
7.	डॉ. सत्यदेव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. प्रतिज्ञा आर्य	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. पंकज	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. मनोज श्रीमल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
12.	डॉ. ओम प्रकाश साहनी	सहायकाचार्य	हिन्दी
13.	डॉ. महिपाल सिंह	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. पुरुषोत्तम	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	श्री विक्रमजीत	सहायक पुस्तकालय	पुस्तकालय
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
16.	श्रीमती अनुराधा	अनुभाग अधिकारी	
17.	श्री प्रमोद कुमार	तकनीकि सहायक	
18.	श्रीमती अन्जु गोस्वामी	वरिष्ठ लिपिक	
19.	श्री जगदीश कुमार	वरिष्ठ लिपिक	
20.	श्री हरेन्द्र	कनिष्ठ लिपिक	
21.	श्री नमन	कनिष्ठ लिपिक	
22.	श्री जतिन	कनिष्ठ लिपिक	
23.	श्री अनिल कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
24.	श्री रतन चंद	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
25.	श्रीमती स्वागना देवी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
26.	श्री राजेश कुमार	कर्मचारी वाहन चालक	
27.	श्री संदीप कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
28.	श्री कमल कौशल	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

क्रमशः....

9. भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. कैलाशचन्द्र दास	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. प्रदीप कुमार पणडेय	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति	आचार्य	साहित्य
5.	प्रो. जे. भानुमूर्ति	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. अर्चना दूबे	आचार्य	हिन्दी
7.	प्रो. अशोक कुमार कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	प्रो. नागेन्द्रनाथ झा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. नीलाभ तिवारी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	आचार्य	साहित्य
11.	प्रो. सोमनाथ साहु	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. मोहनी अरोड़ा	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. योगेश कुमार जैन	सहाचार्य	जैनदर्शन
15.	डॉ. जि. नरसिंहलु	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
16.	डॉ. दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. दाताराम पाठक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. गोविन्द सरकार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. कलिकाप्रसाद शुक्ल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. कृष्णकान्त तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. कृष्णा सेपुरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. कृष्णानन्द दन्नाना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. नन्द किशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
24.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
25.	डॉ. प्रताप	सहायकाचार्य	जैनदर्शन
26.	डॉ. रजनी वी.जी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. रजनी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
28.	डॉ. रमन मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
29.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	हिन्दी
30.	डॉ. सुभाषचन्द्र	सहायकाचार्य	हिन्दी
31.	डॉ. राकेश कुमार वर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
32.	डॉ. रागिनी शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
33.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य	व्याकरण
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
34.	श्री संजय कुमार मिश्रा	अनुभाग अधिकारी	
35.	सुश्री मोनिका वर्मा	पुस्तकालय सहायक	
36.	श्री वामदेव मिश्रा	सहायक	
37.	डॉ. मणि शर्मा	पेशेवर सहायक	
38.	श्रीमती नम्रता माथुर	वरिष्ठ लिपिक	
39.	श्री आशू	कनिष्ठ लिपिक	
40.	श्री संजय	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
41.	श्री अमित सैनी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
42.	श्री बसंत नायक	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
43.	श्री प्रेमशंकर राम	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
44.	श्री रमेश अधिकारी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
45.	श्री अजित सिंह	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
46.	श्री सुधांशु कौंजेय	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

10. के.जे. सोमैया, मुम्बई (महाराष्ट्र) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	निदेशक	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	निदेशक	ज्योतिष
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. सुभाष चन्द्र मीना (17.08.2022 तक)	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. इन्द्र कुमार मीणा	सहायकाचार्य	व्याकरण

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
6.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. कुमार भट्ट	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरु (07.10.2022 तक)	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. दशरथ भारसागर	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. एस. कृष्णा (14.10.2022 तक)	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
11.	श्री जोशे सी.आर्.	सहायक	
12.	श्री ईशम सिंह	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

11. मुख्यालय, नई दिल्ली 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
	(शैक्षणिक कर्मचारी)		
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	कुलसचिव	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. बनमाली विश्वाल	अधिष्ठाता	शैक्षणिक मामले
3.	प्रो. पवन कुमार	परीक्षा नियंत्रक एवं वित्त प्रभारी	परीक्षा एवं वित्त
4.	प्रो. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	निदेशक	केंद्रीय योजनाएं
5.	प्रो. कुलदीप शर्मा	विशेष कार्याधिकारी	कुलपति कार्यालय
6.	डॉ. रत्न मोहन झा	निदेशक	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
7.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	निदेशक	परियोजना कार्यक्रम
8.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	जन संपर्क अधिकारी	कुलपति कार्यालय
9.	डॉ. गणेश टि. पण्डित	उपनिदेशक	प्रकाशन एवं विक्रय
10.	डॉ. जगन्नाथ झा	विशेषाधिकारी	शैक्षणिक
11.	डॉ. छोटी बाई मीणा	प्रभारी अधिकारी	योजना-I
12.	डॉ. सुनीता	प्रभारी अधिकारी	योजना-II
13.	डॉ. नितिन कुमार जैन	सहायकाचार्य	परीक्षा
14.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरु	प्रभारी अधिकारी	समर्थ

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
15.	डॉ. चक्रधर मेहेर	प्रभारी अधिकारी	योजना-III
16.	डॉ. अमृता कौर	प्रभारी अधिकारी	मूक्स एवं एल.एम.एस.
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
17.	डॉ. श्रीनिवासु मन्था	परियोजना अधिकारी	परियोजना
18.	डॉ. देवानन्द शुक्ल	उपनिदेशक	शैक्षणिक
19.	श्री रोहताश सिंह	उपनियंत्रक	परीक्षा
20.	श्री कृष्णकुमार के.टी.	उपनिदेशक	प्रशासन
21.	श्रीमती स्नेहलता उपाध्याय	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
22.	श्री जितेन्द्र कुमार	सहायक निदेशक	प्रकाशन एवं कार्यक्रम
23.	श्री रामजीलाल मीना	सहायक निदेशक	प्रशासन
24.	श्री अनिल कुमार नौड़ियाल	सहायक निदेशक	वित्त
25.	श्री राजेश कुमार मिश्रा	अनुभाग अधिकारी	योजना
26.	श्री सुरेशा नन्द	अनुभाग अधिकारी	शैक्षणिक
27.	श्री नवनीत चतुर्वेदी	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा
28.	श्री आशीष कुमार	अनुभाग अधिकारी	आदर्श
29.	श्री लोकेश कुमार गुप्ता	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
30.	श्री रामवीर	अनुभाग अधिकारी	छात्रवृत्ति
31.	श्रीमती गंगा शर्मा	अनुभाग अधिकारी	प्रकाशन
32.	श्री सोनराज पाटीदार	अनुभाग अधिकारी	कुलपति कार्यालय
33.	श्रीमती पापिया दास	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
34.	श्री भगवान दास	अनुभाग अधिकारी	मुक्तस्वाध्यायपीठ
35.	श्री मनीष लोहानी	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन
36.	श्रीमती आभा रानी	अनुभाग अधिकारी	मुक्तस्वाध्यायपीठ
37.	श्री राजीव धंड	अनुभाग अधिकारी	विक्रय विभाग
38.	श्री भुवनेश कुमार मौर्या	सहायक	वित्त
39.	डॉ. अनीता शर्मा	अनुदेशक	पत्राचार पाठ्यक्रम
40.	सुश्री कंचन सैनी	आशुलिपिक (GR-I)	प्रशासन
41.	श्रीमती अनीता रानी	सहायक	अनौपचारिक
42.	श्री प्रमोद कुमार पंवार	सहायक	वित्त
43.	डॉ. प्रवीण कुमार राय	सहायक	योजना

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
44.	श्रीमती संगीता	सहायक	वित्त
45.	श्री किशनलाल सैनी	सहायक	प्रशासन
46.	श्री रामनिवास	सहायक	छात्रवृत्ति
47.	श्री देवेन्द्र सिंह	सहायक	वित्त
48.	श्रीमती उषा तलवार	सहायक	परीक्षा
49.	श्री कृष्णकान्त पचौली	सहायक	प्रशासन
50.	श्री राजीव कुमार सिंह	सहायक	मुक्तस्वाध्यायपीठ
51.	श्री अनूप सिंह भंडारी	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन
52.	श्री संजय कुमार शर्मा	पुस्तकालय पंडित	कुलपति कार्यालय
53.	श्री अनुज शर्मा	तकनीकी सहायक	परीक्षा
54.	श्री आशाराम नौटियाल	तकनीकी सहायक	प्रशासन
55.	श्री प्रकाश कुमार कुशवाहा	तकनीकी सहायक	शैक्षणिक
56.	श्री योगेश भाटिया	आशुलिपिक (GR-2)	वित्त
57.	श्री अनिल	आशुलिपिक (GR-2)	शैक्षणिक
58.	सुश्री दिव्या	आशुलिपिक (GR-2)	परियोजना
59.	श्री ऋषभ सैनी	आशुलिपिक (GR-2)	कुलसचिव कार्यालय
60.	श्रीमती विनीता	वरिष्ठ लिपिक	कुलाधिपति कार्यालय
61.	श्री अशोक कुमार	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
62.	श्रीमती हेमा ठाकुर	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
63.	श्री लक्ष्मण झा	वरिष्ठ लिपिक	छात्रवृत्ति
64.	श्री उमेश कुमार ठाकुर	वरिष्ठ लिपिक	योजना
65.	श्रीमती अनिता नेगी	वरिष्ठ लिपिक	योजना
66.	श्री सत्येन्द्र सिंह उनियाल	वरिष्ठ लिपिक	मंत्रालय
67.	श्री प्यारे लाल	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन
68.	श्री सुखलाल	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
69.	डॉ. श्वेता सिंह	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
70.	श्री अनिल कुमार	वरिष्ठ लिपिक	परीक्षा
71.	श्री विनोद कुमार	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
72.	श्रीमती मोनिका मल्होत्रा	वरिष्ठ लिपिक	शैक्षणिक
73.	श्री गोपाल सिंह	वरिष्ठ लिपिक	प्रशासन

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
74.	श्री उदय भान आर्य	कनिष्ठ लिपिक	योजना
75.	श्री आलोक रंजन सिंह	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
76.	श्री सुमित नागर	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
77.	श्री पवन कुमार	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
78.	श्री तरुण कुमार सिंह	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
79.	श्री मनीष गुप्ता	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
80.	श्री हरि बहादुर	कनिष्ठ लिपिक	परीक्षा
81.	श्री अरुण कुमार	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
82.	श्री टिंकू कुमार	कनिष्ठ लिपिक	अन्य पिछड़ा वर्ग
83.	श्री आशीष	कनिष्ठ लिपिक	योजना
84.	श्री राणागढ सिंह	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
85.	श्री रोहित दहिया	कनिष्ठ लिपिक	लेखा
86.	सुश्री आरती	कनिष्ठ लिपिक	आदर्श
87.	श्री अशोक कुमार	कनिष्ठ लिपिक	प्रशासन
88.	श्री संदीप चंद्र पोखरियाल	पुस्तकालय परिचारक	पुस्तकालय
89.	श्री कृष्ण कुमार	कर्मचारी वाहन चालक	कुलपति कार्यालय
90.	श्री पवन सोनी	कर्मचारी वाहन चालक	कुलसचिव कार्यालय
91.	श्रीमती सुमन	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	शैक्षणिक
92.	श्री अशोक कुमार महतो	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	प्रशासन
93.	श्री बिनिल सिंह भण्डारी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	प्रशासन
94	श्री सुजात सामी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	लेखा
95.	श्री वृन्दावन	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	कुलसचिव
96.	श्रीमती रामवती	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	पुस्तकालय
97.	श्रीमती अल्का वर्मा	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	प्रशासन
98.	श्री नवीन कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	प्रशासन
99.	श्री ब्रह्म प्रकाश	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	मंत्रालय
100.	श्रीमती नीरज	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	प्रशासन
101.	श्री भीम सिंह	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	मंत्रालय
102.	श्री मनोज पहाड़ी	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	कुलपति
103.	श्री दिनेश कुमार	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	विक्रय
104.	श्री कृष्ण कुमार पाण्डेय	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	मंत्रालय।

क्रमशः....

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. एस. के. सेनापति	निदेशक	सर्व दर्शन
2.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्र	आचार्य	ज्योतिष
4.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	आचार्य	बौद्ध दर्शन
5.	डॉ. बुलुसु पद्म मित्र श्रीनिवास	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. पवन कुमार	सहाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. बी. वेंकटा लक्ष्मी नारायण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. आर्. शिवरामकृष्ण सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. नन्दुलाल मण्डल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. अनूप विश्वास	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. विजय कुमार जेना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. गणेश्वर नाथ झा	सहायकाचार्य	व्याकरण
14.	डॉ. श्रीकार जी.एन्.	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
15.	डॉ. मनोज कुमार साहू	सहायकाचार्य	धर्मशास्त्र
16.	डॉ. नेपाल दास	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
17.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. सुमन आचार्र्य	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
19.	डॉ. मनोज श्रीमल	सहायकाचार्य	व्याकरण
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
20.	श्री सुधांशु सोनी	पेशेवर सहायक	
21.	श्री पूर्णचन्द्र मिश्रा	वरिष्ठ लिपिक	
22.	श्री मृणाल स्वाल	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	
23.	श्री रमेश	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

क्रमशः....

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड) 01.04.2022 से 31.03.2023

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	निदेशक	साहित्य
2.	प्रो. एम्. चन्द्रशेखर	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	आचार्य	ज्योतिष
4.	डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही	सहाचार्य	न्याय
5.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. धनेश पी.वी.	सहायकाचार्य	योग
7.	डॉ. शैलेन्द्र नारायण कोटियाल	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. शैलेन्द्र प्रसाद उनियाल	सहायकाचार्य	वेद
9.	डॉ. सूर्यमणि भण्डारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. सुशील प्रसाद	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	श्री नवीन डोबरियाल	सहायक ग्रन्थालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
12.	डॉ. राम बहादुर दूबे	सहायक आचार्य	साहित्य
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
13.	श्री सम्पूर्णानन्द नौरियाल	आशुलिपिक (Gr-I)	
14.	श्री मनीष कुमार	पेशेवर सहायक	
15.	श्री विजय नेतरीवाल	वरिष्ठ लिपिक	
16.	श्री चंदन सिंह रावत	वरिष्ठ लिपिक	
17.	श्री हितेश	कनिष्ठ लिपिक	
18.	श्री राहुल	कनिष्ठ लिपिक	
19.	श्री दीपक	मल्टी टॉस्किंग स्टॉफ	

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	अनुज शर्मा (16-1834)	वेदव्यास परिसर, गरली	प्रबोधचन्द्रोदय-सङ्कल्पसूर्योदययो: टीकानां तुलनात्मकं समीक्षणम्	साहित्य
2.	रवि कुमार (16-2007)	वेदव्यास परिसर, गरली	कुमारदासविरचितजानकीहरणमहाकाव्ये अलङ्कारयोजनाया: समीक्षणम्	साहित्य
3.	प्रसन्न कुमार एम्.ए. (16-1921)	राजीव गान्धी परिसर, श्रृंगेरी	श्रीनीलकण्ठवाजपेयिविरचिताया: सिद्धान्तकौमुदीव्याख्याया: सुखबोधिन्याख्याया: स्त्रीप्रत्ययकारकप्रकरणयो: पाठसम्पादनात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
4.	कृत्तिवास महापात्र (16-1988)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	प्रयुक्ताख्यातमञ्जर्या: प्रायोगिकं समीक्षणम्	नव्यव्याकरण
5.	नीतेश भारद्वाज (16-2017)	जयपुर परिसर, जयपुर	द्विवर्षीयशिक्षाशास्त्रिपाठ्यक्रमविषये छात्राध्यापकानामभिवृत्तेरध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रियदर्शिनी साहु (16-2003)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीकविकर्णपूरप्रणीतस्य चैतन्य चन्द्रोदयनाटकस्य दार्शनिकमध्ययनम्	दर्शन
7.	गोविन्द गोपालकृष्ण हेगड़े (16-2024)	राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	पूर्वमीमांसायां तृतीयाध्यायपर्यन्तभागे भाट्टमतानुयायिनां ग्रान्थिकानां मतभेदविमर्श:	मीमांसा
8.	पूर्णचन्द्र दाश (16-1907)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	चक्रवर्त्तिलक्षणान्तव्यधिकरणदीधितिग्रन्थस्य जागदीशीगादाधरीदिशा समीक्षात्मकमध्ययनम्	नव्यन्याय
9.	रणसिंह जाट (16-2006)	केन्द्रीय सं.वि., मुख्यालय	ज्योतिषशास्त्रीयसन्दर्भे कृषिशास्त्रीयतत्त्वानां विवेचनात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
10.	सविता सिंह (16-2016)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीमद्विश्वेश्वरकविचन्द्रप्रणीतायाश्चमत्कारचन्द्रिकाया: परिशीलनम्	साहित्य
11.	पूजा सिंह (16-1987)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	आधुनिक-संस्कृत-साहित्ये कतिपय-महिला-साहित्यकाराणां साहित्यसमीक्षणम्	साहित्य
12.	घनश्याम मीणा (16-1976)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्य-अभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतप्रशानतराघवनाटकस्य समीक्षात्मकमध्यनम्	साहित्य
13.	त्रिभुवन नाथ दूबे (16-2031)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	मेघदूतकाव्यस्य श्रीधरमिश्रकृतसमासान्वयबोधिन्या: टीकाया: व्याकरणदृष्ट्यानुशीलनम्	व्याकरण
14.	सन्दीप चटर्जी (16-2001)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	केवलाद्वैतविशिष्टाद्वैताचिन्त्यभेदाभेददर्शनदृष्ट्या श्रीमद्भगवद्गीताया: एकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
15.	राजेन्द्र प्रसाद रैगर (16-1999)	जयपुर परिसर, जयपुर	दौसाजनपदस्थवरिष्ठोपाध्यायच्छात्राणां कृते व्याकरणाधिगमस्य परीक्षणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
16.	कपिल देव (16-1989)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	ज्योतिषशास्त्रोक्तव्यक्तित्वविचारस्य शिक्षामनोवैज्ञानिकं समीक्षणम्	शिक्षाशास्त्र

क्रमश:....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
17.	दीपक कुमार पाठक (16-2032)	भोपाल परिसर, भोपाल	विद्याभारती-अधीनस्थशैक्षिकसंस्थानानाम् अध्यापकानां राष्ट्रियमूल्यानां सन्दर्भे संवेगात्मकबुद्धे अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
18.	गौतम कुमार राजहंस (16-2029)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	परिभाषेन्दुशेखरस्य मन्नुदेवकृतदोषोद्धारटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
19.	बिप्रबर दलाई (16-1917)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	रूपगोस्वामिविरचित उज्ज्वनीलमणेः पौराणिकसन्दर्भानुशीलनम्	पुराणेतिहास
20.	योगेश कुमार अवस्थी (16-2055)	लखनऊ परिसर, परिसर	रवीन्द्रनाथठाकुर-अरविन्दघोषमहोदययोः दार्शनिक-शैक्षिकतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
21.	अर्जुन दास (16-2025)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	पश्चिमबङ्गप्रदेशस्य उत्तर 24 परगणाजिलायां माध्यमिकस्तरीय-शिक्षकाणां वृत्त्युद्वेगकारकाणामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
22.	पुरुषोत्तम (16-2058)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	स्नातकस्तरे संस्कृत-संस्कृतेतरच्छात्राणां सांवेगिकसमाजिक-परिपक्वतयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
23.	पियाली मालाकार (16-2027)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	पश्चिमवङ्गप्रदेशस्य उत्तर 24 परगनामण्डलान्तर्गतशिक्षकप्रशिक्षकाणां प्रशिक्षूणाञ्च मानवाधिकार-सचेतनाभिवृत्तेः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
24.	बामापद बाउरी (16-2037)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	प्रमुखोपनिषत्सु मानसिकस्वास्थ्यविकाससम्बद्धतत्त्वानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
25.	चन्द्रिका (16-2008)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	योगशतटीकानामन्वयचन्द्रिकालघुटीकाचन्द्रकलाख्यानां समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
26.	श्रुति जैन (16-2030)	जयपुर परिसर, जयपुर	विद्यानन्दिकृतस्य सुदर्शनचरितस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	जैन दर्शन
27.	धर्मपाल प्रजापत (16-1992)	जयपुर परिसर, जयपुर	पाणिनीयाष्टाध्यायीस्थानां नियम्यनियामकसूत्राणां माध्यगामिस्वरूपस्य विमर्शात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
28.	अनिल कुमार अवस्थी (16-2021)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	औपनिषदपञ्चकोशसन्दर्भे अभिवृद्धिविकासयोः समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
29.	स्नेहा पाण्डेय (16-2011)	श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	पञ्सायकविवरणस्य साहिब्रामविरचितस्य पाठ समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
30.	वीरेन्द्र कुमार तिवारी (16-2041)	भोपाल परिसर, भोपाल	महामहोपाध्यायरेवाप्रसादद्विवेदिप्रणीतस्य साहित्यालङ्कारस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
31.	संगीता सेन (16-2035)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	रामावतारशर्मप्रणीतस्य अभिनवभारतकाव्यस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
32.	श्वेता अवस्थी (16-2086)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	आचार्यरामचन्द्रसूरिविरचितस्य मल्लिकामकरन्दस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
33.	प्रियंका दास (16-2018)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	भीष्ममिश्रकृतस्य गीतशङ्करस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
34.	सुजल पहाड़ी (16-1985)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	संस्कृतसाहित्यं प्रति आचार्यसीतानाथस्य योगदानम्	साहित्य
35.	नवीन कुमार मिश्र (16-1822)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	योगदर्शने श्रीकृष्णवल्लभाचार्यस्यावदानम्	दर्शन

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
36.	सत्य प्रकाश गुप्ता (16-2004)	जयपुर परिसर, जयपुर	वादिवागीश्वरार्यविरचितमानमनोहरग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
37.	श्रीधर कुमार (16-2040)	भोपाल परिसर, भोपाल	पाणिनीयाष्टाध्याय्यां प्रथमद्वितीयाध्यायस्थसूत्रेषु समागतानां वार्तिकानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
38.	ब्रजेश कश्यप (16-2070)	राजीव गांधी परिसर, शृङ्गेरी	संस्कृतकाव्यशास्त्रे प्रतिपादितानां भाषाशास्त्रीयसिद्धान्तानां समालोचनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
39.	योगेश कुमार पौड़ियाल (16-2044)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	परम्परागताधुनिकच्छात्राणां सर्जनात्मताऽवधानयोर्सन्दर्भे सामाजिक-बुद्धेः तुलनात्मकमययनम्	शिक्षाशास्त्र
40.	गौराङ्ग मुखर्जी (16-1984)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	ओडिशा-पश्चिमबङ्गप्रदेशयोः संस्कृतच्छाणां समस्यासमाधाने सर्जनात्मकक्षमतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
41.	राज्यगुरु हार्दिक महेशभाई (16-2000)	जयपुर परिसर, जयपुर	शृंगारप्रकाशस्थ-रसवियोगप्रकाशनप्रकाशस्य समीक्षणम्	साहित्य
42.	सविताराणी दासी (16-1908)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	मृच्छकटिकस्य वंशीधरकृतायाः अर्थबोधिनीटीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
43.	सुजाता साहु (16-1980)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	उत्कलीय-मथुरामङ्गलकाव्यस्य दार्शनिकं समीक्षणम्	सांख्ययोग
44.	मीठा लाल माली (16-2046)	जयपुर परिसर, जयपुर	परिभाषेन्दुशेखरस्य वैद्यनाथभट्टविरचितकाशिटीकायाः सम्पादनं समीक्षणञ्च	व्याकरण
45.	प्रशान्त कुमार ओझा (16-2038)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीरामचरिताब्धिरत्नमिति महाचित्रकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं परिशीलनम्	साहित्य
46.	श्वेता मिश्रा (16-2023)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	महायान-काश्मीरशैवगमयोः सन्दर्भे बुद्धत्वशिवत्वपद्धत्योः परीशीलनम्	बौद्धदर्शन
47.	सस्मिता महापात्र (16-2026)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	गोरक्षनाथकृतसिद्धसिद्धान्तपद्धयाः समीक्षात्मकमध्यनम्	सांख्ययोग
48.	श्रीकान्त महापात्र (16-2043)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	माध्यमिकस्तरीयच्छात्रेषु उत्तमव्यक्तित्वविकासे पातञ्जलयोगदर्शनस्य प्रयोगात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
49.	भाग्यधर प्रामाणिक (16-2034)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	बङ्गप्रदेशस्थशिक्षकप्रशिक्षणमहाविद्यालयेषु अध्यापयतां संस्कृतशिक्षकाणां समस्यानामध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
50.	कमलेश कुमारी मीणा (16-1865)	जयपुर परिसर, जयपुर	नवभारतमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
51.	प्रियता टि.एम्. (16-1877)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	सुगलार्थमालाकाव्यस्य व्याकरणदृष्ट्या समीक्षणमम्	व्याकरण
52.	रेणु शर्मा (16-1993)	जयपुर परिसर, जयपुर	एन.एस्. रामानुजताताचार्यकृतशाब्दबोधमीमांसाग्रन्थस्य वाक्यवाक्यार्थविचारात्मकस्य प्रथमभागस्य महाभाष्यदृष्ट्या समालोचनम्	व्याकरण
53.	शशि कान्त मिश्र (16-2053)	भोपाल परिसर, भोपाल	डॉ. पूर्णचन्द्रशास्त्रिविरचितस्य अपराजितवधूमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
54.	उत्तम सिंह (16-1957)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	कालीकल्पलतामातृकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
55.	प्रसेनजित मजुमदार (16-2020)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	अद्वैतविशिष्टाद्वैतयोः प्रतिपादितानां सिद्धान्तानां तुलनात्मकं समीक्षणम्	अद्वैत वेदान्त
56.	माया उपाध्याय (16-2065)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	वर्तमानसन्दर्भे बौद्धिककालिकशिक्षाव्यवस्थायाः समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
57.	बनवारी लाल चेजारा (16-2067)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	राजस्थाने काव्यशास्त्रपरम्परायाः विकासः	साहित्य
58.	सर्वेन्द्र कुमार (16-2072)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	काशिकायाः प्रत्युदाहरणेसु पदकृत्यविवेचनम् (स्वरसूत्रपर्जम्)	व्याकरण
59.	शंकर लाल शर्मा (16-2048)	जयपुर परिसर, जयपुरर	दीक्षितपुष्पाविरचितस्य प्रक्रियानुसारी पाणिनीयधातुपाठः इति ग्रन्थस्य समीक्षणम्	व्याकरण
60.	मौमी पाल (16-2059)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	उत्तर 24 परगना मण्डलस्य संस्कृताध्यापकानाम् आङ्गलाध्यापकानां च मानसिकासन्तुष्टेः कारकाणां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
61.	विकास दाश (16-2049)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	पश्चिमबङ्गप्रदेशस्य उच्चमाध्यमिकस्तरीयच्छाणां संस्कृतोपलब्धौ प्रत्यक्ष-अनुवादविध्योः प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
62.	रिंकू कुमार जैन (16-2074)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्य श्री राधावल्लभत्रिपाठिकृतनाटकेषु स्त्रीचेतना	साहित्य
63.	श्याम बिहारी पाण्डेय (16-2052)	भोपाल परिसर, भोपाल	माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां राष्ट्रबोधसामाजिकसमायोजनयोरध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
64.	दुर्गेश प्रकाश झा (16-2054)	भोपाल परिसर, भोपाल	आधुनिकशिक्षासन्दर्भे वेदकालिकशिक्षायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
65.	गङ्गा राणी साहु (16-2019)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	अद्वैतशुद्धाद्वैतयोः प्रतिपादितानां सिद्धान्तानां तुलनात्मकं समीक्षणम्	अद्वैतवेदान्त
66.	श्वेता देवी (16-1966)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	अज्ञातकर्तृकस्य सत्योपाख्यानमिति समीक्षणात्मकमध्ययनम्	साहित्य
67.	मधुसूदन शर्मा (16-2045)	जयपुर परिसर, जयपुर	श्रीगङ्गासहायशिशुविरचितस्य कविकण्ठाभरणस्य समीक्षणं सम्पादनञ्च	साहित्य
68.	हेमन्त पि.के. (16-2060)	राजीव गान्धी परिसर, शृङ्गेरी	प्रश्नमार्ग (पूर्वार्ध) प्रश्नानुष्ठानपद्धत्योः तौलनिकम् अध्ययनम्	फलित ज्यौतिष
69.	सुशील कुमार (16-2075)	भोपाल परिसर, भोपाल	सेवापूर्वाध्यापकानां जीवनशैलीनां शैक्षिकसमायोजनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
70.	वेद व्रत (16-2063)	भोपाल परिसर, भोपाल	प्राथमिकशिक्षकप्रशिक्षणार्थिना संवेगात्मकाध्यात्मिकबुद्धयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
71.	रञ्जन मण्डल (16-2036)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याः शब्दखण्डस्य दिनकरीरामरुद्रीटीकयो-स्तुलनात्मकमध्ययनम्	नव्यन्याय
72.	कात्तिकेयन् जी. (16-2079)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मंदिरम्, बेंगलूरु	शब्दकौमुदी (हल्सन्धितः समासाश्रयविधिप्रकरणपर्यन्तम्) पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनं च	नव्यव्याकरण

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
73.	शिवगुहन् एस्. (16-2071)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मंदिरम्, बेंगलूरु	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः सुखबोधिनीव्याख्यायाः कृदन्तप्रकरणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनं च	नव्य व्याकरण
74.	महिमा आर्या (16-1924)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	रघुवंशमहाकाव्यीयकृत् प्रत्ययार्थविवेचनपूर्वकं विशिष्टप्रयोगाणामनुशीलनम्	प्राचीन व्याकरण
75.	लक्ष्मण राय (16-2078)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	प्रक्रियाकौमुद्याः प्रसादप्रकाशटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	नव्य व्याकरण
76.	प्रसेनजित घोष (16-1983)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	पश्चिमबङ्गप्रदेशे महाविद्यालयेषु कार्यरतानां संस्कृताध्यापकानां समायोजनक्षमतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
77.	ज्योति यादव (16-2056)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीविश्वेश्वरविद्याभूषणकाव्यतीर्थविरचितस्य चाण्क्यविजयम् इति ऐतिहासिकनाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
78.	मीष नारायण मिश्र (16-1990)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीमट्ठक्कणझाप्रणीतायाः योगरत्नावल्याः परिशीलनम्	दर्शन
79.	अंशुमान पाठक (16-2077)	श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यां पदार्थानां तथा द्रव्यादीनां साधर्म्य-वैधर्म्य-निरूपणे प्रशस्तपादभाष्यस्य प्रभावः	न्याय
80.	लवलेश कुमार शुक्ल (16-2057)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	मीमांसकाभिमत-विभक्त्यर्थस्य व्याकरणदृष्ट्या समीक्षा	व्याकरण
81.	राज शर्मा (16-2047)	जयपुर परिसर, जयपुर	वैदिक-लौकिक-संस्कृतभाषयोः व्याकरणदृष्ट्या तुलनात्मकमध्ययनम्	वेद
82.	पूजा घोष (16-2093)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	नाट्यशास्त्राध्ययने शब्दशास्त्रीयोपयोगस्य समीक्षणम्	नव्य व्याकरण
83.	राजेश शर्मा (16-2005)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	परिभाषेन्दुशेखरस्य शेषाद्रिसुधीविरचितायाः परिभाषाभास्करव्याख्याः सम्पादनमध्ययनञ्च	वेदव्यास
84.	प्रवीण कुमार तिवारी (16-2022)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	मेघदूतकाव्यस्य श्रीधरमिश्रकृतसमासान्वयबोधिन्याः टीकायाः सम्पादनं धर्मशास्त्रीय समीक्षणञ्च	साहित्य
85.	सूर्य हेब्बार ए. (16-2105)	राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी	कविसमयस्य विमर्शः	साहित्य
86.	प्रज्वल जे. (16-2061)	राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी	वेदान्तशास्त्रे प्रतिपादितानाम् आत्मशरीरेन्द्रियप्राणान्तःकरणानां योगशास्त्रोक्तरीत्या आयुर्वेदोक्तरीत्या च स्वरूपविमर्शः	अद्वैतवेदान्त
87.	सत्य नारायण शर्मा (16-2082)	जयपुर परिसर, जयपुर	उच्चप्राथमिकस्तरीयसंस्कृतविद्यालयेषु शिक्षाधिकार अधिनियमस्य प्रासङ्गिकतायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
88.	प्रेमलता (16-2095)	वेदव्यास परिसर, बलाहर	विश्वेश्वरकृतायाः अष्टावक्रगीताटीकायाः अध्यात्मप्रदीपिकायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनं दार्शनिकमध्ययनञ्च	दर्शन
89.	अखिलेश कुमार पटेल (16-1975)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	रामचन्द्रेन्द्रकृतमहावाक्यरत्नावली ग्रन्थस्य सम्पादनमनुशीलनञ्च	दर्शन
90.	हरगोविन्द (16-2081)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	वेदान्तसिद्धान्तचन्द्रिकोद्गारस्य सम्पादनमालोचनात्मकमध्ययनञ्च	दर्शन

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
91.	रेनु (16-2109)	भोपाल परिसर, भोपाल	माध्यमिकस्तरीयविद्यार्थिनां सामाजिकदायितवानां सन्दर्भे परास्मृतेः संचेतनतायाः च अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
92.	महेन्द्र प्रताप (16-2028)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	आचार्यरमाशङ्करमिश्रमधुपप्रणीतस्य 'आवन्तिकम्' काव्यस्य सामीक्षिकं परिशीलनम्	साहित्य
93.	बिन्दू सरोज (16-2064)	गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज	श्रीगणेशदत्तशर्म्मविरचितस्य विवेकानन्दचरितामृतमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
94.	बी.अशोक (16-2068)	मुख्यालय, नई दिल्ली	वाराहमिहिरेण विरचितायाः बृहत्संहितायाः दकार्गलस्य आयुर्वेदीयतत्त्वानां च समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	ज्योतिष
95.	ज्योति बाला (16-2042)	भोपाल परिसर, भोपाल	महामहोपाध्याय डॉ. भास्कराचार्यत्रिपाठिविरचितस्य स्नेहसौवीरनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
96.	सन्दीप कुमार शर्मा (16-2092)	जयपुर परिसर, जयपुर	राजस्थानस्य परम्परागतविद्यालयस्तरीयच्छात्राणां सांवेगिकस्थिरतायाः समायोजनात्मकदुश्चिन्तायाश्च तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
97.	देवेन्द्र प्रसाद (16-2087)	श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	हर्षवर्धनसाहित्ये दार्शनिकतत्त्वानां विमर्शः	साहित्य
98.	मानसी वड़ाई (16-2107)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	मेदिनीपुरमण्डले उच्चमाध्यमिकस्तरीयदिव्याङ्गच्छात्राणां संस्कृतं प्रति अभिवृत्तेः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
99.	वरुण सौरभ पोखरियाल (16-2119)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	स्नातकस्तरीयसंस्कृतच्छात्राणामाभियान्त्रिकच्छात्राणाञ्च व्यक्तित्त्वस्योपरि शैक्षिकाभिरुचेर्मूल्यशिक्षायाः सर्जनात्मकतायाश्च प्रभावात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
100.	सञ्जय मण्डल (16-2106)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	अलङ्कारमीमांसायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
101.	अमित शर्मा (16-2083)	भोपाल परिसर, भोपाल	व्याकरणशास्त्रीयपरिष्काराणां शिक्षणविधेर्विकासः तन्मूल्याङ्कनञ्च	व्याकरण
102.	गगनेश्वरी देवी (16-2085)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	कविसूर्यमणिरथविरचितशतकत्रयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
103.	रेखा जैन (16-2090)	जयपुर परिसर, जयपुर	राजीमतीचरित्रस्य तुलनात्मकमध्ययनम् (प्राकृतापभ्रंशसाहित्यस्य विशेषसन्दर्भे)	जैन दर्शन
104.	अभिनव शर्मा (16-2089)	भोपाल परिसर, भोपाल	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः कारकान्त-भागस्य सूत्रोदाहरणप्रत्युदाहरणानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
105.	सचिन कुमार जैन (16-2115)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्यमितगतिविरचितस्य सुभाषितरत्नसन्दोहः इति ग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
106.	मुदित पाण्डेय (16-240)	भोपाल परिसर, भोपाल	माध्यमिकस्तरीयच्छात्रेभ्यः संस्कृतधातुरूपाणां संगणकक्रीडाधारिता-धिगमसङ्कुलस्य विकासः प्रभावपरिशीलनञ्च	शिक्षाशास्त्र
107.	सर्वेश कुमार तिवारी (16-2135)	भोपाल परिसर, भोपाल	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां ससन्दर्भ-कारकान्त-कैम-विचारः	व्याकरण
108.	सरिता शुक्ला (16-2066)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	डॉ. प्रशस्यमित्रशास्त्रिणः कथासाहित्यकं समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
109.	दयाशङ्कर शर्मा (16-2062)	भोपाल परिसर, भोपाल	श्री हरिहरानन्दविरचितस्य श्री हनुमच्चरित्रवाटिकामहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयं समीक्षणम्	साहित्य
110.	इन्द्रानी सरकार (16-2112)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	संस्कृतच्छात्राध्यापकानां व्यक्तिविकासे शिक्षक-प्रशिक्षकाणाम् अभिप्रेरणायाः प्रभावस्य अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
111.	नम्रता पटेल (16-2157)	मुम्बई परिसर, मुम्बई	श्रीजीवनजीमहाराजप्रणीतनृसिंहविजयमहानाटकस्य नाट्यतत्त्वदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
112.	रवीन्द्रनाथ वर (16-2148)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	वेङ्कामात्यविरचितस्य लक्ष्मीस्वयंवरसमवकारस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	साहित्य
113.	शिवानन्द शुक्ल (16-2120)	श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	रसगङ्गाधरस्य पूर्वाचार्यमतखण्डनानां नवीनसिद्धान्तानां च पर्यालोचनम् (आरम्भतः शक्तिनिरुपणं यावत्)	साहित्य
114.	हरिश्चन्द्र डंगवाल (16-2097)	श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	पातञ्जल-महाभाष्ये वर्णितानां वैज्ञानिकतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
115.	अनूप कुमार घेडइ (16-247)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	जैन-बौद्धतर्कभाषयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
116.	दरख्शाँ (16-2010)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	संस्कृतवाङ्मये स्वातन्त्रसङ्ग्रामविमर्शः	साहित्य
117.	अनीता सिंह (16-2039)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	कादम्बरीहर्षचरितयोः प्रमुख-स्त्रीपुरुषपात्राणां तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
118.	पंकज शर्मा (16-2098)	वेदव्यास परिसर, बलहार	परिभाषेन्दुशेखरस्य व्याख्ययोः वाक्यार्थचन्द्रिकानागेशगूढार्थदीपिक-योस्तुलनात्मकं समीक्षणम्	नव्यव्याकरण
119.	अवनीश कुमार शुक्ल (16-2116)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	महाकविदेवराजशर्मप्रणीतस्य अनिरुद्धचम्पूकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयसन्दर्भे परिशीलनम्	साहित्य
120.	गुरु प्रसाद (16-2124)	मुख्यालय, दिल्ली	संस्कृतसाहित्यस्य विकासे हरियाणाप्रान्तस्य योगदानम्	साहित्य
121.	किशोर कुमार (16-2128)	श्रीरघुनाथकीर्ति, परिसर, देवप्रयाग	शब्दतत्त्वचिन्तामण्यालोकस्य श्रीमथुरानाथतर्कवागीशकृतरहस्यव्याख्यायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	नव्यन्याय
122.	अभिषेक जैन (16-2111)	भोपाल परिसर, भोपाल	मध्यप्रदेशीयसंविदासंस्कृतशिक्षकाणां व्यावसायिकदक्षतावृत्तिसंतृप्तेश्च छात्राणां शैक्षिकोपलब्धौ प्रभावस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
123.	सरिता कुमारी महला (16-2009)	जयपुर परिसर, जयपुर	कालिकाकालसर्वज्ञश्रीहेमचन्द्राचार्यविरचितस्य त्रिषष्टिशलाकापुरुषचरित-महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
124.	शुभस्मिता कर (16-2033)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	शतपथब्राह्मणगताख्यानानां पौराणिकं विश्लेषणम्	वेद
125.	आशीष मिश्र (16-2132)	मुख्यालय, दिल्ली	सामवेदीयशिक्षोक्तगानविधानस्य सङ्गीतशास्त्रे प्रभावनुशीलनम्	वेद
126.	इतिश्री मिश्र (16-2101)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	श्रीसदाशिवेन्द्रसरस्वतीकृतयोगसुधाकरस्य समीक्षणम्	सांख्ययोग

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
127.	तपति तपन्विता महापात्र (16-2076)	भोपाल परिसर, भोपाल	देवर्षिनारदविरचितस्य मयूरचित्रकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	फलितज्योतिष
128.	अनिल शर्मा (16-2150)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	श्रीमद्भागवत-मत्स्य-विष्णुपुराणेषु च योगस्यावतधारणा	दर्शन
129.	प्रियका (16-2158)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	पूर्णचैतन्ययतीन्द्रप्रणीतस्य भवनाटकाख्यकाव्यस्य समीक्षणम्	साहित्य
130.	भरत हरडीकर (16-2145)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	श्रीपट्टाभिरामशास्त्रिविरचितायाः मीमांसानयमञ्जर्याः समीक्षात्मकमध्ययनम्	मीमांसा
131.	मुकेश शर्मा (16-2118)	भोपाल परिसर, भोपाल	विद्यालयीयविविधस्तरेषु संस्कृतांग्लशिक्षकाणां कक्षान्तःक्रियाव्यव-सायिकसन्तृप्तिः शिक्षणभिरुचीनां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
132.	तिलक राज (16-2099)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	हिमाचले ज्यौतिषाध्ययनपरम्परायाः समीक्षात्मकं सर्वेक्षणम्	ज्यौतिष
133.	सुनील काजल (16-2126)	मुख्यालय, दिल्ली	आधुनिकसंस्कृतसाहित्यस्य विकासे कविवरभागीरथिनन्दस्य योगदानम्	साहित्य
134.	अक्षय कुमार दत्त (16-2104)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	गरुडपुराणोक्तायुर्विज्ञानतत्त्वानां समीक्षणम्	पुराणेतिहास
135.	रेखा कुमारी (16-2156)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	शिशुपालवधमहाकाव्यस्य पात्राणां व्यक्तित्वस्य मनोवैज्ञानिकदृष्ट्या समीक्षणम्	साहित्य
136.	सुमित्रा पण्डा (16-2142)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	साङ्ख्यकारिकायाः जयमङ्गलामाठरवृत्तिटीकयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	सांख्ययोग
137.	ओम प्रकाश मीना (16-2096)	मुख्यालय, दिल्ली	प्रक्रियाकौमुद्याः कारकप्रकरणस्य प्रकाशप्रसादटीकयोः वैशिष्ट्यसमीक्षणम्	व्याकरण
138.	प्रवीण कुमार (16-2184)	श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वितीयषट्के वैदिकतत्त्वानां सद्भावसमीक्षणम्	वेद
139.	दयानन्द ए.आर. (16-2102)	जयपुर परिसर, जयपुर	श्रीशिवदैवज्ञविरचितमुहूर्तचूडामणेः सम्पादनं समीक्षात्मकं च अध्ययनम्	ज्यौतिष
140.	कविता बैरवा (16-225)	मुख्यालय, दिल्ली	हनूमदयनमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयसमीक्षणम्	साहित्य
141.	प्रदीप कुमार (16-2108)	भोपाल परिसर, भोपाल	संस्कृतशिक्षणाय रचनावादितन्त्रयुक्तीना प्रभावशीलतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
142.	पंकज भट्ट (16-2114)	श्रीराजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	काव्यप्रयोगपरिशीलनपूर्वकम् उत्प्रेक्षालङ्कारस्य विमर्शात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
143.	शरत् मित्रन् (16-2143)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	संस्कृतव्याकरणवाङ्मये भोजकृतशृङ्गारप्रकाशस्य योगदानम्	नव्यव्याकरण
144.	ममता गिरि (16-2137)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	भाषाविज्ञानदृष्ट्या उत्कलसंस्कृतभाषयोः तुलनात्मकं पर्यालोचनम्	साहित्य
145.	कृष्ण दत्त मिश्र (16-2051)	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्यराधावल्लभत्रिपाठिविरचितस्य सम्प्लवकाव्यसङ्ग्रहस्य साहित्यिकं सांस्कृतिकञ्चाध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
146.	अनुराधा (16-2149)	वेदव्यास परिसर, बलाहार	भवभूतिरचितनाटकेषु शिक्षासमाजशास्त्रीयतत्त्वानि	साहित्य
147.	सुनीश कुमार टि.के. (16-2139)	पूर्णप्रज्ञसंशोधन मंदिरम्, बेंगलूरु	कादम्बर्यां प्रकृतेः समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
148.	अमित पाइक (16-2113)	गुरुवायूर परिसर, बुरुवायूर	पश्चिमबङ्गराज्ये प्रतिष्ठितानां संस्कृतस्पृहायाः सर्वेक्षणम्	शिक्षाशास्त्र
149.	शालिनी मिश्रा (16-2162)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	महामहोपाध्यायचित्रधरकृतायाः शृङ्गारसरिण्याः परिशीलनम्	साहित्य
150.	श्रीलता. एम्.के. (16-2166)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	उदयनकथा भारूपकेषु-प्राचीननिदानानि परामर्शाश्च	साहित्य
151.	राजेन्द्र कुमार सैनी (16-2122)	मुख्यालय, दिल्ली	श्रीमद्भगवद्गीतायाः तथा कुरान इत्यस्य समन्वयात्मकमध्ययनम्	साहित्य
152.	सुनील अमोली (16-2152)	श्रीरणवीर परिसर, जम्मू	निरञ्जनमिश्रप्रणीतस्य गङ्गापुत्रावदानम् इति महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
153.	सुमेधा (16-2154)	जयपुर परिसर, जयपुर	प्रोढमनोरमास्थषड्लिङ्गप्रकरणस्य महाभाष्यदृष्ट्या समीक्षणम्	व्याकरण
154.	ओम नारायण मिश्रा (16-2050)	श्रीसदाशिव परिसर, पुरी	आधुनिकसन्दर्भे विधिनिषेधात्मकसामाजिकचिन्तननिर्माणे योगदर्शनस्य महत्त्वम्	सर्वदर्शन
155.	अश्विनी गंगाधर देशपांडे (16-2141)	गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर	कृष्णलीलाशुकस्य कालवधकाव्यस्य समीक्षणम्	साहित्य
156.	उमामहेश्वर एन्. (16-2144)	राजीवगान्धी परिसर, शृंगेरी	संस्कृतरूपकस्थानां वाचोयुक्तीनां व्याकरणदृशा विमर्शः	नव्यव्याकरण
157.	वाणी मञ्जुनाथ हेगडे (16-2069)	राजीवगान्धी परिसर, शृंगेरी	अद्वैतसिद्धिग्रन्थे विनियुक्तानां हेत्वाभासजातिनिग्रहस्थानां न्यायशास्त्रदृष्ट्या परिशीलनम्	नव्यन्याय

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएं

बिहार	
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम, संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा, वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृत नगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो.आ. कोलहण्टा पटोरी, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101
6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान लक्ष्मीनाथ नगर, रमोली बेलान वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय, बिहार-851133
8.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404
9.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा, जिला–दरभंगा (बिहार) 847423
10.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा, वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)
11.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)
दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015
13.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057

क्रमशः....

14. शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ,
1021-1024, गली शक्ति मन्दिर, दरियागंज, नई दिल्ली–110002

15. श्री महावीर विश्व विद्यापीठ
ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063

16. श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय
एफ-487/3, रघुवीर नगर, नई दिल्ली–110027

17. आर्य कन्या गुरुकुल
न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060

18. राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय
कराला, दिल्ली–110081

19. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ
हरेवली, दिल्ली–110039

20. बाल विद्या मन्दिर
(नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ, दिल्ली–110041

21. कार्यकारी अधिकारी, संस्कृत प्रोमोशन फाउंडेशन वेद भवनम्, 11204/5,
द्वितीय तल, गौशाला मार्ग, डोरीवालान, दिल्ली

22. महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ
आनन्दधाम आश्रम, बक्करवाला मार्ग, नांगलोई, नजफगढ़ नई दिल्ली

23. वेदव्यास-गुरुकुलम, श्रीकृष्ण धाम, प्लॉट नं. 3, फेज-2,
इन्स्टीट्यूशनल एरिया वसंतकुंज, नई दिल्ली

24. श्री स्वामी सर्वोनन्द संस्कृत महाविद्यालय,
श्री गुरु राम राय उदयसेन आश्रम, आरामबाग, नई दिल्ली–110055

गुजरात

25. श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय
श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007

26. हेमचन्द्राचार्य संस्कृत पाठशाला, साबरमती अहमदाबाद, नजदीक नीरा जैन सोसाइटी,
रामनगर, अहमदाबाद, गुजरात - 380005

क्रमशः....

हरियाणा

27. आलोक संस्कृत महाविद्यालय
महेन्द्रगढ़ (मौहल्ला पदवा) हरियाणा – 123039

28. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ
पो. बघौला, तहसील–पलवल, जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102

29. श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय
विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102

30. श्री लज्जाराम संस्कृत विद्यालय
तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102

31. श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय
तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102

32. डी.के.के.एस्.डी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
अंबाला कैण्ट (लाहौर), जगाधरी रोड, हरियाणा

33. श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय,
नजदीक गौशाला मार्बित, शिक्षा मार्ग, भिवानी, हरियाणा

हिमाचल प्रदेश

34. श्री अरविन्द संस्कृत महाविद्यालय, शान्त शिक्षा एवं सोसिला वेलफेयर सोसाइटी,
सनारली, पो.ओ. भनाथा, तहसील, कारसोग, जिला–मण्डी, हिमाचल प्रदेश

जम्मू व कश्मीर

35. श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय,
शिवकाशी, सुन्दरवनी, जिला–राजौरी, जम्मू

36. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल,
चरणपादुका, पुराना दरूर, तहसील-कटरा, जिला-रियासी, जम्मू-काश्मीर-182301

झारखण्ड

37. लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
हरिकृष्ण कुटीर, काली रेखा, जिला–देवघर, झारखण्ड-814112

केरल

38. भारतीय संस्कृत महाविद्यालय
पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर, जिला–कन्नूर-670501 (केरल)

क्रमशः....

39. श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै, जिला–कोट्टायम–686574 (केरल)

40. श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ
पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505

41. कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612

42. कोंडगलूर विद्वत्पीठम्
पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर, जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664

43. महेश्वरी संस्कृत कॉलेज
गाँव व पो. कक्कुर, जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)

44. चिन्मय इन्टरनेशनल फाउन्डेशन
आदि शंकर निलयम, वालियानाड अर्नाकुलम, केरल - 682313

45. विघ्नेश्वर संस्कृत महाविद्यालय
पोंगिनी, कनियम्बेटा, पो.ओ. वायनाड, केरल-670124

46. तन्त्र विद्यापीठ, यू.सी. कॉलेज,
पो.ऑ. अलुवा, केरल - 683102

47. शारदा गुरुकुल, नागार्जुन चैरिटि,
चैमन्डा, त्रिश्शूर-जिला, केरल - 680711

महाराष्ट्र

48. मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
C/o भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग, मुम्बई–400007

मध्य प्रदेश

49. स्वामी संत शरण संस्कृत विद्यापीठ,
श्री हनुमन्त कुंज, शिवपुरी छपदौर, मानपुर, जिला-उमरिया-484665 (मध्य प्रदेश)

मणिपुर

50. मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय
संगईपेटए सेरीकल्चर प्रोजेक्ट के सामने, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर–795001

51. राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134

क्रमशः....

पंजाब	
52.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब-140406
53.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो. खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401
राजस्थान	
54.	श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय जैन नासिया रोड, सांगनेर, जयपुर, राजस्थान
55.	नरसी लाल पंचौली महाविद्यालय बोलखेडा, कमान, जिला-दीग (भरतपुर), राजस्थान-321022
56.	श्री अग्रदेवाचार्य शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, रेवासा, गांव रायवासा, तहसील दन्त्रमार्ग, जिला-सीकर, राजस्थान-332403
57.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201
तेलंगाना	
58.	बालाजी गुरुकुलम, सी.नं. 184, डी.नं. 8-79बी, पापिरेदगुडा, केशमपेट, रंगारेड्डी, तेलंगाना-509216
उत्तर-प्रदेश	
59.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) जिला-वाराणसी, उत्तरप्रदेश-221003
60.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010, उत्तर प्रदेश
61.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204, उत्तर प्रदेश
62.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005
63.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)
64.	श्रीमद दयानन्द कन्या गुरुकुल, चोटीपुरा, पो.ओ. राजापुर, जनपद अमरोहा, उत्तरप्रदेश-244366

क्रमशः....

65. सावित्री दयाराम पाण्डेय, संस्कृत माध्यमिक विद्यालय,
बाल शिक्षण निकेतन, हनुमान नगर, नारायणपुर,
पोस्ट-बलरामपुर, तहसील, पट्टी, जिला-प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश

66. संस्कृत विद्या संस्थान, गांव-कोथा, पो.ओ. सोहनपुर,
जिला-देवरिया-274704, उत्तर प्रदेश

67. गान्धी संस्कृत महाविद्यालय,
पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)

68. अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय
ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)

69. श्री माँ दुर्गा जागरानी देवी संस्कृत महाविद्यालय,
धर्मपुर, (भीरा) खीरी, उत्तर प्रदेश-262901

70. महर्षि पाणिनि वेद वेदांग विद्यापीइ गुरुकुल, महर्षि पाणिनी धर्मार्थ ट्रस्ट (रजि.)
बी-14, सेक्टर ईटा-1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201310

71. इन्डियन इस्टिट्यूट ऑफ ओरियण्टल साईंस, लखनऊ

उत्तराखण्ड

72. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ
सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट, जिला–पौडी गढ़वाल–246279 (उत्तराखण्ड)

73. ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण, जिला-पौडी गढ़वाल-246167 (उत्तराखण्ड)

74. आचार्य अम्लानंद जुयाल आदर्श संस्कृत विद्यालय,
किष्किन्धा, बालोदी, श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

75. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
गुरुकुल कांगडी सम विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

76. श्री ऋषि संस्कृत महाविद्यालय,
निर्धन निकेतन, खड़खड़ी, हरिद्वार

पश्चिम बंगाल

77. पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय (विद्यालय स्तर)
आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई,
जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)

78. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035 (पश्चिम बंगाल)

क्रमशः....

79. हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय
लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक, लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) – 737133

80. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक
पोस्ट ऑफिस हेरिया, जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430

81. मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल
इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी,
जिला–उत्तर दीनाजपुर, (पश्चिम बंगाल) – 733123

82. भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय,
श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302

83. ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ
पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर), जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601

84. कैकिला संस्कृत विद्यापीठ, गाँव एवं पो. काकिला,
पी.एस. हरिपाल, जिला-हुगली, पश्चिम बंगाल-712405

85. कृष्णगंज देबबाणी मन्दिर, पो.ऑ. फुलुई,
जिला-हुगली, पश्चिम बंगाल-712122

86. श्री भक्त बाला संस्कृत कॉलेज, पश्चिम बंगाल

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दिनांक 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-1-72-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 533, जी.शि. (4 ई) 74/26045 दिनांक 02.09.1974 2013 भारत सरकार के पत्र के अनुसार ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडीगढ़ दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 दिनांक 10 सितम्बर 1973 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/एजु/ए वोल्. 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डी ई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1973	-वही-

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.03.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित बी.ए. अन्यथा) 4. आचार्य-बी.ए. (अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण एम.ए.)

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 04.09.1973	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी.ए. (डी. 04) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी.एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी.एच.डी.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. पी.एच्.डी. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए.सी.-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य पत्र सं. क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना ईएलजी/सम-109/3949 दिनांक 26.4.1975	प्राक्शास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	प्री-डिग्री बी.ए. (संस्कृत) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय, पत्र सं. ई./3013 दिनांक 13.5.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं. ए सी एम-II/6115 दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81 ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1.4.08 ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25.4.08	शास्त्री आचार्य प्राक्शास्त्री शिक्षाशास्त्री	बी.ए., शास्त्री एम.ए. +2 स्तर परीक्षा बी.एड.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली देखिए डी.ओ.सं. 80628 दिनांक 27-5-1988 सी बी.एस.ई./कोआर्ड/एसओसीडी/ 2009/6147 दिनांक 3.3.09	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	आठवीं दसवीं बारहवीं
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76, एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.

क्रमश:....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी.एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी. एवं डी.लिट्.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै. दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी.एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

क्रमशः....

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 2022-23

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या	क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	05	12.	मध्य प्रदेश	21
2.	बिहार	08	13.	मणिपुर	02
3.	छत्तीसगढ़	28	14.	ओड़िशा	10
4.	दिल्ली	05	15.	पंजाब	02
5.	गुजरात	03	16.	राजस्थान	26
6.	हिमाचल प्रदेश	04	17.	सिक्किम	09
7.	हरियाणा	21	18.	उत्तराखंड	40
8.	जम्मू और कश्मीर	01	19.	तेलंगाना	01
9.	कर्नाटक	05	20.	तमिलनाडु	03
10.	केरल	09	21.	उत्तर प्रदेश	79
11.	महाराष्ट्र	07	22.	पश्चिम बंगाल	12
				कुल	301

संलग्नक-ञ

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण 2022-23

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या	क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	03	12.	मध्य प्रदेश	09
2.	असम	01	13.	मणिपुर	01
3.	बिहार	03	14.	ओड़िशा	08
4.	छत्तीसगढ़	29	15.	पंजाब	01
5.	दिल्ली	02	16.	राजस्थान	15
6.	गुजरात	03	17.	सिक्किम	08
7.	हिमाचल प्रदेश	03	18.	उत्तराखंड	30
8.	हरियाणा	15	19.	तेलंगाना	01
9.	जम्मू और कश्मीर	01	20.	उत्तर प्रदेश	47
10.	कर्नाटक	02	21.	पश्चिम बंगाल	13
11.	केरल	02		कुल	197

राज्य सरकार से संबंधित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत के अध्यापकों की वित्तीय सहायता 2022-23

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	छत्तीसगढ़	09
2.	राजस्थान	02
3.	सिक्किम	24
	कुल	**35**

संलग्नक-ठ

चतुष्पाठी संस्थाओं में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत संस्थाओं का विवरण 2022-23

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	पश्चिम बंगाल	135
	कुल	**135**

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	शशि कुमार (अध्यापक) 481-एन्, श्याम नगर, निकान्त प्रणामी मन्दिर, मोहारीपुर, गोरखपुर	व्याकरणप्रबोधशतकम्	40,590/-
2.	डॉ. वसन्त कुमार भट्ट ए-2, सुरभि अपार्टमेंट, सुभाष सोसाइटी, विजय क्रॉस रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात)	धर्मचक्र-प्रवर्तनम् (अभिनव संस्कृत नाटकम्)	60,000/-
3.	डॉ. प्रमोद कुमार नायक प्राचार्य, दामोदर संस्कृत कॉलेज पुराना बाजार, भद्रक, ओडिशा	रात्रिगमिष्यति	40,000/-
4.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी 5-ए, प्रभु मार्ग, छत्रसाल नगर, नन्दपुरी, पो.ओ. मालवीय नगर जयपुर (राजस्थान)	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी	3,00,000/-
5.	डॉ. नारायण दास सहायकाचार्य, संस्कृत विभाग आर.के. मिशन कॉलेज, नरेन्द्र नगर, 24, परगना (पश्चिम बंगाल)	उत्कलीयसंस्कृतकथामृतम्	1,60,000/-
6.	डॉ. नारायण दास सहायकाचार्य, संस्कृत विभाग, आर.के. मिशन कॉलेज, नरेन्द्र नगर, 24, परगना (पश्चिम बंगाल)	संमकरतनुदितानि रविन्द्रनाटकानि	96,000/-
7.	डॉ. नारायण दास सहायकाचार्य, संस्कृत विभाग, आर.के. मिशन कॉलेज, नरेन्द्र नगर, 24, परगना (पश्चिम बंगाल)	करुणाकथा	48,000/-

क्रमशः....

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
8.	डॉ. रिचरण कमल व्याख्याता, उपारकुई, केशोपुर, मेदिनीपुर पश्चिम (पश्चिम बंगाल)	गीतासीतापति	32,000/-
9.	डॉ. तन्मय कुमार भट्टाचार्य असिस्टेंट प्रोफेसर, कोलकाता संस्कृत कॉलेज, 1 बी.सी. स्ट्रीट, कॉलेज स्ट्रीट, कोलकाता-700073	वङ्गीयानां संस्कृतनाट्यामृतम्	3,20,000/-
10.	डॉ. उमामहेश्वरी बी. सहायक आचार्य, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, राजेन्द्र भवन, वेरवल, गुजरात	न्यायसारतत्वविमर्श:	86,800/-
11.	डॉ. विदुषी बोल्ला श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, राजेन्द्र भुवन रोड, वेरवल, गुजरात	मञ्जूषातत्वविमर्श:	72,000/-
12.	प्रेमवती हाउस नं. 470, सेक्टर-40, गुरुग्राम-122022 (हरियाणा)	अद्भुतपंचताकाव्यम्	62,480/-
13.	प्रो. प्रयाग नारायण मिश्रा सहिव, देववाणी भवन, सेक्टर-बी., अलीगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	श्री वैष्णव धर्म और	1,96,000/-
14.	डॉ. मोनिका बोल्ला सहायक आचार्य 324-10 गली नं. 1, सुन्दर विलास अजमेर, राजस्थान	श्रीमद्भट्टोजिदीक्षितविरचिता वैयाकरणसिद्धान्त-कौमुदी वैदिकप्रकराणम् 'सुभाषिणी' संस्कृत हिन्दी व्याख्या	1,34,000/-
15.	डॉ. रोशन अच्युत कुलकर्णी	'वेदान्तसिद्धान्तचन्द्रिका' सहित उद्गार-समालोचना संस्करण, अनुवाद सहित	2,00,000/-
16.	डॉ. रिचा बिश्वाल सहायक आचार्य, 57-बसंत विहार झांसी, इलाहाबाद-211019, उत्तर प्रदेश	जॉन डोने की कविता में संस्कृत अलंकार	56,000/-

क्रमश:....

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
17.	प्रो. बनमाली बिश्वाल आचार्य एवं संकायाध्यक्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली-110058	ईशाना	56,000/-
18.	प्रो. भागचन्द्र जैन आजाद पार्क, सदर, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र)	अज्ञातकर्तक प्राकृत ग्रन्थ कविदर्पण	1,60,000/-
19.	प्रो. भागचन्द्र जैन आजाद पार्क, सदर, नागपुर-440001 (महाराष्ट्र)	जैन संस्कृत साहित्य का इतिहास	2,11,200/-

संलग्नक-ढ

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के नाम
तेलंगाना	1.	संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान), उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	श्रीस्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, जिला-गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, लक्ष्मीनाथनगर, रमौली-बेलौन वाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट–बघौला, जिला–पलवल, हरियाणा–121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला कैन्ट, हरियाणा–133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जांगला (रोहड़ू), तहसील–चढ़गाँव जिला–शिमला, हिमाचल प्रदेश–171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला–ऊना, हिमाचल प्रदेश–174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिःशरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला–बी. देवघर, झारखण्ड–814112
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम् आदर्श शोध संस्थान, डॉ. विश्वेरतीर्थ स्वामीजी मार्ग, कट्रिगुप्पा मेन रोड, बैंगलुरु, कर्नाटक–560028
केरल	13.	कालिकट् आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट–बालुश्शेरी, जिला–कोझिकोड, केरल–673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन, आदर्श शोध संस्थान, आदि शंकर निलयम, आदिशंकर मार्ग, पोस्ट–वेलियनाड, एरनाकुलम्, केरल–682313
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मंडल, आदर्श संस्कृत शोध संस्था, टी.एम.वी. कॉलोनी, मुकुन्द नगर, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकडी, पुणे, महाराष्ट्र–411037
	16.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कुलपति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र–400007
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर–795134
तमिलनाडु	18.	मद्रास संस्कृत कॉलेज एण्ड एस.एस.वी. पाठशाला, 84, रॉयपीठ हाई रोड, मायलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु–600004
	19.	अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 53 सन्निधि स्ट्रीट, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु–603306
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल काँगडी, जिला–हरिद्वार, उत्तराखण्ड–249404
उत्तरप्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योगतन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी, उत्तर प्रदेश–221003
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला–मैनपुरी, उत्तर प्रदेश–205001
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला–मथुरा, उत्तर प्रदेश–281121

क्रमशः....

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
पश्चिम बंगाल	24.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम–कालियाचक, पोस्ट–हेरिया, जिला–पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल–721430
	25.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2–ए, पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल–700035
राजस्थान	26.	श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, मंडलगढ़, भीलवाड़ा, राजस्थान–311604

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

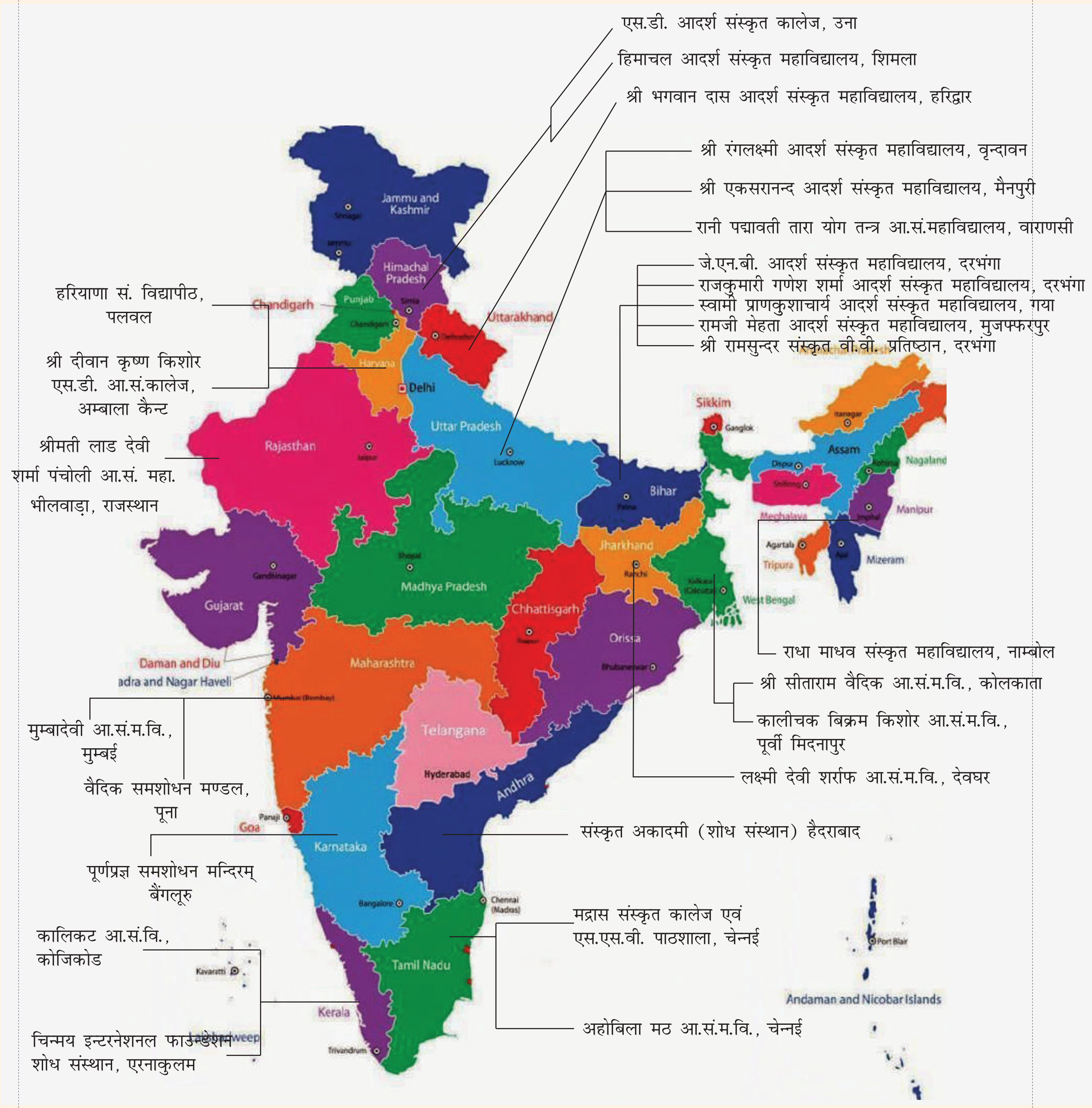

7. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 2022-23 का वार्षिक लेखा

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
31 मार्च 2023 का वित्तीय विवरण

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2022-23	पूर्व वर्ष 2021-22
समग्र/पूंजी निधि	1	-468,226,538.00	-688,705,417.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	78,101,601.00	71,947,039.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	5,579,750,667.00	5,112,738,271.00
योग		**5,189,625,730.00**	**4,495,979,893.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ	4		
मूर्त परिसम्पत्तियाँ		2,077,861,755.00	1,435,015,864.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		2,390,937.00	191,410.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		2,464,633,406.00	2,510,566,821.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि	5		
दीर्घ अवधि		-	-
लघु अवधि		1,808,012.00	1,101,423.00
निवेश - अन्य	6	391,817,020.00	321,809,527.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	245,120,576.00	221,031,943.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि (जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)	8	5,994,024.00	6,262,905.00
योग		**5,189,625,730.00**	**4,495,979,893.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह० सहायक निदेशक (वित्त)

ह० उप निदेशक (वित्त)

ह० वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2023 का आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	46,084,157.00	32,321,130.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	2,576,577,999.00	1,805,635,726.00
निवेश से आय	11	167,926.00	70,081.00
अर्जित ब्याज	12	3,848,363.00	3,177,425.00
अन्य आय	13	18,391,752.00	6,531,944.00
पूर्व अवधि आय	14	1,106,184.00	-
योग (ए)		**2,646,176,381.00**	**1,847,736,306.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	1,096,692,198.00	888,232,051.00
शैक्षिक व्यय	16	1,115,807,928.00	708,741,023.00
प्रशासनिक व्यय	17	193,128,356.00	90,806,803.00
यात्रा व्यय	18	4,528,832.00	2,682,297.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	49,974,911.00	37,567,192.00
वित्तीय लाग	20	203,290.00	12,523.00
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	69,667,364.00	43,910,671.00
अन्य व्यय	21	24,725,967.00	10,882,725.00
पूर्व अवधि व्यय	22	-	-
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (व्यवस्था)	15A	509,526,019.00	609,015,569.00
योग (बी)		**3,064,254,865.00**	**2,391,850,854.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		-418,078,484.00	-544,114,548.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानांतरण		-	-
भवन निधि में स्थानान्तरण		-	-
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		-	-
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**-418,078,484.00**	**-544,114,548.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	25		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०	ह०	ह०
सहायक निदेशक (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 – समग्र कोष/पूंजी निधि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-688,705,417.00	-353,690,566.00
आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय का संतुलन	-418,078,484.00	-544,114,548.00
भारत सरकार के अनुदान का पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया (कैपिटल कार्य प्रगति पर)	671,100,125.00	213,961,255.00
जमा : आंतरिक निधि से खरीदी गई संपत्ति	-	-
घटा : संपत्ति में कमी (बिक्री)	-1,732,848.00	-
जमा : दान में पुस्तकें (पूर्व वर्ष)	-	-
जमा : दान में पुस्तकें (वर्तमान वर्ष)	2,306,409.00	72,960.00
जमा : पूर्व अवधि : संपत्तियों को अचल संपत्तियों को ले जाना चाहिए	-	-
जमा : पूर्व अवधि : अव्ययित भुगतान की दोहरी बुकिंग	-	-
जमा : पूर्व अवधि :	-	-
घटा : पिछले वर्ष दिखाया गया अतिरिक्त पैंशन फंड अब वापिस किया गया	-33,116,323.00	-4,934,518.00
घटा : देनदारियों का मुख्य खाते से समग्र निधि में स्थानांतरण	-	-
घटा : पूर्व अवधि : पिछले वर्ष गलत तरीके से जोड़ी गई सम्पत्तियों को उलट दिया गया	-	-
घटा : पूर्व अवधि : अव्ययित अनुदान की दोहरी बुकिंग	-	-
घटा : पूर्व अवधि : समायोजन अब आय के रूप में लिया जाता है	-	-
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**-468,226,538.00**	**-688,705,417.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि	निधि-वार ब्रेक-अप				योग	
विवरण	पेंशन निधि	छात्र निधि (छात्रकोष)	अक्षय निधि (मुख्यालय)	अक्षय निधि (परिसर)	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि	-	**70,272,931**	**1,237,702**	**436,407**	**71,947,040**	252,933,815
जमा/घटा : पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि अब वापिस की गई	-	-	-	-	-	-
जमा : वर्तमान वर्ष में प्राप्त राशि	814,153	12,488,726	-	705,000	**14,007,879**	9,310,385
सावधि जमा में निवेश से आय		1,376,053	-	21,476	**1,397,529**	1,053,585
बचत बैंक खाते पर ब्याज	-	1,283,858	-	-	**1,283,858**	1,502,304
वर्ष के दौरान किए गए लेन देन से अन्य प्राप्तियां	-	-	-	-	-	-
चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	-	25,117,459	-	-	**25,117,459**	16,381,810
योग (ए)	**814,153**	**110,539,027**	**1,237,702**	**1,162,883**	**113,753,765**	**281,181,899**
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग/व्यय						
निधि से किया गया सामान्य व्यय	-	5,080,974	-	-	**5,080,974**	652,541
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी की गई धनराशि	-	4,686,425	-	52,412	**4,738,837**	1,725,208
राजस्व व्यय (पूर्व वर्ष/वर्तमान वर्ष का समायोजन)	-	270,500	-	-	**270,500**	3,072,890
अन्य विविध प्राप्तियाँ/वर्तमान वर्ष के दौरान किया गया लेन-देन		25,561,853	-	-	**25,561,853**	203,784,221
योग (बी)	**-**	**35,599,752**	**-**	**52,412**	**35,652,164**	**209,234,860**
वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**814,153**	**74,939,275**	**1,237,702**	**1,110,471**	**78,101,601**	**71,947,039**
उपस्थापित कर्ता :						
नकद	-	207,788	-	-	**207,788**	198,714
बैंक में शेष	814,153	40,722,594	528,476	11,685	**42,076,908**	40,953,744
निवेश	-	34,008,893	709,226	1,098,786	**35,816,905**	30,794,581
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं	-	-	-	-	-	
योग	**814,153**	**74,939,275**	**1,237,702**	**1,110,471**	**78,101,601**	**71,947,039**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

निर्धारित/दान निधि का संलग्नक	निधि-वार ब्रेक-अप													योग	
विवरण	पेंशन फंड	छात्र निधि	जमानत राशि पुस्तकालय	जमानत राशि छात्रावास	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के. शर्मा	आर. देवनाथन	गरली	गुरुवायूर	शृंगेरी	चालू वर्ष 2022-23	पूर्व वर्ष 2021-22
निर्दिष्ट चिह्नित/अक्षय निधि		62,968,102.00	3,463,050.00	3,841,779.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	29,248.00	144,949.00	262,210.00	71,947,040.00	252,933,815.00
जमा/घटा : पूर्व वर्ष में ली गई रकम की वापसी					-		-	-	-	-				-	-
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त रकम	814,153.00	8,733,933.00	824,600.00	2,930,193.00									705,000.00	14,007,879.00	9,310,385.00
निधि में निवेश से आय		1,376,053.00	-		-		-	-			1,589.00	7,535.00	12,352.00	1,397,529.00	1,053,585.00
अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज	-	1,143,233.00	40,188.00	100,437.00				-	-	-				1,283,858.00	1,502,304.00
वर्ष के दौरान लेनदेन पर अन्य प्राप्तियाँ	-	-	-	-		-	-	-	-	-		-	-	-	-
वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	-	23,960,459.00	-	1,157,000.00										25,117,459.00	16,381,810.00
योग (ए)	814,153.00	98,181,780.00	4,327,838.00	8,029,409.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	30,837.00	152,484.00	979,562.00	113,753,765.00	281,181,899.00
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय															
निधि द्वारा बनाया सामान्य व्यय	-	4,790,767.00		290,207.00	-		-	-	-	-				5,080,974.00	652,541.00
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी	-	4,120,225.00	393,200.00	173,000.00	-		-	-	-	-		7,535.00	44,877.00	4,738,837.00	1,725,208.00
राजस्व व्यय (पूर्व/वर्तमान अवधि का समायोजन)	-	-	59,500.00	211,000.00	-		-		-	-				270,500.00	3,072,890.00
अन्य विविध भुगतान/वर्ष के दौरान लेन-देन		24,764,282.00	63,571.00	734,000.00				-						25,561,853.00	203,784,221.00
योग (बी)	-	33,675,274.00	516,271.00	1,408,207.00	-	-	-	-	-	-	-	7,535.00	44,877.00	35,652,164.00	209,234,860.00
वर्ष में अन्तिम शेष (ए - बी)	814,153.00	64,506,506.00	3,811,567.00	6,621,202.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	30,837.00	144,949.00	934,685.00	78,101,601.00	71,947,039.00
प्रतिनिधित्व :															
नकद	-	156,320.00		51,468.00	-	-	-		-	-				207,788.00	198,714.00
बैंक में शेष	814,153.00	35,678,713.00	1,251,508.00	3,792,373.00	51,640.00	2,823.00	170,996.00	-	289,131.00	13,886.00	-		11,685.00	42,076,908.00	40,953,744.00
निवेश		34,008,893.00			148,226.00	6,000.00	250,000.00	5,000.00	250,000.00	50,000.00	30,837.00	144,949.00	923,000.00	35,816,905.00	30,794,581.00
अर्जित ब्याज पर देय नहीं	-				-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	814,153.00	69,843,926.00	1,251,508.00	3,843,841.00	199,866.00	8,823.00	420,996.00	5,000.00	539,131.00	63,886.00	30,837.00	144,949.00	934,685.00	78,101,601.00	71,947,039.00

AA page No. 06

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
वर्तमान देनदारियां		
भवन निधि से जमा	-	-
छात्रों द्वारा जमा	-	-
विविध लेनदार (छुट्टी वेतन एवं पी.सी.)	3,340,808.00	3,257,921.00
विविध लेनदार जी.ओ.एल. (जी.ओ.एल. को देय ब्याज)	-	-
अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	380,716,973.00	328,393,226.00
प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति देनदारियां	-	-
प्रायोजित परियोजना देनदारियां	21,283,633.00	
अन्य वर्तमान देनदारियां		
	80,093,392.00	82,750,255.00
देय वेतन, पेंशन, देय एन.पी.एस.	-	-
प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ	8,611,814.00	6,040,403.00

अग्रिम अनुदान	-	-
उपार्जित देयता	-	-
योग (ए)	494,046,620.00	420,441,805.00
प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
ग्रेच्युटी के लिए प्रावधान	286,659,788.00	301,595,512.00
सेवानिवृत्ति/पेंशन के लिए प्रावधान	4,467,853,419.00	4,066,220,682.00
संचित छुट्टियों का नकदीकरण	327,384,310.00	320,797,788.00
व्यापार वारंटियों का दावा	-	-
अन्य प्रावधान (निर्दिष्ट)	-	-
योग (बी)	5,081,897,517.00	4,688,613,982.00
वैधानिक दायित्व योग (सी)	3,806,530.00	3,682,484.00
योग (ए+बी)	5,579,750,667.00	5,112,738,271.00

AA page No. 08

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2023

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
आय कर	-	166,870,021.00	166,870,021.00	-
जी.पी.एफ.	-	60,691,540.00	60,691,540.00	-
एन.पी.एस.	507,622.00	41,964,290.00	42,384,113.00	87,799.00
जी.आई. प्रीमियम	237,826.00	350,591.00	456,535.00	131,882.00
जी.आई.एस. देनदारियाँ	117,390.00	727,579.00	610,500.00	234,469.00
परिसरों की अन्य देनदारियाँ	553,263.00	-	-	553,263.00
एल.आई.सी.	2,571.00	1,379,667.00	1,379,667.00	2,571.00
अन्य खातों को प्रेषण देय अन्य राशि	2,263,812.00	2,010,458.00	3,913,103.00	361,167.00
टी.डी.एस.	-	4,223,507.00	4,223,507.00	-
जी.एस.टी.	-	403,644.00	403,644.00	-
पेशेवर कर	-	941,792.00	941,792.00	-
अन्य परिसरों का स्थानांतरण/अन्य खाते/निधियाँ	-	4,566,981.00	2,881,602.00	1,685,379.00
प्रधानमंत्री सहायता राशि	-	-	-	-
योजना और वास्तुकला का स्कूल	-	-	-	-
मध्यप्रदेश सरकार से प्राप्त राशि	-	1,764,546.00	1,014,546.00	750,000.00
छात्रकोष (छात्र कोष)	-	-	-	-
योग	**3,682,484.00**	**285,894,616.00**	**285,770,570.00**	**3,806,530.00**

ई.एम.डी. का संलग्नक/जमानती राशि 31.03.2023

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
ई.एम.डी. सहित अन्य जमा/प्रतिभूति				
बयाना जमा राशि	933,244.00	949,500.00	699,500.00	1,183,244.00
जमानती राशि (पुस्तकालय+हॉस्टल)	-	30,000,000.00	-	30,000,000.00
विविध देनदारियां हेतु समग्र निधि	313,369,826.00	324,698,083.00	304,978,252.00	333,089,657.00
आकस्मिक देयताएँ (न्यायालय मुकदमा) सेवानिवृत्ति लाभ	7,416,138.00	9.00	2,000,000.00	5,416,147.00
प्रकाशन हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त अग्रिम राशि	6,674,018.00	11,027,925.00	6,674,018.00	11,027,925.00
अक्षय निधि	-	-	-	-
योग	**328393226.00**	**366675517.00**	**314351770.00**	**380716973.00**

संलग्नक प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति 31.03.2023

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति देनदारियाँ				
अनुसंधान छात्रवृत्रि देनदारियाँ	-	130,000.00	130,000.00	-
कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता	-	-	-	-
छात्र अध्येतावृत्ति देनदारियाँ	-	-	-	-
योग	**0.00**	**130000.00**	**130000.00**	**0.00**

संलग्नक प्रायोजित परियोजना 31.03.2023

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित परियोजना देनदारियां				
अष्टादशी परियोजना	-	14,806,250.00	440,217.00	14,366,033.00
मूक्स परियोजना	-	1,450,000.00	-	1,450,000.00
भारतीय जानकारी योजना (आई.के.एस.)	-	3,700,000.00	-	3,700,000.00
ज्योतिष परियोजनाएँ	-	176,219.00	5,000.00	171,219.00
अन्य परिजनाएँ	-	2,282,428.00	686,047.00	1,596,381.00
	0.00	**22414897.00**	**1131264.00**	**21283633.00**

वर्तमान सम्पत्तिया संलग्नक – ऋण एवं अग्रिम 31.03.2023

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
कर्मचारियों को अल्पकालिक अग्रिम भुगतान				
आकस्मिक अग्रिम	1,778,400.00	21,760,550.00	21,650,550.00	**1,888,400.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	1,183,260.00	280,496.00	280,496.00	**1,183,260.00**
टी.ए. अग्रिम	260,639.00	1,169,900.00	1,290,724.00	**139,815.00**
यात्रा वाहन अग्रिम	140,663.00	-	-	**140,663.00**
चिकित्सकीय अग्रिम	104,779.00	34,355.00	-	**139,134.00**
डाक अग्रिम	-	68,000.00	68,000.00	**-**
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम				
कार ऋण	47,200.00	1,800.00	29,000.00	**20,000.00**
मोटरसाइकिल ऋण	-	-	-	**-**
एच.बी.ए. लोन	652,139.00	-	261,436.00	**390,703.00**
त्यौहार एवं अन्य अग्रिम	-	-	-	**-**
अन्य परिसरों को प्रेषण/मुख्यालय	-	-	-	**-**
अन्य (निर्दिष्ट)	440,000.00	-	-	**440,000.00**
संगणक ऋण	157,939.00	266,424.00	270,200.00	**154,163.00**
योग	**4,765,019.00**	**23,581,525.00**	**23,850,406.00**	**4,496,138.00**

AA page No. 10

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

(राशि ₹ में)

	ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2022	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/ समायोजन	कुल ह्रास	वर्तमान वर्ष 2022-23	पूर्व वर्ष 2021-22
i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व	3595156.00	-	-	3,595,156.00	3,080.00	0.00%		-	3,080.00	3,592,076.00	3,592,076.00
ii. भूमि - पट्टे पर	5170175.00	-	-	5,170,175.00	2,463,677.00	0.00%	-	-	2,463,677.00	2,706,498.00	2,706,498.00
साइट का विकास	0.00	-	-	-	-	0.00%	-	-	-	-	-
भवन	1485770270.00	659,254,364.00	-	2,145,024,634.00	154,950,088.00	2.00%	42,900,493.00	-	197,850,581.00	1,947,174,053.00	1,330,820,182.00
सड़क एवं पुल	4069496.00		-	4,069,496.00	81,390.00	2.00%	81,390.00	-	162,780.00	3,906,716.00	3,988,106.00
ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	987389.00		-	987,389.00	36,044.00	2.00%	19,748.00	-	55,792.00	931,597.00	951,345.00
सीवरेज एवं ड्रेनेज	0.00	-	-	-	-	2.00%	-	-	-	-	-
बिजली संस्थापन एवं उपकरण	8397007.00	2,118,556	-	10,515,563.00	1,695,895.00	5.00%	525,778.00	-	2,221,673.00	8,293,890.00	6,701,112.00
यंत्र एवं मशीनरी	14800606.00	6,333,889	807,590.00	20,326,905.00	3,600,546.00	5.00%	1,016,345.00	-	4,616,891.00	15,710,014.00	11,200,060.00
जेनरेटर	37534461.00	-	-	37,534,461.00	21,875,195.00	5.00%	1,876,723.00	-	23,751,918.00	13,782,543.00	15,659,266.00
फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	107927954.00	12,371,506	302,756.00	119,996,704.00	62,349,884.00	7.50%	8,999,753.00	-	71,349,637.00	48,647,067.00	45,578,070.00
लकड़ी के विभाजन		-	-	-		7.50%		-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	5215921.00	1,034,185	-	6,250,106.00	1,266,660.00	7.50%	468,758.00	-	1,735,418.00	4,514,688.00	3,949,261.00
दृश्य श्रव्य उपकरण	3649911.00	5,473,832	-	9,123,743.00	754,573.00	7.50%	684,281.00	-	1,438,854.00	7,684,889.00	2,895,338.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	23657418.00	12,587,586	622,502.00	35,622,502.00	20,584,688.00	20.00%	7,124,500.00	-	27,709,188.00	7,913,314.00	3,072,730.00
पाण्डुलिपियां	747000.00		-	747,000.00	-	0.00%	-	-	-	747,000.00	747,000.00
प्रयोगशाला उपकरण	2,474,189	5,442,923.00		7,917,112.00	1,304,083.00	8.00%	633,369.00	-	1,937,452.00	5,979,660.00	1,170,106.00
पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	21,094,484	6,541,723.00	-	27,636,207.00	19,326,280.00	10.00%	2,763,621.00		22,089,901.00	5,546,306.00	1,768,204.00
वाहन	4,330,191	1,053,281	-	5,383,472.00	4,113,681.00	10.00%	538,347.00	-	4,652,028.00	731,444.00	216,510.00
कम मूल्य सम्पत्तियां	264,999		-	264,999.00	264,999.00	100.00%	-	-	264,999.00	-	-
प्रकाशन	1,729,686,627.00	52,957,481.00	1,732,848.00	2,440,165,624.00	294,670,763.00		67,633,106.00	-	362,303,869.00	2,077,861,755.00	1,435,015,864.00
कुल स्थायी सम्पत्तियाँ (ए)	2,510,566,821.00	613,908,859.00	659,842,274.00	2,464,633,406.00	-	0.00%	-	-	-	2,464,633,406.00	2,510,566,821.00
पूँजीगत कार्य प्रगति पर (बी)											
अमूर्त संपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/ समायोजन	कुल ह्रास/ समायोजन	31.03.2023	31.03.2022
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	819,294.00	3,553,119.00	-	4,372,413.00	647,423.00	40%	1,748,966	-	2,396,389	1,976,024.40	171,871.00
ई-जरनल/पुस्तकें	32,565.00	680,666.00		713,231.00	13,026.00	40%	285,292		298,318	414,912.60	-
पेटेंट	717,354.00	-	-	717,354.00	717,354.00	9 years	-		717,354	-	-
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ योग (सी)	1,569,213.00	4,233,785.00		5,802,998.00	1,377,803.00		2,034,258.00	-	3,412,061.00	2,390,937.00	191,410.00
कुल योग (ए+बी+सी)	4,241,822,661.00	671,100,125.00	661,575,122.00	4,910,602,028.00	296,048,566.00	-	69,667,364.00	-	365,715,930.00	2,080,252,692.00	1,435,207,274.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
अक्षय निधि पर निवेश		
जिंदल ट्रस्ट	148,226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6,000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250,000.00	250,000.00
शुक्ला ट्रस्ट	5,000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250,000.00	250,000.00
आर. देवनाथन	50,000.00	50,000.00
अक्षय निधि फंड	-	-
अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	1,098,786.00	392,197.00
योग	**1,808,012.00**	**1,101,423.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
सावधि जमा में निवेश		
अनुसूचित बैंक (सावधि जमा) छात्र फंड	34,008,893.00	29,693,158.00
अनुसूचित बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (सावधि जमा)	247,948,490.00	217,881,915.00
अनुसूचित बैंक एम.एस.पी. (सावधि जमा)	30,000,000.00	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	79,859,637.00	74,234,454.00
निवेश ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ		
केन्द्र सरकार ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
राज्य सरकार ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
सार्वजनिक क्षेत्र संघ/बैंक ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
अन्य संस्थान ऋणपत्र/प्रतिभूतियाँ	-	-
योग	**391,817,020.00**	**321,809,527.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
स्टॉक	-	-
गोदाम एवं पुर्जे	-	-
खुले औजार	-	-
प्रकाशन	13,334,613.00	12,796,021.00
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय	-	-
भवन निर्माण सामग्री	-	-
बिजली सामग्री	-	-
लेखन सामग्री	-	-
पानी सप्लाई मैटिरीयल	-	-
कुल वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**13,334,613.00**	**12,796,021.00**
विविध देनदार		
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक	-	-
आपूर्तिकर्ता	-	-
कर्मचारी	-	-
अन्य सी.एस.यू. परिसर	-	-
अन्य विविध देनदारियाँ	-	-
सस्पेंस खाता प्राप्तियाँ	-	-
सस्पेंस खाते पर नकद नकद प्राप्तियाँ	-	-
प्रायोजित परियोजनाओं पर सरकारी अनुदान	-	-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं	-	-
प्राप्य अनुदान	-	-
अक्षय निधि प्राप्य फंड	-	-
कुल विविध देनदार	**-**	**-**

जमा शेष हाथ में नकदी		
हाथ में नकद	181,690.00	101,391.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	-	44,177.00
हाथ में नकद (छात्र फंड)	207,788.00	198,714.00
नगद एवं बैंक में शेष		
अनुसूचित बैंक बचत (मुख्य)	134,152,713.00	132,385,069.00
बचत खाते (एम.एस.पी.)	13,997,360.00	13,372,056.00
आर.बी.आई. खाते	-	-
चालू खाता	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	5,281,530.00	21,253,457.00
बचत खाता (परियोजना)	23,205,293.00	500,000.00
बचत खाता (भवन कोष)	14,132,468.00	-
बचत खाता (छात्र फंड)	40,627,121.00	40,381,058.00
बचत खाता (छात्र फंड प्रतिभूति)	-	-
बैंक में नकद	**231,785,963.00**	**208,235,922.00**
	245,120,576.00	**221,031,943.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ विवरण	चालू वर्ष 2022-23	पूर्व वर्ष 2021-22
कर्मचारियों को अल्प अवधि अग्रिम		
आकस्मिक अग्रिम	1,888,400.00	1,778,400.00
एल.टी.सी. अग्रिम	1,183,260.00	1,183,260.00
टी.ए. अग्रिम	139,815.00	260,639.00
वाहन अग्रिम	140,663.00	140,663.00
चिकित्सा हेतु अग्रिम	139,134.00	104,779.00
डाक हेतु अग्रिम	-	-
कुल अल्प अवधि अग्रिम कर्मचारियों हेतु	**3,491,272.00**	**3,467,741.00**
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम		
कार ऋण	20,000.00	47,200.00
मोटरसाईकिल ऋण	-	-
एच.बी.ए. ऋण	390,703.00	652,139.00
त्यौहार एवं अन्य अग्रिम	-	-
अन्य राज्यों को प्रेषण/मुख्यालय	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	440,000.00	440,000.00
संगणक ऋण	154,163.00	157,939.00
कुल ऋण एवं अग्रिम	**1,004,866.00**	**1,297,278.00**
परिसरों द्वारा जमा		
पूँजी खाता	-	-
बी.एच.पी./इण्डेन गैस	-	-
अग्रिम धन	451,500.00	451,500.00
दूरभाष विभाग	189,065.00	189,065.00
डी.ए.वी.पी.	50,000.00	50,000.00
बिजली विभाग	11,650.00	11,650.00
अन्य	13,549.00	13,549.00
कुल जमा दिया	**715,764.00**	**715,764.00**
योग (ए)	**5,211,902.00**	**5,480,783.00**
अर्जित आय/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाते		
निवेश पर चिह्नित/अक्षय निधि	-	-
उचंत खाता (मुम्बई परिसर)	723,000.00	723,000.00
उचंत खाता नकद (मुम्बई परिसर)	59,122.00	59,122.00
अर्जित ब्याज एवं देय नहीं	-	-
(बी) कुल अर्जित ब्याज/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाता	**782,122.00**	**782,122.00**
योग (ए) + (बी)	**5,994,024.00**	**6,262,905.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 9 – प्रशासनिक प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
प्रशासन		
शिक्षा शुल्क	-	-
प्रवेश शुल्क	32,696,826.00	3,372,830.00
नामांकन शुल्क	-	32,680.00
पुस्तकालय शुल्क	-	891.00
प्रयोगशाला शुल्क	-	-
कला एवं शिल्प शुल्क	-	-
एन.एफ.एस.ई.	2,716,096.00	799,660.00
योग	**35,412,922.00**	**4,206,061.00**
परीक्षाएँ		
प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	1,152,554.00	1,722,650.00
वार्षिक परीक्षा शुल्क	4,921,862.00	15,694,814.00
अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क	-	-
प्रवेश परीक्षा शुल्क	1,860,503.00	7,747,000.00
फार्म की बिक्री	-	-
डिग्री शुल्क	-	-
परीक्षा फार्म शुल्क	-	-
बी.एड. अभ्यास शुल्क	-	-
योग	**7,934,919.00**	**25,164,464.00**
अन्य शुल्क		
पहचान पत्र शुल्क	-	-
दण्ड/विविध शुल्क	9,856.00	62,278.00
बिजली शुल्क	-	-
परिवहन शुल्क	-	-
छात्रावास रखरखाव शुल्क	-	-

(राशि ₹ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
खेल शुल्क	-	
विभिन्न गतिविधियों का शुल्क	-	-
पुस्तकालय अतिदेय शुल्क	-	-
ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम	-	-
पालि/प्राकृत प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	-	-
योग	**9,856.00**	**62,278.00**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
प्रवेश फार्म शुल्क	-	21,339.00
पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र शुल्क	27,800.00	-
पत्रिका शुल्क	-	-
कार्यशाला एवं कार्यक्रम शुल्क	55,450.00	-
पंजीकरण शुल्क (प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय)	-	-
छात्र कोश द्वारा पूंजी का प्रेषण	2,366,173.00	-
पत्राचार प्राप्तियाँ/लाईब्रेरी अतिदेय प्रभार	70,823.00	142,886.00
योग	**2,520,246.00**	**164,225.00**
मु.स्वा.पीठ प्राप्तियाँ		
मु.स्वा.पीठ शुल्क	206,214.00	**2,724,102.00**
कुल योग	**46,084,157.00**	**32,321,130.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुदान				
	भारत सरकार	गैर एन.ई.आर. खाता	एन.ई.आर. खाता	गैर एन.ई.आर. खाता	एन.ई.आर. खाता
		वर्तमान वर्ष (2022-23)	वर्तमान वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)	पूर्व वर्ष (2021-22)
शेष लाया गया	6,040,403.00	621,808.00	5,418,595.00	31,066,646.00	6,254,708.00
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	3,244,300,000.00	3,019,900,000.00	224,400,000.00	1,926,715,906.00	61,600,124.00
योग	**3,250,340,403.00**	**3,020,521,808.00**	**229,818,595.00**	**1,957,782,552.00**	**67,854,832.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी	-983,842.00	-1,294.00	-982,548.00	-	-
शेष	**3,249,356,561.00**	**3,020,520,514.00**	**228,836,047.00**	**1,957,782,552.00**	**67,854,832.00**
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	664,166,748.00	525,352,332.00	138,814,416.00	213,961,255.00	-
शेष	**2,585,189,813.00**	**2,495,168,182.00**	**90,021,631.00**	**1,743,821,297.00**	**67,854,832.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	2,576,577,999.00	2,486,556,368.00	90,021,631.00	1,743,199,489.00	62,436,237.00
शेष ले जाया गया (सी)	**8,611,814.00**	**8,611,814.00**	**-**	**621,808.00**	**5,418,595.00**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

AA page No. 18

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 11 - निवेश से आय

(राशि ₹ में)

विवरण	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)	चालू वर्ष 2022-23	पूर्व वर्ष 2021-22
निवेश पर अर्जित ब्याज				
सावधि जमा पर ब्याज				
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अनुसूचित बैंक (सावधि जमा)			-	70,081.00
अनुसूचित बैंक मु.स्वा.पी. (सावधि जमा)			167,926.00	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)			-	-
ऋणपत्र पर अर्जित ब्याज/प्रतिभूतियाँ			-	-
केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों पर ब्याज			-	-
राज्य सरकार प्रतिभूतियों पर ब्याज			-	-
सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों पर ब्याज/बैंक प्रतिभूतियाँ			-	-
अन्य प्रतिभूतियाँ पर अर्जित ब्याज			-	-
योग (ए)	**-**	**-**	**167,926.00**	**70,081.00**
चिन्हित/अक्षय निधि में स्थानान्तरण				
योग (बी)	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
बकाया	**0.00**	**0.00**	**167926.00**	**70081.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 12 – अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022–22)	पूर्व वर्ष (2021–22)
बचत खाता पर अर्जित ब्याज		
अनुसूचित बैंक पर ब्याज – बचत खाते पर	3,527,697.00	2,657,395.00
बैंक पर ब्याज – एन.पी.एस. बचत खाता	-	-
भवन खाते पर ब्याज व परियोजना खाता	51,033.00	-
ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज		
ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज	-	-
घरेलू बिल्डिंग पर ब्याज	30,000.00	224,476.00
संगणक अग्रिम पर ब्याज	75,180.00	53,619.00
कार अग्रिम पर ब्याज	158,405.00	231,757.00
मोटर साइकिल पर ब्याज	6,048.00	10,178.00
साइकिल पर ब्याज	-	-
अन्य कार्यालयीय अग्रिम पर ब्याज	-	-
अन्य देनदारों एवं प्राप्यकर्ताओं पर ब्याज	-	-
योग	**3,848,363.00**	**3,177,425.00**
देयताओं पर अर्जित ब्याज		
निवेश – अन्य	-	-
ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज	-	-
अन्य देनदारों पर अर्जित ब्याज	-	-
योग	-	-
कुल योग	**3,848,363.00**	**3,177,425.00**
नोट – स्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

अनुसूची 13 - अन्य आय 31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
विविध आय		
जमीन एवं भवन से आय		
छात्रावास कक्ष किराया/एच.आर.ए.	1,912,140.00	758,309.00
लाइसेंस शुल्क	489,201.00	543,588.00
प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सम्मेलन कक्ष आदि	650,855.00	41,200.00
बिजली शुल्क वापिस	49,269.00	53,715.00
पानी शुल्क वापिस	7,048.00	5,273.00
अन्य (अलग से निर्दिष्ट एवं खुलासा किया जाना)	2,311,013.00	165,050.00
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	449,949.00	-
राष्ट्रपति सम्मान	1,326,622.00	-
परिवहन संग्रह	165,400.00	-
होल्डिंग इवेंट्स से आय		
वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय	-	-
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च	-	-
मेलों/अष्टादशी परियोजना से प्राप्त कुल राशि	-	-
घटा : प्रत्यक्ष व्यय पर किया गया शुल्क	-	-
शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि	-	-
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च	-	-
अन्य (अलग से निर्दिष्ट)	-	-
अन्य आय		
परामर्श से आय	27,925.00	-
आर.टी.आई. शुल्क	1,020.00	1,100.00
संस्थान प्रकाशन से आय	-	-
आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)	-	-
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)	2,611,279.00	3,255,394.00
बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान/एल.डी.सी. फार्म	4,122,680.00	9,308.00
सम्पत्ति की बिक्री	184,464.00	-
अन्य संस्थानों को छात्रवृत्ति (जे.एन.यू., एन.डी.)	-	-
अनुदान/संस्थानों से अनुदान, कल्याणकारी निकाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
अन्तर्राष्ट्रीय संगठन द्वारा अनुदान	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	4,000,000.00	151,293.00
छुट्टी वेतन एवं पी.सी. (मुख्यालय में)	82,887.00	1,547,714.00
गबन रकम की वापसी	-	-
योग	**18,391,752.00**	**6,531,944.00**

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
पूर्व अवधि आय		
एन.पी.एस. राशि पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाया गया	-	-
पूर्व वर्ष खाता में आय नहीं ले जाया गया	1,106,184.00	-
पिछले वर्षों की आय पर अर्जित ब्याज को अब वापिस किया गया (भारत सरकार को स्थानांतरण)	-	-
राशि को गलत तरीके से खर्च किया गया अब पूर्व आय को वापिस किया गया	-	-
योग	**1,106,184.00**	**-**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
राजस्व व्यय		
वेतन के लिए राजस्व व्यय		
संकाय का वेतन	709,348,638.00	538,408,038.00
गैर संकाय का वेतन	144,411,825.00	146,988,592.00
भत्ते एवं बोनस/भत्ते एवं देय	-	-
अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)	-	-
सी.पी.एफ. को योगदान	-	-
	-	-
मानदेय	523,500.00	497,000.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	-	-
सेवानिवृत्ति एवं राजस्व व्यय		
संचय पेंशन	448,948,998.00	499,315,071.00
ग्रेच्युटी	17,207,494.00	40,207,187.00
छुट्टी का वेतन (सेवानिवृत्ति)	43,369,527.00	69,493,311.00
छुट्टी का वेतन (एल.टी.सी.)	-	-
छुट्टी का वेतन एवं पेंशन	-	-
पेंशन एवं पेंशन की सुविधाएं	164,523,304.00	146,418,989.00
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय साझा करना)	59,046,976.00	39,132,330.00
राजस्व व्यय अन्य अवयवों हेतु		
बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	6,682,913.00	5,691,510.00
एन.पी.एस. पर ब्याज अंशदान	-	-
सावधि भविष्य निधि पर ब्याज	-	-
चिकित्सा अदायगी	7,991,882.00	5,497,705.00
छुट्टी का नकदीकरण (10 दिन)	-	2,949,770.00
छुट्टी यात्रा रियायत (एल.टी.सी.)	4,163,160.00	2,648,117.00
योग	**1,606,218,217.00**	**1,497,247,620.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 (ए) - कर्मचारी सेवानिवृत्ति - बर्खास्तगी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अर्जित छुट्टियां	योग
वर्ष में शेष 1.4.2022	**4,066,220,682.00**	**301,595,512.00**	**320,797,788.00**	**4,688,613,982.00**
जमा : जी.ओ.एल. से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	-
योग (ए)	4,066,220,682.00	301,595,512.00	320,797,788.00	4,688,613,982.00
घटा : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	47,316,261.00	32,143,218.00	36,783,005.00	116,242,484.00
उपलब्ध शेष राशि दिनांक 31.03.2021 सी (ए-बी)	4,018,904,421.00	269,452,294.00	284,014,783.00	4,572,371,498.00
आवश्यक प्रावधान दिनांक 31.03.2023 वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार (डी.)	4,467,853,419.00	286,659,788.00	327,384,310.00	5,081,897,517.00
ए. चालू वर्ष में किए जाने वाला प्रावधान (डी-सी)	448,948,998.00	17,207,494.00	43,369,527.00	509,526,019.00
बी. नई पेंशन योजना को योगदान	-	-	-	-
सी. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
डी. सेवानिवृत्त होने पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-
ई. जमा लिंक बीमा भुगतान	-	-	-	-
योग - (ए+बी+सी+डी+ई)	448,948,998.00	17,207,494.00	43,369,527.00	509,526,019.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 16 – योजनाशैक्षिक व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
कनिष्ठ शोध अध्येता/अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय		
भुगतान – शोध छात्रवृत्ति	15,666,827.00	10,963,224.00
भुगतान – कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता	-	-
भुगतान – छात्रों को छात्रवृत्ति	111,072,875.00	46,752,251.00
योग	**126,739,702.00**	**57,715,475.00**
प्रशासनिक व्यय		
प्रयोगशाला व्यय	50,000.00	-
क्षेत्र कार्य/सम्मेलन सहभागिता	-	-
सेमिनार खर्च/कार्यशाला	18,686,497.00	850,000.00
अभ्यागत संकाय भुगतान	137,653,886.00	78,489,394.00
परीक्षा	16,892,729.00	10,190,303.00
छात्र कल्याण खर्च	141,215.00	106,738.00
प्रवेश खर्च	273,675.00	390,264.00
दीक्षांत समारोह खर्च	-	-
पत्रिका (प्रकाशन व्यय)	1,234,567.00	74,970.00
कुरियाकोस स्मृति कार्यक्रम	139,408.00	-
अनुसंधान खर्च	511,911.00	4,000.00
अन्य (निर्दिष्ट) भत्ता	207,115.00	-
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	11,688,673.00	-
वार्षिक उत्सव	788,118.00	172,390.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	-	-
कम्प्यूटर शिक्षा/ई-टेक्स्ट	15,339.00	-
दूरस्थ शिक्षा (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	8,096,855.00	8,717,933.00
सी.सी. आकस्मिकता	231,411.00	99,627.00
स्थापना दिवस	-	1,900.00
ई-ग्रन्थालय	328,716.00	63,825.00
कौमुदी महोत्सव/नाट्य महोत्सव/रूपक महोत्सव	8,947,146.00	9,610,953.00
एकता दिवस/मातृ भाषा दिवस	-	20,000.00
पी.एस.एस.टी.-परीक्षा शुल्क/संयुक्त प्रवेश परीक्षा	-	2,617,695.00
संस्कृत आयोग /अनेक गतिविधियाँ	-	2,000.00
संस्कृत दिवस समारोह	775,828.00	304,765.00

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
एन.सी.टी.ई. पंजीकरण व्यय	50,000.00	-
स्वतंत्रता दिवस समारोह	75,828.00	3,100.00
हिन्दी दिवस समारोह	193,864.00	257,894.00
महिला अध्ययन केन्द्र	-	7,661.00
ग्लोरी फेस्टिवल	300,000.00	23,600.00
पाठ्यक्रम की तैयारी व्यय	183,311.00	-
शिक्षक दिवस	56,962.00	-
अध्ययन बोर्ड व्यय	1,667,699.00	-
विश्व संस्कृत सम्मेलन	194,380.00	-
योग दिवस	495,940.00	-
आइ.क्यू.ए.सी./नैक	11,115,879.00	278,591.00
विस्तृत व्याख्यान	191,918.00	54,727.00
केंद्रीय मूल्यांकन कार्य	5,775,251.00	-
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	216,966.00	13,100.00
भारतीय विश्वविद्यालय संगठन	-	59,000.00
स्वच्छता सप्ताह व्यय	14,169.00	-
नाट्य शास्त्र व्यय	2,167,559.00	-
रजत जयंती कार्यक्रम	866,298.00	866,401.00
संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम/संकाय विकास व्यय	1,194,153.00	
कला कार्य व्यय	137,955.00	
वेद यज्ञशाला/व्याख्यानमाला	71,000.00	
उत्कर्ष महोत्सव	2,886,580.00	
संकाय आगमन	100,000.00	
कुलपति पुरस्कार योजना	450,000.00	
मूक डिजटलीकरण	1,417,700.00	
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	-	
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छमाही)	939,662.00	861,088.00
योग	**237,426,163.00**	**114,141,919.00**

AA page No. 26

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
योजना व्यय		
जगन्नाथ वी.के. परियोजना	-	-
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	25,802,184.00	11,270,931.00
शास्त्र चूड़ामणि	1,898,000.00	2,400,000.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-	-
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	7,774,933.00	394,787.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	-	-
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	3,166,556.00	912,410.00
व्यावसायिक प्रशिक्षण	294,000.00	967,500.00
राष्ट्रपति सम्मान	-	3,734,513.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	347,329,901.00	319,397,015.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	77,968,286.00	58,111,696.00
डेक्कन कॉलेज पुणे	6,500,000.00	5,000,000.00
परम्परागत पाठशाला	180,540,966.00	65,361,124.00
उत्तर पूर्वी राज्य	14,900,191.00	14,562,352.00
ऐच्छिक संस्कृत संगठन/ऐच्छिक संस्कृत संगठन विश्वविद्यालय	156,500.00	200,000.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	2,028,000.00	20,963,419.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनीयर सेकेन्डरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	504,000.00	1,451,355.00
सम्मान राशि	6,252,000.00	5,964,000.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान	-	-
पंचांग परियोजना	83,226.00	229,570.00
समायोजन प्रविष्टि	-	-
पालि एवं प्राकृत	6,660,578.00	5,969,843.00
राष्ट्रीय संस्कृत गोष्ठी	-	-
ई.पाठशाला पुस्तक	-	-
अन्य परियोजनाएँ (निर्दिष्ट)	7,800,000.00	-
सांख्य योग/पंचाग परियोजना	50,000.00	-
ज्योतिष परियोजनाएँ	-	-
भारतीय ज्ञान प्रणाली	3,200,000.00	-
नाट्य शास्त्र परियोजना	-	1,942,970.00
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	-	500,000.00
अष्टादशी परियोजना	44,266,160.00	6,066,687.00
अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता	14,466,582.00	11,483,457.00
योग	**751,642,063.00**	**536,883,629.00**
कुल योग	**1,115,807,928.00**	**708,741,023.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 17 – प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
प्रशासनिक व्यय		
आधारभूत संरचना		
बिजली एवं पावर	19,747,398.00	10,259,641.00
पानी शुल्क	1,025,750.00	1,014,786.00
बीमा	213,739.00	213,739.00
किराया, दर एवं टैक्स	9,025,159.00	2,863,492.00
संचार		
डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	1,879,745.00	1,065,552.00
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	3,129,104.00	2,026,542.00
अन्य		
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	4,927,300.00	2,895,917.00
यात्रा एवं वाहन खर्च	20,498,468.00	6,457,588.00
वर्दियां	220,000.00	185,000.00
लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	822,274.00	228,480.00
पेशेवर प्रभार	-	-
विज्ञापन एवं प्रचार	1,708,091.00	1,332,392.00
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	40,652.00	96,598.00
अन्य (निर्दिष्ट) आउटसोर्सिंग	54,119,744.00	23,755,467.00
भर्ती व्यय	-	-
कर्मचारी कल्याण खर्च	419,302.00	473,710.00
कानूनी खर्च	1,083,511.00	1,013,275.00

विविध व्यय	-	4,088,499.00
सुरक्षा हाउस कीपींग	21,904,609.00	4,543,500.00
सुरक्षा सेवाएं खर्च	19,150,767.00	20,050,377.00
सी.सी.टी.वी. व्यय	-	30,000.00
संविदा कर्मचारियों का वेतन	11,925,527.00	5,164,543.00
बागवानी व्यय	173,912.00	3,047,705.00
ई-कार्यालय (एन.आई.सी.)	21,113,304.00	
योग	**193,128,356.00**	**90,806,803.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
यातायात व्यय		
ए. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
रनिंग व्यय	1,086,947.00	520,918.00
मरम्मत एवं रखरखाव	220,390.00	297,396.00
बीमा व्यय	84,831.00	103,838.00
स्टाफ कार व्यय पैट्रोल/डीजल	36,500.00	373,434.00
बी. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		
वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	584,697.00	1,172,262.00
भारी वाहन किराया व्यय	1,557,819.00	214,449.00
सी. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	957,648.00	-
योग	**4,528,832.00**	**2,682,297.00**

AA page No. 30

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 19 – मरम्मत एवं रखरखाव (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
मरम्मत एवं रखरखाव व्यय		
भूमि एवं भवन	29,986,085.00	34,092,974.00
सड़क, पुल, ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	4,588,153.00	-
विद्युत एवं विद्युत उपकरण	980,508.00	432,508.00
प्लांट एवं मशीनरी	868,540.00	187,171.00
फर्नीचर एवं फिक्सर	2,718,541.00	598,455.00
कार्यालय उपकरण	7,023,750.00	1,245,053.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	2,117,356.00	684,230.00
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	291,419.00	-
पाण्डुलिपि	-	-
दृश्य श्रव्य उपकरण	227,403.00	-
पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ	-	-
वाहन	-	48,207.00
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	437,028.00	-
पुस्तक जिल्द शुल्क	550.00	-
बागवानी	735,578.00	90,040.00
जायदाद रखरखाव	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	188,554.00
योग	**49,974,911.00**	**37,567,192.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 20 – वित्तीय लागत

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022–23)	पूर्व वर्ष (2021–22)
वित्तीय लागत		
बैंक प्रभार	203,290.00	12,523.00
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
योग	**203290.00**	**12523.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 21 - अन्य व्यय		(राशि ₹ में)
विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
अन्य विविध व्यय		
मुख्यालय को विश्वविद्यालय प्रकाशन हेतु स्थानांतरित रकम	687,672.00	6,884,098.00
अन्य (निर्दिष्ट) ब्याज मुख्यालय को दिया गया	592,727.00	1,018,882.00
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (प्रवेश शुल्क)	607,296.00	861,130.00
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (विद्यावारिधि प्रवेश शुल्क)	-	1,740,053.00
अन्य (विविध) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	901,861.00	376,213.00
अन्य परिसरों को स्थानांतरित रकम	4,311,726.00	-
परीक्षा शुल्क	1,016,416.00	-
भारतीय भाषा समिति	87,026.00	
छात्र कोष में स्थानांतरित राशि	2,687,544.00	
कौमुदी महोत्सव सहभागिता के लिए स्थानांतरित राशि	429,650.00	
व्यय का आंशिक भुगतान आंतरिक संसाधनों से/बचत	750,000.00	2,349.00
भरती व्यय	3,851,500.00	
विविध व्यय	8,081,632.00	
वाहन किराया शुल्क (बाहरी)	-	
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाऐं	304,422.00	
जिम की मरम्मत/कम मूल्य सम्पत्तियां	416,495.00	
ई-राज्य रखरखाव सी.पी.डब्ल्यू.डी.	-	
योग	**24,725,967.00**	**10,882,725.00**
अर्जित ब्याज आय उत्क्रमण		
निर्धारित/दान निधि	-	-
निवेश - अन्य	-	-
ऋण एवं अग्रिम	-	-
उपार्जित ब्याज देय नहीं	-	-
योग	-	-
योग	**24,725,967.00**	**10,882,725.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2022-23)	पूर्व वर्ष (2021-22)
पूर्व अवधि व्यय अब चुकाए गए		
स्थापना व्यय (एन.पी.एस. पूर्व वर्ष देय का भुगतान)	-	-
शैक्षिक व्यय	-	-
प्रशासनिक व्यय	-	-
परिवहन व्यय	-	-
मरम्मत एवं रखरखाव	-	-
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-	-
पूर्व वर्ष में अचल संपत्ति ह्रास	-	
अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)	-	-
अन्य (अमूर्त ई-बुक पर ऋणमुक्ति)	-	-
अन्य (प्रकाशन आय में सम्मिलित)	-	
योग	**-**	**-**

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसची 23 – महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण आद्य लागत अवधारणा और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से शुल्क (शिक्षा शुल्क को छोड़कर) प्रवेश फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियो को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों पर मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं। जहाँ मूल्य मुद्रित नहीं है उसकी कीमत का आंकलन अनुमानित है।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगाया गया है–

मूर्त संपत्ति

1.	भूमि	0%
2.	साइट का विकास	0%
3.	भवन	2%
4.	सड़क एवं पुल	2%
5.	ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6.	सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7.	विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
8.	संयंत्र और मशीनरी	5%
9.	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10.	कार्यालय उपकरण	7.50%

11.	दृश्य श्रव्य उपकरण	7.50%
12.	कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13.	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.50%
14.	वाहन	10%
15.	पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1.	ई–पत्रिका	40%
2.	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3.	पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसंपत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ : पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई-पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में स्टॉक में दर्ज की जाती है। संस्कृत के अग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची–4)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शामिल हैं।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.07.2017 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 1000/– दिया जा रहा है।

6.3 विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित निधि, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि एवम् खर्चो का लेखांकन किया गया है। (अनुसूची–2)

6.5 322 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सावधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित / दान निधि

8.1 विश्वविद्यालय में पेंशन के लिये एक चिह्नित निधि है एवं पांच दान निधि जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट और आर. के. शर्मा के नाम पर हैं। अनुसूची-2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं निधि में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नही दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान

9.1 शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य का लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदर्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित निधि एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय के पास यू.जी.सी - एस.आर.एफ./जे.आर.एफ. (वरिष्ठ/कनिष्ट अध्येता) की एक वित्त पोषित परियोजना है।

12. आयकर

12.1 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रवाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

13. पेंशन निधि

12.1 वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय ने केंद्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण केंद्र के माध्यम से अपने पेंशनभोगियों को पेंशन के वितरण के लिए भारतीय स्टेट बैंक में एक पेंशन फंड बनाया है। (सी.पी.पी.सी.)

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

न्यायालय मुकदमा खर्च - चालू वर्ष - रुपये 35,00,000/- (पूर्व वर्ष - रुपये 45,00,000/-)

2. पूँजी प्रतिबद्धताएँ

दिनांक 31.03.2023 को रु. 29.24 करोड़ पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने के लिए शेष अनुबंधों का मूल्य और राशि के लिए प्रदान नहीं किया गया।

3. स्थायी संपत्तियाँ

2.1 वर्ष 2022-23 में रुपये 664166748/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 खाते में रुपये 2306409/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

4. विदेशी मुद्रा में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	शून्य
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा साहित	शून्य

5. वर्ष 2022-23 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 21.06.2023 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

6. पिछले साल के आकड़े जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

7. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2023 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है एवं इस वर्ष का आय एवं व्यय खाता इस अंतिम तिथि को समाप्त हो गया।

9. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

AA page No. 38

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2022-23 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

(राशि ₹ में)

	वर्ष 2022-23 का प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता						
क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**पूर्व बकाया**			1	**व्यय**		
a)	**नकदी शेष**			a)	**स्थापना व्यय**		
i	हाथ में रोकड़	101,391.00	53,494.00		i. वेतन के लिए राजस्व व्यय	792,291,034.00	627,272,765.00
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	44,177.00	47,226.00		ii. सेवानिवृत्ति लाभ के लिए राजस्व व्यय	319,146,127.00	250,324,883.00
iii	नकदी शेष (एस. निधि)	198,714.00	140,127.00		iii. अन्य अवयवों के लिए राजस्व व्यय	21,404,129.00	16,787,102.00
b)	**बैंक में शेष**						
	i. बचत खाता	132,385,069.00	137,516,730.00	b)	शैक्षिक व्यय	252,095,756.00	110,555,676.00
	ii. बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	13,372,056.00	10,901,468.00	c)	प्रशासनिक व्यय	205,061,488.00	91,000,984.00
	iii. कनिष्ठ अध्येतावृत्त (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग)	-		d)	यातायात व्यय	4,528,832.00	2,682,297.00
	iv. चालू खाता	-		e)	मरम्मत एवं देखभाल	50,695,828.00	37,567,192.00
	v. बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	21,253,457.00	20,555,934.00	f)	यू.जी.सी. योजना फंड व्यय	1,131,264.00	-
	vi. बचत खाता (परियोजना फंड)	500,000.00		g)	अन्य विविध व्यय	60,682,235.00	11,889,528.00
	vii. बचत खाता (भवन फंड)	-		h)	वित्तीय लागत (बैंक प्रभार)	203,290.00	12,523.00
	viii. बचत खाता (छात्र फंड)	40,381,059.00	34,257,235.00				
2	**अनुदान प्राप्त**			2	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**	52,412.00	7,383.00
a)	i. भारत सरकार से प्राप्त - राजस्व	2,494,500,000.00	1,712,454,217.00				
	ii. भारत सरकार से प्राप्त - उत्तर पूर्वी राज्य	85,600,000.00	61,600,124.00	3	**परिसरों को अनुदान**	1,843,878,153.00	1,289,869,994.00
	iii. भारत सरकार से प्राप्त - पूंजी	664,200,000.00	214,261,689.00				
	iv. पूंजीगत मद के लिए अनुदान आर.बी.आई. को लौटाया (गैर उत्तर पूर्वी राज्य)	(1,294.00)					
	v. राजस्व मद के लिए अनुदान आर.बी.आई. को लौटाया गया (उत्तर पूर्वी राज्य)	(982,548.00)					
b)	(C) परियोजना खाता	22,414,897.00		4	**प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	751,642,063.00	536,418,715.00
c)	परिसर अनुदान	1,843,878,153.00	1,289,869,994.00				
d)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त	-		5	**कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	126,739,702.00	57,883,482.00
3	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**			6	**निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	224,279,024.00	230,678,192.00
a)	शैक्षिक प्राप्तियाँ	43,357,697.00	29,432,803.00		मु.स्वा.पी./छात्र निधि/ चिह्नित अक्षय निधि सावधि जमा निधि	43,649,556.00	32,650,959.00
b)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	154,073.00	164,225.00	7	**एच.डी.एफ.सी. सावधि जमा निधि**	107,637,529.00	74,234,454.00
c)	विविध प्राप्तियाँ	7,051,847.00	1,567,135.00		अनुसूचित बैंक पैंशन निधि (सावधि जमा)	30,000,000.00	
d)	एच.डी.एफ.सी. प्राप्तियाँ	-					
e)	मुक्त स्वाध्याय पीठ प्राप्तियाँ	206,214.00	2,724,102.00				
4	**निर्धारित प्राप्तियाँ चिह्नित/अक्षय निधि**						
a)	अक्षय निधि पुरस्कार	705,000.00		8	**पूर्व में किए गए व्यय**	-	
5	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**						
a)	प्रायोजित परियोजना/मुख्यालय को परियोजना	-		9	**महाराष्ट्र सरकार को भुगतान एम.सी.जी.एम.**		
b)	प्रायोजित परियोजना/यू.जी.सी./अन्य को परियोजना	4,000,000.00					
c)	ज.एन.यू. छात्रवृत्ति योजना से प्राप्तियाँ	130,000.00	78,007.00				-
	अन्य परिसरों का प्रेषण/मुख्यालय	18,610,317.00					
6	**प्रायोजित प्रतिभूति फेलोशिप/छात्रवृत्ति**			10	**स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल**		
a)	कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता छात्रवृत्ति	30,000,000.00		a)	स्थायी सम्पत्ति	54,296,947.00	16,761,255.00
b)	निर्दिष्ट प्रयोजन के लिए अनुदान	-		b)	कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	613,908,859.00	413,682,202.00

(राशि ₹ में)

	वर्ष 2022-23 का प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता						
क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
7	**निवेश से प्राप्तियाँ**						
a)	चिह्नित/अक्षय निधि	174,197.00	172,806.00	11	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**	368,069,786.00	506,971,605.00
b)	अन्य निवेश	194,212,449.00	200,207,660.00				
c)	समग्र फंड सावधि जमा रसीद	102,012,346.00	69,027,357.00	12	**छात्र फंड भुगतान व्यय**	35,613,497.00	21,816,277.00
d)	छात्र फंड सावधि जमा	38,453,035.00	32,317,719.00				
e)	मु.स्वा.पी. सावधि जमा	-					
8	**ब्याज प्राप्त**			13	**अग्रिम एवं जमा**	24,281,025.00	8,363,343.00
a)	बैंक में जमा	14,213,800.00	15,747,710.00				
b)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	269,633.00	520,030.00	14	**अन्तिम शेष एवं बैंक में शेष**		
c)	बैंक बचत खाता	4,360,343.00	3,354,932.00		हाथ में रोकड़	181,690.00	101,391.00
d)	अक्षय निधि पर ब्याज	21,476.00	90,353.00		हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	-	44,177.00
9	**असाधारण आय भुनाया गया**				हाथ में शेष (छात्र फंड)	207,788.00	198,714.00
a)	असाधारण आय (मुम्बई परिसर में गबन)	-			**बैंक में शेष**	-	
b)	कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी			a)	बचत अनुसूचित बैंक (मुख्य)	134,152,713.00	132385069.00
				b)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	13,997,360.00	13,372,056.00
10	अन्य आय	32850220.00	22035325.00	c)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	-	
11	पूर्व अवधि आय सहित	1,106,184.00		d)	चालू खाता	-	
12	छात्र फंड प्राप्तियाँ	40,279,842.00	28,157,731.00	d)	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	5,281,530.00	21,253,457.00
13	जमा एवं अग्रिम	5,326,131.00	412,051.00	d)	बचत खाता (परियोजना फंड)	23,205,293.00	500,000.00
14	अग्रिम धन की वापसी/वसूली	23,850,406.00	8,667,778.00	g)	बचत खाता (भवन फंड)	14,132,468.00	
15	वैधानिक प्राप्तियों सहित वापसी योग्य प्राप्तियाँ (प्रेषित रकम)	283,884,158.00	649,330,772.00	h)	बचत खाता (छात्र फंड)	40,627,121.00	40,381,059.00
				i)	बचत खाता (छात्र फंड प्रतिभूति)	-	
	योग	**6,163,074,499.00**	**4,545,666,734.00**		**योग**	**6,163,074,499.00**	**4,545,666,734.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह० सहायक निदेशक (वित्त)

ह० उप निदेशक (वित्त)

ह० वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2022-23 के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

विवरण	योग चालू वर्ष 2022-23	मुख्यालय चालू वर्ष 2022-23	प्रयागराज चालू वर्ष 2022-23	पुरी चालू वर्ष 2022-23	जम्मू चालू वर्ष 2022-23	गुरुवायूर चालू वर्ष 2022-23	जयपुर चालू वर्ष 2022-23	लखनऊ चालू वर्ष 2022-23	शृंगेरी चालू वर्ष 2022-23	वेद व्यास चालू वर्ष 2022-23	भोपाल चालू वर्ष 2022-23	मुम्बई चालू वर्ष 2022-23	एकलव्य चालू वर्ष 2022-23	देवप्रयाग चालू वर्ष 2022-23
(ए) नकद एवं बैंक में शेष														
हाथ में रोकड	101,391		68,636		-		15,834	7,353	2,296	-		7,272		
हाथ में रोकड (मु.स्वा.पी.)	44,177	44,177	-		-	-	-		-	-			-	-
हाथ में रोकड (छात्र निधि)	198,714			7,481		3,843	18,578	78,735	102		74,048	15,927		
बैंक में शेष	-													
बचत खाता (मुख्य खाता)	132,385,069	45,466,506	2,734,940	13,370,957	6,899,972	10,494,953	11,595,299	12,136,646	7,544,086	3,757,262	9,132,293	2,797,868	4,098,467	2,355,820
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	13,372,056	13,372,056	-		-	-	-	-	-	-		-	-	-
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू खाता	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	21,253,457	21,253,457	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (परियोजना निधि)	500,000	-	-		-	-	500,000	-	-		-		-	-
बचत खाता (भवन निधि)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
बचत खाता (छात्र निधि)	40,381,059	-	95,474	831,896	3,670,348	573,499	7,868,916	6,473,776	169,410	3,620,371	10,567,575	1,346,212	4,078,574	1,085,008
बचत खाता (छात्र एवं सुरक्षा)	-		-											
योग (ए)	**208,235,923**	**80,136,196**	**2,899,050**	**14,210,334**	**10,570,320**	**11,072,295**	**19,998,627**	**18,696,510**	**7,715,894**	**7,377,633**	**19,773,916**	**4,167,279**	**8,177,041**	**3,440,828**
(बी) रिजर्व बैंक द्वारा वि.अ.आयोग मुख्यालय खाता														
सरकारी अनुदान राजस्व व्यय पर	2,494,500,000	2,494,500,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान राजस्व व्यय पर (पूर्वोत्तर राज्य)	85,600,000	85,600,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान पूंजीगत व्यय पर	525,400,000	525,400,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सरकारी अनुदान पूंजीगत व्यय पर (पूर्वोत्तर राज्य)	138,800,000	138,800,000	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-
पूंजीगत मद के लिए अनुदान आरबीआई को लौटाया गया (गैर पूर्वोत्तर राज्य)	(1,294)	(1,294)												
राजस्व मद के लिए अनुदान आरबीआई को लौटाया गया (पूर्वोत्तर राज्य)	(982,548)	(982,548)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (बी)	**3,243,316,158**	**3,243,316,158**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(सी) परियोजना खाता														
अष्टादशी परियोजना	14,806,250	7,800,000	-	500,000	250,000	625,000	-	1,000,000	125,000	1,275,000	2,150,000	-	300,000	781,250
मूक डिजिटलाईजेशन	1,450,000		-		400,000		200,000		500,000		200,000		150,000	
भारतीय ज्ञान परियोजना (आईकेएस)	3,700,000		-	-	600,000	-	1,100,000	-	500,000	-	200,000	-	500,000	800,000
परियोजना योजना (एन.जी.ओ.)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ज्योतिष परियोजनाएं	176,219		-		144,719			31,500						
अन्य	2,282,428	-	189,000		150,000			346,000	852,550		744,878			
योग (सी)	**22,414,897**	**7,800,000**	**189,000**	**500,000**	**1,544,719**	**625,000**	**1,300,000**	**1,377,500**	**1,977,550**	**1,275,000**	**3,294,878**	-	**950,000**	**1,581,250**
(डी) परिसरों को प्राप्त अनुदान														
राजस्व व्यय के लिए अनुदान	1,210,702,520	-	81,227,556	187,811,202	94,066,773	133,291,136	170,342,652	118,281,563	94,935,218	64,781,077	121,466,035	39,516,116	61,639,821	43,343,371
राजस्व व्यय के लिए अनुदान	-	-												-
पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	633,175,633	-	8,235,340	10,443,500	3,570,700	2,309,956	77,766,600	1,900,000	88,404,537	68,790,000	1,800,000	55,000	138,800,000	231,100,000
पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यक्रम आयोजन के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (डी)	**1,843,878,153**	-	**89,462,896**	**198,254,702**	**97,637,473**	**135,601,092**	**248,109,252**	**120,181,563**	**183,339,755**	**133,571,077**	**123,266,035**	**39,571,116**	**200,439,821**	**274,443,371**
(ई) अन्य निधि प्राप्तियाँ														
अक्षय निधि से रकम की प्राप्ति	30,000,000	30,000,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित परियोजनाएँ/मुख्यालय से योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (ई)	**30,000,000**	**30,000,000**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(एफ) अक्षय निधि प्राप्तियाँ														
अक्षय निधि प्राप्तियाँ	705,000	-	-	-	-	-	-		705,000	-	-	-	-	-
निर्धारित पुरस्कार हेतु प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एफ)	**705,000**	-	-	-	-	-	-	-	**705,000**	-	-	-	-	-
(जी) मुख्यालय/जे.एन.यू./यू.जी.सी. से प्राप्त अन्य अनुदान निधि														
प्रायोजित परियोजना/मुख्यालय योजना	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय से आंतरिक प्राप्तियाँ	4,000,000	-	-	-	-	-	4,000,000	-	-	-	-	-	-	-
जे.एन.यू. से छात्रवृत्ति प्राप्तियाँ	130,000	-	-	130,000		-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य परिसरों को प्रेषण/मुख्यालय	18,610,317									-	18,610,317			
योग (जी)	**22,740,317**	-	-	**130,000**	-	-	**4,000,000**	-	-	-	**18,610,317**	-	-	-
(एच) छात्रों से शुल्क - शैक्षिक एवं अन्य														
शिक्षा शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रवेश शुल्क	32,696,826	30,685,194	-	240,237	602,436	134,986	175,015	44,625		709,750		58,125	33,438	13,020
नामांकन शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-
पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	-	-	-	-	-	-		-		-	-	-	-	-
प्रयोगशाला शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
हस्तकला व शिल्पकला शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
एन.एफ.एस.सी.	2,716,096	2,708,416.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	7,680	-
प्रवेश शुल्क (विद्यावारिधी)	1,152,554	1,152,554		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वार्षिक परीक्षा शुल्क	1,300,250		-	317,900	425,925	311,050	-	245,375	-	-	-	-	-	-

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
अंक तालिका एवं प्रमाणपत्र शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रवेश परीक्षा शुल्क (वी.वी.ई.टी.)	1,860,503	1,860,503	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
फार्म शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
डिग्री शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परीक्षा फार्म शुल्क	3,621,612	3,034,312	-	-	-		344,300	-	-	3,350	-	-	239,650	-
बी.एड. प्रेक्टिकल शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पहचान पत्र शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
दण्ड/विविध शुल्क	9,856		-	-	-	9,856	-	-	-	-	-	-	-	-
बिजली शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परिवहन शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्रावास रखरखाव शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
खेलकूद शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विविध गतिविधियां शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अष्टादशी परियोजना अतिरिक्त	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पालि/प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एच)	**43,357,697**	**39,440,979**	**-**	**558,137**	**1,028,361**	**455,892**	**519,315**	**290,000**	**-**	**713,100**	**-**	**58,125**	**280,768**	**13,020**
(आई) अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ														
प्रवेश प्रपत्र की बिक्री	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
पाठ्यक्रम और विवरणिका की बिक्री	27,800	-	-	-	-	-	-	-			27,800	-	-	-
पत्रिका शुल्क	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यशाला, कार्यक्रम का पंजीकरण शुल्क	55,450	-	30,750	-	-	-	-	-	24,700	-	-	-	-	-
पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महा.)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पी.एस.एस.टी./अन्य लोगों का रकम वापसी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सी.सी प्राप्तियाँ/पुस्तकालय अतिदेय शुल्क	70,823	58,334	-	-	4,433	-			-	8,056	-	-	-	-
योग (आई)	**154,073**	**58,334**	**30,750**	**-**	**4,433**	**-**	**-**	**-**	**24,700**	**8,056**	**27,800**	**-**	**-**	**-**
(जे) मुक्त स्वाध्याय पाठ्यक्रम प्राप्तियाँ														
मुक्त स्वाध्याय पाठ्यक्रम शुल्क	206,214	206,214	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (जे)	**206,214**	**206,214**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(के) विविध आय														
छात्रावास कमरा किराया/घर किराया भत्ता	1,912,140	-	710,350	-	355,228	-	356,862	420,378		69,322		-	-	
लाईसेंस शुल्क	489,201	30,205		501	4,480	379,802	28,710	24,760	540	10,125	10,078	-		
सभागार किराया/खेल मैदान/ सम्मेलन केंन्द्र	650,855		-	500	-	500	-	333,426	-	10,635	305,794	-	-	-
अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता	449,949	449,949												
राष्ट्रपति सम्मान	1,326,622	1,326,622												
बिजली प्रभार प्राप्तियाँ	49,269	13,337			-	-	22,000	-			13,932	-	-	-
परिवहन का संग्रह	165,400									165,400				
पानी प्रभार प्राप्तियाँ	7,048	1,600			-	-	-	-	-	-	5,448	-	-	-
अन्य टी.डी.एस. वापसी	98,050								98,050					
अन्य (अलग तरीके से निदिष्ट एवं प्रकट किया जाए) सी.पी.डब्ल्यू.डी द्वारा वापसी	1,903,313	-		-	1,903,313	-	-	-		-	-	-		-
योग (के)	**7,051,847**	**1,821,713**	**710,350**	**1,001**	**2,263,021**	**380,302**	**407,572**	**778,564**	**98,590**	**255,482**	**335,252**	**-**	**-**	**-**
(एल) अन्य आय														
परामर्श से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
आर.टी.आई. शुल्क	1,020	760	-	-	-	-	-	-	-	260	-	-	-	-
परिसर प्रकाशन से आय	181,622	-	59,029	25,604	55,930	1,252	18,370	1,356	-		-	20,081		-
विश्वविद्यालय प्रकाशन से आय	13,087,303	12,405,417.00	113,729	73,357	-	182,776	148,368	9,560	57,174	19,925	59,752			17,245
विश्वविद्यालय पुनर्मुद्रण प्रकाशन से आय	399,312	399,312	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्रों की बिक्री, बेकार अखबार इत्यादि)	2,611,279	1,844,979	241,492	39,378	23,250	20,857	105,645	99,912	25,707	15,096	45,852	-	141,461	7,650
बिक्री पर आय/सम्पत्तियों का निबटान/लिपिक फार्म	4,122,680	3,851,500	-	-		31,347	123,523		86,380	-	-	29,930	-	-
सम्पत्तियों की बिक्री	184,464	-	82,464	67,000	35,000	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थानों से छात्रवृत्ति (ज.एन.यू., नई दिल्ली)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुदान/संस्थानों से दान, कल्याणकारी निकाय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मध्यप्रदेश सरकार से प्राप्त राशि	11,027,925	11,027,925	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (निदिष्ट) रूपक महोत्सव	309,650	-	-	-	-	309,650	-			-	-	-	-	-
संस्थानों से दान की प्राप्ति								-						
विजिटिंग चेयर्स	500,000	500,000												
सुविधाएं	9,351	9,351												
हॉस्टल	1,000	1,000												
आधारभूत संरचना	6,100	6,100												
लाइब्रेरी	131,402	131,402												
शोध	125,300	125,300												
छात्रवृत्ति	1,100	1,100												
प्रशिक्षण एवं पेशेवर विकास	5,600	5,600												
पूर्व छात्र	32,100	32,100												
अन्य	2,200	2,200												
संस्थानों से परामर्श	27,925	27,925												
छुट्टी वेतन एवं पी.सी.	82,887	82,887										-		
योग (एल)	**32,850,220**	**30,454,858**	**496,714**	**205,339**	**114,180**	**545,882**	**395,906**	**110,828**	**169,261**	**35,281**	**105,604**	**50,011**	**141,461**	**24,895**

AA page No. 42

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(एम) पूर्व अवधि आय														
एन.पी.एस. रकम पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
निवेश से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
परियोजना आय पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	1,094,214	1,094,214												
अन्य आय पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाई गई	11,970	-	-	-	-	11,970	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एम)	**1,106,184**	**1,094,214**	-	-	-	**11,970**	-	-	-	-	-	-	-	-
(एन) असाधारण आय														
गबन की गई राशि की वापसी	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एन)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ओ) छात्र निधि प्राप्तियां														
छात्र निधि प्राप्तियाँ छात्र निधि में स्थानांतरित की जानी चाहिए	40,279,842			7,300,561	3,144,889	2,373,333	6,711,531	2,993,667	3,387,101	2,996,588	6,308,495	805,386	3,415,762	842,529
योग (ओ)	**40,279,842**	-	-	**7,300,561**	**3,144,889**	**2,373,333**	**6,711,531**	**2,993,667**	**3,387,101**	**2,996,588**	**6,308,495**	**805,386**	**3,415,762**	**842,529**
(पी) निवेश से अर्जित ब्याज														
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	9,335,297	9,335,297	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक मु.स्वा.पी. (सावधि जमा)	167,926	167,926	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	4,710,577	4,710,577	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य प्रतिभूतियों पर आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (पी)	**14,213,800**	**14,213,800**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(क्यू) अक्षय निधि से अर्जित ब्याज														
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 1	-		-	-	-		-				-	-	-	
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि से अर्जित ब्याज 7			-	-	-		-				-	-	-	-
अन्य अक्षय निधि से अर्जित ब्याज (निर्दिष्ट)	21,476	-	-	-	-	7,535	-	-	12,352	1,589	-	-	-	-
योग (क्यू)	**21,476**	-	-	-	-	**7,535**	-	-	**12,352**	**1,589**	-	-	-	-
(आर) बचत खाते से अर्जित ब्याज														
अनुसूची बैंक से अर्जित ब्याज – बचत खाता	3,527,697	1,192,800	131,022	119,129	180,286	153,412	102,986	173,132	176,874	483,418	168,061	20,786	200,059	425,732
बैंक से अर्जित ब्याज – एच.डी.एफ.सी.	781,613	781,613	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भवन खाते परियोजना से अर्जित ब्याज	51,033	33,174	-	829	-	-	6,095	1,345	-	-	9,302	-	288	-
योग (आर)	**4,360,343**	**2,007,587**	**131,022**	**119,958**	**180,286**	**153,412**	**109,081**	**174,477**	**176,874**	**483,418**	**177,363**	**20,786**	**200,347**	**425,732**
(एस) ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज														
ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
गृह निर्माण अग्रिम पर अर्जित ब्याज	30,000	30,000	-	-	-	-	-		-			-	-	-
संगणक अग्रिम पर अर्जित ब्याज	75,180	55,230				-			10,350	5,640	3,960	-	-	-
कार अग्रिम पर अर्जित ब्याज	158,405	20,000	-	12,450		-		125,955				-		-
मोटर साईकिल पर अर्जित ब्याज	6,048	2,363	-	-	-	685	-	3,000	-	-	-	-	-	-
साईकिल पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य कार्यालय अग्रिम पर अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य देनदार से अर्जित ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एस)	**269,633**	**107,593**	-	**12,450**	-	**685**	-	**128,955**	**10,350**	**5,640**	**3,960**	-	-	-
(टी) सामान्य जमा प्राप्तियाँ														
कर्मचारियों से प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्रों से प्राप्तियाँ/प्रेषण	2,010,458	-	-	1,210,350	59,558	-	-	-	-	322,100	-	-	418,450	-
सामान के विविध लेनदार	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मुख्यालय के अन्य विविध लेनदार (प्राप्तियाँ)	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
जमानती रकम (पुस्तकालय + छात्रावास)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रकाशन पर प्राप्तियां एवं अन्य देनदारियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
छात्र कोष से रकम का हस्तांतरण	2,366,173	-	-	-	-	-	-	-	2,366,173	-	-	-	-	-
बयाना राशि जमा (एस.डी.)	949,500	-	-	12,500	-	13,000	234,000	290,000	-	200,000	200,000	-	-	-
योग (टी)	**5,326,131**	-	-	**1,222,850**	**59,558**	**13,000**	**234,000**	**290,000**	**2,366,173**	**522,100**	**200,000**	-	**418,450**	-
(यू) सावधि जमा/निवेश की परिपक्वता														
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	38,453,035	-	-	13,947,108	-	6,533,168	-	-	9,123,997	-	7,500,000	1,348,762	-	
अनुसूची बैंक एस.बी.आई. (सावधि जमा)	194,212,449	194,212,449	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
समग्र निधि (सावधि जमा)	102,012,346	102,012,346	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य संस्थानों के ऋणपत्र/प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (यू)	**334,677,830**	**296,224,795**	-	**13,947,108**	-	**6,533,168**	-	-	**9,123,997**	-	**7,500,000**	**1,348,762**	-	-
(वी) अक्षय निधि की परिपक्वता														
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 1	-		-	-	-		-		-		-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 6	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि ट्रस्ट की परिपक्वता 7	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य निधियों की परिपक्वता (निर्दिष्ट)	174,197	-	-	-	-	144,949	-	-	-	29,248	-	-	-	-
योग (वी)	**174,197**	-	-	-	-	**144,949**	-	-	-	**29,248**	-	-	-	-

प्राप्तियाँ

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(डब्ल्यू) भुगतान के लिए प्राप्त वैधानिक देनदारियां														
आयकर के भुगतान की प्राप्तियाँ	166,870,021	56,815,603.00	5,486,211	18,628,800	4,876,965	10,668,672	18,926,702	12,115,883	11,373,098	4,573,286	11,059,491	4,706,649	4,952,140	2,686,521
सामान्य भविष्य निधि के भुगतान की प्राप्तियाँ	60,691,540	25,131,325.00	1,582,025	8,592,800	2,417,635	2,340,580	6,180,900	6,490,600	1,216,650	1,606,000	1,816,700	920,000	1,539,770	856,555
एन.पी.एस. के भुगतान की प्राप्तियाँ	41,964,290	13,399,239.00	1,448,696	3,843,153	1,040,114	2,546,237	2,994,537	2,125,905	3,681,283	1,690,373	2,957,711	1,244,994	4,159,680	832,368
जी.आई.एस. बचत के भुगतान की प्राप्तियाँ	727,579	168,430.00	24,206	78,720	41,402	45,420	73,405	44,606	84,050	34,860	62,160	19,440	35,580	15,300
जी.आई.पी. बीमा के भुगतान की प्राप्तियाँ	350,591	350,591.00	-		-		-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य खातों से हस्तांतरण की प्राप्तियाँ	1,277,150	-			871,300									405,850
जीवन बीमा निगम के भुगतान की प्राप्तियाँ	1,379,667	671,493.00	-	237,545		282,758	160,167	24,072		-		-		3,632
मार्च की रकम अप्रैल में भुगतान की प्राप्तियाँ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
टी.डी.एस. के भुगतान की प्राप्तियाँ	4,223,507	3,206,898	-	-	123,244	261,909		135,258	245,893	120,253			-	130,052
जी.एस.टी. के भुगतान की प्राप्तियाँ	403,644	-	-	-	-	-	246,842	-		-	156,802	-	-	-
पेशेवर कर के भुगतान की प्राप्तियाँ	941,792	156,605	-	202,900	-	121,160	-		134,600	-	160,819	58,400	107,308	
अन्य परिसरों/अन्य खातों/निधियों में स्थानांतरण	3,289,831		8,424	81,000	-	-	1,334,703	1,599,004	-	35,200		115,000	115,000	1,500
प्रधानमंत्री राहत कोष के भुगतान की प्राप्तियाँ	-													
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय के भुगतान की प्राप्तियाँ	-													
परिवहन राशि प्राप्त (मध्यप्रदेश सरकार)	1,764,546										1,764,546			
योग (डब्ल्यू)	**283,884,158**	**99,900,184**	**8,549,562**	**31,664,918**	**9,370,660**	**16,266,736**	**29,917,256**	**22,535,328**	**16,735,574**	**8,059,972**	**17,978,229**	**7,064,483**	**10,909,478**	**4,931,778**
(एक्स) मूल ऋण/अग्रिम की वसूली														
यात्रा अग्रिम	-		-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-
मूल रकम गृह निर्माण अग्रिम	27,852				-	-		13,320		-	14,532	-	-	-
मूल रकम संगणक अग्रिम	32,600		4,800		-	8,000			2,000	13,000	4,800			
मूल रकम कार अग्रिम	29,000		-	19,200	-	8,000	-					-	1,800	-
मूल रकम मोटर साईकिल अग्रिम	-	-	-		-				-	-			-	-
मूल रकम साईकिल अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल रकम अन्य कार्यालयीय अग्रिम	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एक्स)	**89,452**	**-**	**4,800**	**19,200**	**-**	**16,000**	**-**	**13,320**	**2,000**	**13,000**	**19,332**	**-**	**1,800**	**-**
(वाई) निपटान/वापसी पर अग्रिम की वसूली														
एल.टी.सी.	280,496	-	-	-	252,496	-	-	-	-	-	-		28,000	-
यात्रा भत्ता	1,290,724	4,000	3,900	570,000	223,000	49,000			25,000	-	107,424		200,000	108,400
डाक खर्च	68,000	-	28,000			-		25,000	-	10,000			3,000	2,000
आकस्मिक	21,650,550	1,765,700	1,822,047	3,496,409	1,809,020	3,848,250	-	2,711,500	404,500	1,306,900	3,251,200		792,524	442,500
एच.बी.ए.	233,584	204,520.00	-	-	-	-	29,064	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-	-
संगणक	237,600	234,500	-	-	-	-		-	-	-	-	3,100	-	-
त्यौहार	-													
अन्य को दी गई रकम इग्नू/भाषा समिति/आईकेएस	-		-		-				-					-
योग (वाई)	**23,760,954**	**2,208,720**	**1,853,947**	**4,066,409**	**2,284,516**	**3,897,250**	**29,064**	**2,736,500**	**429,500**	**1,316,900**	**3,358,624**	**3,100**	**1,023,524**	**552,900**
बैंक में शेष एवं कुल प्राप्तियाँ	**6,163,074,499**	**3,848,991,345**	**104,328,091**	**272,212,967**	**128,202,416**	**178,098,501**	**311,731,604**	**170,307,212**	**226,274,671**	**156,664,084**	**200,959,805**	**53,089,048**	**225,958,452**	**286,256,303**

भुगतान

(राशि ₹ में)

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(ए) सरकार/यू.जी.सी. अनुदान														
मुख्यालय द्वारा राजस्व खर्च हेतु निधि स्थानातरण	1,149,062,699	1,149,062,699	-							-				
मुख्यालय द्वारा सामान्य व्यय हेतु निधि स्थानातरण	494,375,633	494,375,633	-							-				
पूर्वोत्तर के लिए राजस्व व्यय हेतु निधि स्थानातरण	61,639,821	61,639,821	-							-				
पूर्वोत्तर के लिए सामान्य व्यय हेतु निधि स्थानातरण	138,800,000	138,800,000	-							-				
मुख्यालय द्वारा छात्रवृत्ति हेतु निधि स्थानांतरण	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. हेतु निधि	-		-							-				
पूंजीगत व्यय हेतु यू.जी.सी. एवं राज्य सरकार अनुदान	-		-							-				
चिह्नित/अक्षय निधि व्यय	-		-							-				
प्रायोजित परियोजना हेतु निधि का स्थानांतरण	-		-							-				
मुख्यालय द्वारा विधि व्यय हेतु निधि का स्थानांतरण	-		-							-				
योग (ए)	**1,843,878,153**	**1,843,878,153**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(बी) वेतन हेतु राजस्व व्यय														
संकाय हेतु वेतन	659,238,106	225,531,710.00	15,215,239	69,297,444	20,595,808	42,861,566	63,188,257	47,110,128	44,697,485	20,271,577	53,522,706	22,065,819	23,810,782	11,069,585
कर्मचारियों हेतु वेतन	132,529,428	85,051,236.00	8,124,169	4,430,138	2,846,180	3,837,363	7,588,860	5,565,280	3,087,140	4,231,389	3,088,420	909,488	1,763,249	2,006,516
भत्ता एवं बोनस/वेतन एवं भत्ता			-		-			-	-	-				
अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट)	-		-		-			-	-	-				
सी.पी.एफ. को योगदान	-		-		-			-	-	-				
मानदेय	523,500	523,500.00	-					-						
कर्मचारी कल्याण व्यय	-		-					-		-				
	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (बी)	**792,291,034**	**311,106,446**	**23,339,408**	**73,727,582**	**23,441,988**	**46,698,929**	**70,777,117**	**52,675,408**	**47,784,625**	**24,502,966**	**56,611,126**	**22,975,307**	**25,574,031**	**13,076,101**
(सी) सेवानिवृत्ति लाभ हेतु राजस्व व्यय														
पेंशन का संचयी मूल्य	47,316,261	5,536,131.00	1,187,803	11,135,867	3,840,439	5,811,410	7,072,589	4,898,109	-		3,858,658			3,975,255
ग्रेच्युटी	32,143,218	1,334,322.00	1,335,444	7,612,446	2,260,665	6,479,618	5,922,790	5,178,725	19,208		2,000,000			
छुट्टी का भुगतान (सेवानिवृत्ति)	34,216,831	1,443,567.00	806,662	7,949,240	3,018,344	5,281,501	5,171,825	4,205,613	107,036	333,660	2,866,390		21,833	3,011,160
छुट्टी वेतन एवं पेंशन	-						-	-	-	-	-		-	
पेंशन एवं पेंशनरी लाभ	150,432,521	32,923,657.00	13,928,846	21,935,536	15,877,873	24,061,537	17,549,718	10,946,132	4,733,280	2,781,232	5,694,710			
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय अंश)	55,037,296	18,757,170.00	1,997,612	4,728,099	1,975,399	3,191,590	3,806,941	2,666,914	4,546,831	1,978,737	4,019,798	1,602,222	4,742,058	1,023,925
योग (सी)	**319,146,127**	**59,994,847**	**19,256,367**	**53,361,188**	**26,972,720**	**44,825,656**	**39,523,863**	**27,895,493**	**9,406,355**	**5,093,629**	**18,439,556**	**1,602,222**	**4,763,891**	**8,010,340**
(डी) अन्य अवयवों हेतु राजस्व व्यय														
शिशु शिक्षा भत्ता	6,682,913	1,158,900.00	210,920	810,000	338,158	324,000	371,700	297,000	671,435	999,000	540,000	259,800	405,000	297,000
एन.पी.एस. पर ब्याज अंशदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा प्रतिपूर्ति	7,991,882	2,223,884.00	365,685	961,879	381,318	480,878	891,057	782,723	288,684	319,817	1,046,288	86,616	99,792	63,261
छुट्टियां नकदीकरण (10 दिन)	2,566,174	621,919.00	103,054	243,349	128,749	104,157	555,232	310,599		17,250	382,279	-	79,530	20,056
एल.टी.सी.	4,163,160	577,401.00	86,865	355,863	564,214	402,231	437,194	116,266	286,947	191,670	298,073	122,539	709,201	14,696
योग (डी)	**21,404,129**	**4,582,104**	**766,524**	**2,371,091**	**1,412,439**	**1,311,266**	**2,255,183**	**1,506,588**	**1,247,066**	**1,527,737**	**2,266,640**	**468,955**	**1,293,523**	**395,013**
(ई) जे.आर.एफ./अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय														
भुगतान – शोध छात्रवृत्ति	15,666,827	280,000	6,023,354	3,674,391	131,367	88,000	3,048,533	357,161	508,645	947,200		154,533	96,000	357,643
भुगतान – जे.आर.एफ./एस.आर.एफ. अध्येतावृत्ति	-		-						-	-	-			
भुगतान – छात्रों हेतु शोधवृत्ति	111,072,875	74,707,135	-	4,262,341	2,729,135	5,849,105	4,457,272	1,878,304	2,667,845	5,336,918	3,055,745	1,658,655	3,045,456	1,424,964
योग (ई)	**126,739,702**	**74,987,135**	**6,023,354**	**7,936,732**	**2,860,502**	**5,937,105**	**7,505,805**	**2,235,465**	**3,176,490**	**6,284,118**	**3,055,745**	**1,813,188**	**3,141,456**	**1,782,607**
(एफ) चिह्नित/अक्षय निधि व्यय														
अक्षय निधि पुरस्कार 1	52,412		-			7,535			44,877	-				
अक्षय निधि पुरस्कार 2	-		-						-	-				
योग (एफ)	**52,412**	**-**	**-**	**-**	**-**	**7,535**	**-**	**-**	**44,877**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(जी) पूंजीगत संपत्ति की खरीद														
भूमि एवं भवन	6,115,635		6,115,635	-		-			-	-			-	
सड़क, पुल, टयूबवैल एवं पानी आपूर्ति	-		-							-				
बिजली एवं उपकरण	2,118,556		-		74,999	140,000				1,890,000			13,557	
यंत्र एवं मशीनरी	6,333,889	3,802,362	-				1,139,180	274,702	1,117,645	-				
फर्नीचर एवं फिक्सर	5,667,961	1232095	201,396	200,000	199,950	197,865	208,565	326,498	961,598	200,000	401,352			1,538,642
कार्यालयीय उपकरण	1,034,185	548,489	200,885				273,200				11,611			
संगणक एवं बाह्य उपकरण	12,587,586	4,186,661	844,912	500,000	1,258,736	1,617,064	1,551,123		1,030,690	1,000,000	295,400			303,000
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	5,442,923		571,222	1,000,000	40,000			998,707	1,615,988	-	526,100			690,906
पाण्डुलिपियां	-		-							-				
श्रव्य दृश्य उपकरण	5,473,832	5,148,960	-								324,872			
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	4,235,314	113,170	301,822	550,000	241,318	348,061	300,000	280,960	294,258	300,000	301,218	55,000		1,149,507
वाहन	1,053,281	1,053,281	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कम मूल्य सम्पत्तियाँ	-		-							-				
संगणक सॉफ्टवेयर	3,553,119	3,266,189	-						286,930	-				
ई-जरनल/पुस्तकें	680,666	680,666	-							-				
पेटेंट्स	-		-							-				
योग (जी)	**54,296,947**	**20,031,873**	**8,235,872**	**2,250,000**	**1,815,003**	**2,302,990**	**3,472,068**	**1,880,867**	**5,307,109**	**3,390,000**	**1,860,553**	**55,000**	**13,557**	**3,682,055**
(एच) पूंजीगत कार्य प्रगति पर														
पूंजीगत कार्य की प्रगति पर दी गई राशि	613,908,859	10,991,200	-	8,193,500	1,695,700		75,966,600		85,461,000	65,400,000			138,800,859	227,400,000
योग (एच)	**613,908,859**	**10,991,200**	**-**	**8,193,500**	**1,695,700**	**-**	**75,966,600**	**-**	**85,461,000**	**65,400,000**	**-**	**-**	**138,800,859**	**227,400,000**

भुगतान

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(आई) परियोजना खर्च														
अष्टादशी परियोजना	440,217	-	-	-	-	-	211,217	96,010	-	-	132,990		-	-
मूक्स डिजिटलाईजेशन	-		-		-					-				
भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.)	-		-		-									
परियोजना योजना (एन.जी.ओ.)	-		-		-									
ज्योतिष परियोजना	5,000		-		5,000									
अन्य	150,000				150,000									
भारतीय भाषा शिक्षा	536,047		160,497		-				375,550					
योग (आई)	**1,131,264**	**-**	**160,497**	**-**	**155,000**	**-**	**211,217**	**96,010**	**375,550**	**-**	**132,990**	**-**	**-**	**-**
(जे) पूर्व अवधि व्यय														
स्थापना व्यय (एन.पी.एस. पिछले वर्ष का देय - भुगतान)	-		-							-				
शैक्षिक व्यय	-		-							-				
प्रशासनिक व्यय (एन.पी.एस.)	-		-							-				
यातायात व्यय	-		-							-				
मरम्मत एवं रखरखाव	-		-							-				
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-		-							-				
अन्य स्थायी संपत्ति का ह्रास	-		-							-				
(प्रकाशन आय में शामिल)	-		-							-				
योग (जे)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
(के) शैक्षिक व्यय														
प्रयोगशाला व्यय	50,000		-					50,000		-				
पाठ्क्रम बनाने पर व्यय	183,311		-				183,311			-				
संगोष्ठी में खर्च/कार्यशाला	18,686,497	10,565,479	1,332,052	311,000	522,300	297,086	897,979	1,434,179	592,951	270,809	1,163,749	637,599	411,400	249,914
संविदा अतिथि संकाय का भुगतान	137,653,886		962,151	21,762,555	18,784,358	9,023,585	15,991,426	9,126,562	11,652,426	11,029,612	10,623,525	7,579,600	12,984,624	8,133,462
परीक्षा व्यय	16,892,729	11,189,798	-	923,208	2,331,627	455,410	444,718	188,309	185,082	217,930	410,538	155,979	327,559	62,571
छात्र कल्याण कोष	141,215		-			90,473	-		50,742	-	-			-
प्रवेश व्यय	273,675		-	240,237			-			-	-		33,438	
दीक्षांत समारोह व्यय	-		-				-			-	-			
प्रकाशन/पत्रिका	1,234,567		93,576	94,892		100,000	49,900	109,738	130,247	375,959	111,078	49,000	74,018	46,159
वेतन/सह योग्यता छात्रवृत्ति	-		-				-				-			
शोध गतिविधियां	511,911		264,015	123,327			-				-		124,569	
अन्य (निर्दिष्ट) मानदेय	207,115		39,500		25,300	79,275	-		15,000	-	48,040		-	
अखिल भारतीय युव महोत्सव	11,688,673	1,800,000	-	1,988,054	1,717,039	2,290,159	2,318,926	244,462	111,526	120,467	193,101	220,859	548,042	136,038
वार्षिक समारोह/स्थापना दिवस	788,118	124,218	-		96,154	130,236	154,020		103,644	97,586	57,037			25,223
संगणक शिक्षा	15,339		-				-	15,339		-	-			
दूरस्थ शिक्षा (एम.एस.पी. व्यय)	8,096,855	2,408,784	246,966	491,924	392,931	356,374	420,023	367,347	2,588,644	137,768	380,208	298,886	7,000	
सी.सी. आकस्मिक	231,411		-				-		231,411	-	-		-	
केन्द्रीय मूल्यांकन	5,775,251		-	963,409					1,574,340		3,237,502			-
ई-ग्रन्थालय	328,716	264,891					-	21,275			-	21,275		21,275
रूपक महोत्सव	8,947,146	1,660,642	-	4,888,307	429,332	400,655	620,794	143,168	129,851	100,000	56,600	79,680	394,140	43,977
एकता दिवस/मैत्री भाषा दिवस	-		-				-			-	-			
संयुक्त प्रवेश परीक्षा (एस.एस.इ.टी./एस.इ.ए.टी.)	-		-											
कुटियाकोस स्मृति अभिनंदन कार्यक्रम	139,408		-			139,408	-			-	-		-	
संस्कृत दिवस समारोह	775,828	536,069	15,334	30,000	27,000	20,110	27,660	20,033	19,900	19,961	20,038		20,000	19,723
मैत्री भाषा दिवस	-		-				-			-	-			
स्वतंत्रता दिवस समारोह	75,828	34,950	8,280						27,247	5,351	-		-	
हिन्दी दिवस समारोह	193,864	72,540	-	5,637	19,005	8,557	22,312		10,260	8,595	18,284	7,661	13,678	7,335
महिला अध्ययन केंद्र	1,667,699		-	1,216,068			451,631			-	-			
महिमा उत्सव/अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक त्यौहार	300,000		-	300,000			-			-	-			
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	216,966	25,000	17,582				25,000	25,000		62,651	-	37,786		23,947
विश्व संस्कृत सम्मेलन	-		-				-			-	-			
योग दिवस	495,940	76,819	56,000	50,000	40,689	49,685	60,017	14,570	49,842	49,973	-			48,345
विश्वविद्यालय प्रकाशन	14,669,593	14,622,759	-		46,834		-			-	-			
विश्वविद्यालय प्रकाशन (पुनर्मुद्रण)	-		-				-			-	-			
आइ.क्यू.ए.सी./नैक	11,115,879	1,490,957	332,518	500,000	892,162	1,753,299	973,834	498,981	1,701,810	898,097	203,231	508,579	862,504	499,907
विस्तृत व्याख्यान	191,918	-	-	38,968		17,987	-	76,963	3,000		25,000		30,000	
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छह माह)	939,662		878,793				-			-	60,869			
अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला	194,380	59,411	-			134,969	-			-				
भारतीयविश्वविद्यालय संगठन/ एन.सी.टी.ई. पंजीकरण शुल्क	50,000		-	25,000			-			-			25,000	
शिक्षक दिवस	56,962			15,000					12,013	14,949				15,000
स्वच्छता सप्ताह व्यय	14,169								14,169					
नाट्यशास्त्र व्यय	2,167,559										2,167,559			
रजत जयन्ती उत्सव	866,298									866,298				
संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम/ संकाय विकास व्यय	1,194,153												1,194,153	
कला कार्य व्यय	137,955		-				-	137,955		-				
वेद यज्ञशाला/व्याख्यानमाला	71,000	-			50,000	21,000	-			-				
उत्कर्ष महोत्सव	2,886,580	2,745,296					141,284							
विजिटिंग फैकल्टी	100,000	100,000												
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	-		-							-				
कुलपति पुरस्कार योजना	450,000	450,000												
मूक्स डिजिटलाईजेशन	1,417,700	267,700		200,000	400,000		200,000				200,000		150,000	
योग (के)	**252,095,756**	**48,495,313**	**4,246,767**	**34,167,586**	**25,774,731**	**15,368,268**	**22,982,835**	**12,473,881**	**19,204,105**	**14,276,006**	**18,976,359**	**9,596,904**	**17,200,125**	**9,332,876**

AA page No. 46

भुगतान

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(एल) योजना व्यय														
अखिल भारतीय खास्त्री स्पर्धा	14,466,582		10,010,059	306,465	290,133	186,174	1,068,048	148,528		390,228	543,474	419,564	792,736	311,173
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	25,802,184	25,794,504	-							-	-		7,680	
शास्त्र चूडामणि	1,898,000	1,898,000	-							-				
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-		-							-				
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	7,774,933	7,774,933	-							-				
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	-		-							-				
संस्कृत साहित्य का निर्माण	3,166,556	3,166,556	-							-				
व्यावसायिक प्रशिक्षण	294,000	283,500	-							-				10,500
राष्ट्रपति सम्मान	-		-							-				
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	347,329,901	347,329,901	-							-				
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	77,968,286	77,968,286	-							-				
डेक्कन कॉलेज पुणे	6,500,000	6,500,000	-		-					-				
परंपरागत पाठशाला (स्वैच्छिक संस्कृत संगठन)	180,540,966	180,540,966	-							-				
पूर्वोत्तर राज्य	14,900,191	14,900,191	-							-				
गैर सरकारी संगठन/गैर सरकारी विश्वविद्यालय	156,500	125,000	-					31,500		-				
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	2,028,000	2,028,000	-							-				
सीनियर शिक्षा/उच्च शिक्षा को अनुदान	504,000	504,000	-							-				
सम्मान राशि	6,252,000	6,252,000	-							-				
वशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान	-		-							-				
पंचाग परियोजना	83,226		-							-	83,226			
समायोजन प्रविष्टि (मैस)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पालि एवं प्राकृत	6,660,578	1,422,048	-				2,031,337	3,207,193		-				
राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन	-		-		-					-				
आई.के.एस. परियोजना	3,200,000		-		600,000		1,100,000			-	200,000		500,000	800,000
अन्य परियोजना मुख्यालय	7,800,000	7,800,000	-							-			-	-
ज्योतिष परियोजना	-				-									
सांख्य योग/पंचांग	50,000		-							-	50,000			
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	-		-							-				
अष्टादशी परियोजना	44,266,160	36,259,910		500,000	250,000	625,000	-	1,000,000	1,125,000	1,275,000	2,150,000		300,000	781,250
योग (एल)	**751,642,063**	**720,547,795**	**10,010,059**	**806,465**	**1,140,133**	**811,174**	**4,199,385**	**4,387,221**	**1,125,000**	**1,665,228**	**3,026,700**	**419,564**	**1,600,416**	**1,902,923**
(एम) प्रशासनिक व्यय														
ए) बुनियादी ढांचा														
बिजली एवं पॉवर	19,747,398	3,394,848.00	599,535	1,964,931	1,172,127	1,084,177	2,521,269	2,530,092	877,151	906,661	2,693,515		1,595,211	407,881
जल प्रभार	1,025,750	221,500.00			434,790	4,066	12,642	107,522		3,500	174,361		-	67,369
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	40,652		-			40,652			-		-			-
किराया, दर एवं कर	9,025,159	3,686,856	4,515,543	52,281		18,197		113,182	-	168,000	428,580		42,520	
बी) संचार														
डाक व्यय	1,879,745	1,313,838	24,760	105,932	59,790	60,000	71,961	52,063	37,419	54,619	38,000	6,184	31,240	23,939
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	3,129,104	836,915	144,910	63,809	191,026	113,328	66,965	74,299	415,617	320,886	51,165	15,056	757,332	77,796
सी) अन्य व्यय														
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	4,927,300	3,178,755	65,201	299,267	147,526	84,430	96,697	102,126	93,797	232,217	330,822	42,469	80,338	173,655
यात्रा एवं वाहन व्यय	20,498,468	8,548,488	657,980	975,278	888,644	726,791	2,375,015	430,414	439,081	1,226,859	1,248,057	368,600	1,809,489	803,772
वर्दिया	220,000	90,000	40,000		20,000			40,000	-	30,000			-	
सेवा शुल्क लेखा परीक्षक	822,274	355,420			66,397		177,000	-	22,330	201,127	-			
संपत्ति कर	213,739	213,739	-		-		-	-	-		-			
विज्ञापन एवं प्रचार	1,708,091	1,321,652	54,952	54,129	4,559	45,930	35,030	10,788	15,560	29,866	29,847	24,780	25,389	55,609
संविदा कर्मचारियों का वेतन	11,925,527	9,307,041	-	803,642			105,000		350,000	295,167	350,000		350,000	364,677
आउट सोर्स	54,119,744	19,208,265	4,629,753	3,286,317	6,718,277	757,601	3,297,883	1,524,744		5,799,910		1,420,609	1,348,314	6,128,071
बागवानी व्यय	173,912	52,746	121,166				-							
कर्मचारी कल्याण व्यय	419,302	288,867		70,000	1,327			6,268	-	22,090	-	30,750		
कानूनी व्यय	1,083,511	590,318	-	110,730	140,060	152,000			-	35,250	-	55,153		
विविध भुगतान	8,081,632	2,141,443.00	478,332	1,318,056	579,325	499,234	980,673	208,429	152,813	253,432	816,580	57,799	345,969	249,547
हाउस कीपिंग	21,904,609	1,907,325				3,748,620	4,964,576	2,781,729			6,637,881		1,864,478	
सुरक्षा सेवाएं	19,150,767	1,871,845	-	3,677,216	217,474	4,408,674		3,168,000	5,807,558					
सी.वी.वी.टी. व्यय	-		-		-					-	-		-	
ई-कार्यालय (एन.आई.सी.)	21,113,304	21,113,304												
भर्ती व्यय	3,851,500	3,851,500	-		-					-				
योग (एम)	**205,061,488**	**83,494,665**	**11,332,132**	**12,781,588**	**10,641,322**	**11,743,700**	**14,704,711**	**11,149,656**	**8,211,326**	**9,579,584**	**12,798,808**	**2,021,400**	**8,250,280**	**8,352,316**
(एन) यातायात व्यय														
1. संस्थान के स्वामित्व वाले वाहन	-	-	-		-					-				
ए) रनिंग व्यय	1,086,947	364,742	-							722,205				
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	220,390	23,946	4,550			30,370				161,524				
सी) बीमा व्यय	84,831	12,592	11,586			10,647				50,006				
डी) स्टॉफ कार पैट्रोल/डीजल व्यय	36,500		27,000			9,500				-				
2. किराया वाहन/किराया/पट्टा व्यय	-	-	-		-	-				-				
ए) टैक्सी किराया व्यय	584,697		-		63,492				51,920	14,900				454,385
बी) वाहन किराया व्यय	1,557,819	1,125,042	-	56,900						-			375,877	
3. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	957,648	957,648	-			-				-	-			
योग (एन)	**4,528,832**	**2,483,970**	**43,136**	**56,900**	**63,492**	**50,517**	**-**	**-**	**51,920**	**948,635**	**-**	**-**	**375,877**	**454,385**

AA page No. 47

भुगतान

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(ओ) मरम्मत एवं रखरखाव व्यय														
भूमि एवं भवन	29,986,085	-	4,710,400	900,000	473,384	5,037,900	7,753,327	7,347,557		598,494	3,164,903		120	
सड़क, पुल, ट्यूबवेल एवं पानी आपूर्ति	4,588,153		-	34,632			-	-	-	-	4,553,521			
बिजली एवं उपकरण	980,508		20,030	420,626		140,000		-	42,143	61,040	294,196		2,473	-
यंत्र एवं मशीनरी	868,540	-	-	324,125	100,150	15,777		20,308	33,660	247,561	126,959		-	
फर्नीचर एवं फिक्सर	2,718,541	-	47,604	455,099	45,432	997,183	-	121,641	615,564	24,024	381,344	-	30,650	
कार्यालयीय उपकरण	7,023,750	5,024,431	330,179	260,831	920,797			138,949	205,157	32,989	38,145		6,850	65,422
संगणक एवं बाह्य उपकरण	2,117,356		122,900	199,081	118,720	164,916	374,669	164,531	512,401	-	279,060	148,384	32,694	
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	291,419		-		75,000		-	-	128,187	5,546	82,686		-	
पाण्डुलिपियां	-		-				-	-	-	-	-		-	
श्रव्य दृश्य उपकरण	227,403		-	127,403		100,000	-	-	-	-	-		-	
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाएं	304,422		-		3,680		-	-	300,742	-	-	-	-	
वाहन	-		-				-	-	-		-		-	
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	437,028		27,535	57,500	2,500	30,000	150,382	105,413	22,288	5,281	24,386		11,743	
पुस्तक जिल्दसाजी प्रभार	550		-	550			-			-				-
बागवानी उपकरण	735,578		41,343	62,443	3,940	100,000	50,447		436,806	40,599				
जायदाद रखरखाव	-	-	-				-							
जिम मरम्मत/कम मूल्य सम्पत्तियां	416,495				30,090				386,405					
योग (ओ)	**50,695,828**	**5,024,431**	**5,299,991**	**2,842,290**	**1,773,693**	**6,585,776**	**8,328,825**	**7,898,399**	**2,683,353**	**1,015,534**	**8,945,200**	**148,384**	**84,530**	**65,422**
(पी) वित्तीय लागत														
बैंक प्रभार	203,290	185,877	6,507	17				2,621	620	4,241	200	1,054	2,035	118
अन्य (निर्दिष्ट)	-		-											
योग (पी)	**203,290**	**185,877**	**6,507**	**17**	**-**	**-**	**-**	**2,621**	**620**	**4,241**	**200**	**1,054**	**2,035**	**118**
(क्यू) अन्य विविध व्यय														
विश्वविद्यालय प्रकाशन रकम मुख्यालय को स्थानांतरित की गई	19,297,989		113,729	73,357		182,776	137,568	9,560	57,174	19,925	18,670,069	16,586		17,245
अन्य (निर्दिष्ट) ब्याज मुख्यालय को स्थानांतरित	592,727		131,022			153,412			288,961		19,332			
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (प्रवेश शुल्क)	607,296		-			134,986	175,015	44,625					239,650	13,020
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (परीक्षा शुल्क)	1,016,416			317,900			344,300	245,375				108,841		
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (भारतीय भाषा समिति)	87,026		-	-				-	87,026	-		-		
अन्य (विविध) मुख्यालय को स्थानांतरित रकम	901,861		900,361											1,500
छात्र निधि में स्थानांतरित रकम	2,687,544			1,210,350	1,072,944								404,250	
अन्य परिसरों को स्थानांतरित रकम	4,311,726	4,000,000		16,848	-		294,878			-			-	
अन्य (निर्दिष्ट) कौमुदी महोत्सव में प्रतिभागी छात्रों को स्थानांतरित रकम	429,650	-		130,000		299,650		-	-	-		-		-
आतंरिक संसाधन से आउटसोर्सिंग व्यय	750,000				750,000						-			
अक्षय निधि से स्थानांतरित रकम	30,000,000	30,000,000	-		-				-					
योग (क्यू)	**60,682,235**	**34,000,000**	**1,145,112**	**1,748,455**	**1,822,944**	**770,824**	**951,761**	**299,560**	**433,161**	**19,925**	**18,689,401**	**125,427**	**643,900**	**31,765**
(आर) निवेश - वर्तमान एफ.वाई.														
अनुसूची बैंक (सावधि जमा) छात्र निधि	42,768,770	-	-	16,647,108	-	7,071,328	-		6,932,858	-	7,500,000	1,417,476	3,200,000	
अनुसूची बैंक एस.बी.आइ. (सावधि जमा)	224,279,024	224,279,024	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अनुसूची बैंक पेंशन निधि (सावधि जमा)	30,000,000	30,000,000												
अन्य बैंक - एच.डी.एफ.सी (सावधि जमा)	107,637,529	107,637,529	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अक्षय निधि सावधि जमा खरीद	880,786	-	-	-	-	144,949	-		705,000	30,837	-	-	-	-
योग (आर)	**405,566,109**	**361,916,553**	**-**	**16,647,108**	**-**	**7,216,277**	**-**	**-**	**7,637,858**	**30,837**	**7,500,000**	**1,417,476**	**3,200,000**	**-**
(एस) बकाया जमा का भुगतान														
पूंजीगत खाता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बी.एच.पी./इण्डेन गैस	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बयाना राशि	699,500	25,000	-	12,500	-	12,000	-	250,000		200,000	200,000	-		-
दूरभाष विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पट्टा किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
विद्युत विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट) देनदारियां	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (एस)	**699,500**	**25,000**	**-**	**12,500**	**-**	**12,000**	**-**	**250,000**	**-**	**200,000**	**200,000**	**-**	**-**	**-**
(टी) कर्मचारी अग्रिम														
आकस्मिक अग्रिम	21,760,550	1,775,700	1,822,047	3,496,409	1,809,020	3,848,250	100,000	2,711,500	404,500	1,306,900	3,251,200		792,524	442,500
एल.टी.सी. अग्रिम	280,496	-	-	-	252,496	-	-	-	-	-	-	-	28,000	-
टी.ए. अग्रिम	1,169,900		3,900	570,000	123,000	49,000		-	25,000	-	99,000	-	200,000	100,000
वाहन अग्रिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चिकित्सा अग्रिम	34,355	34,355	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
डाक खर्च अग्रिम	68,000	-	28,000			-		25,000	-	10,000		-	3,000	2,000
कार ऋण	1,800		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1,800	-
मोटर साईकिल ऋण	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-
एच.बी.ए. ऋण	-		-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-
त्योहार एवं अन्य अग्रिम	-													
अन्य परिसरों का प्रेषण/मुख्यालय	16,424	-	-		-	8,000	-		-	-	8,424	-	-	-
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-	-		-	-	-	-	-		-	-	-	-
संगणक ऋण	250,000	200,000	50,000		-	-	-	-	-	-		-	-	-
योग (टी)	**23,581,525**	**2,010,055**	**1,903,947**	**4,066,409**	**2,184,516**	**3,905,250**	**100,000**	**2,736,500**	**429,500**	**1,316,900**	**3,358,624**	**-**	**1,025,324**	**544,500**
(यू) छात्र निधि भुगतान														
छात्र निधि में स्थानांतरित राशि	35,613,497			4,967,101	2,557,154	2,090,476	7,468,813	3,868,794	5,100,076	1,755,408	3,810,288	726,267	2,685,206	583,914
योग (यू)	**35,613,497**	**-**	**-**	**4,967,101**	**2,557,154**	**2,090,476**	**7,468,813**	**3,868,794**	**5,100,076**	**1,755,408**	**3,810,288**	**726,267**	**2,685,206**	**583,914**

AA page No. 48

भुगतान

विवरण		मुख्यालय	प्रयागराज	पुरी	जम्मू	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	वेद व्यास	भोपाल	मुम्बई	एकलव्य	देवप्रयाग
(वी) वैधानिक देनदारियों का भुगतान														
आयकर का भुगतान	166,870,021	56,815,603.00	5,486,211	18,628,800	4,876,965	10,668,672	18,926,702	12,115,883	11,373,098	4,573,286	11,059,491	4,706,649	4,952,140	2,686,521
जी.पी.एफ. का भुगतान	60,691,540	25,131,325.00	1,582,025	8,592,800	2,417,635	2,340,580	6,180,900	6,490,600	1,216,650	1,606,000	1,816,700	920,000	1,539,770	856,555
एन.पी.एस. का भुगतान	42,384,113	13,399,239	1,448,696	3,843,153	1,040,114	2,546,237	2,994,537	2,125,905	3,681,283	1,690,373	3,377,534	1,244,994	4,159,680	832,368
जी.आई.एस. बचत का भुगतान	610,500	168,430	24,206	40,199	41,402	45,900	73,405	24,312	42,960	34,860	62,160	19,440	17,926	15,300
जी.आई.एस. बीमा का भुगतान	456,535	380,066	-	38,521	-			20,294	-		-	-	17,654	
अन्य परिसरों की देनदारी	-				-	-				-	-	-		
जीवन बीमा निगम का भुगतान	1,379,667	671,493	-	237,545		282,758	160,167	24,072						3,632
पूर्व वर्षों के वेतन के लिए अन्य भुगतान	82,299,216	10,955,554	2,281,097	12,496,399	5,466,444	7,929,045	11,394,772	7,970,889	6,629,626	3,488,565	5,966,725	2,543,833	3,478,826	1,697,441
टी.डी.एस. का भुगतान	4,223,507	3,206,898	-	-	123,244	261,909		135,258	245,893	120,253				130,052
जी.एस.टी. का भुगतान	403,644	-	-	-	-		246,842			-	156,802	-		
पेशेवर करों का भुगतान	941,792	156,605		202,900		121,160			134,600		160,819	58,400	107,308	
अन्य परिसरों को स्थानांतरण/ अन्य खाते/निधियां	2,881,602	-	8,424	81,000	1,184,774	-		1,599,004	-	-			-	8,400
अन्य परिसरों को स्थानांतरण/ अन्य खाते/निधियां	3,913,103				871,300		1,334,703			1,067,050		105,000	129,200	405,850
यातायात व्यय (मध्यप्रदेश सरकार)	1,014,546		-	-	-		-	-	-	-	1,014,546		-	-
मंत्रालय को भुगतान – जमा राशि पर अर्जित ब्याज	-									-		-		
योग (वी)	**368,069,786**	**110,885,213**	**10,830,659**	**44,161,317**	**16,021,878**	**24,196,261**	**41,312,028**	**30,506,217**	**23,324,110**	**12,580,387**	**23,614,777**	**9,598,316**	**14,402,504**	**6,636,119**
(डब्ल्यू) बैंक में अन्तरिम शेष एवं बैंक खाते खाते														
हाथ में रोकड	181,690	-	86,124	-	-	-	58,869	15,107	9,064			12,526		
हाथ में रोकड (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	-		-		-	-	-		-	-	-	-	-	-
हाथ में रोकड (छात्र निधि)	207,788			2,206			15,467	34,990	671		146,089	4,021	4,344	
बैंक में शेष	-													
अनूसूची बैंक बचत (मुख्य)	134,152,713	112,011,969	1,041,635	1,141,472	2,221,399	3,317,458	3,482,312	3,469,294	3,011,830	936,398	1,361,818	734,514	341,520	1,081,094
बचत खाते (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	13,997,360	13,997,360	-		-	-	-		-	-	-	-	-	-
आर.बी.आई. खाता	-		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू खाता	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (एच.डी.एफ.सी. बैंक)	5,281,530	5,281,530	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बचत खाता (परियोजना निधि)	23,205,293	8,927,388	600,000	500,829	1,389,719	625,000	1,300,000	1,282,747	1,602,000	1,275,000	3,171,190	-	950,288	1,581,132
बचत खाता (पैंशन)	14,132,468	14,132,468					-							
बचत खाता (छात्र निधि)	40,627,121	-		470,631	4,258,083	322,039	7,114,745	5,642,394	647,005	4,861,551	12,993,741	1,368,523	1,604,786	1,343,623
बचत खाता (छात्र निधि सुरक्षा)	-	-		-	-	-	-	-	-		-	-	-	-
योग (डब्ल्यू)	**231,785,963**	**154,350,715**	**1,727,759**	**2,115,138**	**7,869,201**	**4,264,497**	**11,971,393**	**10,444,532**	**5,270,570**	**7,072,949**	**17,672,838**	**2,119,584**	**2,900,938**	**4,005,849**
बैंक में अन्तरिम शेष एवं कुल भुगतान	**6,163,074,499**	**3,848,991,345**	**104,328,091**	**272,212,967**	**128,202,416**	**178,098,501**	**311,731,604**	**170,307,212**	**226,274,671**	**156,664,084**	**200,959,805**	**53,089,048**	**225,958,452**	**286,256,303**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2023 को निर्धारित सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन-पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियाँ	चालू वर्ष 31.03.2023		पूर्व वर्ष 31.03.2022	
पिछले वर्ष तक आरक्षित और अधिशेष	6,827,841.00		15,873,677.00	
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	(8,284,862.00)		(9,045,836.00)	
पिछले वर्ष के दौरान सा.भ.नि. पर ब्याज से हानि परिसरों में मुख्यालय द्वारा स्थानांतरित रकम	-		-	
पिछले वर्ष के दौरान अतिरिक्त/कम राशि का हिसाब नहीं	-		-	
रिजर्व और अतिरिक्त का चालू शेष राशि		(1,457,021.00)		6,827,841.00
सामान्य भविष्य निधि				
प्राविडेंट फंड सदस्य योगदान	-		-	
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	474,792,111.00	-	466,669,348.00	
सा.भ.नि. अंशदान की लेखा परीक्षा के अनुसार पिछले वर्ष के खाते	45,000.00	-	-	
पिछले वर्ष की के तुलन पत्र से आरंभिक राशि का बकाया अब ठीक हो गया है	(1,427,952.00)		-	
जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए स्वैच्छिक पी.एफ. योगदान	54,238,448.00		72,362,017.00	
जोड़ें : अन्य परिसरों से स्थानांतरण पर प्राप्त योगदान और ब्याज	94,184,276.00		18,241,171.00	
जोड़ें : वर्ष के दौरान बकाया सा.भ.नि. शेष राशि पर ब्याज	31,435,723.00		31,831,326.00	
घटा : अन्य परिसरों के लिए स्थानांतरण	(96,561,348.00)		(25,345,978.00)	
घटा : गैर वापसी योग्य निकासी	(22,846,000.00)		(22,299,000.00)	
घटा : अंतिम भुगतान	(79,925,364.00)		(66,666,773.00)	
जोड़ें-घटा : अन्य परिसरों में कर्मचारियों का बाहर से तबादला/ स्थानान्तरण में ऋण/अग्रिमों का अंतर	(2,490,259.00)		-	
कोर्ट मामले के निबटारे पर श्री बी.के. सिंह को दी गई राशि	-	451,444,635.00	-	474,792,111.00
सी.पी.एफ.				
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	-		-	
जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया अंशदान	-		-	
जोड़ें : वर्ष के दौरान ब्याज	-		-	
घटा : सी.पी.एफ. राशि को मुख्यालय में स्थानांतरण पर बैंक प्रभार	-		-	
घटा : मुख्यालय के सी.पी.एफ. खाते को मुंबई परिसर द्वारा बंद करने पर	-		-	-
		-		-
जयपुर परिसर द्वारा मुख्यालय को हस्तांतरित किया गया अतिरिक्त स्थानांतरण	-		-	
		-		-
इलाहाबाद परिसर द्वारा पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि का अन्तिम शेष	-		-	
		-		-
		-		-
31 मार्च 2022 को देनदारियाँ		-		-
		449,987,614.00		**481,619,952.00**

सम्पत्तियाँ	चालू वर्ष 31.03.2023		पूर्व वर्ष 31.03.2022	
निवेश				
केन्द्र सरकार प्रतिभूतियाँ	-		-	
राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-		-	
सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-		-	
सावधि जमा	191,124,254.00	191,124,254.00	392,494,240.00	392,494,240.00
31.3.2021 को अर्जित ब्याज पर देय नहीं	7,636,504.00	7,636,504.00	10,730,508.00	10,730,508.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम				
पिछले वर्ष तक बकाया अग्रिम	13,773,403.00		11,688,952.00	
जोड़ें-घटा : पिछले वर्ष के ऋण का अग्रिम शेष/ अग्रिम किए गए कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानांतरण	(2,244,475.00)	-	-	
लखनऊ परिसर को गलती से दी गई राशि की वापसी	(23,912.00)		-	
जमा : सदस्यों को दी गई अग्रिम राशि	11,953,794.00		10,482,778.00	
घटा : वर्ष की समाप्ति के पश्चात् अग्रिम देय राशि की समायोजित वसूली	(11,048,300.00)	12,410,510.00	(8,398,327.00)	13,773,403.00
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि				
जोड़ें : वर्ष के लिए योगदान	-		-	
घटा : वर्ष के समायोजन के दौरान प्राप्त राशि	(1,302,952.00)		-	
सस्पेंस खाता - अतिरिक्त सा.भ.नि. राशि अन्य परिसर/कर्मचारी हस्तांतरित की गई, वापिस मुंबई परिसर में	635,435.00	(1,302,952.00)	427,000.00	-
जयपुर परिसर ने मुख्यालय से वसूल किया	-		-	
एकलव्य परिसर ने भोपाल एवं लखनऊपरिसर से	-	635,435.00	2,641.00	429,641.00
हाथ में रोकड़ एवं बैंक में जमा				
अनुसूची और राष्ट्रीयकृत बैंकों में सा.भ.नि. के साथ	239,483,863.00		64,192,160.00	
बैंक में रोकड़ - सी.पी.एफ. खाता	-	239,483,863.00	-	**64,192,160.00**
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	-	-	-	
		449,987,614.00		**481,619,952.00**

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०
सहायक निदेशक (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय और व्यय स्थिति

(राशि ₹ में)

व्यय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2023	पूर्व वर्ष 31.03.2022	आय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2023	पूर्व वर्ष 31.03.2022
सदस्यों को ब्याज देने के लिए			बैंक बचत खाते पर ब्याज	1,835,684.00	1,093,973.00
कर्मचारी योगदान पर	31,435,723.00	31,831,326.00	**निवेश पर ब्याज**		
			केन्द्रीय सरकार प्रतिभूति	-	-
बैंक प्रभार	71.00	1,385.00	राज्य सरकार प्रतिभूति	-	-
प्रतिभूति के मूल्यांकन पर हानि	-	-	भारत सरकार विशेष जमा	-	-
अधिक ब्याज के उलट के दौरान व्यापक वर्ष के लिए जिम्मेदार हैं	-	-	सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-	-
			सावधि जमा	13,538,728.00	10,962,394.00
व्यय से अधिक आय रिजर्व फंड में हस्तांतरित	-	-	31.3.2023 को दिया गया ब्याज	7,636,504.00	10,730,508.00
			अन्य आय	140,016.00	-
			निवेश पर आय	-	-
			रिजर्व फंड में स्थानांतरित आय से अधिक व्यय	8,284,862.00	9,045,836.00
	31,435,794.00	**31,832,711.00**		**31,435,794.00**	**31,832,711.00**

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

हo सहायक निदेशक (वित्त)	हo उप निदेशक (वित्त)	हo वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2022-23 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	64,192,160.00	62,781,624.00	1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	79,925,364.00	66,666,773.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	54,238,448.00	72,362,017.00	2	अन्तिम भुगतान (बिना वापसी योग्य)	22,846,000.00	22,299,000.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	11,048,300.00	8,398,327.00	3	सा.भ.नि. अग्रिम	11,953,794.00	10,482,778.00
4	सावधि जमा परिपक्वता	391,941,361.00	263,570,550.00	5	सावधि जमा की खरीद	190,115,846.00	257,910,638.00
5	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	23,330,403.00	20,656,843.00	6	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	96,561,348.00	25,345,978.00
6	बचत खाता पर ब्याज	1,835,684.00	1,093,973.00	7	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण	-	-
7	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	94,184,276.00	18,241,171.00	8	अभिदाता को दिया गया ब्याज (वापसी)	-	223,194.00
8	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	-	-		बैंक संग्रह प्रभार	71.00	1,385.00
9	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	-	-		**नगद शेष**	-	-
10	पूर्व वर्ष त्रुटियां	115,654.00	17,401.00		बैंक में रोकड़	-	-
11	सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज का स्थानान्तरण	-	-		बैंक में शेष	239,483,863.00	64,192,160.00
	कुल योग	**640,886,286.00**	**447,121,906.00**		**कुल योग**	**640,886,286.00**	**447,121,906.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०
सहायक निदेशक (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

AA page No. 52

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2022-23 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का विस्तृत लेखा विवरण

प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

क्र.	लेखा शीर्ष	कुल योग	मुख्यालय	इलाहाबाद	भोपाल	देवप्रयाग	एकलव्य	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	पुरी	शृंगेरी
1	आदि शेष	**64,192,160.00**	6,527,159.00	74,125.00	17,431,367.00	1,799,342.00	26,409,201.00	3,701,998.00	1,217,073.00	1,088,752.00	418,072.00	3,501,748.00	1,216,718.00	780,033.00	26,572.00
2	सा.भ.नि. सदस्यता	**54,238,448.00**	22,102,912.00	1,294,000.00	1,486,000.00	764,000.00	1,400,000.00	1,396,000.00	1,652,000.00	4,412,500.00	3,875,322.00	5,928,000.00	920,000.00	6,902,000.00	2,105,714.00
3	सा.भ.नि. की अग्रिम वसूली	**11,048,300.00**	4,224,380.00	288,025.00	713,600.00	92,555.00	-	210,000.00	688,580.00	1,868,400.00	554,610.00	563,100.00	-	1,690,800.00	154,250.00
5	सा.भ.नि. परिपक्वता	**391,941,361.00**	-	10,595,158.00	12,500,000.00	5,500,000.00	-	9,427,776.00	45,606,978.00	163,596,489	26,849,171.00	63,909,056.00	7,846,013.00	28,296,502	17,814,218.00
6	सा.भ.नि. परिपक्वता ब्याज	**23,330,403.00**	6,669,400.00	319,516.00	451,310.00	234,853.00	-	644,337.00	1,885,431.00	4,422,903	956,227.00	6,254,802.00	440,645.00	575,212	475,767.00
7	बचत खाता ब्याज	**1,835,684.00**	588,726.00	30,779.00	273,630.00	12,146.00	239,856.00	26,868.00	54,200.00	182,043	34,779.00	124,061.00	146,193.00	95,489	26,914.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	**94,184,276.00**	24,144,395.00	8,040,811.00	3,803,992.00	9,233,564.00	6,782,340.00	1,904,031.00	12,119,047.00	7,921,858.00	78,352.00	8,892,686.00	3,448,145.00	7,815,055.00	-
9	विश्वविद्यालय का योगदान में हिस्सा	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	सा.भ.नि. ब्याज मुख्या. में स्थानान्तरण	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	पूर्व वर्ष की त्रुटियाँ	**115,654.00**	-	-	-	82,287.00	-	-	-	-	-	33,367.00	-	-	-
12	सा.भ.नि. पर पूर्व वर्ष ब्याज स्थानांतर	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	योग	**640,886,286.00**	**64,256,972.00**	**20,642,414.00**	**36,659,899.00**	**17,718,747.00**	**34,831,397.00**	**17,311,010.00**	**63,223,309.00**	**183,492,945.00**	**32,766,533.00**	**89,206,820.00**	**14,017,714.00**	**46,155,091.00**	**20,603,435.00**
देनदारियाँ															
1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	**79,925,364.00**	4,437,476.00	1,454,794.00	-	9,373,851.00	-	-	4,780,254.00	27,172,719.00	4,651,058.00	2,239,479.00	-	25,815,733.00	-
2	अन्तिम भुगतान (वापसी योग्य नहीं)	**22,846,000.00**	5,135,000.00	386,000.00	-	184,000.00	-	-	400,000.00	9,341,000.00	-	3,450,000.00	-	3,100,000.00	850,000.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम	**11,953,794.00**	160,000.00	350,000.00	2,000,000.00	152,700.00	-	200,000.00	609,685.00	4,878,000.00	1,410,809.00	410,000.00	-	1,750,100.00	32,500.00
5	सा.भ.नि. की खरीद	**190,115,846.00**	32,649,173.00	17,668,315.00	12,500,000.00	-	5,700,000.00	-	29,717,861.00	81,749,503.00	-	-	8,225,433.00	-	1,905,561.00
5	अन्य परिसरों को राशि का हस्तांतरण	**96,561,348.00**	6,252,946.00	547,072.00	-	7,082,060.00	29,017,300.00	4,995,560.00	1,043,314.00	7,735,051.00	389,624.00	19,457,516.00	-	10,564,835.00	9,476,070.00
6	सा.भ.नि. ब्याज का मुख्य खाते में हस्तांतरण	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7	अतिरिक्त राशि की वापसी	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8	बैंक संग्रह प्रभार	**71.00**	-	-	-	-	-	71.00	-	-	-	-	-	-	-
9	**शेष राशि**	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10	हाथ में रोकड़	**-**	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
11	बैंक में राशि	**239,483,863.00**	15,622,377.00	236,233.00	22,159,899.00	926,136.00	114,097.00	12,115,379.00	26,672,195.00	52,616,672.00	26,315,042.00	63,649,825.00	5,792,281.00	4,924,423.00	8,339,304.00
	योग	**640,886,286.00**	**64,256,972.00**	**20,642,414.00**	**36,659,899.00**	**17,718,747.00**	**34,831,397.00**	**17,311,010.00**	**63,223,309.00**	**183,492,945.00**	**32,766,533.00**	**89,206,820.00**	**14,017,714.00**	**46,155,091.00**	**20,603,435.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०	ह०	ह०
सहायक निदेशक (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2022-23 की सामान्य भविष्य निधि का विस्तृत लेखा विवरण

(राशि ₹ में)

कार्यालय नाम	आदि शेष	सा.भ.नि. योगदान	अतिरिक्त वी.पी.एफ. योगदान	निकासी/ऋण की वापसी	चालू वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	अंतिम वापसी गैर-वापसी योग्य	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरित किया गया	अंतिम निबटान भुगतान	31.3.2023 को अंतिम शेष राशि
मुख्यालय	79,377,433	22,102,912	23,786,994	4,224,380	160,000	5,135,000	357,401	7,196,193	6,252,946	4,437,476	**121,059,891**
इलाहाबाद परिसर	3,491,040	1,294,000	7,900,925	288,025	350,000	386,000	139,886	372,766	547,072	1,454,794	**10,748,776**
भोपाल परिसर	18,424,132	1,486,000	3,702,812	713,600	2,000,000	-	101,180	1,473,975	-	-	**23,901,699**
देवप्रयाग परिसर	7,984,787	764,000	9,007,889	92,555	152,700	184,000	225,675	444,829	7,082,060	9,373,851	**1,727,124**
एकलव्य परिसर	28,266,804	1,400,000	6,782,340	-	-	-	-	861,015	29,017,300	-	**8,292,859**
गरली परिसर	14,106,642	1,396,000	1,852,953	210,000	200,000	-	51,078	942,488	4,995,560	-	**13,363,601**
गुरुवायूर परिसर	17,977,569	1,652,000	11,717,614	688,580	609,685	400,000	401,433	1,421,829	1,043,314	4,780,254	**27,025,772**
जयपुर परिसर	83,237,857	4,412,500	7,921,858	1,868,400	4,878,000	9,341,000	-	5,705,799	7,735,051	27,172,719	**54,019,644**
जम्मू परिसर	21,983,371	3,875,322	-	554,610	1,410,809	-	78,352	1,332,010	389,624	4,651,058	**21,372,174**
लखनऊ परिसर	71,739,999	5,928,000	8,738,175	563,100	410,000	3,450,000	154,511	4,799,819	19,457,516	2,239,479	**66,366,609**
मुम्बई परिसर	9,000,665	920,000	3,371,894	-	-	-	76,251	840,187	-	-	**14,208,997**
पुरी परिसर	89,114,700	6,902,000	7,815,055	1,690,800	1,750,100	3,100,000	-	5,408,638	10,564,835	25,815,733	**69,700,525**
शृंगेरी परिसर	16,313,707	2,105,714	-	154,250	32,500	850,000	-	636,175	9,476,070	-	**8,851,276**
कुल योग	**461,018,706**	**54,238,448**	**92,598,509**	**11,048,300**	**11,953,794**	**22,846,000**	**1,585,767**	**31,435,723**	**96,561,348**	**79,925,364**	**440,638,947**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2022-23 को एन.पी.एस. का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**कैपिटल निधि**			1.	**सावधि जमा**		
i)	आदि शेष	234878.00	225265.00	i)	वर्तमान परिसम्पत्तियां	-	
ii)	जोड़ा-अंशदान+योगदान+अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अन्य प्राप्तियां	102040917.00	63392453.00	2	बैंक में रोकड़	428819.00	234878.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष त्रुटियां		0.00	3			
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को राशि का स्थानान्तरण (-)	101863515.00	63392373.00				
v)	घटाया - पूर्व अवधि समायोजन		0.00				
vi)	घटाया - 31.03.2023 को देनदारियां		0.00				
viii)	आय से अधिक व्यय	16539.00	9533.00				
	कुल योग	**428,819.00**	**234878.00**		कुल योग	**428,819.00**	**234878.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०	ह०	ह०
सहायक निदेशक (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2022-23 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि
1	मुख्य खाते में समायोजित ब्याज	0.00	0.00		**अर्जित ब्याज**		
2	बैंक संग्रह प्रभार	883.00	525.00	1	सा.भ.नि. पर ब्याज	0.00	0.00
3	अंशदायी को अधिक रकम की वापसी	0.00	0.00	2	बचत खाते पर ब्याज	17422.00	10058.00
	कुल योग - बी	**883.00**	**525.00**				
	आय से अधिक व्यय	**16539.00**	**9533.00**				
	कुल योग	**17422.00**	**9533.00**		कुल योग	**17422.00**	**10058.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०	ह०	ह०
सहायक निदेशक (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

AA page No. 56

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2022-23 का नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**			1	सावधि जमा क्रय	0.00	0.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	0.00
i)	आदि शेष	234878.00	225265.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	42928226.00	26750474.00	4	बैंक प्रभार	883.00	525.00
iii)	विश्वविद्यालय का योगदान	58544973.00	36641979.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	17422.00	10058.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	21133.00	0.00	8	मुख्य खाते में अतिरिक्त राशि स्थानांतरण	0.00	0
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	546585.00	0.00	9	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	101863515.00	63392373.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	0.00	0.00	10	**बैंक में शेष**	428819.00	234878.00
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	0.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	अन्य प्राप्तियाँ	0.00					
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
	कुल योग	**102293217.00**	**63627776.00**		**कुल योग**	**102293217.00**	**63627776.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 21 जून, 2023

ह०	ह०	ह०
सहायक निदेशक (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2022-23 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	देवप्रयाग	योग
i)	आदि शेष	39251.00	91480.00	86443.00	0.00	8393.00	0.00	0.00	0.00	9311.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**234878.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	13653496.00	3843153.00	1040114.00	1448696.00	2545317.00	4251721.00	2125905.00	3613095.00	3681283.00	1690373.00	2957711.00	1244994.00	832368.00	**42928226.00**
iii)	विश्वविद्यालय/परिसर का अंशदान	19113143.00	5192043.00	1757675.00	1997612.00	3913478.00	5566999.00	2666914.00	4742058.00	4970369.00	1978737.00	4019798.00	1602222.00	1023925.00	**58544973.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज														**0.00**
v)	पूर्व शेष												21133.00		**21133.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	7449.00	6268.00	0.00	0.00	1956.00	0.00	0.00	0.00	1749.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**17422.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि								546585.00						**546585.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व														**0.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज														**0.00**
ix)	ब्याज का अन्तर														**0.00**
x)	अन्य प्राप्तियाँ														**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि														**0.00**
	कुल योग	**32813339.00**	**9132944.00**	**2884232.00**	**3446308.00**	**6469144.00**	**9818720.00**	**4792819.00**	**8901738.00**	**8662712.00**	**3669110.00**	**6977509.00**	**2868349.00**	**1856293.00**	**102293217.00**
	भुगतान														
i)	सावधि जमा क्रय														**0.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि														**0.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज														**0.00**
iv)	बैंक प्रभार	883.00								0.00					**883.00**
v)	अन्तिम भुगतान														**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W														**0.00**
vii)	मुख्य खाते में अधिक राशि की वापसी														**0.00**
viii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी														**0.00**
ix)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	32610370.00	9035196.00	2797789.00	3446308.00	6458795.00	9818720.00	4792819.00	8901738.00	8651652.00	3669110.00	6977509.00	2847216.00	1856293.00	**101863515.00**
	बैंक में शेष	202086.00	97748.00	86443.00	0.00	10349.00	0.00	0.00	**0.00**	11060.00	0.00	0.00	21133.00	0.00	**428819.00**
	कुल योग	**32813339.00**	**9132944.00**	**2884232.00**	**3446308.00**	**6469144.00**	**9818720.00**	**4792819.00**	**8901738.00**	**8662712.00**	**3669110.00**	**6977509.00**	**2868349.00**	**1856293.00**	**102293217.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए भारत के लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन-

हमने नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक की धारा 19(2) के तहत केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), नई दिल्ली की 31 मार्च 2023 की संलग्न बैलेंस शीट, उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाते का ऑडिट किया है। सामान्य (कर्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 की धारा 32 (1) के साथ पढ़ा जाता है। वित्तीय विवरण सीएसयू प्रबंधन की जिम्मेदारी हैं। वित्तीय विवरणों में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय और 12 परिसरों के खाते शामिल हैं। इनमें से चार इकाइयों के खातों का ऑडिट किया गया और रिपोर्ट के लिए विचार किया गया। हमारी जिम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना है।

2. इस अलग ऑडिट रिपोर्ट में केवल सर्वोत्तम लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि के साथ वर्गीकरण अनुरूपता के संबंध में लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ शामिल हैं। वित्तीय लेनदेन पर ऑडिट टिप्पणियाँ कानून, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियमितता) के अनुपालन और दक्षता-सह-प्रदर्शन पहलुओं आदि के संबंध में, यदि कोई हो, निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से अलग से रिपोर्ट की जाती है।

3. हमने अपना ऑडिट भारत में आम तौर पर स्वीकृत ऑडिटिंग मानकों के अनुसार किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए ऑडिट की योजना बनाएं और निष्पादित करें कि वित्तीय विवरण भौतिक गलतबयानी से मुक्त हैं या नहीं। ऑडिट में परीक्षण के आधार पर जांच करना, राशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण शामिल होता है। ऑडिट में उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारा ऑडिट हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करता है।

4. हमारे ऑडिट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i) हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए आवश्यक थे।

ii) इस रिपोर्ट से संबंधित बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाता शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आदेश संख्या 29-4/2012-एफडी दिनांक द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किया गया है। 17 अप्रैल 2015।

iii) हमारी राय में, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा खातों की उचित पुस्तकें और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड बनाए रखे गए हैं, जहां तक ऐसी पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है।

iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि:

**क.	आय और व्यय**

**क.1	व्यय**

**क.1.1	प्रशासनिक और सामान्य व्यय (अनुसूची 17) 19.31 करोड़ रुपये**

उपरोक्त में रुपये का ई-ऑफिस एन.आई.सी.एस.आई. व्यय शामिल है। जो कि 211.13 लाख था और मार्च 2023 में आठ महीने से लेकर 60 महीने तक की अवधि के लिए अग्रिम भुगतान किया गया था। अत: वर्ष 2022-23 के लिए वास्तविक भुगतान रु. 3.27 लाख और शेष रु. 169.62 लाख को ऋण और अग्रिम में दर्शाया जाना चाहिए था। इसके परिणामस्वरूप ऋण, अग्रिम और जमा को कम बताया गया तथा व्यय को रु. 169.62 लाख. अधिक बताया गया।

**ख.	सामान्य**

लेखापरीक्षा को प्रदान की गई जानकारी के अनुसार फ्रीहोल्ड भूमि और लीजहोल्ड भूमि का मूल्य 1.18 करोड़ रु. जबकि खातों में फ्रीहोल्ड भूमि और लीजहोल्ड भूमि का मूल्य क्रमश: 18.97 लाख रुपये दिखाया गया है। 35.95 लाख रु. क्रमश: 51.70 लाख रुपये का अंतर फ्रीहोल्ड भूमि का मूल्य 82.05 लाख एवं (-) रु. पट्टाधारी भूमि के मूल्य में 32.73 लाख का मिलान नहीं किया गया और लेखापरीक्षा को स्पष्ट नहीं किया गया।

इसके अलावा, महत्वपूर्ण लेखांकन नीति (अनुसूची 23) के खंड 3.8 के उल्लंघन में, विश्वविद्यालय की पट्टे की भूमि का वर्ष के दौरान परिशोधन नहीं किया गया है।

**ग.	सहायता अनुदान**

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को वर्ष 2022-23 के दौरान 324.43 करोड़ रुपये (गैर-एनईआर: 301.99 करोड़ रुपये और एनईआर: 22.44 करोड़ रुपये) की अनुदान सहायता प्राप्त हुई और इसका प्रारंभिक शेष रुपये था। 0.60 करोड़ (गैर-एनईआर: 0.06 करोड़ और एनईआर: 0.54 करोड़ रुपये)। कुल निधि में से रु. 325.03 करोड़ (गैर-एनईआर: रु. 302. 05 और एनईआर: रु. 22.98 करोड़), रु. 0.0983 करोड़ व्यपगत हो गए थे (गैर-एनईआर: रु. 0.0982 करोड़ और एनईआर: रु. 0.0001 करोड़) और विश्वविद्यालय ने रु. का उपयोग किया था। 324.07 करोड़ (गैर-एनईआर रु. 301.19 करोड़ और एनईआर: रु. 22.88 करोड़) और शेष रु. 31 मार्च 2023 को 0.86 करोड़ (गैर-एनईआर: रु. 0.86 करोड़ और एनईआर: रु. शून्य)।

**घ.	प्रबंधन पत्र**

जिन कमियों को ऑडिट रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से कुलपति, के.सं.वि. के ध्यान में लाया गया है।

v)	पिछले पैराग्राफ में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल बैलेंस शीट, आय और व्यय खाता और प्राप्तियां और भुगतान खाता खातों की किताबों के अनुरूप हैं।

vi)	हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और खातों पर नोट्स के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों और अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन होते हैं। इस ऑडिट रिपोर्ट को भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा और निष्पक्ष दृष्टिकोण दें;

अ.	एक। जहां तक यह 31 मार्च 2023 तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) के मामलों की बैलेंस शीट से संबंधित है; और

ब.	और जहां तक यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के घाटे के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए और उनकी ओर से

स्थान: नई दिल्ली — **महानिदेशक, लेखा परीक्षा**

दिनांक : 05.09.2023 — **(केन्द्रीय व्यय)**

प्रतिवेदन के लिए अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- एल परिसरों का आंतरिक ऑडिट के.सं.वि. मुख्यालय के वित्त और लेखा विभाग द्वारा और सलाहकारों को नियुक्त करके किया जा रहा है। वर्ष के दौरान 13 नियोजित इकाइयों में से केवल 7 का ऑडिट किया गया।
- एल के.सं.वि. मुख्यालय का आंतरिक ऑडिट मंत्रालय द्वारा नहीं किया गया था।
- एल कोई आंतरिक लेखापरीक्षा मैनुअल नहीं है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

- एल लेखापरीक्षा द्वारा देखे गए क्षेत्रों में के.सं.वि. की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली पर्याप्त है।

3. संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था

- एल के.सं.वि. मुख्यालय की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन। 31.3.2022 तक आयोजित किया गया है।
- एल के.सं.वि. मुख्यालय की लाइब्रेरी पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2019-20 तक किया गया है।

4. सूची के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था

- के.सं.वि. मुख्यालय की स्टेशनरी और उपभोग्य सामग्रियों जैसी सूची का भौतिक सत्यापन 31.03.2022 तक किया जा चुका है।

5. बकाया भुगतान में नियमितता

- खातों के अनुसार, 31.03.2023 तक वैधानिक बकाया के संबंध में छह महीने से अधिक का कोई भुगतान बकाया नहीं था।

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'